

Issue No. 27

36 Only

July Sept
1984प्रतीक्षा
प्रतीक्षा

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

155165

84

No. 27 ₹ 30 Only

सं० २७] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई ७, १९८४ (आषाढ़ १६, १९०६) ^{haz 215165}
No. २७] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 7, १९८४ (ASADHA १६, १९०६) ^{only}

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अल्प संलग्न के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—संख्या १

[PART III—SECTION 1]

न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—११००११, दिनांक २५ मई १९८४

सं० ए०-१२०३४/२/८३—प्रशासन-II—इस कार्यालय की समसंदर्भक अधिसूचना दिनांक २३ जनवरी १९८४ के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषा) श्री वी० आर० मणि को १३-४-१९८४ से १२-१०-१९८४ तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर श्री वी० आर० मणि की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और उन्हें वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियमित नियुक्त अथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक ३० मई १९८४

सं० ए०-३२०१४/१/८४—प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के निम्नलिखित वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्ट० से० के ग्रेड 'ब') को राष्ट्रपति द्वारा उनके

1-13 6GI/84

नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० स्ट० से० के ग्रेड 'क') के पद पर सहर्ष नियुक्ति की जाता है :—

क्रम	नाम	अवधि
सं०		

सर्वश्री		
१. आर० एन० शर्मा	१०-४-८४ से	
	९-७-८४ तक	
२. तरसेम सिंह	१७-४-८४ से	
	१५-७-८४ तक	

२. उपर्युक्त व्यक्ति यह नोट कर लें कि निजी सचिव (के० स० स्ट० से० का ग्रेड 'क') के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्ट० से० के ग्रेड 'क' में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा तथा उनकी नियुक्ति कार्यिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन के अध्याधीन की गई है।

(15005)

सं० ए-32014/2/84-प्रश्ना-I—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० स्ट० से० संवर्ग के निम्नलिखित वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों, तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड 'ख') के पद पर तदर्थ आधार पर सही नियुक्ति किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	अवधि	अभ्युक्ति
संवर्गी :			
1.	एच० ओ० मदान	14-5-84 से 11-8-84 तक	नियमित रिक्ति के स्थान पर
2.	बी० पी० महाजन	23-5-84 से 20-8-84 तक	—वही—
3.	आर० पी० डंग	17-4-84 से 9-7-84 तक	श्री तरमेम सिङ्ह के तदर्थ आधार पर निजी सचिव बन जाने से उनके स्थान पर
4.	श्रीमती मरोज के० कपूर	24-4-84 से 15-7-84 तक	श्री आई० एन० शर्मा के तदर्थ आधार पर निजी सचिव बन जाने पर उनके स्थान पर

2. उपर्युक्त व्यक्ति यह नोट करते कि वरिष्ठ वैयक्तिक, सहायक (के० स० स्ट० से० के ग्रेड 'ख') के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्ट० से० के ग्रेड 'ख' में विलयन अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा ।

3. उनकी नियुक्ति कार्मिक एवं प्रशासनिक विभाग के अनुमोदन के अध्यधीन की गई है ।

दिनांक 31 मई 1984

सं० ए०-19013/3/78-प्रशासन-I—भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री बी० एन० सोम को संयुक्त सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के रूप में उनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के परिणामस्वरूप 31 मई, 1984 अपराह्न को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से कार्यभार मुक्त किया जाता है । श्री बी० एन० सोम अपने मूल विभाग, डाक गवर्नर निदेशालय, डाक तार भवन, नई दिल्ली में कार्यभार ग्रहण करने के लिए मामात्य कार्यारंभ काल का उपयोग करके कार्यभार ग्रहण करेंगे ।

सं० ए०-32013/1/84/प्रशासन-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अवधि सचिव श्री आर० एन० खुराना को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा 1-6-1984 से आगामी 6 मास की अवधि तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर विशेष कार्य अधिकारी (ग्रुप 'क' रु 1500-60-1800) के संवर्ग वाला पद पर नियुक्त करते हैं ।

श्री आर० एन० खुराना की विशेष कार्य अधिकारी के रूप में नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और उन्हें उक्त पद पर विलयन व वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा ।

एम० पी० जैन,
सचिव (प्रशासन),
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1984

सं० 2/14/83-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा केन्द्रीय लोक नियमण विभाग के कार्यालय इंजीनियर (सिविल) श्री एश० सुव्रभाजिन को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक के पद पर रु 1100-50-1600 के वेतनमान तथा रु 200/- प्रति माह विशेष वेतन पर दिनांक 1-6-1984 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं ।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,
अवर सचिव,
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मन्त्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अवेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1984

सं० ए०-19014/3/84/प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री यशवन्त मल्होत्रा, भा० पु० से० (बिहार-1975) को, दिनांक 5 जून, 1984 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए, प्रतिनियुक्ति पर, केन्द्रीय अवेषण व्यूरो विशेष

पुलिस स्थापना में, पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जून 1984

सं० ४०-20023/7/79-प्रशासन-5—निवेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विषेष पुलिस स्थापना एवं द्वारा, महाराष्ट्र सरकार के अधिकारी, श्री डॉ. एम० देशांकर को, दिनांक 4 फरवरी, 1984 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में, मूल रूप से, लोक अधियोजक नियुक्त करते हैं।

सं० ४०-20023/9/80 प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री आर० पौशुम्भानी, लोक अधियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, की सेवाएं, दिनांक 14-5-1984 के अपराह्न से, तमिलनाडु सरकार को सौंप दी गई हैं।

आर० एम० नागपाल,
प्रशासनिक अधिकारी (स्थान),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 मई 1984

सं० 3/23/84-प्रशासन-I—राष्ट्रपति महोदय श्री वीरेन्द्र सिनहा आई० पी० एस० (राजस्वान्-1970) को पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो में 25 मई, 1984 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक सहायक निवेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एम० के० मलिक,
महानिवेशक

महानिवेशकलय

केन्द्रीय अधियोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 24 मई 1984

सं० ई०-32015/(4)/73/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एम० के० दत्ता को प्रोफ्रेसि पर, 1 मई, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थाई तौर पर, पूर्णतया तदर्थ आधार पर 6 माह की अवधि के लिए या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, के० औ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली में महायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जून 1984

सं० ई०-32015(4)/52/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री मदन गोपाल दास को, प्रोफ्रेसि पर, 23 मई, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थाई तौर पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर केवल छः मास की अवधि के लिए नियमित नियुक्तियाँ होने तक, जो भी पहले हो, के० औ० सु० ब० यूनिट, ई० सी० एल० में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015 (4)/58/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री आर० सो० भौमिक को, प्रोफ्रेसि पर, 23 मई, 1984 के

अपराह्न व अस्थाई तौर पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर केवल छः मास की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियाँ होने तक, जो भी पहले हो, के० औ० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी०, गोंडो में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

ह० अष्टावीं
महानिवेशक

के० औ० सु० ब०

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जून 1984

सं० 11/123/79-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, राज्य सिविल सेवा (मध्य प्रदेश) के अधिकारी और मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निवेशक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर उप-निवेशक जनगणना कार्य पद पर कार्यरत श्रोबी० के० बनर्जी को नारीखं 31 मई, 1984 के अपराह्न से मध्य प्रदेश सरकार को सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं।

सं० 10/4/80-प्रशासन-I—इस कार्यालय की नारीखं 27 फरवरी, 1984 को जमसंख्यक अधिवृत्तना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के निम्नलिखित अन्सांत आपरेटरों को उसी कार्यालय में सहायक निवेशक (प्रोफ्रेसि) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को विद्यमान शर्तों पर 30-6-1984 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी पहले हो, सहर्ष बदलते हैं :—

क्रम	नाम	मुख्यालय
सं०		

सर्वथ्री

- | | |
|-----------------|-----------|
| 1. आर० एल० पूरो | नई दिल्ली |
| 2. ए० पौ० गुप्त | नई दिल्ली |
| 3. सत्य प्रकाश | नई दिल्ली |

दिनांक 13 जून 1984

सं० 11/87/79-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रगतिशिला सेवा के केन्द्र सर्वथ्री के अधिकारी तथा केन्द्र विवेन्द्रम में जनगणना कार्य निवेशालय में निवेशक जनगणना नारी के पद पर कार्यरत श्री एम० विजयल चंद्री की सेवाएं नारीखं 31 मई, 1984 के अपराह्न वे केन्द्र परमार को सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं।

श्री० एस० वर्मा
भारत के महा रजिस्ट्रार

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
भारत के नियन्त्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जून 1984

सं० वा० ले० प० -1/51-80—निदेशक लेखापरीक्षा वैग्रनिक और वाणिज्यिक विभाग बम्बई के कार्यालय के श्री डो० के० गुरुते लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) (जो इस समय महाराष्ट्र वार्ता संघाई एण्ड सोवीरेज बोर्ड बम्बई में बाह्य सेवा पर है) अंगे अविवित आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-4-1984 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

के० पी० लक्ष्मण राव,
सहायक नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व
नई दिल्ली-2, दिनांक 16 जून, 1984

सं० प्रशासन-1/वा० आ० सं०-105—निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को सहायता लेखा परीक्षा अधिकारी (ग्रुप 'बी') राजपत्रित के पद पर 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 म० के वेरानमान में उनके नाम के आगे दर्शायी गई तिथि से अगले अवैश्यों तक नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री		
1. सुरेन्द्र कुमार गोयल		1-3-1984
2. श्रीमती रामामणी श्रीनिवासन		1-6-1984
3. वेद व्यास कोमिल		1-6-1984
4. करीमुद्दीन सिद्दीकी		2-6-1984
5. नरेन्द्र कुमार		4-6-1984

दिनांक 20 जून 1984

सं० प्रशा०-1/वा० आ० सं० 104—इस कार्यालय के एह स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जोगिन्दर सिंह साहनी वर्षा० आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 30 जून, 1984 (अपराह्न) को भारत सरकार को सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्मतिथि 17 जून, 1926 है।

सं० प्रशा०-1/वा० आ० सं० 107—श्री एम० एम० एस० ओवेराय, इस कार्यालय के स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी 55 वर्ष से अधिक आयु प्राप्त करने के उपरांत मूल नियमावली, 56 (के) के नियमों को भारती के अनुसार दिनांक 13 जून, 1984 (अपराह्न) से भारत सरकार की सेवा से स्वैच्छिक सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

2. श्री ओवेराय 20-6-1949 को सरकारी सेवा में आए थे तथा उनकी जन्मतिथि 2-12-1928 है।

त० त्रिपाठी
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

भारत आर्डनेस फैक्टरिया सेवा
आर्डनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जून 1984

सं० 28/जी०/84—वर्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री ओ० पी० बहल, एडिशनल डी० जी० ओ० एफ० सदस्य दिनांक 31 मई, 1984 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहसा
निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 13 जून 1984

सं० 2(39) एस० टो० 1/3313—इस कार्यालय के श्री सी० जे० खानचंदानी, सहायक निदेशक, श्रेणी 2 सेवा निवृत्ति की आयु पूरी करते हुए दिनांक 31 मई, 1984 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

वी० कु० श्रीवास्तव
उप-निदेशक (प्रशासन)

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता-700069, दिनांक 21 मई 1984

सं० पटसन (ए०) /1147/58-वा०—राष्ट्रपति श्री के० घटर्जी, निदेशक (तकनीकी), भारतीय पटसन निम्नांग निगम कलकत्ता को सं० पटसन (ए०) /147/58/वा० के अनुसार इस कार्यालय में औद्योगिक सलाहकार (पटसन उत्पादन) के रूप में प्रांशकालिक आधार पर नियुक्ति की अवधि बढ़ाते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं। यह कार्य उनके निदेशक (तकनीकी) भा० प० नि० नि० के कार्यभार के अतिरिक्त होगा, तथा यह पहली मई, 1984 से तीन महीने अवधि तक प्रयुक्त होगी। यह वाणिज्य मंत्रालय, वस्त्र विभाग के अ० स० पत्र सं० 4-3-83 पटसन दिनांक 4 मई, 1984 को सहभागि से स्वाक्षित हुआ है।

ए० पी० मस्लिक,
पटसन आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

आर्थिक सलाहकार का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई, 1984

सं० ए०-32015/(1)/81-वा० स०—राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-4 के एक अधिकारी श्री नवीन सरना की आर्थिक सलाहकार के कार्यालय, उद्योग मंत्रालय में

16 मई, 1984 की पूर्वाह्न से अनुसन्धान अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री नवीन सरना 31-8-1984 तक परिवेश पर रहेंगे।

सं० ए०-३२०१५ (१)/८१-आ० सं०—राष्ट्रपति, भारतीय आधिक सेवा के ग्रेड-४ की एक अधिकारी कुमारी देवा कुमार की आधिक सलाहकार के कार्यालय, उद्योग मंत्रालय में 16 मई, 1984 की पूर्वाह्न से अनुसन्धान अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. कुमारी देवा कुमार 31-8-1984 तक परिवेश पर रहेंगी।

मनमोहन सिंह,
अपर आधिक सलाहकार

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नईदिल्ली, दिनांक 15 जून 1984

सं० ए०-१९०१८ (४६३)/७९-प्रशासन (राज०)— हिमाचल प्रदेश सरकार में बापस चले जाने पर श्री ए० के० महापाल आई० ए० एस० (हि० प्र० : ७१) ने दिनांक 30 अप्रैल, 1984 (अपराह्न) से, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कट्टक में निदेशक, ग्रेड-१ (जी० ए० डी०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-१९०१८ (५६३)/८१-प्रशास० (राज) — श्री के० ए० एम० भट्टाचार्य ने उनके मूल विभाग रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसन्धान एवं विकास स्थापना, कानपुर में अस्थाई कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक-I/थानोवत कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक-II के पद पर बांगड़ हो जाने पर लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में दिनांक 31-३-1984 (अपराह्न) से सहायक निवेशक, ग्रेड-I (चम्पादुर्गा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री महापाल आयुक्त को सेवाएं निदेशक, रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसन्धान एवं विकास स्थापना, कानपुर को सौंपी जाती है।

राधारमण फौजदार,
उप निदेशक (प्र०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-६)

नईदिल्ली-110001, दिनांक जून 1984

सं० ए०-१७०११/२७२/८४-ए०-६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने कलकत्ता निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री ए० घोष को दिनांक 3-५-1984 के पूर्वाह्न

से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 13 जून 1984

सं० ए-१७०११/२१६/८३-प्र०-६. स्थायी भण्डार परीक्षक (अभिभ०) तथा निवेशक निरीक्षण, कलकत्ता के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी श्री बी० कृष्णामूर्ति केन्द्रीय सिविल सेवा (पैशन) नियमावली, 1972 के नियम 48-ए के अधीन 31 दिसंबर, 1983 के अपराह्न से स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत हो गये हैं।

दिनांक 16 जून, 1984

सं० ए०-१७०११/२१६/८३-ए०-६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने मद्रास निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री पी० जे० पायलो को दिनांक 14-५-1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-१७०११/२६२/८४-ए०-६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने कलकत्ता निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री राज कुमार को दिनांक 11-५-1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-१७०११/२६५/८४-ए०-६—महानिदेशक' पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मण्डल में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री एच० आर० कपूर को दिनांक 7-५-1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन उप निदेशक निरीक्षण कानपुर के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण, अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-१७०११/२६७/८४-ए०-६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मण्डल में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री आर० सी० गुप्ता को दिनांक 7-५-1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-१७०११/२७३/८४-ए०-६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने कलकत्ता निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री ए० घोष को दिनांक 3-५-1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन

उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/276/84-ए०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने कलकत्ता निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री एस० के० घोष को दिनांक 16-5-1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/278/84-ए०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री अमरेन्द्र नाथ धांप को दिनांक 3-5-1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/279/84-ए०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने बम्बई निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री एस० एम० रत्नाराम को दिनांक 11-5-84 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/285/84-ए०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने कलकत्ता निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (वस्त्र) श्री पौ० के० मोयना को दिनांक 11-5-1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर नियुक्त किया है।

सौहन लाल कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 जून 1984

सं० प्र० 6/247(42)/76—राष्ट्रपति (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'ए' ग्रेड-1 के) स्थाई निदेशक निरीक्षण, श्री एस० एन० वोहरा को दिनांक 10 मई, 1984 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी किए जाने तक 2000-125/2-2250 रुपए के वेतनमान में स्थानापन्न उप महानिदेशक (निरीक्षण) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड 1 में सुपर टाइप स्केल पद) नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० एन० वोहरा ने दिनांक 30-4-84 के अपराह्न से महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान (मुख्यालय), नई दिल्ली में निदेशक निरीक्षण के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 10 मई, 1984 के पूर्वाह्न से बम्बई में उप महानिदेशक (निरीक्षण) (पश्चिम तथा दक्षिण क्षेत्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 13 जून 1984

सं० ए०-17011/108/78/प्र०-6—राष्ट्रपति निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'ए' अभियांत्रिकी शाखा के ग्रेड-II) श्री एस० सी० चड्डा को दिनांक 23 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, पूर्णतः तदर्थ आधार पर उप निदेशक निरीक्षण (अभियांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड 2) (अभियांत्रिकी शाखा) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। श्री चड्डा को पदान्तरित दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन सिविल रिट याचिका सं० 1457/71, 1590/81 तथा 1973/81 के अन्तर्गत तीन एल० पी० ए० सं० 67/83, 68/83, तथा 69/83 के अन्तिम निर्णय होने के अधीन भी होगी।

2. श्री एस० सी० चड्डा की तदर्थ नियुक्ति से उहने नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके हारा तदर्थ आधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता, पदोन्नति की पावता तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जाएगी।

3. श्री चड्डा दिनांक 21 अप्रैल, 1984 के अपराह्न को कलकत्ता निरीक्षण निदेशालय के अधीन निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) जमशेदपुर के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 23 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, मद्रास के अधीन हैदराबाद में उप निदेशक निरीक्षण (अभियो) के कार्यालय का भार संभाल लिया है।

एस० एल० कपूर,
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग ए-1)

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

सं० ए०-1/1(1181)—निदेशक निरीक्षण, कलकत्ता के कार्यालय के अस्थाई अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-2) श्री जे० पी० दास दिनांक 31 मई, 1984 के अपराह्न में सेवा निवृत्ति की आयु-प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

राजबीर सिंह,
उप निदेशक (प्रशासन)

दूसरात श्रीर खान मंद्रालय

(खान विभाग)
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
कलकत्ता-700016, दिनांक 30 मई 1984

सं० ए०-32013(प्रशा० अभियो)/82-19-ए—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भू-

वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (प्रबरण कोटि) श्री जमील अहमद को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, उमी विभाग में वेतनमानुसार वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई धमता में, आगामी आदेश होने तक 14-3-84 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 1 जून 1984

सं० 4026 वी०/प०-32013 (ए० ओ०)/82-19ए०-- भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भौ-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (एम० जी०) श्री ए० के० अद्वा को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में, वेतन विभाग मानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई धमता में, आगामी आदेश होने तक 30-4-84 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुमार शर्मा,
निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 14 जून 1984

सं० ए०-19011 (346)/83-स्था० ए०—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर डा० शंकर विश्वाम को भारतीय खान ब्यूरो में रसायनज्ञ के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 4 मई, 1984 के पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011 (363)/84-स्था०-ए०—श्री एम० के० राव, खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) को दिनांक 11 मई, 1984 के अपराह्न से आगामी आदेश तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न सहायक खनिज अर्थ शास्त्री (सांख्यिकी) भारतीय सांख्यिकी सेश्न, ग्रेड-4 के पद पर नियुक्त प्रदान की गई है।

पी० पी० वादी,
प्रशासन अधिकारी,
कृति महानियन्त्रक,

सं० एफ०-2-16/83-स्था०/1218—भारतीय प्राणि सर्वेक्षण में निम्नलिखित व्यक्तियों को, सहायक प्राणि विज्ञानी, (समूह ख) के पद पर रु० 650-1200 के वेतनमान में उत्तरके नामके सामने श्रक्ति तिथि से उल्लिखित स्टेशनों में, अगले आदेश तक अस्थायी रूप में नियुक्त किया गया है।

क्र० सं०	नाम तथा पद	तिथि	स्टेशन
1.	श्री टी० आर० मित्र	27-2-84 (पूर्वाह्न)	मुख्यालय भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, कलकत्ता ।
2.	डा० जे० आर० धंजे	19-3-84 (पूर्वाह्न)	पूर्वी प्रान्तेश्वर शास्त्रा, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, शिलांग ।

डा० वी० के० डिकार्डर
निदेशक
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 2 जून 1984

सं० 4-198/84/स्थायन—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण की श्रीमती बेला मौनिक, अनुसन्धान सहायक (गार्डरिंग) 3 मई, 1984 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक इस सर्वेक्षण के पूर्वी क्षेत्र कलकत्ता में सह मानव विज्ञानी (गार्डरिंग) श्रृंग वी (राजपत्रित) के पद पर पदोन्नति हुई है।

श्रीमोक कुमार शर्मा, गुजरात
प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महा सर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून-248001, दिनांक 8 जून 1984

सं० मी० 6084/718-ए०—श्री गोवर्धन पन्त, स्थाना-पन्थ अधीक्षक, महासर्वेक्षक कार्यालय को दिनांक 3-4-84 (पूर्वाह्न) से स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० सेवा श्रृंग 'बी') के पद पर दक्षिण पूर्वी सर्किल, भुवनेश्वर में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्थ रूप में तदर्थ आधार पर, श्री एस० एल० वर्मा, स्थापना एवं लेखा अधिकारी के स्थानापन्थ के कारण नियुक्त किए जाते हैं।

गिरीश चन्द्र अग्रवाल,
मेजर जनरल
(नियुक्ति प्राधिकारी)
भारत के महासर्वेक्षक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 16 जून 1984

सं० एफ० 9-1/82-स्था०/12168—वरिष्ठ प्राणि विज्ञान सहायक, श्री संजीत कुमार घोष को, मुख्यालय भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, कलकत्ता में रु० 650-1200 के वेतनमान में सहायक प्राणि विज्ञान (समूह ख) के पद पर 26 अप्रैल, 1984 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक अस्थायी स्थानापन्थ के कारण नियुक्त किया गया।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय
नई दिल्ली-1, दिनांक 6 जून 1984

सं० ए०-१२०२५/३/८३-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री विभूति भूषण सिकदार को इस निदेशालय में 9 मई 1984 के पूर्वाह्न से आगले आदेश तक अस्थायी रूप से सीनियर अधिकारी (विनाक : रु० 650-३०-७४०-३५-८१०-द० रु०-३५-८८०-४०-१०००-द० रु०-४०-१२००) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिकदार उक्त दिनांक से आगले दो वर्ष के लिए परिवीक्षा अवधि पर रहेंगे जो नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार बढ़ाई जा सकती है।

जी० पी० भट्ट॑
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1984

सं० ए० ३२०१३/३/८४-प्रार० एच० टी० सी०/पी० एच० (सी० डी० एच० एल०)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री दलपत सिंह सहायक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, को 21 मई, 1984 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक ग्रामीण स्वास्थ्य प्रणाली केन्द्र, नजफगढ़, मई दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

बी० के० जाना
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनाक 13 जून 1984

सं० ए० १९०१२/३/८४-स्टोर—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने महा लेखा परीक्षक का कार्यालय, उत्तरी सीमान्तर रेलवे, माली, गांधी गोहाटी में लेखा परीक्षा अधिकारी, श्री बी० सी० दसा खान को 22 मई, 1984 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, गोहाटी में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

आर० सी० गुलाटी
उप सहायक निदेशक (स्टोर)

परमाणु ऊर्जा विभाग
क्रय और भण्डार निदेशालय,

बम्बई-400001, विनाक 12 जून 1984

संदर्भ सं० डी० पी० एस०/४१/१२/८३-प्रशा०/१३८८२—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्री प्यारे लाल खन्ना को इसी निदेशालय में दिनांक 23-४-८४ (पूर्वाह्न) से 25-५-८४ (अपराह्न) तक 650-३०-७४०-३५-८१०-द० रु०-३५-८८०-४०-

1000-द० रु०:४०-१२०० रुपए के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के रूप में तदर्थी आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति सहायक क्रय अधिकारी श्री टी० बी० रामास्वामी के स्थान पर की गई है, जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

संदर्भ सं० डी० पी० एस०/४१/२/८३-प्रशा०/१३८८९—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री० पी० बी० वाडके को इसी निदेशालय में विनाक 17-४-८४ (पूर्वाह्न) से 31-५-८४ (अपराह्न) तक 650-३०-७४०-३५-८१०-द० रु०-३५-८८०-४०-१०००-द० रु०-४०-१२००-रुपए के वेतनमान में सहायक भण्डार अधिकारी के रूप में तदर्थी प्राप्ति पर, स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति सहायक भण्डार अधिकारी श्री जान वरीद के स्थान पर की गई है, जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

पी० गोपालन
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, विनाक 11 जून 1984

सं० ०५०००/के०/२३४५—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, क्रय और भण्डार निदेशालय, मद्रास के क्षेत्रीय क्रय एकांश मद्रास के उच्च ध्रेणी लिपिक श्री गोविन्दस्थामी कुलदीवेलु को 18 मई, 1984 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजनाएं (केन्द्रीय कार्यालय) में अस्थायी तौर पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

विनाक 12 जून 1984

सं० ०५०१२/प्रार०-१/प्रो० पी०/२३८२—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजनाओं (केन्द्रीय कार्यालय) के स्थायी सहायक लेखा अधिकारी, श्री अच्युत मुकुन्द वैद्य को इसी कार्यालय में श्री बी० के० पोतावार, वेतन तथा लेखा अधिकारी जो छुट्टी पर है, के स्थान पर पूर्वाह्न ९ अप्रैल, 1984 से 11 मई, 1984 (अपराह्न) तक के लिए अस्थायी तौर पर तदर्थी आधार पर स्थानापन्न वेतन तथा लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

संदर्भ सं० ०५०१२/प्रार०-१/प्रो० पी०/२३८३—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजनाओं (केन्द्रीय कार्यालय) के श्री पन्द्राथील पथनाभन नाम्बियार, स्थायी सहायक लेखाकार को इसी कार्यालय में पूर्वाह्न अप्रैल ९, 1984 से मई ११, 1984 (अपराह्न) तक के लिए श्री ए० एम० वैद्य, सहायक लेखा अधिकारी जो स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II पदोन्तं किए गए हैं, के स्थान पर अस्थायी तौर पर तदर्थी आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

(श्रीमती) के० पी० कल्याणीकुट्टी
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक, नागर विभानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1984

सं० ए-32013/3/82-ई० सी०—इस कार्यालय की 4 अनवरी, 1984 की अधिसूचना सं०-ए-32013/3/82-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारों के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई अधिके लिये जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है:—

अधिक

क्र०स०	नाम	तैनाती स्टेशन	से	तक
सर्वथी :				
1.	बी० सी० रेणू	बै० सं० स्ट० हैरराजाद	1-1-84	10-1-84
2.	यू० के० सिन्हा	बै० सं० स्ट० कलकत्ता	1-1-84	10-1-84
3.	पी० गुप्ता	बै० सं० स्ट० गोहाटी	1-1-84	10-1-84
4.	के० चन्द्रचूड़न	रे० नि० और वि० एकक नई दिल्ली	3-1-84	10-1-84
5.	बी० गोवर्धनन	बै० सं० स्ट० मिलचर	1-1-84	10-1-84
6.	एन० आर० एन० आयगर	बै० सं० स्ट० बंगलूर	1-1-84	10-1-84
7.	ए० के० संगल	बै० सं० स्ट० नागपुर	1-1-84	10-1-84
8.	सी० एल० मालिक	बै० सं० स्ट० बम्बई	1-1-84	10-1-84
9.	एस० डी० अवस्थी	बै० सं० स्ट० जयपुर	1-1-84	30-6-84
10.	ए० बी० कुण्डा	रे० नि० और वि० एकक नई दिल्ली	1-1-84	30-6-84
11.	के० आर० रामानुजम	बै० सं० स्ट० बम्बई	1-1-84	30-6-84
12.	बी० एस० मित्रा	रे० नि० और वि० एकक नई दिल्ली	1-1-84	30-6-84
13.	एस० डी० बंसल	रे० नि० और वि० एकक नई दिल्ली	1-1-84	30-6-84
14.	एम० एल० धर	रे० नि० वि० एकक	1-1-84	30-6-84
15.	बी० सुभ्रमन्यन	बै० मं० स्ट० मद्रास	1-1-84	30-6-84

दिनांक 14 जून 1984

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1984

सं० ए०-32013/9/83-ई० सी० (.)—इस विभाग की दिनांक 22 मई 1984 की अधिसूचना सं० ए०-32013/10/82-ईसी के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री टी० सी० एस० मूसद, संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास को दिनांक 11-1-84 से श्री अन्य आदेश होने तक वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में विभिन्न आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-38013/1/84-ई० सी० (.)—नागर विभानन विभाग वैमानिक संचार संगठन के वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई के श्री आर० एन० भोगी सहायक संचार अधिकारी ने नियंत्रित आयु प्राप्त करलेने पर दिनांक 31-5-1984 (पूर्वाल्प) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्री पी० अग्रवाल
सहायक निदेशक प्रशासन

सं० ए०-32014/2/84-ई० डॉ.सू०—महानिदेशक नागर विभानन ने श्री आर० एस० पाण्डे वरिष्ठ ३६ शमा कोरमैन को पदोन्नति पर नागर विभानन विभाग में दिनांक 25-2-1984 से 10-५-1984 तक रुपए ६५०-१२०० के बेतनमान में सहायक अग्निशमन अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर तथा उसके पश्चात दिनांक 11-4-1984 (पूर्वाल्प) से नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

२. श्री आर० एस० पाण्डे को नियन्त्रक विप.न क्षेत्र सिविल विभान धोल गुवाहाटी के कार्यालय में तैनात किया गया है।

बी० भौमिक
सहायक निदेशक प्रशासन

कन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 11 जून 1984

क्र० सं० 16/242/77-स्थापना—I—बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून के अन्तर्गत बन अनुसंधान शास्त्रों के डा० एम० प्र० हक का अनुसंधान अधिकारी के पद से दिया गया त्याग-पत्र दिनांक 11-4-84 की अपराह्न से अध्यक्ष बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

दिनांक 13 जून 1984

सं० 16/424/84-स्थापना—I—अध्यक्ष बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय डा० (कुमारी) बीना अन्नदा को बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून में अनुसंधान अधिकारी के पद पर दिनांक 8 मई 1984 की पूर्वान्तर से आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० ए० श्री प्र० श्रीदर
कुल सचिव

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीधा शुल्क समाहर्तालय

उड़ीसा
भुवनेश्वर, दिनांक 2 जून 1984

सं० 4/84—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीधा शुल्क समाहर्तालय भुवनेश्वर के निम्नलिखित राजपत्रित अधिकारी कार्य निवृत्ति पर सरकारी मेवा से दोपहर बाद दिनांक 30 अप्रैल, 1984 को अवसर प्राप्त किये :—

- | | |
|-------------------------------|----------------|
| 1. श्री दिव्येश चन्द्र बनर्जी | सहायक समाहर्ता |
| 2. श्री बिजय कुमार बहेरा, | अधीक्षक |
| 3. श्री भावग्राही दास, | अधीक्षक |

चौ० शतपथी
उपसमाहर्ता (का० एवं स्था०)
केन्द्रीय उत्पाद एवं सीधा शुल्क,
भुवनेश्वर

संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय

समा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1984

सं० 532/7/79-अ०० ए००—श्री प०० ए०० खुराना, निरीक्षा, नार्कोटिक्स आयुक्त, भवालियर जी जी अभी इस निदेशालय में तहनीकी सहायक के पद पर धार्यरत थे, उन्होंने संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय, समा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में अपर निदेशक के पद का कार्यभार दिनांक 1-6-84 (पूर्वान्तर) से संभाल लिया है।

क० ज० रामन
निदेशक, सं० ए०० प्र० स० नि०
स०० ए०० क०० उ०० श००

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1984

सं० ए०-19012/1055/84-स्था० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री अरविन्द गुप्ता, अभिभूत सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक, सहायक इंजीनियर (इंजी०) के पद पर वेतनमान ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में 29-5-84 (पूर्वान्तर) से ए०८ वर्ष तक अथवा इस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तह, जो भी पहले ही, की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा
अवर सचिव (स)
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 1 जून 1984

सं० 2/7/84-प्रश्न उन-1(ब)—अध्यक्ष केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री ए०० ईश्वरत तहनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (समूह 'ब') सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के प्रोड० में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में स्थानापन्न क्षमता में 26 अप्रैल 1984 से अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

बी० ए०० लाल
अवर सचिव
क०० अध्यक्ष

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

कार्यालय निर्माण उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1984

सं० 32/2/84-ई० सी०-२—के० लो० नि० वि० के निम्नलिखित अधिकारी वार्षिकय की आयु (58 वर्ष) पूरी होने के बाद सरकारी सेवाये निवृत्त हो गये हैं। उनकी सेवा निवृत्ति की तर्फीख उनके नाम के सामने वीर्य गई है—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	सेवा निवृत्ति की तिथि	पदनाम तथा आखरी तैनाती का स्थान
1	2	3	4
सर्व श्री :			
1.	जे० एस० उप्पल कार्य० इंजी० (वि०)	30-11-83 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० (वि०) वि० मंडल नं० 6 के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
2.	बी० पी० महता, कार्य० इंजी० (वि०)	31-12-83 (आराह्न)	कार्य० इंजी० (वि०), निर्माण मंडल नं० 5, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
3.	आर० के० कालरा, कार्य० इंजी० (वि०)	31-12-83 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० (वि०), सरकारी (मुख्य इंजी० कार्यालय (पर्सनल), के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
4.	ए० एस० विरदी, कार्य० हंजीनियर (सि०)	31-1-84 (अपराह्न)	कार्य० हंजी० (सि०), मुख्य, आयकर विभाग, अमृतनर।
5.	टी० आर० बी० भवानी, कार्य० इंजी० (सिविल)	31-3-84 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० सिविल मंडल, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
6.	बी० आर० भवे राधवन कार्य० इंजीनियर (सि०)	31-3-84 (अपराह्न)	निर्माण सर्वेन्ह (विविच), अशोकन निर्माण सर्वेन्ह दक्षिण अवन, के० लो० नि० वि०, मद्रास।
7.	एम० पी० अग्रवाल, कार्य० हंजीनियर (सिविल)	31-3-84 (अपराह्न)	निर्माण मर्वेन्ह-1, अशोकन सर्वेन्ह (1), के० सो० नि० वि०, परिमंडन, दिल्ली प्रशासन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।
8.	जे० एन० सरकार, कार्य० इंजीनियर (सिविल)	31-1-84 (अपराह्न)	कार्य० इंजी० (मूल्यन), एकु-5, अशोकन, हंजीनियर (त्रैलघुनगर), कार्यालय, आयकर विभाग, नई दिल्ली।

मीना गर्ग

प्रशासन उपनिदेशक
कूते निर्माण महा निदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और शास्त्री रेख संख्या 4
डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कानपुर, दिनांक 16 जून 1984

सं० 4200-एल० सं०/4861—अधिनियम,
1956 की धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एवं द्वारा। यह सूचना दो जातों है। इन तरंग से तीन माह के अंदरान
पर शान्ति संख्या 4 एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिं. वा. नाम इसके
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से बाट दिया
जायेगा और उक्त कम्पनी विधिनित अंत दो जायेगा।

कम्पनी अधिनियम 1956 और
आर० ग्रेवाल एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कानपुर, दिनांक 16 जून 1984

सं० 4679-एल० सं०/4865—अधिनियम 1956 की
धारा 560 को उपधारा (3) के उनुसरण में एवं द्वारा। यह सूचना
दो जाती है। इन दोनों से तीन माह के अंदरान
पर शान्ति संख्या 4 एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिं. वा. नाम इसके प्रतिकूल कारण
दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से बाट दिया जायेगा और उक्त
कम्पनी विधिनित कर दा जायेगा।

वी० पी० छपूर
कम्पनियों का रजिस्ट्रार उत्तर प्रदेश
कानपुर

प्रकृष्ट बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत वरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 11 मई 1984

निवेश सं० 3/936/अर्ज०/84-85--अउ: मुझे,

प्रबोध कुमार द्वारे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके एक अधिनियम 'जलव अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौत्री नं० 519, सीट नं० 40, घ्लाट नं० 1381 हो० नं० 554, 618 (पुराना) 2277 नया है तथा जो कंहर बाग रोड, शहर/गिला पटना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीर्टन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंत्रीन, तारीख 25 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इन्द्रमान श्रीतफल के निए बन्तरित की गई है और वह यह विषयात बताने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इन्द्रमान प्रतिफल से, एसे इन्द्रमान प्रतिफल का इन्द्रमान प्रतिशत अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तथा पाया जाया प्रतिफल निम्नलिखित चुकावेय से उक्त बंतरण विविहत है बास्तविक रूप से कठित नहीं किया जवा है:—

(क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, सबूत अधिनियम के अधीन कर दर्भे के बंतरक व शायित वे कायी करने या उससे बचने वे शायित वे निए; और/वा

(क) एसी किसी बाब वा किसी भन वा अन्य बासियाँ को, जिन्हे भारतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में लूपिता के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जमाद:—

(1) श्री लखन सात्र साव दहूद

स्व० मनू लाल साव,
निवासो मोहूला बाकरगंज बजाजा;
थाना पिंडवहोर,
पटना-4।

(अन्तरह)

(2) श्री मदन लाल घोड़ावत वल्द
श्रो सोहन लाल घोड़ावत,
प्रोट्राइटर: नेशनल केमिल एण्ड
फार्मासियुटिकल वर्कर,
कंहर बाग रोड,
निवासी कंहर बाग,
थाना-पोस्ट कंकर बाग,
पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के द्वारा कार्यान्वयित्वां धूरु करता है।

उक्त उपरित्व के बर्बन के द्वारा ही बालोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर हम्मिस में हित-दृश्य किसी बन्य अविवृत इवारा बधोहस्ताक्षरी वा पास लिहित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क व विवरणीय 20-क में वर्णित हैं, वही नर्म होता जो उस अधार वा विवा नहा है।

मनूसूची

जमीन जिसका रकवा 11527 1/2 वर्ग फीट साथ में महान जो मोहूला कंहर बाग रोड, थाना पो० कंहर बाग शहर/गिला पटना में स्थित है, जिसका पूर्ण विवरण विज्ञा, सं० 8577 दिनांक 25 अक्टूबर, 1983 में वर्णित है तथा जिसका निवासी जिला अवार निवास प्रशासिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे
सभूत पारिहारी
महायुर आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अंतरिती अर्जन रेज, पटना

तारीख : 11-5-1984

मोहूला

प्रसूप बाहौदी.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 जून 1984

निवेश सं. 3/938/अर्जन/84-85—अतः मृग,
प्रबोध कुमार द्वये

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मीजा धैया, नं. 6 खाना नं. 130, प्लाट
सं. 1397 है तथा जो मीजा धैया, खाना धानबाद, जिला
धनबाद में स्थित है (और इससे उआवढ़ अनुमूली में और
पूर्ण रूप से धैया है), रिस्ट्रीक्टरी अधिकारी के कायलिय,
धनबाद में रिस्ट्रीक्टरी अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 3 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से ज्ञम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृगे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तथा
या या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण
सिवित में वास्तविक हृषि से गाधित नहीं किया गया है :—

(क) जन्तरण से हृषि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० जितेन्द्र इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी लि०,
रजिस्टर्ड ऑफिस :

8, बाटर लो स्ट्रेट, कलकत्ता

वर्तमान : लाल बाजार,

पोस्ट फ़िरिया,

जिला धनबाद।

द्वारा : डायरेक्टर,

श्री देवेन्द्र कुमार अग्राला दल्द

श्री बिवारी लाल अग्राल।

(अन्तरक)

(2) श्री अतुल कुमार अग्राला

वक्फ श्री महेन्द्र कुमार अग्राला

निवास। लाल बाजार,

पोस्ट फ़िरिया,

जिला धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

8 डिसम्बर जमीन काटेज बिल्डिंग के साथ जो मीजा
धैया, पोस्ट /जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिता
सं. 11562 दिनांक 3 अक्टूबर, 1983 में ब्रिंग द्वारा
जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजोक्त
है।

प्रबोध कुमार द्वये
सभी प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 8-6-1984

मोहर :

प्रस्तुप बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(1) श्री देवेन्द्र कुमार अग्रवाल,
बलूद श्री बाबारा लाल अग्रवाला,
थाना/पोस्ट शरिया,
जिला धनबाद।

(अन्तर्भुक्त)

(2) श्री प्रभाव कुमार अग्रवाल शहर
श्री योगेन्द्र कुमार अग्रवाल,
निरासी लाल बाबारा,
पोस्ट शरिया,
जिला धनबाद।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जी : रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 जून 1984

निवेद नं. 3/939/निरीक्षण/84-85—अतः मुझे,
प्रबोध कुमार द्वावे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कानून है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और विसकी सं० मौजा धैया नं० 6 खाता नं० 130, पाठ
सं० 1397 है तथा जो मौजा धैया, थाना धनबाद, जिला
धनबाद में स्थित है (और इससे उत्तरदू धनुपुरों में और पूर्ण
रुप से दर्शि है), राजस्त्रीय अधिकारी के आधीन, धनबाद
में रजिस्टरेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कानून है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्ते इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल वा
ऐसी प्रतिष्ठात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ
दाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
जौर/वा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या धन्य वास्तविक्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसने अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा अन्त नहीं किया
दबा या दा किया जाना चाहिए वा, जिनमें भी
प्रतिष्ठा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभासा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरकरण :—इसमें प्रथम छव्वों और वहों का, जो इयम
अधिनियम, के अध्यात 20-के वै परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
दया है।

मन्त्री

7 डिसेंबर जमोः काटेज बिल्डिंग के साथ जो मौजा
धैया, पोस्ट/जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रुप से वसिता
सं० 12055 दिनांक 12 अक्टूबर, 1983 में वर्णि है तथा
जिला अवर निवन्धन, पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत
है।

प्रबोध कुमार द्वावे
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जी : रेंज, पटना

तारीख : 8-6-1984
मंडेहर

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (विरोक्त)

अर्जन रेंज-III नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/IV/ए० आर०-४/
10-८५/८८५—अतः मुझे, आ० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आय
269-ए के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एकाठ नं० 83-84 है तथा जो गांव घोड़ली।
ईस्ट नगर, इलाता शाहदरा में स्थित है (और इससे उचावद
अनुसूची में औदृष्ट रूप से वर्णित है), री स्ट्रॉफर्टी अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, सारंख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो अवश्यान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी इवमान प्रतिफल से, एक इवमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच हेसे अंतरण के लिए तथा पाया जाया प्रति-
क्ष वे कठित नहीं किया गया है :—

(क) बंतरक से हैर्स किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के मिए; और/या

(ल) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उत्तः इव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम के अनुसरण
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी,

(1) श्री रमाहेन्द्र तिहार,
83-84, ईस्ट आजाद नगर,
दिल्ली।

(अन्तरित)

(2) श्रीमती दविन्द्र कौर,
84, ईस्ट आजाद नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य को हैर्स भी जाकोप् २—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सारील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसन्धान

एकाठ नं० 83-84 का बना हुआ भाग 200 वर्ग गज
भूमि गांव घोड़ला ईस्ट आजाद नगर, इलाका शाहदरा।

वी० के० गुप्ता
सन्नाम गाँव जारी

संदायल आयकर आयु०। (विरोक्त)
अर्जन रेंज-11, नई दिल्ली-110002

तारीख : 28-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई, टी. एन. एस. —————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

प्राइवेट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर०-II/
10-८३/१००८—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि न्यायालय संपत्ति जिसका उचित बाजार भूम्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० है तथा जो ई०जी०/१२/२८ वर्ग गज,
गांव नारायणा, इन्द्रपुरी में स्थित है (और इससे उपगढ़ अनुसूचीमें
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूम्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्दूक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाष्ठत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या उक्ती धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लव देव,
निवासी जी 102,
नई बस्ती,
सीलम पुर इलाका,
शाहदरा दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू राम बद्रेल,
निवासी ई० ए० I/32,
इन्द्रपुरी,
नई दिल्ली-12।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षी या
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई० जी० / 122 / 28 वर्ग गज गांव नारायणा,
इन्द्रपुरी ।

तारीख : 29-5-1984

मोहर :

बी० के० गुप्ता
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली-110002

प्रध्या आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री राम रेखा चावला,
114, डब्ल टोरी,
नया रजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1984

(2) श्री करतार सिंह,
सी० ए० 52 जी०,
हरी नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

निदेश मं० आई० ए० सी० /एक्य०/III/एम० आर०-III/

1083/343—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं० 152, एम० सी० डी० मार्किट है तथा जो सरस्वती मार्ग
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
, मौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में विद्या
गया है।

मूल्य

152, एम० सी० डी० मार्किट सरस्वती मार्ग करोल
नई दिल्ली।

बी० के० गुप्ता
सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

तारीख : 27-4-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टॉ. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर०-३/
१०-८३/३५७—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जसकी सं० फॉलैट नं० १ है तथा जो श्री फॉर्ट रोड मस्जिद
मोठ, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची और
पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, अक्तूबर, 1983

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मूर्खिया के लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के द्वयोंमध्ये अन्तरिक्त द्वाय प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मूर्खिया के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन० आर० मोहिन्द्रा,
श्री मुभाय मोहिन्द्रा,
हरीष, ऊवा, माला मोहिन्द्रा,
पृ-1/98, सफदर जंग इनक्लेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री दन्त्रा भार्गवा,
श्री शशानक भार्गवा,
184-ए, आनन्द पुरी,
मेरठ शहर ।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मृत्यु की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित,
ब्रह्म किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अदाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रथक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक पलेट नं० 1 पहली मंजिला का अगला हिस्सा
1311 वर्ग फीट थोक 76 वर्ग गज बालकोती के साथ
अनुपानिक हिस्सा भूमि नं० 9, श्री फॉर्ट रोड, मस्जिद मोठ,
नई दिल्ली ।

बी० के० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 27-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप आई०, टी०. एन०. एस०. -----
आयंकड़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारतीय सहायक आयकर अधिकृत निपुक्षण
अजंत रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७ ईई०/१०-८३

450—अतः मुझे, सुधीर अच्चारा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु, से अधिक है

और जिसकी सं० 6492 और 6492ए है तथा जो एक ब्लाक
फ्लाट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपापद अनुभूति
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अजंत रेंज-1, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के
अधीन, तारीख अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या नससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगमोहन गुप्ता,
श्री वी० के० जैन,
श्री वी० कि० जैन,
श्री विरेन्द्र कुमार जैन,
श्री संजीव कुमार जैन,
श्री विक्रम कुमार जैन,
श्री विक्रम कुमार जैन,
निवासी

1. श्री जगमोहन गुप्ता सुपुत्र श्री प्रेम राज
निवासी प्रेम भवन, 4144 पहाड़ी धीरज;
दिल्ली-6, कर्ता जगमोहन गुप्ता एण्ड संस।
2. श्री वी० पी० जैन सुपुत्र श्री पूलचन्द जैन,
निवासी टी०-400, डिफेंस कालोनी, नई

दिल्ली, कर्ता (एच० य० एफ०) मैं
गिरधारी साल जैन एण्ड ब्रदर्स —

1. विपीन चन्द जैन सुपुत्र श्री गिरधारी
लाल जैन, निवासी 4498, पहाड़ी
धीरज, दिल्ली, कर्ता मैं गिरधारी
लाल जैन एण्ड सन्स।

2. श्री विमल प्रसाद जैन सुपुत्र श्री पूलचन्द
जैन, निवासी टी०-400, डिफेंस कालोनी
नई दिल्ली, कर्ता विमल प्रसाद जैन एण्ड
सन्स।

3. श्री विलोक चन्द जैन सुपुत्र श्री पूलचन्द
जैन निवासी टी०-400, डिफेंस कालोनी
नई दिल्ली, कर्ता श्री विलोक चन्द जैन
एण्ड सन्स।

3. श्री वी० के० जैन सुपुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद जैन,
निवासी टी०-87, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली,
कर्ता ईश्वरी प्रसाद जैन (एच० य० एफ०)।

4. श्री विरेन्द्र कुमार जैन सुपुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद
जैन, निवासी टी० 87, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली, कर्ता विरेन्द्र कुमार जैन
(एच० य० एफ०)।

5. श्री संजीव कुमार जैन सुपुत्र श्री शेर सिंह जैन
सुपुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद जैन, निवासी टी०-
405, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, कर्ता
संजीव कुमार जैन (एच० य० एफ०)।

6. श्री विक्रम कुमार जैन सुपुत्र श्री नहाल चन्द
जैन, निवासी 6236, बाराटूटी सदर बजार-
दिल्ली -6, कर्ता विक्रम कुमार जैन एण्ड
सन्स।

7. श्री विक्रम कुमार जैन सुपुत्र श्री निहाल चन्द
जैन मार्पित अशोका एण्ड क० 56 ओखला
इण्डस्ट्रीएल इस्टेट, नई दिल्ली कर्ता विक्रम
कुमार जैन एण्ड सन्स (एच० य० एफ०)।

(अन्तरक)

(2) मैं डामिया डेरी इन्डस्ट्रीज लि०,
11 ए, वी० सी०
आरमा राम हाऊस,
1 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरपत्र भी प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० मूलनियम नं० 6492 और 6492-ए० न्यू मूलनियम नं० एफ-7/1, एफ-7/2, एफ-7/3, एफ-7/4, एफ-7/8, एफ-7/9, एफ-7/10, एफ 7/11, एथ ब्लाक कनाठ प्लेस, नई दिल्ली तारावाडी 4700 वर्गफीड।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख :- 2-6-1984

मोहर :

—

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

पूना, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84/600—धतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, दूसरा माला गणेश पैलेस, गमनगर
टोम्बीवली, जिला ठाने ने स्थित है (और इसे
अपश्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना रजिस्ट्रीकर अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पौद्वाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरुण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हाई किसी आद की बाबत उक्त अन्तरित
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-

कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसा जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

धतः अथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार अन्तरिती, भौमि, भौमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० आशीर बिल्डर्स,

157, पंकर धाम,
ब्लॉक नं० 6,
स्कीम नं० 57,
रोड नं० 10,
वडाला, बम्बई-31।

(अन्तलाक्ष)

(2) श्री एस० वी० मोर्ये,
वी० 8, सहजीवन सोसाइटी
राम नगर,
डोम्बीवली (ईस्ट),
जिला ठाने ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संषोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभागित
है; वही प्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 21, दूसरा माला गणेश पैलेस राम नगर,
डोम्बीवली (ईस्ट), जिला ठाने ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/2550/धाना/83-84/
जो तारीख अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 2-4-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 2 अप्रैल, 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84-यतः

मुझे, शणिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स वो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
2500/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जी विंग नं II, कन्टोनमेंट कमेटी
नं० 2418 है तथा जो ईस्ट स्ट्रीट पूना में स्थित है (और
इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की बाजत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित छापारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आदि था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० ठक्कर परमार प्राप्टीज प्रा० लि०,
116/118, फर्स्ट मरीन स्ट्रीट,
बम्बई - 2।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आई० पी० मेहबुबानी,
श्री जे० पी० मेहबुबानी,
श्रीमती जी० ए० मेहबुबानी,
2406, ईस्ट स्ट्रीट,
पूना - 1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्यपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की दिनील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
एया है।

मनूसूली

फ्लैट नं० 'जी', विंग नं० II, कन्टोनमेंट कमेटी नं० 2418
ईस्ट स्ट्रीट, पूना ।

(जैसे कि रजिस्ट्री कुत सं० 37 ईई०/1814/पूना जो तारीख
अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शणिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 2-4-1984

मोहर

प्रस्तुप आई ८८ टी. एन. इस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भार 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निदेश सं० सं० १० ए० ५/३७ ई०/६०२/८३-४—अतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13 पहली मंजिल बिलिंग नं० 2
सरस्वती नगर को० ओप० हाऊसिंग सोसाइटी है
तथा जो धाना (ईस्ट) में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) एंसी किसी आय या विवरी धन या अन्य आस्तिथों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेश लाल गोविन्द राम सरीजा
2/13, सरस्वती नगर,
कोपरी कालोनी,
धाना (ईस्ट)-400603।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री रघुकृष्ण बा. राम राव शाफ़,
2. श्री गुरुराज राव शाफ़,
2/18, दौलत नगर,
धाना (ईस्ट)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, पहली मंजिल, बिलिंग नं० 2, सरस्वती
नगर को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी धाना (ईस्ट),
(क्षेत्र 78.30 स्के० मीटर्स)।

(जैसे कि रजिस्ट्रेकर नं० 37 ई०/२५९८/धाना/८३-४
दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 28-४-1984

मोहर :

प्रकृष्ट बाहुदूर्ज दो.। इन्हें एस. ८४-८५-८७
जापकु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

आरत सुडकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/603/84-85—अतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०. फ्लैट नं० 1 ए, प्लाट नं० सी० ए० ४८०
४७२/सी-२ है तथा जो गुलटेकड़ी, पूना में स्थित है (और
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्थ अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे
व्यक्तियाँ में किसी करने या उससे वचन में सूचित
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिल्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना प्राहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) मैं पूर्णिमा बिल्डर्स,
379, न्यू रास्ता पेठ,
पूना-11।

(अन्तरक)

(2) श्री पोषट लाल भाग चन्द्र ओसवाल,
362, गणेश पेठ,
पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइँ भी आक्षेपः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनूसूची

फ्लैट नं० 1 ए, प्लाट नं० सी टी० ए०/ नं०] 472/सी-२;
गुलटेकड़ी, पूना- 9।

क्षेत्र 460 स्के० फीट।

(जैसे कि रजि स्ट्रीक्ट विलेख नं० 37 ईई०/2296/83-84
पूना दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 10-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आदौ. ही. पर. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईड०/604/83-84—अतः
मझे, शशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
पौरजिसकी सं० फ्लैट नं० 6, प्लाट नं० 3, पिनू छाया विलिंग
दे नद्या जो अचोले जिला थाना में स्थित है (प्रौद्योगिक उद्योग और सूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता विक्रिया
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तेज पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हड्डे किसी आय की जावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाया
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हे भारतीय आदायक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की दृष्टिकोण (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैं० मतीला गन्धर्वसम्मान संस्कृत विद्यालय,
मार्कन श्री कृष्ण कुमार दत्त
पिनू छाया, अचोले रोड,
विलेन-अचोल,
जिला थाना ।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती शोभावती हीरालाल मिश्रा,
स्तम नम्बर 7,
जिला नं० एक्स-13,
गोदरेज कालोनी ।

(अन्तिमिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
मूँचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, प्लाट नं० 3, पिनू छाया, विलिंग, अचोले,
जिला थाना (फ्लैट 60.85 स्के० मीटर्स) ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईड०/थाना/2913/83-84
दिसम्बर, 1983 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है)

शशिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 28-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/605/84-85—अतः
मुझे, गणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है;

और जिसकी सं० प्लाट नं० 51 और 52 जो सर्वे नं० 121 और
122 कोथरुड, पूना में कुल एरिया 25120 चौरस फीट है
तथा जो कोथरुड, पूना में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख, जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूर्यान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यान प्रतिफल के
एन्ड्रु प्रैंटशस से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
हैं वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या विद्या जाना आविष्ट था, छिपाने में सूचिता
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० वी० सोनालकर,
श्री वी० वी० सोनालकर,
श्री एम० वी० सोनालकर,
अनुराग अपार्टमेंट,
एरण्डवना, पूना 41

(अन्तरक)

(2) मै० निमा विल्डमैं,
501, रास्तापेठ,
पूना-417011।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनुसुनी

प्लाट नं० 51 और 52 जो सर्वे नं० 121 और 122
में कोथरुड, पूना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई०/3517/पूना/83-84 जो
भाग अयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर
में लिखा है)।

गणिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

नामांकन : 7-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत नाम—दी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशीनव, उद्धावक आवकर बाबूलत (प्रिंटिंग)
अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०//606/84-85—अतः
मुझे, शाशिकांत कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट टाप फ्लोर सर्वे नं० 786/9/10/15
16 एफ० पी० नं० 243, शिवाजी नगर पुना है तथा जो
पुना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
दिसम्बर, 1983

को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तण्य पाया गया प्राप्ति-
फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के दृढ़ किसी बाबू की बाबू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दर्शाव
में कमी करने या उससे बचने में सहाया के लिए;
और/वा

(क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में
सहाया के लिए;

उक्त अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—

(1) श्री डी० के० गारदे (भागीदार),
मै० वास्तु शिल्प, "विद्या"
93/2ए, अरंडवना,
पुना-९।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एच० पवार,
3/44, गुरु प्रसाद,
पुना-१।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट-टाप फ्लोर, सर्वे नं० 786/9/10/15/16, एफ० पी०
नं० 243, शिवाजी नगर, पुना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/3058/83-84 जो
दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

शाशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 7-4-1984

मोहर

प्रस्तुति बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, दस्तावेज़ आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. पुना

पुना, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निवेदण सं० सी० ए० ५/३७ ई०/६०७/८४-८५-
मुद्रा, शणिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य नं० 304, माजान नं० 2416 है तथा जो
पुना में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुगृही या और पुर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के द्वारा यथा
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज. पुना में रजिस्ट्रे-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज़
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्तावेज़ प्रतिफल से, एंसे दस्तावेज़ प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरीतियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित एवं
मास्त्रिक रूप से कीदित नहीं किया गया है

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कीदी करने या उससे बचने में सक्षम
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मान: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण
में, मैं, इसके अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १-

(1) मैं मुकवाना क्रदसं एण्ड कं०
४४१, मोमवार पेट,
पुना-२

(अन्तरिता)

(2) श्रीमती ज्योति दयानि दाता वासवानी
पा० ओ० बाक्स नं० १२४२७,
द्वादश ओयोस्टर,
नाटजेरिया वेस्ट अमेरिका।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आधारप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या लंसवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रथम शब्दों आंर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिसर्पित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फर्म नं० ३०४, नीमरो माधिल, नूच नं० २४१६, ईस्ट
स्ट्रोड, जनरल थिर्मेंश, रोड, पुना-११/क्षेत्र १४२० स्कॉ०
फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० ३७ ई०/२२३७/८३-८१/
पुना नवम्बर 1983 की स्थायी आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

गंगालाल कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
स्थायी आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

नामांकन : ८-४-१९८४

मोहर :

प्रूफ बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
वार्ष 1969-70 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० मी० ए० 5/37 ईई०/608/83-84—अति
मुझे, गणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ओरेंज की सं० कैटनं० एच० विंग नं० II कन्टोनमेंट कमटी
नं० 2418, ईस्ट स्ट्रीट, पुना-1 है तथा जो पुरा में स्थित है
(और इनमें उपावड़ अनुसूचि के और पूर्ण स्तरे के वर्णित है).
रजिस्ट्री हर्टी अधिकारी के अधिनियम, नहायत आयकर आयुक्त
(निरीक्षण). अर्जन रेंज, पुना में रजिस्ट्री हरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन नारेंग अनुबंध, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे बंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर इने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भौत अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन विनिलिखित व्यक्तियों, वर्धात्—

(1) मै० टक्कर और परमार प्राप्तीजि,
प्राइवेट लिमिटेड.

116/118, फस्ट मरीन स्ट्रीट,
बम्बई-२

(अन्तरक)

(2) श्रोईश्वरोप्रताप राय मेहबुवानी,
श्री सुन्दर प्रताप राय मेहबुवानी,
श्रीमती विणु सुन्दर मेहबुवानी,
2406, ईस्ट स्ट्रीट, पुना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से संक्षिप्त व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्त नहीं है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 'एच' विंग नं० II, कन्टोनमेंट कमटी नं० 2418
ईस्ट स्ट्रीट, पुना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीड्रूट नं० 37 ईई०/1559/83-84 जो
तारीख अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है)।

गणिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 2-4-1984

मोहर :

प्र० प्र० बाइ० टी० एन० एस०

**भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निम्न सं० सी० छ० 5/37 ई० 609/83-85—अतः

मुझे, शिकिंत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, रजिस्ट्रीकरण अपार्टमेंट, प्लाट नं० 87, सं० 50, 52, 53 ए, पर्वती, पूना-411009 है तथा जो पूना-2 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उच्चमान प्रतिफल से, एसे उच्चमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया जवा है—

(ए) उदाहरण से दूर निकली बात की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) मै० चौपडा घेवलपसं,
245, नारायण पेठ,
पूना-411030।

(अन्तरक)

(2) श्री विवेका नन्द बाबू राव ताकवले,
862, कस्बा पेठ,
पूना-411011।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-महूद जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्तरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, राजकिरन अपार्टमेंट, प्लाट नं० 87, सं० नं० 50, 52, 53 ए, पर्वती पूना-411009।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1693/अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शिकिंत कुलकर्णी
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 5-4-1984

माहूर :

प्रकृष्ट प्राइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 5 अग्रेस 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/३७ ई०/६१०/८४-८५—अतः
मुझे, प्रशिक्षित कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, राज किरण अपार्टमेंट्स,
प्लाट नं० 87, सं० नं० 56, 52, 53 (ए), पर्वती, पुना-९ है
तथा जो पुना-९ में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुना में शि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख, नं० 2035 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ह ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम,, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मतिष्ठा
के लिए;

कृत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) मै० चोपड़ा डेवलेपर्स,
245, नारायण पेठ,
पुना-३०

(अन्तरक)

(2) श्री गणपतराव सम्भाजी तांडी,
जेऊर गांव,
त० पुरुदर
जिला—पुना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिकृत के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्त्रेष :—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, राजकिरण अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 87,
सं० नं० 50, 52, 53 (ए), पर्वती, पुना-९

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल नं० 37 ई०/२०३५/पुना-८३-८४
ता० अक्तूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

प्रशिक्षित कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 5-4-1984

मोहर :

प्रध्य आई.टी.एन एस.

(1) नौमित्र लेवल्समे.

245, नामया पेट,

पुना-30।

(अन्तरक)

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भाष्यकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निदेश सं० भी० ग० ५/३७ हृ०/ ८४-८५-अतः मृद्दे.
शिकायत कुलकर्णी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिशावास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, राजकिशन अपार्टमेंट, प्लाट
सं० 87, स० नं० 50, 52, 53 ए पर्यंत, पुना-9 है तथा जो
पुना-9 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भाष्यकर
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-पुना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख
नं० 1691/ अक्टूबर, 1983कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विषयात्मक
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरक से हृ० किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहूँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा
के लिए;(2) श्रीमती योगजा दीपक अवले और
श्री दीपक शामराव अवलेने,
वरद विनायक डाऊर्सिंग सोनाडी
वड गांव शेरी,
पुना-14।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त द्वारा यांचीन में हितबद्ध
किभी अन्य अकित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, प्लाट नं० 87, स० नं० 50, 52, 53 ए,
पर्यंत, पुना-9।(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल नं० 37 हृ०/1691/पुना/83-84
ना० अक्टूबर, 1983 को गहायक आयकर आएका (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है)।

गणिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
भाष्यकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 5-1-1984

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के उपधारण (1)
में, वै, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारण (1)
के अधीन, निम्नलिखित वाक्यों, अर्थातः—

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एच.-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

व्यापारिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० भा० ए० 5/37 ई०/613/83-84—अतः
भुजे, शणिकांत कुलकर्णी,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैट नं० 120, प्लाट नं० 4, हिस्सा नं० 6,
भंगन० 17 ए, है तथा जो वानोरी, पूना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 25 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्ययमान प्रतिफल से, दोसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच दोसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ दो किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को व्यावधि
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अद्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-136GI/84

(1) मै० प्रमार कन्स्ट्रक्शन्स,
321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड,
मानी नगर,
पूना-2

(अन्तरक)

(2) श्री जे० ई० जौली
28, वाङ्मय रोड,
पूना-1

(अन्तर्नीती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अव्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होंगा जो उग्र अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 120, प्लाट नं० 4 हिस्सा नं० 6, गं नं०
17 ए, वानोरी, पूना / क्षेत्र 790 स्क्वायर फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीड्रूल नं० 37 ई०/3623/83-84
पूना, तारीख 25 जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शणिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 2-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत नाम—टी. एन. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निदेश मं० सी० ए० 5/37 ई०/614/84-85-अतः—

मुझे, शणिकांन भूलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० फैट नं० 424 है तथा जो पूना में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर
1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए क्षय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दारण से उक्त अंतरण विस्तृत में वास्त-
विक रूप से कीचित नहीं किया गया है—

(ए) अन्तरण से हृदृ किसी आध की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दौरान भू-
कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए;
धौष/पा

(ए) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य आँसूबों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए;

बहुत: बहुत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

(1) मं० परमार अस्ट्रेक्यन्स,
321/3, न्यू ट्रिम्बर भार्केट रोड,
पूना-२।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्वर झाईन घोष,
माफित श्री तारीक झांडोरा,
पी० ओ० वाक्स 8146,
जेवाह, सुजदी अरेविया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैट नं० 424, घाट नं० 4, हिस्सा न० 6, सर्वे न०
170, मीजे वानोगी, पूना-13।

क्षेत्र 720 स्कॉ फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूर नं० 37 ई०/668/83-84/पूना/
अक्टूबर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में निखा है)।

शणिकांन भूलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 5-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत काहौ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 6 अप्रैल 1984

निवेश सं० मी० ए० 5/37 ई०/615/83-84—अर्जन
मुझे, शाशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैलैट नं० 404 एन० नं० 2416 है जिसका
जो पुना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अंधिकारी के कार्यालय, महायक
बायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर, 1983

को पूर्वोंतर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(i) अन्तरण से हूर्द किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ii) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अकिलयों, अधृत :—

(1) मैं० मशीवाना ब्रदर्स एण्ड कम्पनी,
441, गोमतीर पैट,
पुना-1।

(अन्तरक)

(2) 1. काला उत्तम लाल बलसारा।
2. श्री उत्तम लाल पैल० बलसारा।
209, पम० जी० रोड,
पुना-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो कारके पूर्वांकत सम्पत्ति के अन्तर्न के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उस स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहम्मादारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही वर्त्त होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

फैलैट नं० 304, चौथी मंजिल, एन० नं० 2416, ईस्ट
स्ट्रीट, जनरल थिमेया रोड, पुना-1।

क्षेत्र 1420 स्कै० फैलैट ।
(जैमेक्स रजिस्ट्रीकूत न० 37 ई०/2234/पुना/83-84
नवम्बर 1983 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना के कानून में लिखा है)।

शाशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 6-4-1984
मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 7 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ई०/616/84-85—अतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रधारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो डोबीवली, जिला थाना में
स्थित है (ग्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 दिसम्बर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त
बंधितियों के अधीन कर दने के बन्तरक व
दायित्व में कभी करने या उससे बचने से हुई वा
वे निए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
वा, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दुष्कृति वा लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, या, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों जर्जरी द—

(1) मै० शहा बिठडर्स,
49, स्टील याँड हाऊस,
सन्त तुका राम रोड,
बम्बई-9।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन निलकाठ वाघ,
सी बिज अपार्टमेंट्स,
ईस्ट क्रास लेन,
सांताक्रूज (वेस्ट),
बम्बई-54।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यकालियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोइँ भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त दस्यान सम्पत्ति में हितमद्दृढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

फ्लैट नं० 203, दूसरी मजिल, लक्ष्मी अपार्टमेंट्स तिलक
रोड, डोबीवली, (ईस्ट) जिला थाना।

ध्वेष 614.8 रुपये।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ई०/3603/83-84/पुना
ना० 24-12-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 7-4-1984

मोहर

प्रस्तुप आई. टी. एन. प्स. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37 जी० /1113/83-84--अतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 35, आर० एस० नं० 25/1, और
26 है तथा जो नेनावान, जिला पूना में स्थित है (और इसमें
उपांडव अनुसूची में और पूणी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय द्वायम निबन्धक, मावल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6 अक्टूबर, 1983

को प्रावित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिरी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण है हूँ किसी भाय की बात उक्त अन्तरण की विविधता के बनाए रखने के बनाए रखने के बावित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाई/बा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या बन्ध कासियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया था या या
या किया जाना चाहिए था उक्त धन में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) मैं० प्रधान हील रिसार्ट्स,
पार्टनर श्री शिवराज अहुदिन अहमद प्रधान
41, जेल रोड,
डोंगरी, वर्मवाई- ९।

(अन्तरक)

(2) १. श्री भफली खान रज्जाब खान
२. श्री अमन खान राजा मुहम्मद।
इरानी चाल, जो वाई.
लेनावल, जिला पूना।

(अन्तरिरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के रामबन्ध में कोई भी आक्षेप नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के भास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

शशिकांत कुलकर्णी

शशिकांत कुलकर्णी
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 2-4-1984

मोहर

प्रस्तुत आहे, टॉ. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक: 5 अप्रैल, 1984

निवेदण सं. सो० ए० 5/37 ई०/612/84-85—अतः,
मुझे, शिक्षकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पंक्तात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-म के आगीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ऑफिस नं. 210 है तथा जो 501 बी०
घोरपडे पेठ, पुना-२ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पुना में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नं. 2899 / दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से एंसे दूसरामात्र प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(उ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अस्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सुविधा के
लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की संपत्ताय (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

(1) हरी नारायण पन्ना लाल मालपाणी,
1598, शुक्रवार पेठ, पुना-२।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजूला कांतिलाल संघवी,
164, गुरुवार पेठ,
पुना २।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो ऐसी
अवधि बाब भूमि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रॉफेसर नं. 210 पन्ना चंद्रगं, 501-बी० घोरपडे पेठ, पुना-२

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण नं. 37 ई०/2899/83-84,
दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना के दफतर में लिखा है।)

शिक्षकांत कुलकर्णी

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

तारीख: 5-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप बाइ^१, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 28 अग्रहीत 1984

तिवेंग सं मो० ए० ५/३७ ई०/६१७/८३-४-—अन्तः
मुझे, शिक्षिकांत कुलशर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिग्को स० प्लैट नं० ७, जान्ताकुज अपार्टमेंट्स स० १० टी०
एम० नं० २९-२ और ३ है तथा जो भौमवार पेठ, पूना में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निराक्षण), अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अंदरूनी, नारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
वन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावित्य में कमी करने या उससे देने में सुनिधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
से, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के एवेजनार्थ अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा
के लिए;

जल्द: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1) श्री कमलाथ प्यारेलाल आगरवाल,
2) श्री दीनिलाल विग्रह आगरवाल,
273, जाना नृ०,
पूना - २।

(अन्तरक)

- (2) श्री चन्द्र कोन दत्तात्रे कुपड़ी,
नथूलंगे चाल,
शामारवाडी,
पूना - ३४।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

प्लैट नं० ७, जान्ताकुज अपार्टमेंट्स, सी० टी० एम० नं०
२९-२२९ और ३१ गोमवार पेठ, पूना । दिन ४०८
स्के० फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रोकर्ता नं० ३७ ई०/पूना/२२६६/८३-४.)
नं० ६ अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेज, पूना के दफ्तरमें लिखा है)।

शिक्षिकांत कुलशर्मा

सक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख : २८-४-१९८४

मोहुड़ :

प्रकृष्ट आई.टी.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) मैं चोपरा डेवलपर्स,
242, नारग पेठ,
पुना-411030।

(अन्तरक)

(2) ओ के० बी० लहिरेट
512, रामा पेठ,
पुना-411011।

(जनार्दन)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकन (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 5 अप्रैल 1984

निदेश सं० स०० ग० 5/37 ईड०/618/84-85-अनः
मुझे, शिक्षिकांत कृतकर्त्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राचिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० पलैट नं० 1, गज किरण अपार्टमेंट, इलाट नं०
87, स००० ५०, ५२, ५३ ए, पार्वती, पुना-411009 है
तथा जो पुना-२ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्न अधिकारी के कार्यालय,
महायक आयकर आयकन (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुना में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1983

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
गंदर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अंतरिती (अंतरितीय) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदै किसी भाग की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सविभाग
के लिए; और/था

(क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तीयों
का, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबंध नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशन:—इसमें प्रश्नका दब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-वा में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पलैट नं० १, गज किरण अपार्टमेंट, इलाट नं० ८७ भ०००
५०, ५२, ५३ ए, पार्वती, पुना-411009।

(जैसे ये रजिस्ट्रेकर नं० 1692/अमृतवर, 1983 को
महायक आयकर आयकन (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुना के दफतर
में लिखा है)।

तारीख : ५-४-१९८४

मांहूर ४

शिक्षिकांत कृतकर्त्ता
महायक आयकर आयकन (निरीक्षण)
अर्जन रेज पुना

प्रृष्ठ पाइ. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 अप्रैल 1984

निदेश सं० सो० ए० 5/37 ई०/619/84-85—अतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० और जिसकी सं० गंजपीथ सर्वे नं० 526 प्लाट
सं० 322/2 टी० पी० - ८०३ है तथा जो पूना में स्थित है (और
इप्पे उत्तरद्वारा अनुमति में और पूर्ण रूप से याचित है), रजिस्ट्रीकर्नरी
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जनपूना रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-
रीती (अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सूनिधा
के लिए; और/वा

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में
सूनिधा के लिए;

इतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्दुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-136GT/84

(1) श्री रमेश शिवराम दामने,
महाराष्ट्र मण्डल,
तिळक रोड,
पूना-३०।

(अन्तर्गत)

(2) श्री मोहन लाल ताराचन्द परमार,
३९३, गृष्मांग ऐंड,
पूना-२

(अन्तरिमी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

गंज ऐंड, सर्वे नं० 529, फ्लैट नं० 322/2 टी० पी०
स्कीम नं० 3.एग्जिया, 5100 चौरस मीटर

(जैसाकि रजिस्ट्रेशन नं० 2588/83-84 जो त०
मुक्त अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी

संश्लेषण प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 9-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निवेश सं० सी० ग० 5/37 ईई०/620/84-85--ग्रन्त:
मुख शिक्षिकात् घुलकर्णी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहम करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० II-८, प्लाट नं० सी० टी० ग० ५०
और जिसकी सं० प्लैट २८, प्लाटसी टी० ए० उ
४७२ है तथा जो गुलटेकड़ी, पूना में स्थित है (और इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय,

पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर, 1983

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दादेय से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व
में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
है लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधातः :—

(1) मैं० पूर्णिमा घिल्लूर्स,
379, न्यू रास्ता पेठ,
पूना-१।

(अन्तरक)

(2) स्त्री शिक्षिकात् शिवाजी राव शिंदे,
372, गणेश पेठ,
पूना-२।

(अन्तर्भी)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्य
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बोर्ड गी आशेंग :—

(क) इस सूचना के ग्राहक में प्रदायन की तारीख से
45 दिन की अवधि था तरसम्बन्धी व्यक्तियों, पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) हम मूचना के ग्राहक में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायीर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उम अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० II-३, प्लाट सी० टी० ग० ५० नं० 472/सी०-२,
गुलटेकड़ी, पूना-९।

क्षेत्र 550 स्क० फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37/37 ईई०/2295/83-84/
पूना/दिसंबर, 1983 को सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

जगिशंत घुलकर्णी
मानम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-4-1984

मोहर :

प्रसूत भाइ, टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 अप्रैल 1984

पिंडित भंग मिठोपांड 5/37 ईडी/621/83-84—यन्तः मुख्य,

शाशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कागण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

ओर जिनको सं० पैलैट नं० ३२ ब्लॉक IIए विंग है तथा जो पूना में
स्थित है (ओर इन द्वावड अनुगूचि में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) विनामूलता अधिनियम के द्वारा द्वय, पूना में
राष्ट्रीयकरण नीमांत वि० 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3 फिल्डर, 83

को पूर्वोत्ता गमणिल के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिकल में तिता अन्तिम बी गढ़ है और यह विश्वास
करने को कागण है कि यथापदावत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके द्वयमान प्रतिकल रो, एमें द्वयमान प्रतिकल का
पद्धत प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त बंतरण लिखित भ्र
प्रासनविक रूप में कीभत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
दायित्व में कर्मी करने या उनमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगशाला अधिकारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, भौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्म ठवकर्स बिल्डर्स प्रा० लि०
116/118, 1 मरीन स्ट्रीट,
वम्बई-२।

(अंतरक)

(2) श्री रमेश हिरानन्द कृपलानी
2406, ईस्ट स्ट्रीट,
पूना-१

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लासील से 30 दिन की अवधि, ओ भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

पैलैट नं० 2, ब्लाक नं० 2, ए विंग, ठवकर्स अमार्टमेंट्स,
नं० 2128, भुवनेश्वरी, बल्लभ भाई पटेल रोड, पूना-१
फोन 685 ईक० फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत नं० 37 ईडी/1808/83-84/
पूना ता० 3-10-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शाशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 9-4-1984

मोहर :

प्रसूप बाई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक: 2 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 जी० 111/83-84—अतः मुझे,
शिकायत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 20, आर० ए० सं० 25/1
और 26 है तथा जो लेनावल, जिना पूना में स्थित है (और
इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्घम निबन्धक, मावल में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
कारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, त्रिमात्रिकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिता
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वा धनकर
अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) मै० प्रधान हील ग्रिस्टर्स,
पार्टनर श्री शिवशंज बहुदित, अहमद,
प्रधान, 41, जेल रोड,
(ईस्ट) जोगरी, बम्बई-९।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री वसन्त रघुनाथ ठिकेकर,
2. श्री मनोहर रावदमल गुप्ता,
जी० आई, लेनावल,
जिला पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
रखा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 20, सर्वे नं० 25/1 और 26 लेनावल, जिला
पूना / थेन 595.70 स्के० मीटर्स ।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 जी/588/1983 को दुर्घम
निबन्धक, मावल के दफ्तर में लिखा है ।

शिकायत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 2-4-1984

माहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 जी०/83-84—अरा: मुझे,
शाश्वकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, आर० एस० नं० 25/1 और

26 है तथा जो लोनावल, जि० पूना में स्थित है (और
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्यम निवन्धक मावल में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के
वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीसाथी
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० प्रधान हीरा रिसाटंर,

पार्टनर श्री बहुदीन अहमद प्रधान,
41, जेल रोड (ईस्ट),
ठोंगरी (बम्बई)।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री नव्द किंगर श्री गोपाल खण्डलबाल,
26 एफ० बाड़,

न्यू बाजार, लेनावल।

2. श्रीमती रुचिरा किंगल लाल अगरबाल,
85 एफ बाड़,
न्यू बाजार,
लेनावल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्ष्मी

फ्लैट नं० 21, आर० एस० नं० 25/1 और 26
लेनावल, जिला पुना। क्षेत्र 514.82 स्केंडीस्ट्री।

(जैसे कि रजिस्ट्रीक्ल नं० 37 जी०/336/6-10-83 को
दुष्यम निवन्धक, मावल के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांश कुलकर्णी
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 2-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 3 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी.ए.० 5/27 जी०/1115/83-84—अतः मुझे,
शिक्षकांना कुनूकार्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैट नं० 34, आर० एस० नं० 25/1, और
26 है तथा जो लेनावन, जिला पूना में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दुर्यम निवन्धक, भावल में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
कारीब अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के ऊचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाम्बर
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल के
पैद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तर्रक्ति
(अंतर्रक्तियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मूलिका
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आमिलां
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्रक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संदिक्षा
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० प्रधान हील रिसार्ट्स,
पार्टनर श्री शिवराज बहुद्वाज
अहमद प्रधान,
41, जेल रोड,
इस्ट डोगरी
वम्बई-९।

(जनरल)

- (2) 1. श्री देवर चन्द जुहार मल जी जैन,
फैट नं० ५, गिल्वर
हाउसिंग सोसाइटी, गार्डन रोड
नं० ३ मालड-वम्बई-६४।
2. श्री कनक राज जुहार मल जी जैन
छठवां फ्लॉर मामलनदार वाडी,
अंजनी निवास, रूम नं० २,
भालड, वम्बई-६४।

(अन्तर्रक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकार्हयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आषोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वृद्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की वृद्धि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उन स्थावर सम्पत्ति में हितवदुध
किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
निरीक्षण में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैट नं० ३४ आर० एस० न० २५/१ श्रीग २६ लेनावन
जिला पूना। थेव ६३४ ५ रोड भीटर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीक्त नं० ३७ जी०/५८९/अक्टूबर, 1983
को दुर्यम निवन्धक, भावल के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षकांना कुनूकार्णी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 3-4-1984

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंतर्गत रेंज, पुना

पुना, दिनांक 2 अप्रैल 1984

निर्देश नं० मी० ध० 5/37 जी०/83-84—आयुक्त: मुख्य
शिक्षकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्दित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 25 आ०.०८० नं० 25/1
ओर 26 है जो लेनावल, जिला पुना में स्थित है (गौर
इसमें उपावद्ध अवृत्तों में ग्रीन पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महाराष्ट्र आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अंतर्गत रेंज, पुना में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 अक्टूबर,
1983

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसके में
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आठ-कर अधिनियम, 1927
(1927 का 11) या उक्त अधिनियम, गा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने एं सुविधा
के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) मैं प्रधान हिल रिस्टर्टर,
पार्टनर श्री शिवराज बदुहीन अहमद प्रधान,
41, जेल रोड,
डोंगरी, बम्बई-9।

(अन्तरक)

(3) 1. श्री अफलन ०८० मिठा,
२२ शार्पिं स्ट्रीट, बम्बई-१।
2. श्रीमती श्रीनी रोलन नानाथटी,
नवगोंग, महोर,
मिर्जा गालिब रोड,
बम्बई-४।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हत्तेंवंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
दिलचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 25 आर.एस नं० 25/1 और 26 लेनावल
जिला पुना। क्षेत्र 509.4 स्कॉ.मीटर्स।

(जैसाकि रजिस्ट्रीक्यूट नं० 587 ता० 7-10-83 को
दृश्यम निबन्धक, मावल के दफतर में लिखा है।)

शिक्षकांत कुलकर्णी
गक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंतर्गत रेंज, पुना

तारीख : 2-4-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ——————
काण्डकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सचिता

प्राचीन रसायन

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुस्ता

पुना, दिनांक 3 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 जी० 1117/83-84—अतः मुझे,
शणिकांत कलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा-
269-वा के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

फैलौट नं० 37, आर०एस० नं० 25/1 और 26/1 है तथा जो लेनावल, जि० पुना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृष्यम निबन्धक, मावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरी सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अधिक है और इसके लिए अन्तरिति की गई है और इसके लिए विद्यासामान विद्यासामान प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरी सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अधिक है और अंतररक्त (अंतररक्त) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल विभिन्न उचित चहरोंसे से उक्त अंतरण विभिन्न बोल्ड वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष्य की बाबत, उसके अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(८) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त 5—

(1) मैं प्रधान हील रिमार्ट्स,
पार्टनर श्री शिवराज बहुदीन अहमद प्रधान,
41, जेल रोड,
झोंगरी, बम्बई-9।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री हनीफ सहन शेख,
मकान नं० ४,
ई वार्ड, लेनाथल,
जिला पुना।

२. श्री मनी नवीश्वाई हसनग्रामी
मर्चट जावल सेनोटोरियम,
नं० II, बम्बई-पूता रोड,
लेनावल, जिला पुना ।

(अन्तरिती)

को यह बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के वर्षा के द्वितीयांश करता है।

उपर सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कहें भी आसान है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोग्यता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापार;

(क) इस सूचना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુષ્ઠાન

फ्लैट नं० 37 आर० एम० नं० 25/1 और 26/1 शेत्र
586 स्कॉर्ड भीदर्हा। लेनावल जिला पुना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 जी०/471 ता० 7 अक्टूबर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज. पुना के दफ्तर में लिखा है।)

गणिकांश कुलकर्णी
संक्षम प्रधिकारी

सारीख : 3-4-1984

मोहर ३

प्रस्तुत आदृ. दी पुनः पृष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37-जी०/118/83-84—यन् :

मुझे, शाश्किंत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, मर्वे नं० 25/1 और 26 हैं
तथा जो लेनावल, जि० पूना में स्थित हैं (और इससे उपावड़
अनुसुची में और पूणे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दुर्घम निवन्धक, मावल में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7
अक्टूबर, 1983

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाव की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
है तिए; और/एवं

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य भावस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
है तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेर पथान हीन गिराईम,
पार्टनर श्री बहुदीन अहमद प्रधान,
41, जैन रोड,
डोंगरी (ईस्ट), बम्बई-९।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अशोक राम चन्द्र पारम,
2. श्री चम्पक लाल रामचन्द्र पारेख,
'एफ' वार्ड, लेनावल,
ता० मावल, जिला पूना।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 14, मर्वे नं० 25/1 और 26, लेनावल,
जिला पूना। क्षेत्र 578 46 मी० मी०

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 337/ता० 7 अक्टूबर, 1983
को दुर्घम निवन्धक, मावल, पूना के कार्यालय में लिखा है)।

शाश्किंत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-4-1984

मोहर :

अधिकारी. बाई. डॉ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 मई 1984

निदेश सं. सी० ए० 5/37 ई०/627/84-85—यतः

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-च के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 202, विलिंग बी, चारहाम
अपार्टमेंट प्लाट नं. 65, सर्वे नं. 121, 122, कोथरुड,
पूना-29 है जो पूना में स्थित है (और इससे उपाधिक
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,
पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितायों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप भै कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आद-बार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट ज़होर किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दृष्टिकोण के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० वी० ए० जी० जी० औरक०,
‘जय चेम्बर्स’
501, घोरोड पेठ,
पूना-2।

(अन्तरक)

(2) श्री सानाम भास्कर नेने,
श्री प्रांजुक सानाम नेने,
‘लाल्मी निवास’
355, वी० पी० रोड,
पूना-4।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यांप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन बीच अधिक या तत्संबंधी व्यक्तिहर्थी पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोक्ता पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किंगी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
वस्त्र व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में पर्याप्तित
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसंधानी

फ्लैट नं. 202, विलिंग बी चारहाम अपार्टमेंट, फ्लैट
नं. 65, सर्वे नं. 121, 122 कोथरुड, पूना-29।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल नं. 37 ई०/2150/पूना/83-84
जो तारीख नवम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 23-5-1984

मोहर :

प्रस्तुति दी. एन. पट्ट. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 23 मई 1984

निदेश सं. सी० ए० 5/37 ई०/629/83-84—अतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संकाम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
दारण है कि स्थावर संपत्ति, प्रिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लैट नं. 201, बिल्डिंग ए, चारुहास अपार्ट-
मेंट, प्लाट नं. 65, सर्वे नं. 121, 122 कोथरुड, पुना-29
है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का दारण है कि दस्यमाने के सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्ननिम्न उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि करने में वास्तविक
रूप से कठिन रूपी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी भाव की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) अभी प्राचीन 1922 का निम्नों अन्य अधिनियमों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने वे
सुविधा रखे लिए;

जहाँ उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—

(1) मै० बी० ए० जोशी और क०,
'जय सेंकर्स',
501, घोरपडे पेठ, पुना-2।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० ए० गाड,
46/386, ए० ए० बी० कालोनी,
संत तुकाराम नगर,
पुना-18।

(अन्तरिती)

कहे यह सूचना खारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्धिया तक सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्धिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा गए हों।

स्पष्टीकरण:—इसमें पूर्वीकृत सब्दों और वर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के बैं परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूना

प्लैट नं. 201, बिल्डिंग ए, चारुहास— अपार्टमेंट;
प्लैट नं. 65, सर्वे नं. 121, 122, कोथरुड, पुना-29।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं. 37 ई०/2463/83-84/
तारीख अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 23-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत बाईंटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 मई 1984

निर्वेश सं० सी०ओ० 5/37/ई०/678/84-84—अतः
भूमि, शिंग कॉर्ट कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘पिसे इसन्हे
इहके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), को भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण
है कि स्वावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 बिल्डिंग-बी चारूहास
अपार्टमेंट फ्लैट नं० 65, सर्वे नं० 121-122, कोथरोड
पूना-29 है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे
उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्राम्य आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1983
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मूल्य वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल प्रिमलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
कीदूष/वा

(२) ऐसो किसी आय या किसी भूमि या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूमि
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भूमि 269-व के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) मौ० वी० एस० जोशी और क०,
‘जय चैम्बर्स’,
५०१, घोरपडे मेठ,
पूना-२।

(२) श्री वी० क० देशपांडे,
श्रीमती जौ० वी० देशपांडे,
मार्केट श्री वी० जौ० गरड़,
‘सत्कार, बंगलो,
३८/२१ एरंडवना,
पूना-३८।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपे ?—

(३) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्व द्वारा;

(४) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में वित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय २०-व में परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, बिल्डिंग बी, चारूहास अपार्टमेंट, प्लाट
नं० 65, सर्वे नं० 121, 122, कोथरोड, पूना-२९।

जैसे कि रजिस्ट्रीकूट नं० 37 ई०/2465/पूना/जो तारीख
अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन
रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 23-5-1984

मोहर

प्राक्तुर आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 मई 1984

निर्देश सं० सं० १० ग० ५/३७६६/६३०/८४-८५—वतः मुझे,
शणिकान्त कुलकर्णी

*आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० २ चार्हास अपार्टमेंट प्लाट
नं० ६५ सर्वे नं० १२१ १२२ कोथरुड पूना-२९ में स्थित है
(श्री इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूना में जिस्ट्री-रेज
अधिनियम 1908 (1908 ग्र 16) के अधीन, तारीख
जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिरती (अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दत अन्तरण
विधित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

वतः आयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. मैसर्स जिह० इम० जोशी,

ब्र० वेस्ट्रेस, ५०१, बोर्डर्स पैड, पूना-२

(अन्तरक)

२. श्री इस० डब्ल्य० जोशी,

१२, ईस्ट हाई कोर्ट रोड, राम दास पेठ,
नागपुर ।

(अन्तरिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास
लिपित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरणः—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० २, चार्हास अपार्टमेंट, प्लाट नं० ६५, सर्वे
नं० १२१, १२२, कोथरुड, पूना-२९ ।

(जैसे कि जिस्ट्रीकृत नं० ३७६६/३५९२/पूना/८३-८४
जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में निश्चा है।

शणिकान्त कुलकर्णी

नभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख १२-६-१९८१

मोहर :

प्रस्तुत आदृ. टो. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना

पूना, दिनांक 22 मई 1984

निदेश सं० सी० ए०/३७६६/६२५/८४-८५—अतः मुझे,
शाशिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

आर्य जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 आर्ती अपार्टमेंट सर्वे
नं० 1102/ए/३०, माडल कालोनी, शिवाजी नगर, पूना-१६ है
तथा जो पूना में स्थित है (प्रीर छग्में उपावद्ध अनुभूति में आर्य
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या ऐसी भूमि या अन्य आंतरिती
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अमंत्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बायाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

१. मैसर्स व्हां० प्रम० जोणी, ओर क० जय चंद्रवर्ण
पाहला माला, ५०१, घोरपडे पेठ पूना-२

(अन्तरक)

२. श्री शैला रघुनंदन बैलूर,
कुमारी स्मीता रमेश बैलूर,
बी-२/७५, सफदरजंग, एन्कलेब,
न्यू देहली-२९।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टाकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुभूति

फ्लैट नं० 101, आर्ती अपार्टमेंट, सर्वे नं० 1102/ए/
३४/ माडल कालोनी, शिवाजी नगर, पूना-१६।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० ३६६६/३५४७/८३-८४ जो तारीख
जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना के कार्यालय में लिखा है।

शाशिकान्त कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज पूना

तारीख : 22 मई, 1984

मोहर

प्रस्तुप ब्राह्म. टी. पन् एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 मई 1984

निदेश सं० सी० प० 37ई/626/84-85--अतः मूँगे
शिकान्त कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
‘इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि उपायकर संपत्ति विभाग उचित दावाओं पर २५ लाख/-
रु. से अधिक है

ओर जिसकी मं० पलैट नं० 101, आरती (अपार्टमेंट नं०
नं० 1102/ए/3ए, माडल कानौली, शिवाजी नगर, पूना-16 है
तथा जो पूना में स्थित है (ओर इससे उपावड अनुसूची में और
पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँगे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुए किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीर्णों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-व के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा—

1. मैमर्स व्ही एम० जोशी ग्रीर कं० “जय चेम्बर्स”,
1 नी मंजिन, 501, थोग्नडे बेठ, पूना-२
(अन्तरक)
2. कर्नेल जी० एम० चिकरमाने,
28-ए, कस्तूरवा गांधी सार्ग,
पूना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

बज्जत सम्पादक के अर्जन के मध्यवन्ध में कोई भी वाक्येः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रधानत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो इन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101 आरती अपार्टमेंट, नं० 1102/ए/
3ए, माडल कानौली, शिवाजी नगर, पूना-16

जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 37ई/3545/83-84
तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

णिकान्त कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी

गहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख : 22-५-1984

माहर :

प्रमा आदि १. पत्र एम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा २६७-व (1) के अधीन सचिव

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 22 मई, 1984.

निर्देश सं० सी० प०-५/३७६६/६२४/८४-८५—अतः मर्जे,
शणिकाल्त कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'जल्दी अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाय आधिकारी जो, यह विवाह संकरने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, आरती अपार्टमेंट नं०
1102/A/3A माडल कालोनी शिवाजी नगर पुना-16
में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पुर्ण रूप
में वर्णित है), जिसी तरी गति गरी के आयातिय सदा।
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुना में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1907 जि 16) के अधीन, तारीख
9 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विवाह संकरने का
कारण है कि यथाप्रवृत्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह अन्तरित ये अधिक है और अन्तरक (अंतरकर्ता)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की मावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कर्त्ता करने या उसमें वचने में सविधा
के लिए; अर्ह/या

(ख) प्रेसे किसी आय या किसी धन या इन्हें आदिनियम
के अन्तरित ये अधिक है और मूँझे यह विवाह संकरने के
(1952 का 11) दो उक्त अधिकारी, या
(1957 का 27) या (1957 का 27) के
प्रदर्शनार्थ अंतरित दृश्य प्रकृत नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की संप्रभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. दौलती श्री, पापा, श्रीमी,

"जय चेन्द्रन", १ना माना,
५०१, घोरपडे, पेठ, पुना-२

(अन्तरक)

२. डा० सुरेश विनायक चितले,
श्रीमती मीना सुरेश चितले,
"मनोरमा", श्री कुमार हाडसिंग सोमायदी,
४८/१३, पर्वती दर्शन, पुना-९

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निया
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अन्तसूची

फ्लैट नं० 301, आरती अपार्टमेंट, सर्वं नं० 1102
ए/३ए, माडल कालोनी, शिवाजी नगर, पुना-16

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल नं० ३७६६/२१५१/पुना/८३-८४
जो तारीख नवम्बर, 1983 को सदायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना के द्वारा में निखाई है।

गणिकाल्त कुलकर्णी
सभाम प्राधिकारी
सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 22-5-1984

भोला -

प्रस्तुत याहौं, दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 मई 1984

निवेश सं० सी० ए० -५/३७६६/६२३/८४-८५—अतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पफैट नं० 202, प्लाट नं० 55, सर्वे नं०
89/2, 90/2, 91/2, पर्वती, पूना-9 है, जो पूना में
स्थित है (और इसे उपावड़ अन्मूर्ची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के लाप्रतिप्र सदायक आयकर
आयकर (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्रिंग अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक विसम्वार, 1983
में पर्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथाएँ उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एस द्वयमान प्रतिफल वा
वन्यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथा पाया यथा
प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में भास्तविक रूप से अधिकत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वयमान में कमी करने या उससे उन्हें में सुविधा
के लिए; और/या

(द) एसी कमी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः मत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

। मैथर्स र्हॉ. एम० जोशी,
501, घोरपडे पेट, जय चंद्रमा,
पूना-2

(अन्तरक)

2. व्ही० ई० कुलकर्णी,
3-6-49, जय विजय विले पाल०,
वर्मा-57

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिये
कार्यदात्या करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि में तत्पत्तीयी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृतात्मकी के पाल
नियन्त्रण में फिरे जा सकती।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रदृश शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसंधी

फैलंट नं० 202, प्लाट नं० 55, सर्वे नं० 89/2, 90/2,
91/2, पर्वती, पूना-9

जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 3766/3111/पूणे/83-84 जो
तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयकर
(निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना के कार्यालय में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 22-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप आहू. टी, एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-पूना

पूना, दिनांक 16 मई 1984

निर्देश सं. ए०-५/३७६६०/८२२/८४-८५—ग्रतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह निष्पाप करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बजार राश्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1, ग्राउन्ड फ्लौ एवं चार्ल्हास अपार्ट-
मेंट बी प्लाट नं. 65, रामबाग कालोनी कोथरुड पूना-29
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1984

को प्र्यावैक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाई की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कही कहने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैनसी वडी० एस० जोगी, और क० जय चेम्बर्स,
501, वॉट्सें, पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

2. ए० व्ही० केस्कर,
श्रीमती० ए० ए० केमकर ,
प्लाट नं० 47, मध्यर कारपोरेशन,
कोथरुड, पूना-29

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्यावैक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहू भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्वार बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्र्यावैक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी द्वा० व्यक्ति द्वारा व्याहसाधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्द-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय
में दिया गया है।

बनूसूची

फ्लैट नं. 1, ग्राउन्ड फ्लौ, चार्ल्हास अपार्टमेंट, बी,
प्लाट नं. 65, राम बाग कालोनी, कोथरुड, पूना-29

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर नं. ३७६६०/३५४६/८३-८४/पूना
जो तारीख जनवरी, 1983 को सहायक आपकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी,
सहायक प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 23 मई, 1984

मोहर :

प्रस्तुप आष्टू.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन मृद्दला

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयवत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० सी० ए०-५/३७जी/११२६/८४-४५—अतः मुझे,
शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाग करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. गं चैप्पाड है
और जिसी सं० सर्वे नं० 159, हिस्सा नं० 3, है, तथा जो
चौर/सह० कल्यान जिला थाना में स्थित है (और इसे उपावड
अमुमुक्षी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोफर्ना अधिकारी
के कार्यालय दुर्घम निबन्धक, कल्यान में रजिस्ट्री इण,
अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अंगी १ दिनांक 15-10-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बांतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित लद्दाख पर्याप्त में उच्च अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण में है किसी ओर की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिन के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/ए

(ख) ऐसी किसी ओर या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भागीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहए था, इसमें सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा १६७-प के, अन्तरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० कृष्ण पाटिल, और अन्य
ठाकुरली, तह० कल्यान, जिला थाना।

(अन्तरक)

2. श्री जी० के० महाजन और अन्य
तुलसी सदन, जय हिन्द कालोनी, डोबीवली,
तह० कल्यान, जिला थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सवभी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, दो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से संक्षिप्त व्याकृत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

शशि कान्त कुलकर्णी

जमीन जो सर्वे नं० 159, हिस्सा नं० 3, नेहरू रोड,
विलेज घोले, डोविली, तह० कल्यान, जिला थाना में है। क्षेत्र
1315.22 स्थायर मीटर्स।

(जैसे कि रंजिस्ट्रीकृत नंबर 2222 ता० 15-10-83
वो कुर्यम निबन्धक, कल्यान, के दफ्तर में लिखा है।)

शशि कान्त कुलकर्णी
सम्पत्ति प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक 28-4-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन॒ एस॒ ----

गोपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत लेखाल

कार्यालय, सहायक आयकर वायवत (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 मई 1984

निर्देश सं० सी० १०-५/३७८१/११२३/८४-८५—अन्तः मुहूर्त
शशिकान्त कुलकर्णी.

गोपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उद्दत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सधारण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 34/1ए2 है, तथा जो सावेडी,
तह० अहमद नगर, में स्थित है (और इसे बपावड अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के
कार्यालय में दुष्यम निवधक, अहमद नगर में रजिस्ट्रीफरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

दिनांक 21-10-83

का पर्यावरण संपादित की उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कीदूर नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय गा किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या इस्या जाता नहीं था, लिपत में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अन्तरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् फू-

1. श्री० झी० एम० वंदोदिया,
सेंट्रल बैंक रोड, अहमदनगर।

(अन्तरक)

2. श्री व्ही० जी० मुगालिक,
श्री एस० व्ही, लुत्साडे,
गंज बस्तार, अहमदनगर :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कायर्बाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 34/1ए2/1, तह० सावेडी, जि०
अहमदनगर/क्षेत्र 38736 स्क्रावर कीट।)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूट नं० 34-25 ता० 21-10-83 को
दुष्यम निवधक, अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकान्त कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 22-5-1984

मोहर:

प्रसू. बाहौदी. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 मई, 1984

निर्देश सं० सी० ए०-५/३७३/११२२/८४-८५—अतः मुझे
शशिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसी सं० शं० नं० 553/४-२, एक० पी० नं० 210/13,
प्लाट नं० 4, स्टेगन रोड, धुने, में है तथा जो धुले में स्थित है
(और इससे उगाबढ़ अपुचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीड अधिकारी के कार्यालय दुष्पत्र निवन्धन, धुने में
रजिस्ट्रीड अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्नि का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप सं काथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैरू किसी आय की बावत, नक्त
अधिनियम के अधीन कर इने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूविधा के लिए;

अतः श. च. अधिनियम, को धारा 269-व के अनुसरण
में, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपथाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

1. श्री एन० एन० मवेडोया,
गेट नं० 4, सी० एस० नं० 2804, धुले।
(अन्तरक)
2. एम० बॉर० अद्रवाल
सी० एम० नं० 3062, धुले।
(अ.सतीती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पञ्चांशी व्याक्रिया पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्याक्रिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-
बद्ध किसी अन्य व्याकृत द्वारा बधाहस्ताभाय के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मृत्युचंद्री

सं० नं० 553/४/२ एक० पी० नं० 210/13, प्लाट नं०
4 धुले।

(जैते कि रजिस्ट्रीड नं० 373/4079, जो तारीख
अक्टूबर, 1983 दुष्पत्र निवन्धन धुले के कार्यालय में लिखा
है।

शशिकान्त कुलकर्णी
संभव प्राविहारी
गहायू आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 22-5-1984

मोहुड़ ॥

प्रस्तुत आइंटी एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 मई, 1984

निदेश सं० सी० ए० -5/37जी/84-85—अतः मुझे,
शिक्षात्मक कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि व्यापार मर्जिन, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 39/1 है, तथा जो कुपवाड़ में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण सूप से
बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्यम निवन्धक
मिरज I संस्कृत में, रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1983

को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथाप्रावक्ता समान या उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कीदृश नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दूष्यत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवृत्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खेत जमीन सर्वे नं० 39/1, कुपवाड़ सांगली, क्षेत्र 1 हेक्टर
4.47 आर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता नंबर 225/83 को दुष्यम
निवन्धक, मिरज I, सांगली, के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षात्मक कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

कारोबार : 22-5-1984

मोहर :

ज्ञात: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

श्रृंग आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 22 मई, 1984

निवेश सं. सं. १० ए० /३७जी/११२४/८४-८५—अतः मुझे,
शशिकान्त कुलदर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सदस्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सं. १० ए० २५०८/१९, प्लाट नं. ६१,
ई-वार्ड है, तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (प्रीर इससे उपर दू
अनुसूची में और जो पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी
के कार्यालय दुर्घम निवायक, कोल्हापुर में रजिस्ट्रीरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी,

1984

को पर्यावरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उदादेश्य में उक्त अन्तरण निर्दित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटे किसी बाय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरूप के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, ए०/१०

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्येकार्थ अन्तरिती बायारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

1. श्रीमती शांता बाई, आलकृष्ण जोग,
प्लाट नं. १४, धूशिवनी, को-आप० हाउसिंग सोसायटी
स्टेशन, रोड, कोल्हापुर ।

(अंतरक)

2. श्री सुरेश डी० माने,
२२२७, ई-वार्ड, राने निवास,
कोल्हापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पर्यावरण सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी
बाबाप्राप्त बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यापकताएँ या संक्षिप्त व्यापक द्वाया;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वा
किसी बन्ध व्यक्तिस द्वारा, अभास्ताशरी के पात्र
निर्विद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं. १० ए० २५०८/१९, प्लाट नं. ६१, ई-वार्ड,
नागल, पार्क, कोल्हापुर । अंतर ५०१, स्क्रियर मीटिंग ।

(जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं. ४६३०/ जावरो, 1984 को
दुर्घम निवायक, कोल्हापुर के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकान्त कुलदर्णी
सक्षम प्राधिकारी
महाथक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 22-5-1984

मोहर :

प्रस्तु. आई. टी. एन. एस. - - - - -

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाष्य 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० सी० ए०-५/३७६६/६३१/८४-८५—अर्जन मुझे,
शिक्षान्त्र कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आय
269-ष के अधीन संसद विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसी सं० पर्स० नं० 3, नव कलारा नृ० ३० ग० संस्था
सी० टी० ए०० नं० 1201/ए१२, एक० पी० नं० ५६२/३, ए००
बो० नं० २१, शिशाजी नगर, पुर्णे में है जो पुना में स्थित है
(और इसे उपावड़ अमृत्की में और जो पुर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुना में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, ऐसे इथमान प्रतिफल का
ऐसी प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण्य गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृङ्क किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के उक्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; बातु/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या ऊन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावाय प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता थाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बव उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के उत्तरान
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त है—

1. श्री आर० राज गोपाल,
हारा, राम चन्दन, पू०० वी० आय० प्रीति सोसायटी
साडो वाला, रोड, पुना।

(अन्तर्क)

2. श्रीमति ऊषा देवी राठोड़,
२०-अशोक नगर,
पुना-७

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
भूद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लालौकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

फ्लैट नं० ३, सहकार १२०१/ए-१२, शिवाजी न०
पुना-७

(जैसे कि रजिस्ट्रीफुल नं० ३७६६/८३-८४ २५६३/
अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना कार्यालय में रजिस्टर में लिखा है।

शिक्षान्त्र बुलकर्णी
संश्ल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 25-4-1984

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट ट्रॉफी एवं एवं—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 30 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० सी० ए०-५/३७६६/६३२/८४-८५—अतः मुझे
शिकायत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० बी-14 है, तथा जो विरार जिला
थाना में स्थित है (और इससे उपांडठ अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दर्दभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्दभान प्रतिफल से, ऐसे दर्दभान प्रतिफल का पंचह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तुविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों—

9—136 G1/84

1. मैसर्स एच ए० मर्चेट,
304, 17 सारदेव रोड, नाना चौक;
बम्बई-7

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिनाक्षी प्रबीन घन्न नाथक;
3 सी/4, कृष्ण नगर, चंदावरकर इन, बोरीबले (वेस्ट)
बम्बई-12

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुरु
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लैट नं० बी-14, मर्चेट अपार्टमेंट, प्लाट नं० 10, स०
नं० 379-ए-2, विरार तहसील, जिला थाना। एस्ट्रिया
333 स्क्वायर फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल नं० 37-ई/83-84 आने/1883/
सितम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

शिकायत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक 28-4-1984

मोहर

प्रस्तुति दृष्टि प्रबन्ध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोगिण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० सी० ए०-५/३७६६/८४-८५-अतः मुझे
शिक्षान्त्र कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें मं० फ्लैट नं०-५, है, तथा जो अरुडाबाना, पूना में
स्थित है (और डस्से उपांचढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त, (नियोगिण), अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन दिनांक
दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचवें प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
समिक्षा में कमी करने या उक्तसे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय मा किसी भन या अन्य आस्तीनों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, इच्छित हूँ—

1. मैसर्स ए० बी० सी० प्रमोटर्स एंड, बिल्डर्स,
9, लक्ष्मी निवास, पदमजी 3 पोड,
पूना-२

(अन्तरक)

2. (1) मनु पी० मलकानी,
(2) मास्टर प्रदीप मनु कलकानी
410, के० पी० मलकानी, 71, अविनाश, 9 वरसोना,
बम्बई-५८ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रदूषित कार्यों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महात्मा

फ्लैट नं० 5, दूसरी भंजिल, सावित्री, अपार्टमेंट सी० टी००
एस० नं० 47/19, एरंजना, एन० कालेज, रोड, पूना-४ /क्षेत्र
1112 स्क्वायर, फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीक्युल नम्बर, 3766/2793/ 83-84/
दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (नियोगिण)
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षान्त्र कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नियोगिण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख 28-4-1984

मोहर :

प्रकल्प बाइ^१.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 मई 1984

निवेश सं. सी० ए०/३७ई/६३४/८४-८५—अतः मुझे,
शिक्षकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचार्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन संख्या प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आरा० एस० नं. 326-ए प्लाट नं.
1 हिस्सा) — छोलेज माजीवाडे ता० और जिला ठाणा है तथा
जो ठाणा में स्थित है (और इसमें उपाखड़ प्रनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अंतरण से हर किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रेशमा एन० पारिख 70 मातृ धोया नेताजी
सुभाष रोड, मरीन ट्राईब्लू बंबई-400002।

(अन्तरक)

2. मेसर्स गोयल फेमीली ट्रस्ट अभय स्टील हॉउ बोडा
स्ट्रीट, बंबई-500 009।

(f ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्यु

प्लाट नं. 326 ए प्लाट नं. 1 (भाग) परीया
6000/- स्क्वॅर फीट भाजीवाडे रोड ठाणा।

(जैसे की रजिस्ट्रीक्युल नं. 37 ई 3838/83-84)
जो दिनांक दिसम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा है।)

शिक्षकान्त कुलकर्णी,
संक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 22-5-1984

मोहर

प्रस्तुत आर्द्ध-टी, एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना।

आउट साउकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेज; पूना

पूना दिनांक 28 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए० ५/३७ई/६३५/८४-८५—अतः मुझे,
शिकायत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 5 दूसरा भाग प्लाट नं० 73/3/
3 सं० टी० एस० नं० 50/27 ऐरेंडवना पूना 4 है तथा
जो पूना में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर (आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हरू किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
की कुनै या उससे बचने में सुविधा की जिए।

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, उसके में सृद्धिधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत—

1. श्री हरीहर सी० नालू ५०/१/५-ए ऐरेंडवना पूना-४
(अन्तरक)
 2. श्री एन० एस० चंद्रचूड ८६० भागेरकर इंस्टीट्यूट
पूना।
- (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन से लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थापत संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुओक्तण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
यही अर्थ होंगा, और उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 दूसरा भाग प्लाट नं० 73/3/३ सी० टी०
एस० नं० ५०/२७ ऐरेंडवना पूना-४।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० ३७ई/२८०२/८३-८४/पूने
जो तारीख अक्टूबर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शिकायत कुलकर्णी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक 28-4-1984

माहूर ॥

प्रख्य आई टी एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निर्देश सं. सी० ऐ० 5/37ई/636/84-85—अतः
मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संचरित जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 2 एफ० पी० नं. 73/3/3
सी० टी० ऐ० 50/27 एरेंडवना पूना-4 हैतथा जो पूना में
स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आय-
कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टू-
बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) वार
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तभी
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीरु/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीहर चितामण नालू 50/1/5-ए एरेंडवना
पूना-4।

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल के० बोकील, नं० 201 "संचाति अपार्ट-
मेंट्स" 73/3/1 एरेंडवना पूना-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त द्वावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी द्वन्द्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्न
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिय
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एफ० पी० नं० 73/3/3 सी० टी० ऐ० 50/27 एरेंडवना पूना-।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 37ई/2292/83-84/
पूने, जो दिनांक अक्टूबर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेज पूना के दक्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज, पूना

दिनांक 28-4-1984

मंत्री

प्रस्तुत वाइंट ही, एवं पर.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 मई 1984

निर्णय सं० सी० ए० 5/37ई/637/84-85—अतः

मुझे, प्रशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 43 हिस्सा नं० 1+2+3+
4 4बी/2 छिलेज बारजे ता० हवेली जिला पूने है तथा
जो बारजे पूना में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक प्रकटूर 1983

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवान प्रतिफल से, ऐसे अधिकार अनुसूची का पंचाह
प्रतिवर्त तक से अधिक है और अन्तरुक (अन्तरुक्त) बांड अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया जा अन्त-
कर निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरुक अन्तरित में वास्तविक
मूल्य के कारण नहीं इक्षा जाता है ।

**कृपया अनुसरण के दूर्दृष्टि की आवश्यकता के बावजूद,
अधिनियम के अधीन कर रखने के अंतरक की दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बांड/मा**

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाये प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाता आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

**अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—**

1. (1) श्री दत्तात्रेय गणपतराव नारायण मानकर 517
वेठ पूना-30।
(2) श्रीमति श्री बाबा साहेब शामराव वराटे छिलेज
बारजे ता० हवेली जिला पूना ।
(अन्तरक)
2. श्रीमति उषा रघुनाथ तावरे जीवन अपार्टमेंट्स के०
पी० कुलकर्णी लेन, अपार्टमेंट्स रोड, पूना-4 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेः—

- (क) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणाकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 43, हिस्सा नं० 1+2+3+4बी/2 छिलेज
बारजे ता० हवेली जिला पूने ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकूत नं० 37ई/2291/पूने जो तारीख
प्रकटूर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है ।

शक्तिकांत कुलकर्णी,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 1-5-1984

मोहर ।

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269(ग) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निर्देश सं. सी० ए० 5/37ई/638/84-85—अतः

मुझे, शशिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 2 आनन्द नगर को ० हाउसिंग सोसायटी-पूर्णी, ९ है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि बधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरिताँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरुण से हरौ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उक्त स्वतंत्र में सुविधा के लिए; और/या

(इ) ऐसे किसी आय या किसी भन् या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (4922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा ले लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की आय 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-व की उपभाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभात् :—

1. श्री मानिक लक्ष्म पन्ना लाल लालवाणी 314 गंज पेठ
पूना-२।

(अन्तरक)

2. श्री जेठमल सोपाजी शाह 1251 बुधवार पेठ, पूना-२
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यालयीय करुता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शुद्धारूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 2, आनन्द नगर, को-आप० हाउसिंग, सोसायटी सी० एच० एस० नं. ६९२/२, मुंजेरी, पूना।

(जैसे की रजिस्ट्रीकूल नं. ३७ई/१७३४/पूना/८३-८४ जो अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा है।

शशिकान्त कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 28-4-1984

माहर न.

प्रकृति आई टी० एस० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

ज्ञात्य दरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 28 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० सी० ए० 537ई०/839/84 85—अतः मुख्य
शासिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट एफ० पी० नं० 73/3/3, सि० टी०
एस० नं० 50/27, अरेन्डवना, पूना-4 में है, तथा जो पूना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक नवम्बर,

1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चतेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।

(क) अप्सरण से हटाई किसी बाय की वापर उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसमें छानने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधकार्य अस्तरीय द्वारा प्रकट वहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति । ।

1. श्री एन० के० लेहडै,
73/3/3, अरेन्डवना, पूना-4

(अन्तरक)

2. श्री एच० सी० नातू,
50/1-5-ए, अरेन्डवना, पूना-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कुके पूर्वोक्त सम्मिलित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्मिलित के अर्जन के सम्बन्ध में कौई भी वापर ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकारों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
मात्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
स्पृक्तियों में से किसी अविकर द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृत्त किसी अन्य अविक्त द्वारा अभोहसाकर्ता के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूचि

प्लाट नं० एफ० पी० नं० 73/3/3, सी० टी० एस० नं०
50/27, अरेन्डवना, पूना-4

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ई०/2089/पूना, जो तारीख
नवम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है ।)

शासिकान्त कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 28-4-1984
मान्त्र

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन मुश्तक

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

निवेश सं० सी० ०१०-५/३७६६/६४०/८४-८५—अतः मुश्तक
शिक्षण कान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज प्लैट नं० सी-३, नमीक को० हाउसिंग
सोसायटी, 30 बंड गार्डन रोड, पूना, है तथा जो पूना में स्थित
है (और इससे उपावन अनुभूति में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकर
(निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धारित में
आस्तिक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से इसे किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :—

10-13 GI/84

1. मैसर्स रमेश कल्पद्रुक्षन कं. (इंडिया),
धीरज चेम्बर्स, 9, बोडवाय, रोड,
यम्बर्ड

(नन्नरह)

2. मैर्गर कॉम्पनी ग्रीन्स लिमिटेड,
हॉ० ही० बी० गांधी गार्ड,
चम्बर्ड-२३।

(अन्नरहीनी)

को यहसूचना जारी करन पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आभेप् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नन्नसूची

प्लाट नं० सी-३, हरमीक को-आप० हाउसिंग सोसायटी
30 बंड गार्डन, रोड, पूना-१

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण नं० ३७६६/१९७७/८३-८४ नूना)
जो तारीख नवम्बर, 1983 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, के दफ्तर में लिखा है।

तारीख 28-4-1984

मोहर :

गणिकान्त कुलकर्णी
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, स्थिति 31 मई, 1984

निदेश सं० सी० १० १०-५/३७६८/६४-८५—अतः मुझे
गणि कानून कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

ओर जिसकी सं० प्लाट संवै नं० 692-ए/२-ए-१/२,
प्लाट नं० ८, बिल्डे ला. डी. पूना में स्थित है (ओर
इसमें उपाधिद अनुसूची में ओर जो पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्यायमान
प्रतिक्रिया के नियंत्रण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ब्यायमान प्रतिफल से, एंस ब्यायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्षेत्र) और अंतरिती
(अन्तर्गतियाँ) के बीच एंस अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अवतरण निर्दिष्ट नै
प्रांतिक रूप से कठोरत नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, सूक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के अन्तरक के
दाराधिक में कभी करने या उसमें बदलने में संविधा
के लिए, और या

(ख) नगी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिक्षी इवाग प्रक्रिया नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० के० शाहा
445, राव वार पेट, पूना-२

(अन्तरक)

2. डॉ० श्री शाता,
५-३७५, आदीनाथ, को० हाउसिंग, सोसायटी,
पूना-९
(2) श्री एम० डी० शाहा,
मातृ-स्मृति पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी,
भारत कुंज, बगाता, पूना

(अन्तरिती

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्धम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्राप्तिकृत
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

नामसूची

प्लाट संवै नं० 692-ए/२-ए-१/२, प्लाट नं० ८, बिल्डे वाडी,
पूना-९

(जैसे कि रजिस्ट्रीकून नं० ३७६८/१७६२/पूना/८३-८४
जो लारीख अक्टूबर, 1983 को सहायक आयकर आयकत
(निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा है ।)

शशिकाल कुलकर्णी
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 31-५-1984

मोहर :

प्रकृष्ट बाईं, टी. एन. एच. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

निंदण सं० सी० ए०-५/३७८८/४४-४५—अतः मुझे
शिक्षा कानून कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), भारा
269-ष के अधीन इसमें प्राधिकारी जो यह विषयाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० ८२६ और ८२७ए वाई है, तथा
जो कोल्हापुर में स्थित है (ग्रीष्म इसमें उपावड अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय
दुर्घट, निबन्धक, कोल्हापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विषयाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाएँ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

1. श्रीमती जीस्तना, ०० खाईकर,
पुलिस आफीमस, हैंड, काठांडे,
पूना-४१०००१

(अन्वयक)

2. ए० ए० गायकवाड़
११९, बी० वाई मंगेनकर, पेठ,
कोल्हापुर

(अन्वरिता)

को यह सूचना आदी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदूषक वस्त्रों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसनी

मकान नं० ८२६ और ८२७ए वाई, फिरो तालीम, के
पास, ए० वाई, कोल्हापुर। क्षेत्र 138 स्कॉव मीटसे ।

(जैसे की रजिस्ट्रीशन नम्बर. 4846/अक्टूबर, 1983
को दृश्यम निबन्धक, कोल्हापुर के दामनर में लिखा है।)

शिक्षाकान्त कुलकर्णी
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 4-6-1984

मोहर

प्रकरण बार्ड टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं. नं. ० १० ५/३७८६/११२७/४४८५—अतः मुझे
शिक्षिकान्त कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं. प्लाट नं. ० ३२/२, फा.० प्लाट नं. ० ३९,
सेंट्रल प्लाट नं. ० ३ है, तथा जो आहुराने, अहमदनगर में स्थित है
(और इस उपावड़े अनुसूची में और जो पूर्ण हूप से व्रांगत है)
रजिस्ट्रेशन प्रधिकारी के कार्यालय द्वायम निवन्धक, अहमदनगर
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 15-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधान प्रतिफल से, ऐसे अवधान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्राकृ-
कल निम्नानुचित उद्दरश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है ८--

1. श्री रमेश नरसंद्या प्रेहाम और अन्य
के प्रति/आफ जिला सहकारी बैंक स्टेनोग्राफर
अहमदनगर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सुयोग कम्पनी स्टेनोग्राफर,
अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कहाँ भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लघुत्वाकरण:--इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे
रायिक शब्द में कथी करने वा उक्त वर्जन में सूचित
के लिए; और/या

लघुत्वा

(क) अन्तरण से है किसी बाबू की बाबू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे
रायिक शब्द में कथी करने वा उक्त वर्जन में सूचित
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
या आय या किया जाता चाहिए ता, जिसमें वे
सुविधा के लिए;

प्लाट सं. ० नं. ० ३२/२, फा.० प्लाट नं. ० ३९, सब प्लाट
नं. ० ३, आहुराने, अहमदनगर। क्षेत्र ६७०७ स्क्रिप्ट फोटो।

(जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं. ० ३३४०/ता.० १५-१०-८३ को
द्वायम, निवन्धक, अहमदनगर के दफतर में लिखा है।)

गणिकानन; कुलकर्णी
ग्राम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अंतर्न रेंज, पुना)

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख: 29-5-1984.

मानुष:

प्रकल्प शाही टी. एन्. एच.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

शास्त्र लक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 28 अग्रेल 1984

निर्देश सं० सौ० ए० १५/३७ईई/६४२/८४ ८५—अतः मुझे,
शिश दात्त कुलदर्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन साक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है।

और जिसको सं० अर्फ़क्सनं० ए० ३ महिला मंडिल, सं० ए० सं० नं० 1044, रिलॉ. रोड, पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूचि में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेज, पूना में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908-३-१६) के अधीन० दिनांक अक्टूबर, 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहुत के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी बनने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम प्रभाविती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी हूँ—

१. मैसर्स देवस्थले कारंडोदार, और जगन्नाथ,
एसासमेट्स, ७२०/२, नवी पेठ,
पूना-३०

(अन्तरक)

२. डा० दीपू श्रीराम मांडे,
२०१, कस्बा पेठ, पूना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियों शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के अन्तर्गत यथा परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूल्यांकन

आकिप एफ० नं० ३, महिला माला, सौ० ए० सं० १०४४, नवी पेठ, टिलक रोड, पूना

(जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० ३७ईई/२५८५/पूना/ जो तारीख अक्टूबर, 1983 को महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के कार्यालय में लिखा है।

गण लालन कुलदर्शी
सधम प्राधिकारी
महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख २८-४-१९८४

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत राज्यपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 फरवरी, 1984

मं० जी० आर० आर० सं० एस० 297/एक्य०—यतः
मुझे ए० प्रहाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘यिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा
269-ए के अधीन मकान प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 1 शहिस्ता, मुन्दर बाग, लखनऊ
में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेशनी अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 12-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लघुमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके लघुमान प्रतिफल से, ऐसे लघुमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरको) और बन्त-
रिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त बन्तरण निश्चित वे
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की बदल उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दायित्व में करी करने या उक्त उक्त में हुई विधि
के लिए, और/या

(ल) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे आद्याय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
बन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27).
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, जिपने में
सूचित के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, वर्ष १—

1. श्री शिव नारायण ठड़न,

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज रानी

(अन्तरिती)

3. श्री एस० एन० कोति, (किरायेदार)

प्रोप्राइटर (मैसर्स कोति ब्रेस),

(वह व्यक्ति, जिनके अधिकारों में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कहे हैं भी बाल्कः—

(क) इस सूचना के उत्तरपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तलांबी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा,

(ल) इस सूचना के उत्तरपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
निश्चित हो किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसके प्रयुक्त सम्बद्धों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बधाय 20-क में परिवर्तित
है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सूची

कोठी नं० 1 का हिस्या (मूलिकियत नं० 103/5),
पैमाईसी लगभग 9,164 वर्ग फिट, स्थित मुन्दरबाग, लखनऊ
और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलटीड व फार्म
37 जा०, संख्या 10360 में वर्णित है जिसका पंजीकरण
मव रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 12-10-1983
को किया जा चुका है।

प० प्रमाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 7 फरवरी, 1984

मोहरः

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमति हन्द्रा बीबी

(अन्नरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमति मर्गोज गांवि अद्वाल

(ग्रन्थाखत)

भारत सरकार

3. श्री एम० एन० कॉन्सि.

प्रोप्राइटर (मैगर्स कॉन्सि प्रेस)

(वह ग्रन्थाखत, जिसके अधिकारी में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊको यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

लखनऊ, दिनांक 5 फरवरी, 1984

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण्य :--

जो० आई० आर० म० एम॒ 296/प्रक्ष०--यतः मुझे
ए० प्रसादआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिनकी म० कोठी न० 1 दा हिस्सा गुन्दरवाग, लखनऊ
में स्थित है (अंग इमें उपावस्थ अनुमूली में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में
रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन
दिनांक 12-10-1983को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि वर्तमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है :--(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण में है कि किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बदनाम में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।कोठी न० 1 राहिस्सा (मुक्तिसिपत न० 103/5), पैमाईसी
4,050 वर्ग फीट, स्थित गुन्दरवाग लखनऊ अंग नमांत का
मध्यूर्ण विवरण जोकि सेलडीड ईफार्म 37 जी संख्या 1035
में वर्णित है जिसका पंजीकरण मब रजिस्ट्रार लखनऊ आयनिय के
मेंदिनांक 12-10-1983 को किया जा चुका है।ए० प्रसाद
मुख्य प्राविधिक
सहायक आयकर आयकर (निरक्षण)
अर्जन रेज लखनऊअतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :--

तारीख 6-2-1984

मोहर :

उक्त वार्ष.टी.एम.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, समायक भायकर भाग्यका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 अप्रैल 1984

.निर्देश मं० आई० ए० मी० एकल वी०/३/८४-८५—यतः मुझे,
एम० सी० जोशी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी मं० खेम जमीन मं० नं० 72 है, जो मौजा वडगांव
ला० जि० यवतमाल में स्थित है (श्रीर उसके उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के
कार्यालय यवतमाल (डाकुमेंट सं० 3991/83) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
शिनांक, 11 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
अंतरफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वै
वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी कोई आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारत 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री रामकृष्ण गणपति मुद्दोलकर
- 2. श्रीमती सख्त्राई गणपति मुद्दोलकर
- रा० वडगांव ला० जिला० यवतमाल।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मुरेण ट्रैमन जिग्युरे,
- 2. श्री वर्मन पंडलीक ठोक,
- 3. श्री निर्मल अणोक वदिकासये,
- रा० गोरेज टाकीज जिला० यवतमाल।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्धि किसी भव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेम जमीन जोकि मौजा वडगांव तहां जिला० यवतमाल में
स्थित है श्रीर जिसकी अराजी एच० आर० है 12--03।

एम० सी० जोशी,
मध्यम प्राधिकारी,
मध्यम आयकर अधिकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 30-4-1984

मोहर

प्रस्तुत माहे दो पं. एस -----

(1) श्री इत्तावतम् नाधवराव देशमुख
सिविल लाईन, यवतमाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना(2) डा० ए० भालचंद्र नरहर देशमुख,
बालाजी मंदिर चौक, यवतमाल।

(बन्तरिती)

भारत सरकार

महाराष्ट्र, साम्प्रदायिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई० प० मी०/ग्री०/2/84-85—यतः, मझे,
एम० सी० जोशी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट न० शीट नं० 36, प्लाट न० 5 है तथा जो
सिविल लाईन, यवतमाल में स्थित है (और उसके उपावन्द
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, यवतमाल (डाकूमेंट सं० 3327/83) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 7 अक्टूबर, 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---(क) अंतरण से हुई किसी बाबत की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे अचने में सूचिधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिधा
के लिए;

नामसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्र्योहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।प्लाट जिसका नमूल शीट न० 36 है जिसका प्लाट न० 5
और जो सिविल लाईन, यवतमाल में स्थित है। एस्या 4850
स्केव० फीट है।

एम० सी० जोशी

सकाम प्राधिकारी

महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 30-4-1984

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

प्रस्तुप. आई.टी.एन.एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 अप्रैल 1984

निर्वेश सं. आई.ए. सी.ए.वी.०/१/८४-८५—यतः,
मुझे, एम. सी. जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 वा के अधीन वक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट और पाई गोडाऊन टाईप मकान का कुछ
हिस्सा जो कि न. ब्लाक नं. 11 है और जिसका प्लाट नं.
180/1 है और जो जगशाथ वार्ड हिंगनधाट, जि. वर्धा में
स्थित है (और उसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वर्धा
(डाक्युमेंट सं. 1774/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 अक्टूबर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल में, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
इमित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

- (1) 1. श्री प्रकाश पुत्र बंसीलालजी कोचर
- 2. मुरेश —वही—
- 3. नरेश —वही—
- वासी गांधीवार्ड, हिंगनधाट, जि. वर्धा

(अन्तरक)

- (2) डा० श्री वसंत लक्ष्मणराव बोडे,
वासी तहसील बाई, हिंगनधाट
जिला वर्धा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

नमूसूची

प्लाट और गोडाऊन टाईप मकान का कुछ हिस्सा जोकि
नमूल ब्लाक नं. 11, प्लाट नं. 180/1, जगशाथ वार्ड, हिंगनधाट
जि. वर्धा में स्थित है और जिसका कुल एरिया 3885 एकड़े
फीट है।

एम. सी. जोशी
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

अल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा द्वा—

दिनांक : 30-4-1984
मोहर :

प्रधान मासूद टी.एन.एस. -----
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष (1) के पश्चात सूचना

(1) श्री चन्द्रकला गलडा
 (अन्तरक)
 (2) श्री एम० मीनाक्षीसुन्दरम
 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं. 4/अक्तूबर/83—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्ले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ष (1) की अधीन सकार आधिकारी जैसे यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी डोर सं. 27-वी, सेमियम गांव, उत्तर मादवरम
 है तथा जो हाई रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
 कारी के कार्यालय, सेमियम, मद्रास (दस्तावेज सं. 4775/83)
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन अक्तूबर 1983

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरों
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख, यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दूसरों प्रतिफल से, एंसे दूसरों प्रतिफल का
 पूर्वांकित संबंधित है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
 आधिकारी भौं करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय पा किसी भौं या बज्ज बास्तवों
 को, जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 अप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
 विविध के लिए;

अब अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

- (क) इस सूचना के सापेक्ष में प्रकाशन की तारीख वे
 45 दिन की अवधि या उसमें अधिकतयों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के सापेक्ष में प्रकाशन की तारीख वे
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनुभ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जारीकरण की जाए
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 रखा है।

मृत्यु

भूमि डोर सं. 27-वी, सेमियम गांव, उत्तर मादवरम हाई रोड
 (दस्तावेज सं. 4775/83)।

आर० पी० पिल्ले
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 1-5-1984
 माहूर :

राज्य वार्ता दी. एस. पुस्तकालय

(1) श्री के० वी० श्रीनिवासन

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) लेफिटेंट कर्नल जी० किलफटन और अन्य

(अन्तरिती)

प्राप्ति वर्णन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं० 8/अक्टूबर/83—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लौ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. भी अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 278, एस० सं० 46, पेरियूडल गांव,
टी० एस० सं० 19 है तथा जो अल्ला नगर मद्रास
में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अल्ला नगर, मद्रास
(दस्तावेज सं० 3352) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1983

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
सामाजिक दण में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाक्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के
बायित वे कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया जाहिए था लिपाने में सहित के लिए;

भूमि और निर्माण पेरियूडल गांव, टी० एस० सं० 19;
अल्ला नगर, मद्रास (दस्तावेज सं० 3352/83)।

आर० पी० पिल्लौ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के बृत्तरण
में, ये उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित लिखितों, वर्णि—

दिनांक : 1-5-1984

मोहुड़ ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वी.० एम० नमगांज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जे० महेंद्रनाथन

(अन्तरिता)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक अधिकर आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं० 10/अक्टूबर/83—यतः, मः आर० पी०
पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम भरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4571 (प्लाट सं०), डोर सं० वाई-151
है तथा जो अशा नगर में स्थित है (और इसमें उपायद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अशा नगर (वस्तावेज सं० 3373/83) में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें शास्त्रीय आवाहन दिया गया है,
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के
एवं उनके अधिनियमों द्वारा दिये गये नाम
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

न. नम०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जर :—

को यह रुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जर के लिए
कार्यवाहीयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के जर्जर के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप० :—

(क) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

भूमि निर्माण के साथ प्लाट सं० 4571, अशा नगर,
मद्रास-40 (वस्तावेज सं० 3373/83)।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 1-5-1984

मोहुर

प्रेस-बाइंग, टी. एन. एस. -----

(1) कुमारी बी० भान्यलक्ष्मी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कृष्ण गुप्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 मई 1984

मिर्झे सं० 11/अक्टूबर/83—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थान अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रांर जिमकी प्लाट नं० 4171, मुल्लग गांव है तथा जो अन्ना नगर, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर (दस्तावेज़ सं० 3384/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1983

का प्रवैक्षण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि इधाप्रवैक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिक्षेप से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और वंतीर्णी (अंतरितीयों) के बीच एसे वंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अस्तरण लिखित मूल्यांकित रूप से कीर्ति भही किया गया है—

(क) अस्तरण में हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः—

को यह सूचना जारी करके प्रवैक्षण सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवैक्षण व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान अधिनियम में हितवद्ध विक्षी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही वर्ध होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

भूमि प्लाट सं० 4171, अन्ना नगर, मद्रास-40 (दस्तावेज़ सं० 3384/83)।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

विनांक: 1-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री कें रंग रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तर्गत)

(2) श्री आर० यशिनामूर्ति

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)

बंजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं० 12/अक्टूबर/83—यतः, मृमें, आर० पी०
पिल्लै,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 4067, न्याक सं० 2, मूलम गांव, अम्मा नगर,
है तथा जो मद्रास-102 में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अम्मा नगर (दम्भावेल सं० 3415/83) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अक्टूबर 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृमें यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तव्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान प्रतिफल को कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

मृमें

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहिता के लिए;भूमि घाट सं० 4067, न्याक सं० 2, मूलम गांव, अम्मा
नगर, मद्रास-102।आर० पी० पिल्लै
मक्षम प्राधिकारी
मद्रासक आयकर आयकर (नियोजन)
अंजन रेंज-1, मद्रासअतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपादान (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 1-5-1984

मोहूर

प्रध्य प्राइवेट लिन एम

(1) श्री नैराजन अग्रवाल

(अन्तर्वा)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रवृत्ति शिवप्रसाद

(अन्तर्वा)

भारत सरकार

कायांलग, महाराष्ट्र आयकर आयकर (निर्णयान)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक, 1 मई 1984

निर्देश मं० 16/अक्तूबर/83—यन्: मुझे, भारत पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संभास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी प्लाट मं० 2896, नडुवाकरे गांव है तथा जो अस्त नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायांलग, अस्त नगर (दस्तावेज मं० 3505/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये शह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापार

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

आर० पी० पिल्लै,
मकाम प्राधिकारी
महायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, या उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक: 1-5-1984

माहेश

प्रकृत्य आहू. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती सेलव कुमारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मंजीद अहमद

(अस्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं० 21/अक्टूबर/1983—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० डोर मं० 1, काट्टूर सड़यप्पन स्ट्रीट है तथा ओ पेरिमेट, मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिमेट दस्तावेज सं० 1054/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1983

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्राप्तकर के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल या पहले प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्थिर रूप से वर्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी गाय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्दे के बत्तरक के वायिन्य में कमी करने या उससे वर्षने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी गाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय काट्टूर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त अधिनियम, या धारा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्नाली अन्यान्यी इकाया प्रदान नहीं किया गया था या किया जाना साहित्य, आ, छिपाते में सुविधा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-136GT/84

को यह सूचना आरी करके घूर्वेक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखिती के लास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममृत्ती

भूमि और निर्माण डोर सं० 1, काट्टूर सड़यप्पन स्ट्रीट, पेरिमेट, मद्रास-3 (दस्तावेज सं० 1054/83)।

आर० पी० पिल्लै,
सभन प्राप्ति हारी,
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 1-5-1984

मोहर

प्र० वा० बा० इ० ए० ए०

(1) आ० प० उ० उ०

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) कनम फैमिली इस्ट

(अन्तरिती)

प्रातिक्रिया

कार्यालय, सहायक बायकर आयूर्क (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं० 23/अक्तूबर/1983—यतः मुझे, आर० प००
पिल्लै,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सदम प्राधिकारी को, । यह विश्वास करने
का कारण है कि उक्तवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 87, आस्प्रिन गार्डन, मद्रास-10 है तथा जो
मद्रास-10 में स्थित है (और इसमें उपावढ अनुसूचे में और
पूर्ण रूप से विद्युत है), रजिस्ट्रेक्टर्स अधिकारी के नामालियम,
पेरियमेट दस्तावेज सं० 1071/83 में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, निर्णाक अक्तूबर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
वाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में सपात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में दिए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होता जो उक्त व्यापार में दिया
गया है।

(क) अनुसूची से हृष्ट किसी भाय की वायत, एवं उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सामिल में किसी करने वा उसके बचते वा हृष्टिया
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 87, आस्प्रिन गार्डन, मद्रास-10
(दस्तावेज सं० 1071/83)।

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य जाग्रियों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, द्वा अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिये वा, छिपाने वा
सूचिता के लिए;

आर० प०० पिल्लै,
ग्राम प्राधिकारी,
सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 1-5-1984
मोहर :

प्रसूप आई. ट्री. एन. एस. -----

(1) श्रा. एम० प्रभानंदर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेससे यूनाइटेड विल्डसे

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, भवायद आयकर आयुक्त (निरक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं. 24/अक्तूबर/1983--यतः मुझे, आर० पा० पि० पिल्लै.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जितका सं. ८० ए०-८२, कोलपाल गांडन रोड़ है
तथा जो मद्रास-10 में स्थित है (और इसने उपाबंध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रॉटर्स अधिकार के
कार्यालय, पर्सियपेट दस्तावेज सं. 1073/83 में रजिस्ट्रेट-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लाभ; आर० पा०

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, दिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबृद्ध
किसी अन्य व्याकृत द्वारा व्याहृताभरा के पास
लिहाज में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि घाट सं. ८० ८२, कोलपाल गांडन रोड़, मद्रास-१०
(दस्तावेज सं. 1073/83)।

आर० पा० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
भवायद आयकर आयुक्त (निरक्षण),
अर्जन रेंज-१, मद्रास

दिनांक: 1-5-1984

मोहर:

प्रस्तुत वाइ.टी.ए.प.एस.-----

(1) आ के० संग्रहीय चेन्ट्रा० और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० के० बैंकेसन और अन्य

(अन्तरिती)

प्राप्त उत्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं० 43/अक्तूबर/1983—यतः मुझे, आर० पी०
पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गठ विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 60, आचारण गट्टैट है यथा जो मद्रास-1
में स्थित है (आंतर इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रेटर अधिकारी के कार्यालय, उत्तर
मद्रास-1 दस्तावेज सं० 3347/83 में रजिस्ट्रेटर
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक: अ.तूबर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरात्मकों) के बीच एस बन्सरण के निए तथा दाया दया शील-कर्त्ता, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हाई किलो भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के बायित द्वे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किलो भाय या किसी धम वा बन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गढ़: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उस अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायदाद्वया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जालें—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की मार्गील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वे संक्षीप्त घोषणा द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए आ सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, उन्हीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूलसूची

भूमि और निर्माण सं० 60, आचारण स्ट्रीट, मद्रास-।
(दस्तावेज सं० 3347/83)।

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक: 1-5-1984
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-य (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं. 50/अक्टूबर/1983—नथ: मुझे, आरो पी०
 पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा०
 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसको सं. 56, अवलोकन स्टॉट है तथा जो वेल्लूर में
 हिस्त है (ओर इसमें उदावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
 वर्णा० है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के दायालिय, वेल्लूर-1
 दहरावेल सं. 3887/83 में रजिस्ट्रेशन अधिनियम
 1908 (1908 अ. 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1983

के रवांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पवह
 प्रतिक्षात से अधिक है और एसे अंतरिक (अन्तरक) और अंतरिती
 (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कदी करने या उससे बचने में मुदिधा
 के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
 सूक्ष्मता के लिए;

मत: आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित अविसर्गी, अधीत :—

(1) श्री डॉ शिवराम मदलियार

(अन्तरक)

(2) श्री जी० रमेश बाबू और अन्य

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके प्रक्रियत मंभर्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णवत्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

मूर्म और निर्माण सं. 56, अवलोकन स्टॉट, वेल्लूर
 (दस्तावेज सं. 3887/83)।

श्री० पौ. पिल्लै,
 नभन आधिकारी,
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रोज़-1, मद्रास

दिनांक: 1-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मन्त्रालय के आयकर आयकर संस्थान (प्रिवेक्षण)

अंग्रेज़ रोड़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं० 54/प्रकृत्वर/1983--यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सामने प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य टी० एस० सं० 1825/1, है तथा जो तिरुवन्नमौर में स्थित है (और इसमें उपचब्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेटर्स अधिकारी के वायरियम, तिरुवन्नमौर दस्तावेज सं० 1227/83 में भारतीय रजिस्ट्रेटर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुए किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम में वर्णित कर देने के अन्तरक के शायदिल्ले में वर्णी करने या उसमें रखने में युक्ति के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को 'अन्ह' भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वस्तु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातु;--

(1) श्री आर० मारायणस्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० कुम्पुस्वामी नायडू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारबाह्य करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वारा किया व्यापक बूदारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूद्ध बद्ध किसी अन्य व्याक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्थृतोकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ण हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

भूमि और निर्माण टो० एग० सं० 1825/1, तिरुवन्नमौर (वस्तावेज सं० 1227/83)

आर० पा० विहेन
मध्यम प्राविदारे
महायक आदशर आयकर (निरक्षण)
अंग्रेज़ रोड़-1, मद्रास

दिनांक: 1-5-1984
मोहर #

प्रस्तुप् बाईंटी, एन.एस., -----

(1) श्री एम० अब्दगन नाथार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की)

(2) श्री टी० चित्तिरं।

(प्रस्ताविती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

विदेश सं० 149/अक्तूबर/83—यतः, मुझे, भारत पी० पिलै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में छाँचेक हैऔर जिसकी सं टी० एम० 4137/1 ए०, 3 ए०, 1 ए० 3, में
पोलनायकनपेट, टूटिकोरिन, स्थित है (और इससे उपावय अनुसूची
में और पूर्ण स्पष्ट से बण्ठित है) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कारण, टूटिकोरिन-1 दस्तावेज सं० पी० 18/83 में भारतीय
रजिस्ट्रीफरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्तूबर 1983को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और ग्रन्थे यह विषयांश
करने का कारण है कि उथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्त्ति नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हड़ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हे भारतीय आकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—को यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हत्याकृष्ण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेन्तराकारी वं पाल
लिखित में विद्या जा सकें।स्पष्टीकरण :—हमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एम० सं० 4137/ए, 3 ए०
1 ए०, 3 ई०, पोलनायकनपेट, टूटिकोरिन (दस्तावेज सं पी०
18/83)।आरपी० पिलै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मारीख : 1-5-1984

मोहर :

प्रक्षेप वाहन, डी. एव. पर. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं० 152/शूब/3—प्रत; मुझे, आर पी० पिलै
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पछाने 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।
और जिनकी सं० प्लाट सं० ए० पी 386 है जो अन्ना नगर बेस्ट
में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची; में अग्र पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा प्रधिकारी के कार्यालय अम्बा नगर
(दस वेज सं 3631/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1983
को पूर्वोक्त समीक्षा के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-
क्षम निम्नलिखित उद्देश्य हे उक्त अन्तरण जिन्हें वे वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. मैसर्स हिंडिंग।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मावटीन सुन्दरराज और अन्य।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में फोटो और आकोर्ड 3—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नामांचनी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दोहरे समाप्त होती है, के भीतर प्राक्षत
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त बाजार सम्पादन पर उत्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित रूप से किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त
नामांचनी, के अध्याय 20-के प्रा. पारभाषण
है, वही वर्ग होगा जो उस अध्याय में दिया
रखा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० ए० पी 386, अम्बा नगर
बेस्ट, मद्रास (दस वेज सं 3631/83)।

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आर० पी० यिल्लै
सक्षम प्राधिकरी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उपधारा (1)
के अन्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तु :—

तारीख : 1-5-1984

संकुर ४

प्रस्तुत वाहू दौरे पट्टी

(1) श्री एम० तलसीरामन और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० बकतनाथन।

(अन्तरिती)

उचित वरचत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर अधिकारी अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं० 161/अक्टूबर/83—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनक अधिनियम' कहा जाता है), 'की भाषा 269-वा के अधीन सज्जन प्रतिक्रिया को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है'

और जिसकी सं० 2.15 नन्जे भूमि, वानियम्बाडी, सोमलापुरम गांव में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आम्बूर (दस्तावेज सं० 2059/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1983

को पूर्वोंभत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंभत्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से, ऐसे दस्तमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उचित अंतरण लिखित वास्तविक रूप से की गई नहीं किया गया है:—

(क) उक्त रजू से हुई किसी आव या वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दृष्टिमान में कमी करने वा उससे उचित वास्तविक रूप से लिए; और/या

(ख) एसी किसी आव या वावत या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विषय जागत वाहिणी भा०, छिपाने से सुदृढ़ित के लिए;

को यह सूचना आरो करके पूर्वोंभत्त संपत्ति के उचित वास्तवितीयों करता है।

उक्त संपत्ति के उचित वास्तवितीयों में कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कर तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंभत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में विवरित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

मद्रास

2.15 नन्जे भूमि, सोमलापुरम गांव वानियम्बाडी
(दस्तावेज सं० 2059/83)

ग्राम पी० पिल्लै
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण में, भा०, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

13—136GI/24

दिनांक: 1-5-1984

मोहुद

प्रृष्ठ पाइर्स, टी.एन.एस.-----

1. श्री एम. पी. सुब्रह्मण्यन्।

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भा. 269-प (1) की वधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

2. श्रीमती जी. विजयलक्ष्मी।

(अन्तरती)

मद्रास, दिनांक 9 मई 1984

को यह सूचना भारी करके पूर्वांकित संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाह्या करता है:

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश। यी लारीख से
45 दिन की अवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भाँति लिए जा सकते।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।निर्देश मं. 42/अक्षतूबर/83—प्रतः, मुझे, जी० मुन्तुरामकृष्णन
जायकर लै॒-नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. स अधिक हैऔर जिसकी सं. 155, है तथा वाल्टाक्स रोड़, पार्क टीन, है, तथा
जो मद्रास-3 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
उत्तर (मद्रास दस्तावेज मं. 3253/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्षतूबर 1983का प्रतिफल के उत्तरांक संपत्ति के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथावांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके त्वयमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
मन्त्रह प्रांतरात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
या या गया ग्रांटफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण
लिखत में व्याख्यिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
प्रणित में कभी करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए; और/या

मुन्तुरामकृष्णन

भूमि और निर्माण 155, वाल्टाक्स रोड़, पार्क टीन,
मद्रास-3 (दस्तावेज मं. 3253/83)।(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
के लिए भारी जायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भत-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रांतीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;जी० मुन्तुरामकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-प के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 9-5 1984

मोहर

प्रस्तुत माइ. टी. एन. एस. - - -

1. श्री वी० भूपती और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाय 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती जे० पिस्ता देवी।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० 31/अक्टूबर/83—अतः मुझे जी० मुकुरामकुण्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41 (नयी सं०) और पुरानी सं० 1/16, है जो तम्बु चेट्टी लेन रायपुरम, मद्रास-13 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम (दस्तावेज सं० 1812 1813/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिकल से एसे इयमान प्रतिकल ओर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ दें किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मृत्यु

भूमि और निर्माण पुरानी सं० 1/16, नयी सं० 41, तम्बु चेट्टी लेन, रायपुरम मद्रास-13 (दस्तावेज सं० 1812 और 1813/83)।

जी० मुकुरामकुण्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपभाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः—

तारीख : 10-5-1984

मोहर #

इस साल ही एन.एस. - - - -

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 मई 1984

निर्देश सं. 154/अक्तूबर/83—अतः मुझे, मारो पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के जारीन वथम प्राप्तिकारी थे यह विष्वास करने का सारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी ओर सं. 20 है, जो स्ट्राटर मुत्तैय्य मुदली स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद में और पूर्ण रूप से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल मद्रास (दस्तावेज सं. 154/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतररक्त) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्राप्तफल निम्नलिखित उच्चदरेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

1. श्रीमती श्री० जयलक्ष्मी और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री डी० धर्मचन्द्र जैत और अन्य।

(अन्तरिती)

कृ वह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में क्यों भी वापरेः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वधिया तत्त्वम्बद्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की वधियि, जो भी वधिया वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के बात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावोक्तरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मम्पत्ति

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण सं. 20, स्ट्राटर मुत्तैय्य मुदली स्ट्रीट मद्रास-1 (दस्तावेज सं. 154/83) ।

मारो पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः ।--

तारीख : 1-5-1984
मार्गः

प्रृष्ठ पाँच, टी., एन., एस., ——————

ग्रामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्ति बुरकाउ

कार्यालय, सहायक ग्रामकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश सं. 752—अतःमुझे एस० बालसुब्रामणीयन
 ग्रामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसको सं० ग्रेटर्का जमीन आर० एस० नं० 248/1 और
 248/3 है, तथा जो जमखंडी में स्थित है (और इससे उपावद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय जमखंडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 नवम्बर 1983
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक है इसे किसी वाद की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के बनाएक के
 वायित्व में कमी करने या उसमें बदल गई सुविधा
 को सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय. या किसी यन या अन्य बास्तवों
 को जिन्हे भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
 ग्रामकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगवारी बत्त्वार्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए भा. छिपाने में
 हृदिया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुरूप
 में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की वपारा (1)
 के अधीन, जिम्नलिस्टेज अधिकारी, अधिकतः:—

1. श्री ब्रह्मण गवली आर०ओ० जमखंडी जिला
 बीजापुर।

(अन्तरक)

2. श्री जिष्पा बालपा गमतीर्थ निवासी आलूर ग्राम
 तालुक जमखंडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्त्वाभी अधिकतयों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 अधिकारीयों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
 किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताकारी के वास
 सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

बन्धुसूची

(दस्तावेज 1675 ता० 17-11-1983)
 रोलकी जमीन जिसका आर० एस० नंबर 248/1
 और 248/3 सम्पत्ति जमखंडी में स्थित है।

एस० बालसुब्रामणीयन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक ग्रामकार आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखः 9-5-1984

मोहर :

प्रूफ. बाइंग टी. एन. एस., ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 मई 1984

निवेश सं० 753—अतः मुझे एस० बालमुद्रामणीयन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 36/2 वी है, तथा जो नवोदय
नगर धारवाह में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धारवाहक
में रजिस्ट्री गरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख 1 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों)
और अन्तरिती (अन्तर्गतियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चारण से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बावजूद उक्त संपत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक को व्यापक रूप से कमी करने या उससे अचले में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० एन० पररीब मूर्ती जायर रजिस्ट्रार आफ को० आपरेटीव सोसायटी बंगलौर।
(अन्तरक)
2. श्री जी० एस० बिवरकोप नवोदय नगर, धारवाह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूलसूची

एनोट नं० 17, जिसका आर० एस० नं० है 36/2 वी सम्पत्ति नवोदय नगर सप्तापुर ग्राम, धारवाह में स्थित है।

एस० बालमुद्रामणीयन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
भारतीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश सं० 754—दाता: मुझे प्रभ० बालसुद्धामणीयन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 248/1 है, तथा जो जगमखड़ी
में स्थित है (और इसमें उपावन अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमखड़ी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-83
को प्रवर्कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हायमान
प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे हृष्पकान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और असारती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण स्थिति ये अस्तीनक
पर से अधित नहीं किया गया है।—

1. श्री वाप्पा लक्ष्मण गवली आर०/ओ० जमखड़ी
(अन्तरक)
2. श्री वाप्पा लक्ष्मण गवली आर०/ओ० आनुर गाम.
ननूट जमखड़ी।

को यह सूचना बारी करके प्रकारेन सम्पत्ति के बारे में विषय
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बारे में सूचना में गढ़े ही जाते हैं।

- (क) इस सूचना के गायत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्तित बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकारेन
अप्लियर से किसी अद्वितीय दृष्टिकोण से;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिक्त गिरफ्तारी की जाए जो स्कॉर्प।

स्थावीकरण—उसमें प्रयुक्त लोदों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, ने अध्याय 20 के परिमापित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृष्पे किसी बाग औ बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वितीय में कभी करने वा उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

जमखड़ी

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 192²
(192² का 11) द्वा उक्त अधिनियम,
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया एकट नहीं दिया
गया वा या दिया जाना चाहिए वा, प्रयोजन
संतिधा के लिए।

(द) (वेज 16-4, नामोद्य 17-11-1983)
गोत्री जमीन जिसका आर. एस. नं० है 246/1 जमीन
जमखड़ी में स्थित है।

प्र. ब. नमूले मणीयन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्मरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित—

तारीख: 9-5-1984

मोहर:

प्रस्तुत आहू, नं. एस. एस. 1984-85

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन उच्चता

भारत उच्चकार

गार्यालिंग, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश मं. 755—अतः मुझे, एस० वालसुम्मणीयन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जितको 10 मोर्चों, सबडिस्ट्रीकट इलहास में स्थित है (और
इसके उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से लिखित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारीके गार्यालिंग इलहास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अक्टूबर 1983
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापार्वक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरर
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—,

1. (1) श्री विकटर डॉ० मेंडोका।
(2) श्रीमती अगरा रोजा मारीया फरनांडेस मेंडोका
(3) श्रीमती अना मारीया दाम मरभेम परनांडेस
ई० मीरा सभी आर०/ओ घर नं० 1356
वारीयो बोटीर साता कूज इलहास, गोवा।
(अन्तरक)

2. (1) श्री दिलीप बसंत शेट्टी।
(2) श्री मंतोष बसंत शेट्टी।
(3) श्री अशोक बसंत शेट्टी सब आर०/ओ० घर
नं० ई०/638, गांता इनेक्षा पणजी, गोवा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

- (क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की बारी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की बारी, जो भी अवधि
बाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यापार्वक्त इवाय अधोहस्ताशरी के
भाल लेन्दित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जवा है।

बन्दूसूची

(दस्तावेज सं० 838 नारीख 14-10-1983)
संगति मोरक्की नब डिस्ट्रीक्ट हलहास, गोवा में स्थित है।

बाल सुम्मानणीयन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-5-1984
मोहुड़ ८.

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

1. श्रोतां पुष्पालिनी एम० पिले, लारवार (जिला लारवार)।

(अन्तरिक्ष)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना2. डा० एम० आर० नामा०, नाव नामिंग होम०, आ०५०
पिले रोड, लारवार (जिला लारवार)।

(अन्तरिक्ष)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ब्रंगलूर

ब्रंगलूर, दिनांक 24 मई 1984

निर्देश सं० 755/84-85-अन०, मुझे, मंजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति अप्रिका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैओर जिसकी सं० सर्वे नं० ४ और ४३ है, तथा जो कारवार में
मिलते हैं (और इसके उत्तरांत अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
हैं), एजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय बाजार (जिला बाजार)
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारोंख 18 अक्टूबर 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अल्पित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
पैर वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हटा० किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने था उसमें उनमें से सुविधा के लिए;
और/या

मनुष्यों

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसका अधिनियम, आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाया चाहिए था, जिसमें से
सुविधा के लिए;

(दम्भावेज सं० 531/83-84 तारीख 13-10-84)

नया ब्रंजा० हुआ० मैला नाम "नोव नामिंग होम०" जिसका
प्रयोजन नहीं नं० ५५८८ नं० ५६६ और ५६७ वाला नं०
१/१ टर्ने० ८ नं० ८८८, लारवार (जिला लारवार)।

मंजू माधवन

मक्षम प्राधिकारी

महाराष्ट्र आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ब्रंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अपार्ट :—

14—136/84

तारीख : 24-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई टी. एव. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 24 मई 1984

निर्देश सं 756/8-85—पत., मुझे, मंजु माधवन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं. सर्वे नं. 8 और 8बी है, जो कारवार में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण मूल्य में
वर्णित है), जिन्हीकी प्राधिकारी के कार्यालय कारवार (जिला
कारवार) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, नारीब 18 अक्टूबर 1983

का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (असरकों) और अंतरीती
(असरिरहितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रौढ़-
कल निम्नसंखित नटुक्केय से उक्त अंतरण भिन्नित में वास्तविक
है अधिक सही कहा गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दार्यालय में
कमी करने या उमस बचाने में मुद्रित के लिए

मन्त्रसूची

(घ) इसी किसी बाब या किसी धन वा अस्ति-
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ओमनी पुष्पशता एम० पिकोने, कारवार (जिला
कारवार)।

(अन्तरक)

2. डा० कुमार नाथन, नीब नसिंग होम, आर० पिकोने
रोड, कारवार (जिला कारवार)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अंतरण के लिए
कार्यालय शुरू करना है।

उक्त संपत्ति के अंतरण के संबंध में कोई भी वास्तोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्त हांग जो उस अध्याय के द्वितीय
गता है।

(दस्तावेज नं 530/83-84 तारीख 18-10-83)

नया बना हुआ मकान इसका नाम "नीब नसिंग होम"
जिसका म्यूनिसिपलिटी नं. एम एल नं. 566 और 567, बाल
टीका नं. 1 सर्वे नं. 8 और 8बी, कारवार (जिला कारवार)।

मंजु माधवन
गठम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख : 24-5-1984

मोहर :

प्रश्न प्राइवेट टी. ए. एस. - - - - -

1. श्री के० गंगोदा वकील के० आर० पुरम, हासन।
(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्री बो० एम० शंखपाल कांकि मालीक, बेलूर।
(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 मई 1984

निर्देश मं० 757/84-85—अतः, मुझे, मंजु माधवन
गहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० साईट नं० 8 है तथा जो हासन में स्थित है
(और इसमें उपांडि अनुसूची में श्रीग पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हासन; रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13
अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल में, एंस इयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरेकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच इसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित से
वास्तविक रूप से कोई नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हूँ किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) गंभी किसी भाय या किसी धन या अन्य मालियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
बन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ले सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अधिकृत :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंत्राहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की बायीं या तत्संबंधी अविक्तियों पर
गूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अन्तर बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अकित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा० इतिहास
फैसी अन्य व्यक्ति द्वाया अभावताक्षरों के गाय
निषिद्ध में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त
हैं, उन्हों उपर होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं 1763/83-84 तारीख 13-10-83)
माझट (खुली जगह)

इसका नं० 8, विस्तीर्ण $50^{\prime} \times 70^{\prime}$ आर० एन० एक्सटेन्शन
हासन में है।

मंजु माधवन
गश्म प्राधिकारी
गहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 22-5-1984

मोहर:

मृष्ट, बाइ^१, टी. एस. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्य
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्य आयकर वायव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 मई 1984

निर्देश सं. 758/84-85—ग्रत: मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर० एस० नं. 34/1 है तथा जो धारवाड़
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण स्वप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धारवाड़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

29-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भवे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, प्रसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंदरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरण्य में उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक स्पष्ट से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हटौ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) हैसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रभू नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा जो लिए;

गत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
पर, भा., उक्त अधिनियम की भाष्य 269-प की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति ॥—

1. (1) श्री आर० एस० जाठर, राजेन्द्र नगर, पुणे-30।
- (2) श्री वी० एस० जाठर 7700, होनावर पारकवे,
ग्रीन ब्लैट मार्ग-20770 (यू०एस०ए०)।
- (3) आदित्य।
- (4) सत्य एम जी श्रीमती देवी जाठर केनागेरी
रोड धारवाड़।
- (5) श्रीमती देवी जाठर धारवाड़।

(अन्तरक)

2. श्री जी० वी० यरगटी कर्नाटक यूनिवर्सिटी।
धारवाड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसर्वद्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइ भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वास्तवी

(दस्तावेज सं 1112/83-84 ता० 29-10-83)
खेत की जमीन इसका नं. आर० एस० 34/1 परिमाप

6 एकड़ दोड्नामकन कोपा, धारवाड़ में है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 22-5-1984

मोहर:

प्रकृष्ट बाहौद, टी. पट्टा, एस. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार
कार्यालय, संहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 मई 1984

निर्देश सं. 759/84-85—ग्रन्त: मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन भक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. आर० एस० नं. 166/1 है तथा जो गदग
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गदग में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
21-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण सं हूँ किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वासियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, असत्:—

1. श्री रामचंद्र सुपुत्र श्री ब्रालंडी जाधव सीद्धराम नगर,
एम० डि० डीपो के पाम गदग शहर।
(अन्तरक)

2. (1) श्री एम० बी० व्याली।
(2) श्री एच० बी० पाटील।
(3) श्री एस० बी० द्वाडी।
(4) श्रीमती रत्नावाई सुपुत्र श्री के० जाधव गदग
शहर।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके प्रकाशित सम्पादित के बर्बन के लिए
कार्यकारीहाया शुरू करता हूँ।

इकत सम्पादित के बर्बन के सम्बन्ध में काहौ भी वास्तेः:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रकाशित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं 1261/83-84 तारीख 21-10-83)

खेत की जमीन

गदग में रहने वाला इसका आर० एस० नं. 166/1
परिमाप 12 एकड़ और 14 गुणा है।

मंजु माधवन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 22-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई 1984

निर्देश सं. सी० आर० 62/40809/83-84—उक्त: मुझे
मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर० एस० नं. 237-ए-2, टी० एस० नं.
303-ए-2 है, तथा जो किंवित बेनदोर वार्ड, मंगलूर
में स्थित है (ओर हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

14-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० मैकेन सलडान्हा 74/5, शेवाला बिलिंग्स,
एम० एम० जोशी मार्टी, बैकुला, बम्बई।
(अन्तरक)

2. मैमसं ग्रदार्श एन्टरप्राइजिज, बाई हटम पार्टनर; एच०
जयप्रकाश, कद्दि टेपल रोड, मंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें अयुवत् शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं. 927/83-84 ना० 14-10-1983)

सब सम्पत्ति है जिसकी सं. टी० एस० 303-ए-2, आर०
एस० नं. 237-ए-2, जो किंवित बिलेज, बेनदोर वार्ड, मंगलूर
में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुवत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख: 28-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-व (1) के प्रभाव में से

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
ग्रजन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 मई 1984

निर्देश सं. सी० आर० 62/40866/83-84—अतः
मुझे, मंज माधवन;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारत
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 2972-ए है, तथा जो एच० ए० एल०-II
स्टेज इंदिगनगर, बैंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष
अनेमूरी; और पूर्ण रूप से याणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिस-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित है वास्तविक
रूप में कीभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हैर्ड किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

1. श्रीमती वत्सना पेना, डिविजनल मैनेजर, सिशीकेट
बैंक, गोधीनगर, बंगलूर।
(ग्रन्तकर)

2. श्री शार० रंगराजन, गेंडेटरी-कम-एजिनियरिंग
एफिभर आई० एग० ए० टी० रिंगर्च एमोगिएशन,
24/1, अनगूर रोड, बंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्दूची

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

(दस्तावेज सं. 1896/83-84 द्वा० 21-10-83)
मव सम्पत्ति है जिसका सं. 2972-ए, जो एच० ए०
एल० II-स्टेज, इंदिगनगर, बैंगलूर में स्थित है।

तारीख: 24-5-1984
भौहर :

मंजु माधवन
गदाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
ग्रजन रेज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के कार्यक्रम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत कृ.

प्रस्तुप अद्वै. टी. एन. एम. -----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयकार (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 23 मई 1984

निदेश सं०आर 62/40788/83-84—यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6 (376) है, तथा जो 13 मैन रोड, आर० वी० एम्बेटेशन, बंगलूरु में स्थित है (ग्रोग इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्वरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधी नगर में जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-10-1983,

को प्र्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित बोगह है और मामूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एंसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा गया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अंतरण मिलित भौं वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्त में कमी करने या उससे बचने ते संविधा के लिए; वैर/या

(ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भाग्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी दिया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपात में भौंवपा के लिए;

आतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण में, भौं, उक्त अधिनियम को भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री क० रामवा रंडी,

और दो कुछ लोग,

446, राजामहल विलास एम्बेटेशन,
बंगलूरु।

(ग्रामीक)

(2) श्री डॉ वी० एम० अचार्या,

300/1-वी०, 16 फाल,

अप्पार पेट्रेम आर्यरडम,
बंगलूरु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबध में कोइं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्र्योक्त सम्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहम्माधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजु माधवन

मंजु माधवन

सधम प्राधिकारी

सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

दिनांक : 23-5-1984

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट, टी. एस., एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 5 जून, 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/40784/83-84--, अतः

मुझे, मंजु माधवन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग (1) के अधीन संखम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 54, ए० सी० ए० है, तथा जो
पंजुमोग्न, विलेज, कुलूर, काबुर रोड, मंगलूर में स्थित है (श्रीर
इससे उपावरु अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण मूल्य से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

15-10-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचाह
प्रतिशत रे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कीप्रत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किती आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर इन्हें के अन्तरक के
दायित्व में कीरी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; लाइ/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ये था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15-136 GI/84

1. श्री बें० गदावन्दा गोडि,
विवेक नगर, कुलूर, मंगलूर।
प्रनिनिधि : श्री के० दिवाकर गोडि,
विजया वैक, वेंगलूर नो० ८८,
पनजिवामोग्न, विलेज, मंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नानगि मान्टेरियों,
पत्नी श्री रावंड मान्टेरियों,
विवेक नगर,
पनजिनामोग्न विलेज, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अन्धि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहसाक्षाती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु

(दस्तावेज सं० 881/83-84 ना० 15-10-83)

सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 54- ए० सी० ए० जो
पंजुमोग्न, विलेज, कुलूर नामक रोड, मंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन,
संशम प्राधिकारी,
गहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मंगलूर।

तारीख : 5-6-1984

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट टॉ. एन. एस.-----

- (1) 1. मिथन रत्नामा दोरेस्वामी,
2. तामस मुदर्गन,
3. ईदिंगा डेविड,
4. विमला रना मधापति,
5. प्रमिला रावर्टगन
6. वसुन्धरा श्रीनिवासन
न० 1819, अकबर रोड मण्डी मोहल्ला, मैसूर ।
(अंतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 मई 1984

निदेश सं० मी० आर० 62/40885/83-84—यतः मुझे,
मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दस्को पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० 4513 न्यू नं० एन०-5 है, तथा जो सेंट मेरि रोड, एन० आर० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावढ़ प्रनुसूधी में और पूर्णस्थ पर्याप्ति के बारे में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20- 10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच पांसे अन्तरण के लिए तथा पाठा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

2. श्री अनंथर अहमद शरीफ,
न० 4641, शिवाजी रोड,
एन० आर० मोहल्ला, मैसूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजुसूची

(दस्तावेज सं० 3017/83 दिनांक 20-10-83)

सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 4513, न्यू नं० एन०-5, जो सेंट मेरि रोड, एन० आर० मोहल्ला, मैसूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 17-5-84

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

प्रूफ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथनं रेज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 मई 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/40799/83-84—यतः मूले

मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पद्धतात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 547 है, तथा जो II स्टेज, इंदिरानगर, बैंगलूर
में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तुर्ची में और पूर्णस्पृष्टि से वर्णित
है), रजिस्ट्रीरना अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-10-83 को

उपर्युक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्भ महु विष्वास
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके रुपमान प्रतिफल से, ऐसे रुपमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
ती (अन्तर्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिनने में
सुविधा के लिए;

यतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री पी० सदाशिव मूर्ति,
618/619, 13 क्रास, मागडि
काई रोड, विजयनगर, बंगलूर,

(अन्तरक)

(2) श्री टी० वी० प्रब्राह्म,
1/5, अलमूर रोड,
बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वांकित राजपत्र के अंतर्गत
कार्यवालियों शरू करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर
सूचना को तामोल सं 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्तिका द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 1827/823-84, दिनांक 13-10-
83)

सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 547, जो II स्टेज, इंदिरानगर,
बंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथनं रेज़, बंगलूर

दिनांक : 24-5-84

मौहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मई 1984

निकेश सं० सी० आर० 62/40875/83-84—यतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/8 (II) है, तथा जो कावेरियप्पा ले आठ,
बंगलूर में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णस्वृप्त
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 31-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे दूने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १००-

(1) श्रीमती जैयनान्दु श्यामनाड़,
3/8, कावेरियप्पा ले आठ,
वसन्त नगर, बंगलूर।

(2) श्रीमती डी० एच० शा,
165, वसन्तनगर,
बंगलूर।

(अन्तरक)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब भैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2001/83-84, दिनांक 31-10-83)

सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 3/8 (II), जो कावेरियप्पा
ले श्रीट नियर कनिंगहाम रोड और मिल्लर टॉक बंड रोड,
बंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
राक्षस प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 25-5-84

मोहु १

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 मई 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/40793/83-84—यतः

मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी नं० 17/3 है, तथा जो हुचिन्स रोड, रिचारडस
टौन, बैंगलूर में स्थित है (आंदोलन से उपावद्ध अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 1-10-83

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात्मक प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय दाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में वास्तविक
रूप से की गई नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृहै किसी वाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में संविधा
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आंसूतियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अंतर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्ति 1—

(1) के० ए० म० मरियम,
26, विविधानि रोड,
बैंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री जार्ज सैमन पेरैरा
और मिस्स, जेनिफर योने पेरैरा,
केयर/आफ, 60/2, कौलस रोड,
बैंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अंतर्गत की निए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यांप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वान्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(दस्तावेज मं० 1713/83-84, दिनांक 1-10-83)
मब सम्पत्ति है, जिसका सं० 17/3, जो हुचिन्स रोड,
रिचारडस टौन, बैंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर।

तारीख : 25-5-1984
मोहर

प्रकृष्ट बाईं टी. एन. एस.पटेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 25 मई 1984

निवेदण सं. सी० आर० 62/10798/83-84—अतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8 है, तथा जो बैंगलूरु, लेड्डाउट बैंगलूरु में
स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसंधान में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्री रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
5-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिका की गई है और मझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्र) और
अन्तरिकी (अन्तरीकीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मोहु/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए (।)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित हूँ—

1. श्री बी० ओ० वालामूति,
लक्कावाली विलेज,
तरिकेरे, तालुक,
चिकमगलूर, डिस्ट्रिक्ट, याप एट, बैंगलूरु
(अन्तरक)

2. एम० जे० कोशी,
श्री टी० एम० कोशी,
81, डिं कोस्टा, खैबर बैंगलूरु,
22, बुधविहार रोड, बैंगलूरु

'अन्तरिकी'

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यविहारी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु विस्तृत व्यक्ति के अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं. 1/830/83-84 ता० 5-10-83)
सब सम्पत्ति है जिसका सं. 8, जो दोमलूर, लेड्डाउट,
बैंगलूरु, में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूरु

तारीख : 25-5-1984

मोहर

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 28 मई 1984

निवेश मं० सी० आर० 62/10796/83-84—अतः मुझे,
मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकारात्मक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6(एच/एल), है, तथा जो आसवर्न रोड,
सिविल, स्टेशन, बैंगलूर में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुमूल्यी
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय में शिवाजीनगर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्पादेय से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी बाय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विस्तमाला,

न्यू नं० 6 (एच/एल),

आसवर्न रोड, सिविल स्टेशन, रोड,
बैंगलूर

(अन्तरक)

2. यू० के० बोजागव

नं० 50/3, ज्वेल स्ट्रीट,
बैंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज मं० 1773/83 ना० 10-10-1983)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 6 (पुराना मं० एच/एल), जो
आसवर्न रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख 28-5-1984

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

शोधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 मई 1984

निर्देश मं० सी० आर० 62/40873/83-84—यतः मृद्गे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी मं० 98 है, तथा जो विनामगला, II, स्टेज, दंदिरा नगर, बैंगलूर, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्गती (अंतर्गतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जहाँ अब उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा (1) की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री० गोपाल,
जगदीश नगर,
जिवनमिमानगर,
पी० ओ०, बैंगलूर,

(अन्तरक)

2. श्री० एम० बी० राज,
98, II स्टेज, विनामगला,
दंदिरा नगर, बैंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मंजु माधवन

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक अधिकर आयकर (निरीक्षण)
अर्ज. रेज, बैंगलूर

तारीख 26-5-1984

मोहर

प्रस्तुत जाइ दो एवं एवं .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाधकता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, विनांक 26 मई 1984

निर्देश सं. मी० आर० 62/40741/83-84—यतः मुझे;

मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकार साधकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 658/1 (पुराना सं. 658/ए), तथा जो
17 बी० क्रास, ईंदिरा नगर, विनामंगला, II स्टेज, बैंगलूर में
स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 4-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण
विविह में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के बिना; और/वा

(ख) एकी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दृष्टिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन विम्बलिक्षित व्यक्तियों, व्यक्ति ८—

16-106 GI/84

1. यि० घनाराज,

नं० ६, VII, क्रम, बैंगलूर,
जथाबारति नगर,
बैंगलूर सिटी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनासूच्या वाई,

गौपरांगनगर निलगी,
नं० ३८७, V क्रम, विनमन गाँगन्म,
बैंगलूर

(अन्तरिती)

वे यह सूचना आरी करते प्रत्येक व्यक्ति के वर्तन के लिए
कायबाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की बाबत या उससे अधिक व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बाबत, जो भी
बाबी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताकरी या
पास निवित भी किए जा सकते।

अन्तरीकरण:—इसमें प्रदृष्ट सब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिक-
विवर के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही वर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया जा
है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज, सं० 1603/83, ता० 4-10-83)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 658/1, (पुराना सं०
658/ए), जो 17 बी० क्रास, ईंदिरा नगर, विनामंगला
II, स्टेज, बैंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन

सकार साधकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 26-5-1984

मोहर

प्रस्तुप बाइं. टी. पर. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 मई 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/40869/83-84—यतः मृद्दे
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 1065 है, तथा जो प्र० ए० एल० II,
स्टेज, इंदिगा नगर, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावन्द
अनुसूची में श्रीम जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-10-83

को प्रवृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्दे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षीय
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
स्थ से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों
को इह भागीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छपाने में
मृद्दि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—

1. श्री के० रामेश्वर,
नं० 96, V मैन रोड,
यामराजपेट, बंगलूर-18

(अन्तरक)

2. श्री मी० एम० तामस, और
श्रीमती मी० एम० तामस,
प्रतिनिधि :
श्री एन० टी० सबास टैन,
7/1, किंगस्टन, रोड, बंगलूर

(अन्तर्स्ती)

को यह सूचना बारी करके प्रवृत्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजुसूची

(दस्नावेज, मं० 1919/83 ता० 24-10-83)

मब सम्पत्ति है जिसका सं० 1065, जो प्र० ए० एल० II,
स्टेज, इंदिगा नगर, बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन,

सभी प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 24-5-1984

मोहर :

प्रकृष्ट जाइँ. टी. एम्. एड. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 मई 1984

निर्देश सं० सी० प्रार० 62/40871/83-84—यतः मुझे
मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 29/1 है, तथा जो हुचिन्स मैन. रोड, बैंगलूर
में स्थित है (और डस्से उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 25-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एंसे अध्यमान प्रतिफल का, पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, विमतिविहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरण से हाई किसी आद की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु न में सुविधा
के लिए;

यतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवाद :—

1. श्री बी० डी० जोसे,
नं० 29, हुचिन्स मैन रोड,
कूक टीन, बैंगलूर

(अन्तरक)

2. मिसेस अन्ने ईप्पन,
प्रतिनिधि : पास्टर जान डेविड मेजर,
ए०पी० सी०, जैन, हाल, III फ्ला०,
हेस्पर रोड, लिंगराजापुरम,
बैंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि मा० तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
तुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें ग्रहक शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 1932/83 ता० 25-10-83)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 29/1, जो हुचिन्स, मैन रोड,
बैंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 25-5-1984

गोहर

मार्ग दीर्घ सुन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार

कायमिय, सहायक आयकर नायकर (निरीक्षण)

ਅੰਜੇਸ਼ ਮੁਖ ਪ੍ਰਕਾਸ਼

बैंगलूरु, दिनांक 26 मई 1984

निवेश सं० मी० आर० 62/40785/83-84—ग्रतः मुझे,
मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्री जिसकी सं० 34/1 है, तथा जो बेनसन रोड, क्रास, बैंगलूरु में स्थित है (श्री इससे उपाखण्ड अनुमती में श्री जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-10-1983

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरी दृष्टि से अधिक लाभ करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नामांकन मूल्य,, उसके दूसरी दृष्टि से प्रतिफल से एसे दूसरी दृष्टि प्रतिफल का गन्तव्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के लिए एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थिरता की दृष्टि से अधिक लाभों की किया गया है :-

(८) नवरात्रि में हुए किसी वायर की पार्श्व, उसका वायरिटेक्स के लिए कार दोनों ओं बल्टरेक के वायरिटेक में कामी करने वा उत्तरवर्ती वर्तने में विचार के लिए; और/या

(क) दूसी किसी बाय वा किसी बन वा अस्थि अस्तित्वों का, जिन्हे भारतीय बायकर जीवितियम्, 1922 (1922 का 11) वा उभत जीवितियम्, वा भनकर जीवितियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्ग अन्तर्राष्ट्री इधारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाता चाहिए था, जिपाने में सौविधा के लिए

कलः इव, उत्तम वीर्यमय की धारा 269-व के अनुसर
दो, मैं, उत्तम वीर्यमय की धारा 269-व उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थातः—

1. श्री जिमन लाल
सं० १७/६, चार्च रोड,
पांसि नगर, बैंगलूर-२७
(अन्तरक)
 2. श्री अब्दुल कयूम,
(२) श्रीमती सजिदा,
नं० ५१, मिलरस रोड,
II, कास सिविल, स्टेशन,
बैंगलूर -४६
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारौ करके पूर्वोत्तम सम्मिलित के अर्जन के लिए कार्यवाचिकां करता है।

उदास सम्पर्क के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वार्ता नहीं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पुरी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित वह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

प्राचीन राजः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उभय वाचिकाय, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

10

(दस्तावेज सं० 2005/83-84 ता० 12-10-83)
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 34/1, जो बेनसन क्रास, रोड,
बैंगलर में स्थित है।

मंजु माधवन
भ प्राधिकारी
(निरीक्षण)
रेंज. बैगलर

दिनांक : 26-5-1984

मोहर ५

प्रस्तुप आइ.टी.ए.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमदान (निरीकण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 6 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए० 62/40880/83-84—अतः
मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 221-5, 231-4ए 1 बी है, तथा जो
केम्मान्जे विलेज, पुतूर, तालुक, दक्षिण कश्माडा, डिस्ट्रिक्ट,
में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुतूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसि-
कर विभागित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरुप वे हूर्स किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बास्तविक वे किसी करुने या करने वा करने में हृदिया
के लिए; कहुँ/या

(क) ऐसी किसी वाय या किसी अन्य या अन्य आस्तियों
को, किन्हे भारतीय वाय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
वा प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए एवं, छिपाने में हृदिया
के लिए;

वास्तव, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरक
में, दूसरे, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वै० रामाकृष्ण गोनाथ
मुकुमपांडि आफ केम्मान्जे,
विलेज, पुतूर, तालुक।

(अन्तरक)

2. ए० एस० पोज्जाप्पा,
वेद्रोगोला, विलेज, विराजपेट तालुक,
कोडागु, डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
दायरांश्य करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर¹ सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने संतुष्टि दिक्किए हैं।

(ख) हम सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहूँ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के फास
प्राप्तियों ने दिक्किए हैं।

सम्बोधकरणः—इसमें नुस्खा वही आरा पर्याप्त की, जो उक्त
अधिनियम, के दद्याय 20-के में परिभाषित
है। वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में विद्या
गया है।

अभ्युक्ती

(दस्तावेज सं० 518/83 तारीख अक्टूबर, 83)

सम्पत्ति है जिसका सं० 221-5ए, 231-4ए 1 बी, जो
केम्मान्जे, विलेज, पुतूर, तालुक, दक्षिण कश्माडा, डिस्ट्रिक्ट
में स्थित है।

मंजु माधवन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 6-6-1984

मोहर

प्रम्प भाइ.टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, विनांक 1 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए० 62/40810/83-84—अतः मुझे,
मंजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० आर० ए० 42-3 बी है, तथा जो बौलूर,
विलेज, विजय वार्ड, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 14-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्दिष्ट
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हटा किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हने के अंतरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जक्षन:—

1. श्री बोला श्रीमिवासा कामत,
त्रिलिङ्ग, मंगलूर

(अन्तरक)

2. श्री बी० दत्तावेया पै,
ऐताप्पा, मैस्ट्रि, कामपोल्ड,
मग्नागुड्डा, मंगलूर

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों कहता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दब्द दिलचित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजू

(दस्तावेज सं० 926/83-84 ता० 14-10-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० आर० ए० 42-3 बी, जो बौलूर
विलेज, विजय वार्ड, मंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 1-6-84

माझे :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/40575/83-84—अन्तः मुद्रे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है, तथा जो प्रशांत रेजिडेंशियल, लेन्ड्रिट,
बैटफिल्ड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची
में शौर जो पूर्ण स्पष्ट नहीं वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के
कायांलय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के प्रधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की आवत्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के
वायितव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/मा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा-पतकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री ई० विं० जे० कुन्हा, और 10 कुछ नोंग,
मं० 69, मैंट, जन्म चंच नोड, बंगलूर,

(अन्तरक)

2. नीना अनन्दारामन,
मैंटर गार्डियन श्री आर० वी० कृष्णामूर्ति,
नं० 50, 30 क्रास, III, अवाक, जयानगर,
बंगलूर ।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित हो किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ शामा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।

मनूस्तुच्छी

(दस्तावेज सं० 2997/83 ता० अक्टूबर 83)
सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० 3, जो प्रशांत रेजिडेंशियल,
लेन्ड्रिट, बैटफिल्ड, बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन,
मन्त्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 4-6-1984

मोहर :

प्रमाण वाहौँ दीः ०८० लिंग—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जून 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/40577/83-84—अतः मृशे
मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
२८,०००/ रु. में अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० ९ है, तथा जो प्रशांत रेजिस्ट्रेशनल,
ले-ट्रौट, पट्टनदूर, अग्रहारा, वैटफील्ड, बंगलूर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर दक्षिण तालुक में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृशे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके रख्यमान प्रतिफल से छोड़े रख्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतर्गत
(अन्तर्गतियाँ) के वीध एवं अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आस्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) प्रैसी किसी आय या किसी भव या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ वन्निमित्त इवारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सविधा के लिए;

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2837/83, ता० अक्टूबर, 83)

गव सम्पत्ति है जिसका सं० प्लाट नं० ९, जो प्रशांत
रेजिस्ट्रेशनल, ले-ट्रौट, पट्टनदूर, अग्रहारा विलेज, वैटफील्ड,
बंगलूर-६६ में स्थित है।

मंजू माधवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर अधिकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

अन्तरण, उक्त अधिनियम की भार 269-व के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दी० वी० जे० कुलता और 10 कुछ लोग
नं० ८०, नं० लाल वर्ड रोड,
बंगलूर-५

(अन्तरक)

2. डा० ऊरा त्यागराजा,
नं० ११४, मैन रोड, वैटफील्ड,
बंगलूर-६६

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति गे हितवदूध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

तारीख : 5-6-1984

मोहर :

प्रधान आई.टी.एन.एस.

प्रायकर अधिनियम 1981 (1981 का 43) की धारा
269-व (1) से अदीन सूचना

भारत उत्तराखण्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 5 जून 1984

नि देश सं० सी० आर० 62/40574/83-84—अतः मुझे,
मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है),
की धारा 269-व के अधीन सभी स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लाट नं० 6 है, तथा जो प्रशांत रेजिडेन्शियल
ले-आउट, वैटफील्ड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 18) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृग्दारा नियमित रूप से बदला जाता है और मुझे यह
किसाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभवन प्रतिकृत से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरण (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अनुसंधान विधित में वास्तविक रूप से अधिक
नहीं किया जाया दै।—

(क) अन्तरण से हटाई कियी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक को
दायित्व में करने या उससे वस्त्रे में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) नेपो नियोग गा. निसी जन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर प्रधानमन्त्री, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
योजनावाची अन्तरिती द्वारा प्रकट नवीं किया
गया या या नियोग आता चाहिए था, लिखाने में
नियम के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—
17-136 GI/84

1. श्री हौ० बी० जे० कुन्हा, और 10 कुछ लोग.
नं० 69, सेंट जन्स चर्च रोड,
बैंगलूर-5

(अन्तरक)

2. श्री धीपक भोतीलाल चन्द्रिया,
नं० 9, कान्वेंट रोड,
गुलमोहर मानशन,
बैंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन ने लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्दोहस्ताकारी के पास लिखित
में लिये जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण 1:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदो वदो आ; जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति है, वही
प्रथ होगा, जो उप अध्याय में लिया गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 2996/83 ता० अक्टूबर, 1983)
सब सम्पत्ति है जिसका सं० फ्लाट नं० 6, जो प्रशांत
रेजिडेन्शियल, ले-आउट, वैटफील्ड बैंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 5-6-1984

मोहर

प्रख्यूप आई. टी. एन. एस. - - - - -
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/40801/83-84—अतः मुझे
मंजु माधवन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को मृत विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
श्रीर. जिसकी सं० 37/2 है, तथा जो III क्रास, विवेकानन्दा नगर
बैंगलूर में स्थित है (श्रीर. इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी
नगर में रजिस्ट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 15-10-83

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती के० मंजुला,
नं० 294, VII क्रास,
जैभारती नगर,
बैंगलूर -5

(अन्तरक)

2. श्री संतो एटीरा,
नं० 3, , क्रास,
विवेकानन्दानगर,
बैंगलूर-33

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
पारित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मंजुला

(दस्तावेज सं० 1856/83 ता० 15-10-83)
सब सम्पत्ति है जिसका सं० 37/2, जो क्रास,
विवेकानन्दानगर, बैंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 5-6-1984

मोहर :

असौ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की ज्ञापनारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 5 जून, 1984

निदेश सं. सी० आर० 62/40855/83-84—अतः मुझे
मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 12 है, तथा जो II काम रोड, एस० सी० रोड,
कास, रामाकृष्णपुरम, एक्सटेंशन, बैंगलूर-9 में स्थित है (और
इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गोधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-10-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए बन्तरीत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिक्षण से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(बन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरीत में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरीत से हटा किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में
कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आरितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती दुवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एच० बी० सुखा राव,
श्री एच० सुर्यनारायण राव,
श्री एच० एस० श्रीनिवासा राव,
नं० 12/1, आर० के० पुरम, एक्सटेंशन,
एस० सि० रोड, कास, बैंगलूर

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीलाम्मा पत्नि श्री जी० एफ० उपनेश,
लक्ष्मेश्वरा, तालुक, दारवार, डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
धद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बैंगलूर

(दस्तावेज सं. 2185/83 ता० 31/10/83)

सब सम्पत्ति है जिसका सं. 12 जो II काम रोड,
रामाकृष्णपुरम, एक्सटेंशन, एस० सी० रोड, कास, बैंगलूर में
स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 5-6-84

मोहर

श्रम बाई, टी.एन.एस. २०८४

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

उत्तर भारत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जून 1984

निवेश सं. सी० आर० नं० 62/40930/83-84—अतः
मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं. 759/30 है, तथा जो V मैन रोड, जिवजयानगर,
बंगलूर, में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपाख्य अनुसूची में ग्रीष्म रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
श्रीरामपुरम, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 31-11-83

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उत्तित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे बदलण के लिए तथा गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरुक के
दायित्व में कमी करने या उक्त अंतरण में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भूमि या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूमि-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतएव, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः—

1. श्री एम० कृष्णपा,
नं० 759/30, V मैन रोड,
जिवजयानगर, बंगलूर

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति एस० जान्जि,
नं० 22, न० १
डल्लू० सी० रोड,
बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज, सं. 2526/83 ता० 31-11-83)
सब सम्पत्ति है जिसका सं. 759/30, जो V मैन रोड,
जिवजयानगर (होसहफली), बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 5-6-1984

मोहर

प्रस्तुति नाइटी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 अप्रैल, 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/408000/83-84—यह:
मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 319 है, तथा जो दोमलूर एक्सटेंशन,
बंगलूर ने स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 14-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अंतरण है हृष्ट किसी बाद की बाबत, इससे
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वार्तियत्व में कर्ती करने या उससे बचने में सुविधा
मैं लिए; बाटु/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

बतौर बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्री टी० एन० सौन्दरा राजन,
नं० 319, दोमलूर, एक्सटेंशन,
बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० मोहन राम और
मिसस शशि मोहन,
नं० 39, विवियानी रोड,
बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों कहता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1853/83 दिनांक 14-10-83)

सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 319, जो दोमलूर एक्सटेंशन,
बंगलूर, में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 27-4-84

मोहर :

प्रस्तुत वाहौ दो. पर. एव. -----

भास्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/40879/83-84—अतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 146-57 ए 31 है, तथा जो वेरिया
विलेज, बेलतंगडि तालुक, दक्षिण कश्माडा, में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलतंगडि में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-10-83
के पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दधार्पूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्षिक
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्षम्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मैसर्स कालिफेट, टिम्बर्स,
गांधीनगर, मंगलूर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आल ब्रिटि प्लान्टेशन्स, मिलाप्रेस मानशन्स,
हमपनाकट्टा, मंगलूर,
पार्टनर : श्री बी० मोहिदीन कुन्ही,
वास लेन, मंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन में कोइ भी वालोंपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती है, के भीतर दूर्वाला
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुभूमि कसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 509/83-84 ता० 31-10-83)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० सर्वे नं० 146-57 ए, 31, जो
वेरिया विलेज, बेलतंगडि, तालुक, दक्षिण कश्माडा, में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

तारीख : 4-6-1984

शोहर

प्रस्तुति आई टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 5 जून 1984

निवेश सं० सी० आर० नं० 40791/83-84—अतः मुझे,
मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० पुराना सं० 11, न्यू नं० 21 है, तथा जो
I क्रास, बीलर रोड, बैंगलूर में स्थित है (गौर इससे उपावद
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करु देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाय 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भाय 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आर० एतिराजेया,
नं० 21, I क्रास, बीलर रोड,
बैंगलूर-5

(अन्तरक)

2. श्री बै० रावाप्पा,
नं० 14, अनुताराया मोदलियार रोड,
फेजर टाउन, बैंगलूर-5

(अन्तरिती)

को मह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ (।)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोक्तुणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1725/83, ता० 15-10-83)
सम्पत्ति है जिसका सं० पुराना 11, न्यू नं० 21, (पश्चिम
भाग), जो I क्रास, बीलर रोड, मिशिल स्टेणन, बैंगलूर में
स्थित है ।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 5-6-1984

ओहूड ॥

प्रृष्ठ प्राइवेट दी. एस. प्रृष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, विनांक 1 जून, 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/40845/83-84—अतः मुझे,
मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 490/1 टी० एस० नं०
119/1 है, तथा जो फ़िल्ड स्ट्रीट, मंगलूर में स्थित है (और इससे
उपायद्वारा अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-10-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है किसी आय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने वा भूविभा
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री एम० नरासिंहा भट,
सुपुत्र श्री एच० कृष्णा भट,
आफिसर केनारा बैंक,
माल्हमाया टेपल, मंगलूर,

(अन्तरक)

2. चिना आर० शेनाय, द्वारा के० आर० शेनाय,
2. के० अनन्ना शेनाय,
- महा माया, टेपल, फील्ड स्ट्रीट,
मंगलूर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं० 962/83 ता० 31-10-83)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० नं० 490/1; टी०
एस० नं० 490/1; जो कोस्ता बाजार विलेज, माकोंट, वार्ड;
मंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तात है—

दिनांक : 1-6-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अंतर्न रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 1 जून, 1984

निरेंग सं० भ० आर० 62/40861/83-84—असः मुझे,

मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, दह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।
श्री जिला सं० 305 है, जो जो बनाए कोरामगला
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपांच्छ अनुसूचि में और जो पुर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीड्री श्री रोडरो है गार्डी बैंगलूर
दिसंग भाजा में रजिस्ट्रीड्रेण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अंतर्गत दिनांक 31-10-83

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मार्क ऐ निरीक्षण
करने का कारण है कि दधार्वेक्षत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसें दृष्यमान प्रतिफल वा
परदृष्ट प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, इसमें में सूचित
के लिए।

उत अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित विवितायों, अधिक :—

18-13(GJ)/84

1. श्री पौ. शिवार्णवलाल,
42, VI अप० IV बॉल,
कुमारा गांडी, वैश्वन, बैंगलूर-20

(अन्तरक)

2. श्री कौ. शिव बालाचन्द्रन,
777 डी, 100 फैट रोड,
एच० ए० प्ल० II स्टेंज,
बैंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गमनन्व में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अन्तर्वाच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
लक्षितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(()) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रुद्ध
प्रतिक्रिया अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के पास
पहुँचा जाए जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रतीक्रिया:—इसमें शप्तवच लक्ष्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, दर्ती और दोगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 5177/83 ता० 2131-10-84)
सब सम्भिति है जिला सं० 305 जो I इनाक कोरामंगला,
बैंगलूर में स्थित है।

मंशु माधवन
सभ्म प्राधिकारी
गढ़ायल आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंतर्न रेंज, बैंगलूर

तारीख : 1-6-1984

मोहर

प्रलेप आई.टी.एन, एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 1 जून 1984

सि० आर० 62/40844/83-84—वस्तु: मुझे, मजू
माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को, इह विवास दारने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25.000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टि० एस० 440/2, आर० एस० नं०
1048/2 है, तथा जो अनावर विलेज, बलमद्वा बाई, मंगलूर
में स्थित है (और इसमें उपावड अनुस्त्रो में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन ता० अक्तूबर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर तरीख अक्तूबर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापर्वक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यां गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहेय से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के बायित्व में
किसी भूमि या उसमें वसने में सुविधा और नियंत्रणीयता

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनावृ अन्तरिती बाजार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
हो निया;

1. (1) रेवरेंड नादर चालेस जे० अरेन्हा,
(2) जॉन जे० री० फर्नान्डिस
(3) मिसेस मिलेन सलडान्हा,
(4) मिस मजेला सलडान्हा,
(5) गेरार्ड सलडान्हा,
(6) लुसिला सलडान्हा,
(7) कारमेन सलडान्हा,
उनके प्रतिनिधि निं० मांयुधीन कुन्नै,
वास भेन, मंगलूर मिटी।

(अन्तरक)

2. मेशन वरनाडैन आलफनसौ० डि कुन्हा,
जिपिए० होल्डर लिलिडिकुन्हा,
फलनीर, मंगलूर मिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति व अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आभेद :—

(ख) इस सचमा के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मन्धनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्र लिखी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

(दस्तावेज सं० 1003/83 ता० अक्तूबर 83)
सम्पत्ति है जितना सं० टि० एस० 440/2, आर०
एस० नं० 1048/2, जो अनावर विलेज, बलमद्वा बाई,
मंगलूर में स्थित है।

मजू माधवन
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मंगलूर

वस्तु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 1-6-1984
मोहर :

प्रकृत्य आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश सं० सि० आर० 62/40840/83-84—यतः मुझे मजु
माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राप्तवारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1690 है, तथा जो III स्टेज, राजाजि-
नगर-7 बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिक्टर अधिकारी के
कार्यालय, राजाजिनगर में रजिस्ट्रिक्शन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हूई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ल) गंभीर किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने द्वे सुविधा के लिए;

यतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पिंग धर्मसानि,
न० 21, वसंतानगर,
एक्स्टेंशन, बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री केंद्र देवाराज,
न० एल०-७७,
IV मेन रोड,
लक्ष्मीनारायणपुरम,
बंगलूर-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिद्वारा पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3100/83 ता० 29-10-83)
सम्पत्ति है जिसका सं० 1690, जो III स्टेज, राजाजि-
नगर, बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राप्तिकारी
महायक आयकर आयकृत (निरक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 1-6-1984

मोद्दूर :

प्रस्तुत आइ.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश सं० सि० आरा० 62/40742/83-84-यत् मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जितकी मं० 28/2 है, दबा जो VII क्रम, जे० बी०
नगर, बैंगलूर में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूचा में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टर कर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजीनगर में रजिस्टरेशन अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 4-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरात का गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
न्यूनतम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिकी (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि कोई आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कोई करना या उसमें वचन में सौंचा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्यांकन
के लिए;

जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असति :-

1. श्री ह० शफीक,
नं० 9/23,
लाप्पड रोड,
कूक टीन,
बैंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री जान के० कल्लारकृष्ण,
(2) मिसस लिल्ली जान,
42, कोल्त रोड,
बैंगलूर।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के पास
लिलिता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1606/83, तारीख 4-10-83)
सम्पत्ति है जिनका सं० 28/2, जे० VII क्रम, जदा-
भारती नगर, बैंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तरीख: 1-6-1984

मोहर:

प्रह्लाद आई. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायता आयकर आरोग्य (निरीक्षण).

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 3 जून 1984

निर्देश सं० सिं० आर० 62/40820/83-84—यतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि ग्रन्थादर स्पष्टता, जिसका उचित वाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जितकी रातौ सर्वे 53 है, तथा जो पट्टानदूर अग्रहारा,
के० आर० पुरम होवलि, बंगलूरु दक्षिण तालुक में स्थित
है (और इसके उपांचड अनुचूर्ची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित
है), रजिस्ट्रीरारा अधिकारी के वार्षिक देवलूर दक्षिण तालुक
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन ता० 1-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथाप्नेवत सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अतांतरितों) के बीच इस अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
रक्षण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभेत्तरी विवरण दराना प्राप्त किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

वहाँ अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनमण्ण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० ए॒० धनि,
(2) वौ० ए॒० सुलीस,
शोऽवन फारम,
पट्टानदूर,
वैटफोर्ड,
बंगलूरु।

(अन्तरक)

2. श्री राजन अहमद गुलामि,
प्यारा गौसे फारम,
पट्टानदूर,
बंगलूरु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के संजन के लिए
कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4829/83, ता० 1-10-83)

सब समस्ति है जिन्हों सं० सर्वे 53, जो पट्टानदूर
अग्रहारा के० आर० पुरम होवलि बंगलूरु दक्षिण तालुक
में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकरी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख : 6-6-1984

मोहर :

प्रस्तुत आहे, ही, एन, एस, -----

आवासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सच्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आपकर्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज बंगला

ਬੰਗਲਾਰ. ਦਿਨਾਂਕ 4 ਜਨ 1984

नोटिस नं० 760—यतः, मुझे, मंजु माधवन,
आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ल के अधीन मकान प्राधिकारी का, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. सं जावक है और यही सं ० आर० का आर० प्रकृति नथा जो कर्मान नं ० 134 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूलों में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्पैग बॉम (गोवा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 1-10-1983

का पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्राप्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का ऊचत बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्राप्तिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पश्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरतिथों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उसके अधिनियम के अधीन कर वैने के अन्तरक के दायित्व में करनी करने या उसमें वजने में सुविधा के लिए; और/या

(८) ऐसी किसी यात्रा या किसी धन या वस्त्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धनकर अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इधाने में सविभाग के लिए:

- (1) श्री जोशी रघुनाथ डिंडो मेल्ली श्री
श्रीमती भीलाप्रोना रेवेल्लो छायल,
स्यांगवाम (गोदा) में रहते हैं।

(अन्तरक)

- (२) मैं सालांकर इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, वास्कोडागामा (गोवा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधारियाँ शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधिकारिक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकदृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृशत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

४८५

(दस्तावेज सं० 184/83, ता० 1-10-83)

संगति को पूर्ण और विशेषार्थीलोनाम से है। यह संगति धर्मशरा गोवा में (स्प्रांत्रोन तातुकुमा गोवा) में है। इस तीव्र — 317 और 318 और 134 इस प्रकार है।

मंगु माधवन
सक्षम प्राविकारी
महायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, झंगलदू

बतः अब, उक्त अधिभायम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अनुसार, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति—

तारीख : 4-6-1984

六

प्रश्नपत्र बाहेर दा. एन. एम. ——————

ब्राह्मण अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

नोटिस नं० 761—यतः, मुझे, मंजु लाभवा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गृह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० ए.ज० नं० 41/42 है, तथा जो बीजापुर में स्थित है (और इससे उप बद्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बीजापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 24-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिशत के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रापतित का उचित बाजार मूल्य, उनके द्वारा घोषित नहीं है, अंतर इन्हाँने प्रांतिकरण का पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाश्चा गया ग्रांडिल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित भौमात्रावक रूप में कथित तरीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हूँह किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूक्षिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपात्र में सूक्षिधा के लिए;

अतः, दब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के बनारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की आधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री श्रामंजा
- 2. श्री अर्जुन गंगाराम कलाल
- 3. भूमना अर्जुन कलाल
- बीजापुर-कुड्डनपुरपेट के रहवासी।

(अन्तरक)

- (2) 1. शिवराजप्प
- 2. श्री केशव
- 3. श्री तुकाराम
- 4. श्री नगेन्द्र
- 5. श्री दत्तात्रेय
- राजप्पा जोरापुर
- शिवाजीभेट, बोगापुर के हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोहू भी आवेदन :—

(क) इस गृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्पत्ति अविक्षयी तर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्ताभ बाट मासमात हुआ है, के भीतर पूरीकर अविक्षयी में ये निम्न अधिकार द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बच्छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

(दस्तावेज सं० 1633/83-84 ता० 24-10-83)
महाल भाग्यत गांव में (बीजापुर जिला) खेत की जमीन।

इसका नंबर आ० एम० 41/42।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आद्यका (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 4-6-1984

पोहर

प्रस्तुत आर्थ.टी.एन.एस. - - -

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 4 जून 1984

नोटिस नं० 762—यनः, मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15, 433 है यथा जो डेंगोपाले गांव तानुका
सालफेट में स्थित है (और इससे उपचढ़ अनुपूर्वी में और
पूर्ण रूप से बर्गा है), रजिस्ट्रीर्हर्ट अधिकारी के कार्यालय
सालफेट (गोदा) में रजिस्ट्रीर्हरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-10-1983
को प्रांतीक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रांत सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके रुपमान प्रतिफल से ऐसे रुपमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी भाय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
कायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तीणों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्ह
अन्तरिती शब्द नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था लिप्ताने में सुविधा के लिए;

(1) 1. श्री धीरेन्द्र केशव जा पिये डवांडे
सिंच्वा शौर
2. ओंती मारोंडा दोंडोंडा दो नियंत्रित याँ सीत्या
मरगाव-गोदा के बासी हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री सशनद गोविंद बोरकार
बोरडा, मरगाव गोदा के बासी है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्ही वरके पूर्वोक्त सम्पादन के अर्जन के लिए
कार्यमार्ह है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर
सूचना वी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाट भी गमात जानी हाँ, के नीतर पूर्वोक्त
अविकल्पों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पादन में हितवद्युत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित भी किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-के में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुदानी

(दस्तावेज सं० 1740 ता० 11-10-83)

डेंगोपाले (तानुका सालफेट गोदा)। इस गांव में
"नोरी-राशी-इकावी-जीर या, वांडोंडा और नाम से ज्ञाती
मंपत्ति है।

(इसका नंबर 15, 433, लैंड रेवेंगू नंबर 197)

मंजु माधवन
सप्तन प्रावितारी
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु

इस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन:—

तारीख: 4-6-1984

सोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत ब्रैडफ्रेड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

नोटिस नं० 763—यतः, मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आय
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1604 है, तथा
जो बीजापुर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, बीजापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्त
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
क्ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दर्तीत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भत्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, द्विपाले में सुविधा
के लिए,

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19-136 GI/84

(1) श्री वसंत कुमार बेंकटदास दरबार
स्टेशन रोड, सीता सदन,
बीजापुर।

(2) मुरेश राजाराम देवगीर शामेट
बीजापुर।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्यक्तिगत :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1666/83-84, ना० 29-10-83)
संपत्ति जिसका सी० टी० एस० नं० 1604, संगति वाड
नं० 3, बीजापुर में स्थित है।

मंजु माधवन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 4-6-1984

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूरु

बंगलूरु, दिसंबर 4 एग 1984

नोटिस नं० 764—पतः, गुरु, मंजु माधवना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उथावर गम्भीर, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य 1731/2/वी है, तथा जो रामदेव गली बेलगाम में
स्थित है (ओर इसमें उपाखण्ड उन्मूल्य में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 5-10-1983

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि उथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें छोड़ने में अविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए तथा निपाते में हृदिधा
के लिए;

1. (1) श्रीमती छाया विश्वनाथ कोण्ठुर
(2) श्री प्रभात विश्वनाथ कोण्ठुर
(3) श्री दिलीप विश्वनाथ गोण्ठुर
(4) सोमिनी भारती प्रभाकर कुलकर्णी
इनका पता :—कोटाले विलिंग महाड्हारा रोड,
कोल्हापुर नं० 2,
महाराष्ट्र राज्य।

(अन्तरक)

2. (1) बोम्मल रामचंद्रजी पोरवाल
(2) श्री अनील कुमार बोरनंद्रजी पोरवाल
(3) सोमिनी भारती चंपालाल पोरवाल
(4) सोमिनी सेवांती दिलीप कुमार पोरवाल
इनका पता :—धर नंबर 545,
मठगल्ली, बेलगाम।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
विद्यार्थिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
निर्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस वाक्याघ में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 2011/83-84, ता० 5-10-83)
रामदेवगली बेलगाम में धर और जगह इसका नंबर
सी० एस० नंबर 1731/2/वी।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूरु

तारीख : 4-6-1984

मोहर :

जल्दः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वाक्यियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

नोटिस नं० 765--यतः, मृते, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० 1731/2/ए है तथा जो रामदेव गली, बेलगाम में
स्थित है (आंग इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 5-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभाग
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यभाग प्रतिफल में, एसे दृश्यभाग प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिनी
(अन्तरितिनां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या उन्हीं आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भग-का आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्मक अंतरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
के जर्तीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री प्रनं रुग्याव तोण्गुर
(2) श्री प्रकाश रघुनाथ कोण्गुर
(3) श्री दिव्याप रघुनाथ कोण्गुर
(4) मौमिंत्री मंगता विनायक किन्तुर
(5) सामिंत्री वन्युया गोपाल पुजारी
(6) मौमिंत्री लक्ष्मी दत्तात्रे जोशी
(7) मौमिंत्री लक्ष्मी जयंत पिंगले
(8) श्री अर्गिंद रघुनाथ कोण्गुर
इनका पता :— घर नंबर 1502, जातकी निवास,
मंगलवार पट, कोल्हापुर, महाराष्ट्र राज्य।

(अन्तरक)

2. (1) श्री बांरमल रिकबंद पोरवाल
(2) श्री अनीन बुमार बोरमलजी पोरवाल
(3) मामिंत्री भाग्यती चंपालाल पोरवाल
(4) मामिंत्री सेवंती दिलीपकुमार पोरवाल
इनका पता :— घर नं० 545, मठ गली, बेलगाम
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां धरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रदर्शन की दारी से 45
दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियाँ पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अद्वितीय
दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ
में में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य वार्तालाल द्वारा अधिहस्ताधरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयोक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के से परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 2006/83-84, ता० ५-१०-८३)
रामदेव गली, बेलगाम में घर और जगह। जगह का
नंबर निम्न दीर्घ सर्वे नं० 1731/2/ए।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 4-6-1984

मंदिर :

प्रस्तुत आहे, टी. एस. एस. - - - - -

आपकु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

नोटिस नं 766—यतः, मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं 1731/2/ए है, तथा जो रामदेव गली, बेलगाम में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्थ
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, ता० 4-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धासनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. (1) श्री श्रीपाद बाबुराव कोण्ठुर
- (2) श्री श्रीराम श्रीपाद कोण्ठुर
- (3) श्री श्रीकृष्ण श्रीपाद कोण्ठुर
- (4) श्री सुभाष श्रीपाद कोण्ठुर
- (5) श्री रविन्द्र श्रीपाद कोण्ठुर
- (6) श्री अविनेश श्रीपाद कोण्ठुर
बड़ोदा के रहवासी हैं।

(अन्तरक)

2. (1) श्री बोरमल रीकबचंद्रजी पोरवाल
- (2) श्री अनील कुमार बोरमलजी पोरवाल
- (3) सौमित्री भाग्यवती चंपालाल पोरवाल
- (4) सौमित्री सेवंती दिलीपकुमार पोरवाल
इनका पता :— घर नंबर 545,
मठ गली, बेलगाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं 2005/83-84, ता० 4-10-83)
रामदेव गली, बेलगाम में मकान और जगह। जगह
और मकान का सिटी० सर्वे नं ० 1731/ए।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 4-6-1984

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

नोटिस नंबर 767—यतः मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थाय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1731/2/ए है, तथा जो रामदेवगली बेलगाम में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 20-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकैट विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और भूक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कीपत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्वय वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीनिवास बाबुराव कोण्ठुर
- (2) श्री माधव श्रीनिवास कोण्ठुर
- (3) श्री दत्तात्रे श्रीनिवास कोण्ठुर
- (4) श्री वेंकटेश श्रीनिवास कोण्ठुर
- (5) श्री शंकर श्रीनिवास कोण्ठुर

इनका पता:- म्यूनिसीपल क्वार्टर्स नम्बर 26,
होम्युर हुबली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री बोर रिकबचदजी पोरवाल
 - (2) श्री अनिलकुमार बोरमलजी पोरवाल
 - (3) सौमित्री भाग्यवती चंपालाल पोरवाल
 - (4) सौमित्री संवंती दिलीपकुमार पोरवाल
- इनका पता :—घर नम्बर 545,
मठ गली, बेलगाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 2019/83-84, ता. 10-10-83)

रामदेव गन्नी बेलगाम में जगह और मकान। मकान
और जगह का सीटी सर्वे नं. 1731/2/ए।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 4-6-1984

माहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० नोटिस नंबर-768—यतः मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1731/2/बी० है तथा जो बेलगाम में
स्थित है, (आँ इससे उपावद्ध अनुसूची में आँ पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 5-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, १५८ दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर वनें के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीनिवास वामुराव कोण्ठुर
(2) श्रीमाधव श्रीनिवास कोण्ठुर
(3) श्री दत्तावे श्रीनिवास कोण्ठुर
(4) श्री वेंकटेश श्रीनिवास कोण्ठुर
(5) श्री शंकर श्रीनिवास कोण्ठुर
मुन्सीपल काटस नंबर 26,
होमुर दुवली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री वोरमल रिकबचंद्र पोरवाल
(2) श्री अनिल कुमार बोरमलजी पोरवाल
(3) सामोनी भास्यवती चंपालाल पोरवाल
(4) सामीनी मेवंती दिलीप कुमार पोरवाल
घर नंबर 545,
मठगलती वेलगांग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज में 2002/83-84, ना० 5-10-83)

गमदेव गल्ली बेलगांग में मकान और जगह।

मकान और जगह का सीटी नंबर ना० 1731/2/बी०

मंजु माधवन,

गधम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख : 4-6-1984

मोहर

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निश्चिकण)

ग्रन्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक ५ जून 1984

, निदेश सं० नोटिस नं० ७६९—अन्तः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० पृ० नं० 1731/1 है तथा जो बेलगाम में स्थित है (श्रीरामसं॒ उपायुक्त अनुगूम्ली में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, बेलगाम में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन नारीख 5 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्ता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापत्वात् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्भुक् (अंतरकां) और अंतर्गती (अन्तरितायाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण निश्चित में आमतौर पर मौजूद नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी दाय की दावत, उक्त अधिनियम के वर्तीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतौरों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

1. (1) श्री रामचन्द्र बाबूराव कोण्ठुर,
(2) श्री वारू गाव रामचन्द्र कोण्ठुर,
(3) श्री गोपाल रामचन्द्र कोण्ठुर,
इनका पता :
दजा सोमाडटी राजेश मोटर्स
के सामने, कब्जे नाका,
कोल्हापुर।

(अन्तर्रथ)

2. (1) श्री बोरमन गिकबन्दजी पोरवाल,
(2) श्री अनिल कुमार बोरमन जी पोरवाल,
(3) श्रीमती मौमिनी भास्यवती चम्पा लाल
पोरवाल।
(4) श्रीमती मौमिनी सेवन्ती दिलीप कुमार
पोरवाल,
घर नं० ५४५, मठ गली,
बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्रोड भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद गे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 2009/83-84 ता० 5-10-83)

रामशेव गली बेलगांव में जगह और सकान है जगह और सकान का सीटी सर्वे नं० 1731/1।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निश्चिकण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु

नारीख : 4-6-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन., एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 1 जून 1984

निवेश सं० नोटिस नं० 770—अतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1731/1 है तथा जो बेलगांव में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुभूति में और पूर्ण स्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृश किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कामी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने या सुविधा के लिए;

अतः द.इ., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री पाद बाबू राव कोणुर,
2. श्री श्रीराम श्रीपाद कोणुर,
3. श्री श्रीकृष्ण श्रीपाद कोणुर।
4. श्री सुहाम श्रीपाद कोणुर।
5. श्री रविन्द्र श्रीपाद कोणुर।
6. श्री अविनाश श्रीपाद कोणुर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री बुरमाल रिकव चन्द जी पोरवाल,
 2. श्री अनिल कुमार भुरमाल जी पोरवाल।
 3. श्रीमती सौमित्री भागवन्ती चप्पा लाल पोरवाल।
 4. श्रीमती सौमित्री मेवन्ती दिलीप कुमार पोरवाल।
- घर नं० 545,
मठ कल्मी, बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्बन के लिए कार्यान्वयित्व करता है।

उक्त संपत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी वास्त्रेणु—

(क) इच्छ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की सारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज मं० 2003/83-84 ता० 5-10-1983)
रामदेवगढ़ी बेलगांव में जगह, और मकान है जगह और मकान का सीटी सर्वे नं० 1731/1।

मंजु माधवन
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

तारीख : 4-6-1984

मोहुड़ ॥

प्रस्तुप आहू, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प्र (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कायदिय, सहायक आष्टकर आयकता (निरीक्षण)

ਅੰਜੇਤ ਚੌਥੇ, ਕੋਂਗਲੁੰ

वेंगलुरु, दिनांक 4 जून 1984

निर्देश सं० नोटिंग न० 771—अतः मुझे, मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपयों से अधिक है

और जिसकी सं० 1731/1 है तथा जो बेलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
5 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निवेदाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित भौं वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय को बालन उक्त अदिनियम के सधीत दर दर्जे के अन्तरक दर का व्याप्रत्य में कभी करने या उससे इन्होंने भविता के लिए और/या

(८) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती दुवाग शुल्क नहीं हो सकता था या किया जाता नहीं था, लिपटने से मरिधि के लिए;

असं: दब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपक्रमा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20-136 GI/84

- (1) 1. श्री छाया विश्वनाथ कोण्ठुर।
 2. श्री प्रकाश विश्वनाथ कोण्ठुर।
 3. श्री दीपक विश्वनाथ कोण्ठुर।
 4. श्रीमती सौमित्री भारती प्रभाकर कुलकर्णी,

इनका पता :

कोठांत विलिंग, न्यू महाडार रोड,
 कोल्हापुर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री युरमल रिकब चन्द जी पोरवाल ।

 2. श्री अनिल कुमार युरमल जी पारवाल ।
 3. श्रीमती सौमित्रा भागवती वस्मालाल पोरवाल,
 4. श्रीमती मामित्रो सेवती दिलीप कुमार पोर-

वाल, घर नं० : ५४५,
मठ गली, बेंगांव ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूखना जाही झरके पूवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पर्क के असूत्र के संबंध में कांडे भी आखिये :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हस्ताक्षरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रदर्शित अविहित गां द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा:

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास अनुदित में किए जा सकेंगे।

प्रचलितकरण:-—इसमें प्रथम शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के इन्धाय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसारी

(दस्तावेज़ मं० 2008/83-84 गा० 5-10-83)
रायपट्टेंगली बेनगाव में जाह और महात है लकान और
जाह का सोटी पर्व नं० 1731/1।

मंत्र माधवन
मध्यम प्राधिकारी
महाप्रक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
पर्वत रेज लेपल

वारीव : $4 = 6 \div 1.984$

४८

शहर वार्द्ध टी. एव. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० नोटिस नं० 772—अतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है

और जिसकी मं० 1731/1 है तथा जो बेलगांव में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5—
अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त गम्भीरि के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री अनन्त रघुनाथ कोण्ठुर।
 - 2. श्री प्रकाश रघुनाथ कोण्ठुर
 - 3. श्री दिलीप रघुनाथ कोण्ठुर,
 - 4. श्रीमती सौमित्री मंगला विनायक किश्तुर,
 - 5. सौमित्री वमध्या गोपाल पुजारी
 - 6. सौमित्री ललीता दत्तात्रे जोशी
 - 7. सौमित्री ललीता जयन्त पीजा मे
 - 8. श्री श्रविन्द्र रघुनाथ कोण्ठुर,
- इनका पता और घर नंबर 1502
जानकी निवास,
मंगलवार पेठ, कोस्हापुर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री बुरमल रिकब अन्द जी पोरवाल,
 - 2. श्री प्रनिल कुमार बुरमल जी पोरवाल।
 - 3. सौमित्री भास्यकर्ता चम्पलाल पोरवाल।
 - 4. सौमित्री सेवन्ती दिलीप कुमार पोरवाल।
- इनका घर नंबर : 545
मठ गली, बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ज्ञारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मन्त्री

(दस्तावेज सं० 2007/83-84 ता० 5-10-84)

राम देव गली, बेलगांव में जगह और मकान है जगह और
मकान का सीटी सर्वे नं० 1731/1।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-6-1984

मोहर :

अमृत साहू, दौ. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० ८० नोटिस नं० ७७३—अतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके अधीन सूचना उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1731/1ए है तथा जो बेलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनियम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिनियम प्रतिफल से, ऐसे अधिनियम प्रतिफल का पंद्रह प्रतीक्षा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) 1. श्री श्रीनिवास बाबू राव कोण्ठूर।
- 2. श्री महादेव श्रीनिवास कोण्ठूर।
- 3. श्री दत्तात्रे श्रीनिवास कोण्ठूर।
- 4. श्री वेंकटेश श्रीनिवास कोण्ठूर।
- 5. श्री शंकर श्रीनिवास कोण्ठूर,

इनका पता
म्युनिसिपल क्वार्टर्स नं० 26।

(अन्तरक)

- (2) 2. श्री बुरमाल रिकब चन्द जी पोरवाल,
- 3. श्री अनिल कुमार बुरमाल जी पोरवाल,
- 4. सौमित्री भाग्यवन्ती चम्पालाल पोरवाल,

इनका घर नं० 545,
मठ गली, बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में निम्न भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाये में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वीकृत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वायित्व के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में विरभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2003/83-84 ता० 5-10-83)

रामदेव गली बेलगांव में इनका जगह और मकान है।
मकान और जगह का सीटी सर्वे नं० 1731/1ए।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, बैंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-6-1984

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 4 जून 1984

निदेश मं० नोटिस न० 774—ग्रन्त: मुझे मंजु माधवन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 2731/2, है तथा जो बैंगलाम में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता के कार्यालय बैंगलाम न रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908.

(1908 का 16) के अधीन तारीख 20-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पत्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भारतीय रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै कि कोई आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तया
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्याक्तियों, अधीन:—

- (1) 1. श्री पाद बाबू राव कोण्ठुर।
- 2. श्री राम श्रीपाद कोण्ठुर।
- 3. श्री कृष्ण श्रीपाद कोण्ठुर।
- 4. श्री मुहास श्रीपाद कोण्ठुर।
- 5. श्री रवीन्द्र श्रीपाद कोण्ठुर।
- 6. श्री अविनाश श्रीपाद कोण्ठुर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री बुरमाल रिकब चन्द जी पोरवाल।
- 2. श्री अनिल कुमार बुरमाल जी पोरवाल।
- 3. सौमित्री भायवर्ती चम्पालाल पोरवाल।
- 4. सौमित्री सेवती दिलीप कुमार पोरवाल।

इनका पता : घर न० 545,
मठ गली, बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लैकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज स. 2020/83-84, ता० 10-10-83)

रामदेव गली बैंगलांव में इनका जगह और मकान है।
जगह और मकान का सीटी सर्वे न० 1731/2ए।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, बैंगलूरु

तारीख : 4-6-1984

मोहर:

प्रकृष्ट बाइंडी.ट्रॉ.इन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

निवेश सं० नोटिस न० 774—अतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39/7, 41/3, 42/3, 45/3 है तथा जो हिलास
(गोवा) में स्थित है (अंगरेर इससे उपादान अनुसूची में श्रीर पूर्ण
स्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिलास
(गोवा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 7 दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के निए अन्तर्भूत को यह है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरण के
साथित्व में कमी करने या उसमें करने में सुविधा
नहीं है; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में व्यावजारी अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री ग्रेगोरियो डाइस,
- 2. श्रीमती मारिया आइज जान फर्नार्डीस।
- 3. जाज़ डाइस
- 4. श्रीमती फीलोमीना फैरेश

इनका पता :
शांता कुज, हिलास गोवा।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अना ए० गोन्सालीस,
 - 2. श्री बोंडीर वडो,
- इनका पता :
शांता कुज,
हिलास गोवा।

(अन्तरक)

क्षे यह सूचना आर्द्ध करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख प्र
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे :

स्वाक्षरण:-—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पद्धें का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजु माधवन

मंजु माधवन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

(दस्तावेज सं० 917/185, ता० 7-11-1983)।
मार्केस गांव में (गोवा) में जेतकी जमीन है।

तारीख : 4-6-1984
मोहर :

प्रसूप आई, टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० 776—अतः मुझे, मंजु माधवन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1731/2/ए है तथा जो बेलगांव में स्थित है
 (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 10 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके एवमान प्रतिफल से, ऐसे एवमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 कल, जिन्हें उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धारित में वास्त-
 विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूँ इ किसी आय की वावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उसके बच्चन में संविधा
 ने लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या टुकिसी धन या अन्य आस्तीयों
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
 भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 8—

- (1) 1. श्री अनन्त रघुनाथ कोण्ठुर।
- 2. श्री प्रकाश रघुनाथ कोण्ठुर।
- 3. श्री दिलीप रघुनाथ कोण्ठुर।
- 4. सौमित्री मगला विनायक कित्तूर।
- 5. सौमित्री वसुधा गोपाल पुजारी।
- 6. सौमित्री ललिता दत्तात्रे जोशी।
- 7. सौमित्री ललिता जयन्त पिंगाले।
- 8. श्री अरविन्द रघुनाथ कोण्ठुर।

इनका पता और घर नं० 1502,
 जानकी निवास,
 मंगलवार पेठ,
 कोल्हापुर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री बुरमाल रिकबचन्द जी पोरवाल।
 - 2. श्री अनिल कुमार बुरमालजी पोरवाल।
 - 3. सीमिती भाग्यवन्ती चम्पालाल पोरवाल।
 - 4. सौमित्री सेवनी दिलीप कुमार पोरवाल।
- इनका घर नं० 545,
 मठ गली, बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी गालिपे ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षड़ी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 उहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1018/83, ता० 10-10-1983)
 रामदेव गली बेलगांव में इनका जगह और मकान है।
 मकान और जगह का सीटी सर्वे नं० 1731/1।

मंजु माधवन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 4-6-1984

मोहर ८

प्रस्तुत बाइंदी, एवं एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

निदेश सं० 777—अतः, मुझे, मंजु माधवन;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1731/2ए है तथा जो बेलगांव में स्थित है
(और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

10 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
स्थानिक में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथे अंतर्राष्ट्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री रामचन्द्र बाबू राव कोण्ठुर।
- 2. श्री बाबू राव रामचन्द्र कोण्ठुर।
- 3. श्री गोपाल रामचन्द्र कोण्ठुर।
- इनका पता आंग घर नं० 1502,
जानकी निवास, मंगलवार पेठ,
कोस्हापुर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री बुरमाल रिकबचन्द्र जी पोरवाल।
- 2. श्री अनिल कुमार बुरमाल जी पोरवाल।
- 3. सौमित्री भाग्यवती चम्पालाल पोरवाल।
- 4. सौमित्री सेवन्ती दिलीप कुमार पोरवाल।
- इनका घर का नं० 545,
मठ गली,
बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरूप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

- (क) इस सूचना के द्वारपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

दस्तावेज सं० 1017/83-84 ता० 10-10-83)
रामदेव गली, बेलगांव में इनका जगह और मकान है।
मकान और जगह का सिटी सर्वे नं० 1731/2ए।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 4-6-1984

मोहर:

प्रस्तुत आहू. टी. एम. एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 4 जून 1984

निवेश सं० नोटिस नं० 778—अतः मुझे, मंजु माधवन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 1731/2/वी है तथा जो बेलगांव में स्थित है
(और इससे उपावढ अनुमूली में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख 5 अक्टूबर, 1983

को प्र्वैक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाश्च गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाइ किसी वाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-दार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पर्याजनार्थी अंतरिती द्रव्यग्रंथि नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था. छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री रामचन्द्र बाबू राव कोण्ठुर।
- 2. श्री बाबू राव रामचन्द्र कोण्ठुर।
- 3. श्री गोपाल रामचन्द्र कोण्ठुर।

इनका पता :

दशा सोसाइटी राजेश मोटर्स के मामने,
कवले नाका, कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

- (2) 1. श्री बुरमाल रिक्वचन्द जी पोरवाल।
 - 2. श्री अनिल कुमार बुरमाल जी पोरवाल।
 - 3. सौमित्री भायवन्ती चम्पा लाल पोरवाल।
 - 4. सौमित्री मेवन्ती दिलीप कुमार पोरवाल।
- इनका घर का नम्बर 545.
मठ गली, बेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्वैक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्र्वैक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दूष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

(दस्तावेज सं० 2010/83-84, ता० 5-10-1983)

रामदेव गली, बेलगांव में इनका जगह और सकान है।
सकान और जगह का नम्बर 1731/2/वी।

मंजु माधवन

मध्यम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 4-6-1984

मोहर :

प्र० श्री आर्य, टी. एन्. एस्.

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आमदूत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूरु

बैंगलूरु. दिनांक 4 जून 1984

निवेदण मं० नोटिस नं० 779—अतः मुझे, मंजु माधवन

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास लेने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 1731/2/ए है तथा जो बैलगांव में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैलगांव में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
5 अक्टूबर, 1983

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्छमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से एसे हस्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित
में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से है किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद में कमी करने वा उसमें उक्त शर्तों में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय वा किसी बदला
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
मन्दिरा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमति
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलब्ध (1)
के अधीन, निम्नलिखित घटितियों अधिक:

21-136 GT/84

- (1) 1. श्री प्रकाश विश्वनाथ कोण्ठुर।
- 2. श्रीमती छाया विश्वनाथ कोण्ठुर।
- 3. श्री दिलीप विश्वनाथ कोण्ठुर।
- 4. सौमित्री भारती प्रभाकर कुलकर्णी,
इनका पता :
घर नं० 1502,
'जानकी निवास', मंगलवार पेठ,
कोल्हापुर, महाराष्ट्र राज्य।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री भूरमल रिकबचन्द जी पोरवाल।
- 2. श्री अनिल कुमार भूरमल जी पोरवाल।
- 3. सौमित्री भाग्यबन्ती चम्पालाल पोरवाल।
- 4. सौमित्री सेवन्ती दिलीप कुमार पोरवाल।
इनका पता और घर नं० 545,
मठ गली, बैलगांव।

(अन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अवितरण पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवितरणों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाप
किसी अन्य अवितरण द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम द्वे अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ हुंगर, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मंजु माधवन

(दस्ताविज नं० 2016/83-84, ता० 5-10-1983)
रामदेव गमी, बैलगांव में घर और जेगह है इसका नं०
मी० एस० नं० 1731/2/ए।

मंजु माधवन
सभी प्राधिकारी
महायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूरु

तारीख : 4-6-1984

माहूर ३

प्रृष्ठ पात्र टी.ए.एस.

**अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाग 269-च (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

व्यावसाय, बहावक आयकर आद्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मई 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल//4790—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 64 पर निर्मित मकान है तथा जो
जल विहार कालोनी, रायपुर में स्थित है (और इससे उपावड
ग्रन्तुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1983

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हट्टे किसी आद की बावड, अस्तर
व्यावसाय के अधीन कर देने के बन्तरक के
कार्यत में कभी करने था इससे दर्शन अै सुविधा
वे हिंद; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उक्तधारा '(1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, दर्शाएँ:—

(1) श्री सी० एम० रामानुजम्।

रिटायर्ड हन्कम ट्रैक्स आफिसर,
रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र लाल तुलसीदाम,

स्पारिन, रायपुर
ब्लार दयाल मेधजी पृष्ठ कम्पनी,
मानवीय रोड, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिए
गये हैं।

ममूसूची

प्लाट नं० 64 पर बना हुआ मकान, जल विहार कालोनी,
रायपुर में स्थित है। (भूमि एवं भवन)।

देवप्रिय पन्त
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुका (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 26-5-1984

माहौर :

प्रदूष आहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 26 मई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4693—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 226 है नथा जो गुमास्ता नगर,
(सुख निवास), इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घटना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घटना प्रतिफल से ऐसे दूर्घटना प्रतिफल का
पन्द्रह प्र० से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निर्धारित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) इन्दौर क्लाउड मार्केट,
मध्य वर्गीय गृह निर्माण,
सहकारी संस्था मर्यादित,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री राधा किशन नारायणदास पाटनी,
निवासी 95,
धार रोड,
इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोहू भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षमारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मृतसूची

प्लाट नं० 226, गुमास्ता नगर (सुख निवास), इन्दौर
में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबंध नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-5-1984

मोहूड ■

अतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असारि ■—

प्रस्तुप. आई. टॉ. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मई 1984

निदेश सं० आई० प० सी०/अर्जन/भोपाल/4694—अन्तः
मुद्रा, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 234 है तथा जो गुमास्ता नगर,
(सुख निवास), इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित भावी किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर बचने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रमुः अध्य. उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार
वे उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुमति / १३
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कलाथ मार्केट
मध्य बर्गीय सहकारी संस्था,
लिमिटेड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हंसराज उमरसीपाल,
निवासी 1597,
एम० टी० क्लाथ,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की समीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वास्तवी

प्लाट नं० 234, गुमास्ता नगर, (सुख निवास), इन्दौर में
स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 26-5-1984

पात्र

प्रस्तुप आइ०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मई 1984

निवेश भं० आई०ए० मी० ए० /अर्जन/भोपाल/ 1695—अन्तः
मुझे, देवप्रिय पन्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संभाल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 230 है तथा जो गुमास्ता नगर
(मुख निवास) रोड, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावढ़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, नारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरवेद से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बालराम वे हूर्द निर्दी जाव की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के अन्तरक वे
वायित्व में कमी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
लुभावना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् —

(1) इन्दौर क्लाय मार्केट,
मध्यमवर्गीय गृह निर्माण सहकारी संस्था,
मर्यादित इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र छोगालाल बहेती,
निवास 220,
एम० टी० क्लाय मार्केट,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तभीत से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 230, गुमास्तानगर, (मुख निवास) रोड,
इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पता
संभाल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, इन्दौर

तारीख : 26-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत वाहौ. टी. एच. पूर्णा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्य
269-ष (1) के अधीन सूचना

भाष्य बारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 26 मई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4696—ग्रन्तः
मुझे, देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 5,000/- रु. से अधिक है

आँवर जिसकी मं० ज्लाट नं० 16 है तथा जो गुमास्तानगर
(सुख निवास रोड), इन्दौर में स्थित है (आँवर इससे उपाखद
अनुमूली में आँवर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में धारालिखित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) इन्दौर क्षेत्र मार्केट,
मध्यम वर्गीय गृह निर्माण सहकारी संस्था,
मर्यादित इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री गंगा विष्णु बन्नी लाल काबरा,
निवासी 9,
नरसिंह बाजार,
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहास्त करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी बाष्पण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ष में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

अमूल्य

(ल) ऐसी किसी बाब पा किसी भू वा जन्य बासितयों
में, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वा वा वा किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

ज्लाट नं० 16, गुमास्तानगर, (सुख निवास रोड),
इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

वक्तः वक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधस्त :—

तारीख : 26-5-1984
मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० आई.ए.० सी०/अर्जन/भोपाल/4697—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. भूमि अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ब्रमरा नं० 1166/2 है तथा जो
रेलवे लाइन के पास, जूनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नारीख अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्त्व ह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्वित
बैं वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के शायन्त्र में
कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
आइ/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना आहिए था लियाने से सुविधा
के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धस् :—

(1) श्री जोगेश्वर पिता

श्री हीरा लाल,
निवासी 1, खट्टवट्टुगा,
इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री राजेन्द्र पिता श्री ग्रेश विसानी।
2. श्रीमती शलका पत्नी श्री राजेन्द्र विसानी।
3. श्री राजेन्द्र कुमार रजत कुमार एच० य०
एफ०।
4. मास्टर रजत पिता राजेन्द्र विसानी,
मधी निवासी : 34,
शास्त्री मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी बन्य व्याहिन द्वारा वधाहस्ताशरी के
पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्की

भूमि ब्रमरा नं० 1166/2. रेलवे लाइन के पास, जूनी,
इन्दौर, में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका
विवरण अन्तरिती द्वारा सन्यापित फार्म नं० 37 जी० में
निहित है।

देवप्रिय पत्नी

मधीम प्राधिकारी

गहायक आयकर आयकर (गिरोक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 28-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप्राई टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राष्ट्रपक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० आई.प० सी०/अर्जन/भोपाल/4698—अन्.

मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर राम्पाल, जिसका उल्लेख वातावर मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खाली नं० 1166/3 है तथा जो रेलवे
लाइन के पास, जूनी इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ति की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्ति (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित रूप से काथित नहीं किया गया है।—

(अ) अन्तरण में हूँ दिये दिये आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कियी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय जारी की अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारदेश्वर पिंडा
श्री द्वारालाल,
निवासी 1,
खटखटपुरा,
इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती राधा देवी पल्ली नवनीत लाल।
2. श्रीमती चन्द्रकला मुख्लीधर।
3. श्रीमती ऊषा देवी अनिल कुमार।
4. श्रीमती शीमना देवी सुनील कुमार।
5. श्री सुनील कुमार नवनीत लाल।
6. श्री मुकेश कुमार नवनीत लाल।
7. श्री अनिल कुमार नवनीत लाल।
सभी निवासी 5,
ओवर रिज, शास्त्री मार्केट,
इन्दौर।

(अन्तरिक्ति)

को यह सूचना बारी करके प्रवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख गे 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्पोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा। औ उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रमगांव 1166/3 नं. लाइन के पास, जूनी,
इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका
विवरण अन्तरिक्ति द्वारा सम्पादित कार्य नं० 37 जी में
निहित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-1984

मोहर #

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4699—अतः

मुझे, देवप्रिय पत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 1164/4 है तथा जो
जूनी इन्दौर, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अन्तरिती
(अंतरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित अद्यतेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्षमता से की गयी नहीं किया गया है ॥

(1) श्री राजेन्द्र पिता
श्री हीरा लाल,
निवासी 1, खटखटपुरा,
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पिता
श्री बंसीधर मिलल,
निवासी 65, प्रकाशनगर,
कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बाहरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताभरी भी
पास लिखित में लिख आ सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ए) अन्तरण से हटाई जिसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी कहुने या उससे बचते या सुविधा के लिए
प्रीति/था

(घ) ऐसी किसी बाब या किसी बन या बन्ध वासितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तयों, अर्थात् ॥—

22-136 GI/84

भूमि खसरा नं० 1164/4, जूनी इन्दौर, इन्दौर में स्थित
है। यह यह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

देवप्रिय पत्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-1984

मोहुड़

मुक्त बाइंस टी.ए.ए.ए.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4700—अतः,
मुझे, देवप्रिय पत्नी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 1165/1 है तथा जो जूनी
इन्दौर, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दे किसी वाल की वाल उक्त
बीमारीय जायकर अधिनियम के अधीन करने के अन्तर्क के दायित्व
में कर्मी करने या उससे उन्हें में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी वाल या किसी धन या अन्य जास्तीयों
को जिन्हे भारतीय जायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती किरन कुमारी पुत्री
श्री हीरालाल,
1, छठखटपुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता पत्नी
श्री वस्मा लाल जिंदल,
निवासी—67, आनन्दनगर,
संवर कुंआ, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की बाबील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ये हितबहुत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में रिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचयित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 1165/1, जूनी इन्दौर, इन्दौर में स्थित है।
यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा
सत्यापित कार्म नं० 37-जी में निहित है।

देवप्रिय पत्नी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-1984
मोहर

भूमि वार्ता दी पत्र एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०, अर्जन, भोपाल/4701—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 295, 296 है तथा जो ग्राम रसूलपुर जिला देवास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूर्ति में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्टी अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1983 को वृद्धिक्षम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अव्यमान प्रतिफल से, ऐसे अव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल सम्मिलित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में दास्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कहु देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया आना चाहिए था, छिपाने में अविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण से, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान

- (1) 1. श्री इमदाद अली।
2. श्री मंसूर अली पुत्रगण मोहम्मद अली।
3. हफीजाबाई पुत्री मोहम्मद अली निवासी हासा खेड़ी।
4. जिम्बाबाई उर्फ जुबेदाबाई पिता मोहम्मद अली निवासी हसनाबाद ता० देवालपुर जिला इन्दौर।
5. हसीना बाई पिता मोहम्मद अली निवासी माणकचौक सावेर तह० सावेर जिला इन्दौर।
6. श्रीमती न्याजिन बाई पत्नी मोहू अली निवासी ग्राम रसूलपुर नं० 3 से 6 तरफे खास मु० विकेता नं० 2 श्री मंसूर अली पिता मोहू अली निवासी ग्राम हासा खेड़ी जिला इन्दौर।

(अन्तरक)

- (2) मै० कर्मान्त्र डॉ जल सेल्स एण्ड सर्विस ३५-ए०/१/२२ एरंडबाना पूना महाराष्ट्र तरफे सेक्रेटरी :

श्री अही० के० बोउस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु विकास व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षणी के पास लिनी भी किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

भूमि सर्वे नं० 295, 296 ग्राम रसूलपुर जिला देवास में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती की ओर से सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-1984

मेरे :

प्रस्तुत आई टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/4702—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 330 है तथा जो ग्राम रसूल
पुर जिला देवास में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से अंगित है), रजिस्ट्रीकर्ड अधिकारी के कार्यालय
देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचव भ्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उस अन्तरण लिखित में
शास्त्रिय रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उसके
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
श्रीविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री कादर अली पिता
श्री कमा अली उर्फ करीम अली मुसलमान
ग्राम रसूलपुर
तहोव जिला देवास।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ट कमीस डीजल सेल्स एण्ड
सर्विस (इण्डिया) लिमिटेड
पूना महाराष्ट्र द्वारा सेट्रेटरी :
श्री वी० के० बोडस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूनाची

भूमि सर्वे नं० 330 ग्राम रसूलपुर तहोव जिला देवास
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-1984
मोहर

प्रकल्प लाइन दी एस एस नं ३३३

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्रातुर चक्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 28 मई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल, 4703—अतः
मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं. 329 है तथा जो ग्राम रसूरपुर में
स्थित है (और इससे उपांगदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्मलय देवास में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की वायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी कुनै भा उससे बचने में सुविधा को लिए;
जोड़/धा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती इवाए प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आविहए था छिपाने में कुविधा के
लिए;

(1) श्री अमीर अर्ला पिता

श्री हसन अली मुस्लमान
निवासी रसूल पुर
जिला देवास।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कमीन्स डीजल सेल्स एण्ड

सर्विस इण्डिया लिमिटेड
35-ए/1/2 एरंडवाना पूना
महाराष्ट्र द्वारा सेन्ट्रली :
श्री वी० के० बोडस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्ये ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा
अवधि बाव भाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्युसूची

भुमि सर्वे नं० 283/3 ग्राम रसूलपुर जिला देवास में
स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विश्वरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित
फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

देवप्रिय पन्त
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
वे, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा—॥—

तारीख : 28-5-1984

मात्र

प्रस्तुप आर्द्ध, टी. एन. एस. ८ - -

वायक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्राइवेट लेट्टर्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, भोपाल

भोपाल दिनांक 28 मई 1984

निदेश सं० अई० ए० सी०/अर्जेन्ट/भोपाल/4704—अतः

मुझे देवप्रथि पन्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि नं० 329 है तथा जो शाम रसूरपुर में
स्थित है (और इससे उपांबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से
घण्ठित है) रजिस्ट्री और्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है जिसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम की वरीन कर देने के बनाएक ले
दृश्यत्व में कमी करने वा उससे बचने में लाभिता
हो लिए; जाऊ/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना जाइए था, छिपाने में सुविधा
हो लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिक्तयों, अर्थात् :—

(1) श्री अम्बा राम
पिता श्री थावर खारी
निवासी ग्राम नाइदा
जिला देवास।

(अन्तरक)

(2) मैं० कर्मिन्स डीजल सेल्स एण्ड
सर्विस एरेंडवाना पूना महाराष्ट्र
35-ए/1/2 द्वारा सेक्टरी :
श्री वी० क० बोडस।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूसूची

भूमि सर्वे नं० 329 शाम रसूल पुर जिला देवास में स्थित
है। यह एह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती
की ओर से सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

देवप्रथि पन्त
सम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेज, भोपाल

तारीख : 28-5-1984
मोहृद ४

प्रश्न प्राइवेट ट्रॉफी एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत वार्तालाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई 1984

निवेदण सं० आई० ८० सी०/अर्जन/भोपाल/४७०५—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की आरा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 328 है तथा जो ग्राम रसूलपुर
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से
दर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित महर्हे किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; वाई/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिपने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, दौ०, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

- (1) 1. श्री नवाब अली,
2. श्री शोकत अली,
3. श्री गफूर अली उफ गफार अली,
4. श्री वाहिद अली,
5. श्री साजिद अली,

6. श्री शफीक अली सजान पुत्रगण सत्तार अली,
7. श्री रईस अली अजान पुत्र सत्तार अली
अजान तरफे मालक बड़ा भाई वाहिद अली,
8. श्री रहमान अली,
9. श्री क्यूम अली,
10. श्री आशिक अली पुत्रगण बरकत अली
11. भूरी बाई पिता बरकत अली,
- समस्त, निवासी नगापुरा, देवास,
12. मंजा बाई पिता बरकत अली,
- निवासी ग्राम खजराना तह० व जिला हमीद,
13. श्रीमती फतीबाई पिता बरकत अली निं०
जोशीपुरा, देवास।
14. मेराबाई पन्नी रकत अली निवास देवास,
नं० ११, से नं० १४ तरफे खांस
मु० विश्रेता नं० ९ क्यूम अली निं० ग्राम
रसूलपुर, देवास।

(अन्तरक)

(2) मै० कमीन्स डीजल सेल्स एण्ड

सर्विस इण्डिया लिमिटेड ३५-८-१/२,
एरंडवाना, पूना महाराष्ट्र तरफे सेकेटरी:
श्री वी० के० बोडस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 328, ग्राम रसूलपुर, जिला देवास में स्थित
है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-5-1984

मोहर :

प्रसूप आहे टी एन एस नं ३००५०५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामपाल ग्रामपत्र (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4706—अतः
मुझे, देवप्रिय पत्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-से के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० छसरा नं० 310 है तथा जो ग्राम रसूलपुर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्यम हिंदूसामाजिक विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उचित अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूमिका के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिल्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरमें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः—

(१) श्री नसीर अली
पिता श्री चांद अली मुसलमान,
निवासी ग्राम रम्मूलपुर,
जिला देवास।

(अन्तरक)

(2) मैंने कमीन्स डीजल सेल्स एण्ड सर्विस
इंडिया लिमिटेड पूना (महाराष्ट्र)
35/ए/1/2, एंडवाना पूना द्वारा
सेन्ट्रेटरी श्री बी.० कें. बोडस।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतया व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

३४८

भूमि खं० ३१०, रम्पुर, जिला देवास में स्थित है। जिसका विवरण अन्तर्खीती की ओर से सत्यप्रिय फार्म नं० ३७ जी में निहित है।

देवप्रिय पत्न
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन एंज., भोगल

तारीख : 29-5-1984

मोहन द्व

शहर बाहर, टौ. एन. एस. -----

(1) श्री अहमद अली पिना

गृह योग्यता अली,

निवासी ग्राम रसूलपुर,

तरफे खास मु० मिरजा मसूद अहमद

पिता मिर्जा अहमदबेग,

निवासी 127, महात्मा गांधी मार्ग,

देवास।

(अन्तरक)

(2) मै० कमीन्स डीजल सेल्स ५४३

मर्किं 35/ए/1/2, एरंडवाना पुना

महाराष्ट्र भारत : सेकेन्डी

श्री वी० क० बोडग़म।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1984

निवेश सं० आई० २० सी० /अर्जन/भोपाल/4707—अतः

मुझे, देवत्रिय पत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं 301, है तथा जो ग्राम रसूलपुर
तह० व जिला देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में
और पूर्ण सूप्रे से वर्णित है), गजिस्ट्रक्टर अधिकारी के कार्यालय
देवास में अक्तूबर 1983को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे वह विश्वास
करने का कारण है कि विधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण में हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कार दर्ने की अन्तरक की विधिय
में कमी करने या उससे बचने में सहाया के लिए;(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु का, जो उक्त
अधिनियम, के अधाय 20-क में परिभावित
है, वही वृद्ध होगा जो उस अधाय में दिया
दिया है।अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत :—

23—136GT/84

ग्राम रसूलपुर

भूमि सर्वे नं० 301, ग्राम रसूलपुर, तह० व जिला देवास
में स्थित है।

देवत्रिय पत्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप आइ० टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1984

निदेश गं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4708—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसके में दुकान है तथा जो टैगोर मार्ग वंगला नं० 48
नीमच में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीमच में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और
बन्तरीती (बन्तरीतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृष्ट किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कार दरें के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरीती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए या छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः :—

(1) कुमारी निफरेज पुत्री
श्री जगेशोद जी कान्ट्रीस्टर
निवासी वंगला नं० 18
नीमच।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल
पिता श्री चौथराम रामतारी
निवासी मिठ्ठी कालोनी
नीमच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्दूसूची

दुकान टैगोर मार्ग वंगला नं० 48 नीमच में स्थित
है।

देवप्रिय पन्त
सधम प्राधिकारी
सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-5-1984
मोहर :

प्र० प्र० बा० टी० ए० ए०

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन मूल्य

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल
भोपाल, दिनांक 28 मई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4709—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रतिवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

आंदोलन की सं० दुकान है तथा जो टगोर मार्ग बंगला मं० 48
नीमच में स्थित है (आंदोलन से उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीमच में
रजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका०) और अंतरिती
(अन्तरितिश्य) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया गति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; अति/या

(ल) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बत: बत, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निकेंद्र जे० नन्देंकटर
निवासी बंगला नं० 48
नीमच।

(2) श्री मनोहर लाल पिता
श्री बी० राम रामनानी
निवासी सिन्धी कालीनी
नीमच।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वम के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

ल्याक्षोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसमें
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्य

दुकान, टगोर मार्ग, बंगला नं० 48 नीमच में स्थित
है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 28-5-1984

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई 1984

निर्वेश सं० आई० पा० सी०/अर्जन/भोपाल/4710—अतः
मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 20/8 है तथा जो साउथ तुकोगं
स्ट्रीट नम्बर 1, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप में अंगित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण नं. लिए तथा पाया
यद्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लाइकिंग
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
वायित्व में कम्ही करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
तृष्णा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनंप कुमार श्रीवास्तव पिता
श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव
निवासी-110,
ऊपरा नगर कालोनी,
इन्दौर।

(2) श्री रमेशबन्द्र धवे पिता
श्री राम गोपालजी धवे
निवासी-20/7
साउथ तुकोगंज स्ट्रीट नं० 1
इन्दौर।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के मा० परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूषी

प्लाट नं० 20/8 साउथ तुकोगंज स्ट्रीट नं० 1 इन्दौर
में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 28-5-1984

मोहर:

प्रस्तुति बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1984।

निवेश सं० पी० आर० नं० 2984 23-1/84-85—
यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग औरल मील, माधोपुर, जिला—भुज
है, तथा जो सर्वे नं० 334 पैकी जमीन ग्रीडोगिक हेन्ट के लिए
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुज में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
26-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे हवयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्दरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. मैसर्स शमर इन्डस्ट्रीज भाजर ग्रान्टीलालौं चीयापी
जादवजी नगर—भुज (कच्छ)
(अन्तरक)
2. मैसर्स अणोक औरल मील हारवे रोड,
माधोपुर, तालुका—भुज, (कच्छ)
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कायंदाहियां शुरू करता है

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणः—

- (क) इव सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में आ जा याएँ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दरे³ के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचित
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचित के लिए;

बिल्डिंग—ओरल मील जो माधोपुर हारवे पर स्थित है जिसका
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 2298/26-10-1983 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 11-5-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2985 23-1/84-85—

यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन वॉर्ड नं० 7, शीट नं० 258 है, तथा जो
तखतेन्धर प्लाट विस्तार, भावनगर में स्थित है (और इससे उपावन्द
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-1983
को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से एसे दूसरामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्सीरी
(अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वे
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

1. श्री मनोशंकर लक्ष्मी शंकर जोशी यू. कोन ड्राख,
न्यूयोर्क, यू० एस० ए०
(अन्तरक)
2. अमृत शान्ति अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन—
चीफ आर्गेनाइजर—श्री वृजलाल बनयाली दास तिवेदी
प्लाट नं० 1233, अम्बाबाड़ी, भावनगर
(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वान्त संपत्ति के अन्तर्गत के अन्तर्गत सूचना जारी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, पहली अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लग्नालक्षण

जमीन जो वार्ड नं० 7, शीट नं० 255, प्लाट नं० 110
ए० 2 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता तखतेन्धर प्लाट विस्तार
रजिस्ट्रेशन नं० 1354/13-10-83 है।

आर० आर० शाह
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 11-5-1984

मांहूर न

प्रस्तुत आहे. टी.एल.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, श्रावणदादा

श्रावणदादा, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2986 23-J/84-85--
यतः, मुझे, आर० आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 433-1 प्लाट नं० 3-बी स्वप्न लोक
है, तथा जो अपार्टमेंट, ब्लाक नं० 3, अमीन रोड, राजकोट में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

11-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और उक्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के उक्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जहाँ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनासरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता—

1. महावीर कंस्ट्रक्शन कम्पनी की ओर मे—
श्री गंगुलील मनीलाल गंगुलीया शेरी नं० 2 गंगुली-
नगर, राजकोट।
(यन्तरक)
2. श्रीमती केशरबेन कानजीभाई, स्वप्नलोक अपार्टमेंट,
ब्लाक नं० 3, अमीन रोड, राजकोट।
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वाक्येः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस
से 45 दिन की अवधि या तत्सर्वाधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निकाल में हो जा पकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

ममृसूची

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 1725 वर्ग फीट है जो स्वप्नलोक
अपार्टमेंट, राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार, राजकोट
रजिस्ट्रीकर्ता बिश्रीबन नं० 5128/11-10-1983 है।

आर० आर० शाह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-1, श्रावणदादा

तारीख : 14-5-1984
मोहर :

प्रस्तुप आदृ ३१ एन एम -----
 वायकर संविधान 1961 (1961 नं 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2987 आ०/23-1/84-85—
 यतः, मुझे, आर० आर० शाह,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 433-1, प्लाट नं० 3-बी स्वप्नलोक
 है, तथा जो अपार्टमेंट ब्लॉक नं० 15, अमीन रोड, राजकोट में
 स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकारण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 11-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थिति का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
 अन्तरीरती (अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बादत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व दो कमी करने या उससे बचने में कृदिष्ट।
 । निर० छैद / शा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जागीरियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 जाना चाहिए के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नडावीर कलद्रुक्षान कम्पनी की ओर मे—
 श्री मनुषुकांश मनीलाल पटेला शेरी नं० 2, रामकिशन
 नगर, राजकोट
 (अन्तरक)
2. श्रीमती रामबेन लालजी भाई तीलदा स्वप्नलोक
 अपार्टमेंट, ब्लॉक नं० 5, अमीन रोड, राजकोट
 (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की समीत से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फौंकों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

मनुषुकांश

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1725 वर्ग फीट है जो स्वप्नलोक
 अपार्टमेंट राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्री-
 कर्ता विश्रीकृत नं० 5192/11-10-1983 है।

आर० आर० शाह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 14-5-1984

मोहर ३

प्रत्येक अधिनियम, अधिनियम वा अधिनियम की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2988 23-1/84-85—

यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 456 पैकी प्लाट नं० 17-ए है, तथा जो जलाराम देव 17-ए प्लाट, योगीनिकेतन, कलापड़ रोड़, राजकोट में स्थित है (ओर इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से छोड़ित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारीबाद आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्भात् १—

24-I36/84

1. उमरली खीमजीभाई विजय ट्रान्सपोर्ट कम्पनी, भोजी बाजार, राजकोट

(अन्तरक)

2. श्री जयतीलाल दामोदर गोफानी

श्री भास्कर दामोदर गोफानी जलाराम देव योगी निकेतन, प्लाट नं० 17-ए, कलापड़ रोड़ के उत्तर दिशा में, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, ओ भी अन्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-भद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिलिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 303 वर्ग घार्ड है जो उत्तर साइड, कलापड़ रोड़ राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विशेषज्ञ नं० 6412/20-10-1983 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 14-5-1984

मोहर :

प्रश्न बाईं टी.एल.एस.

शासक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आउट लेट

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं. पी.ओ. आर. नं. 2989/23-1/84-85--
यतः, मुझे, आर. आर. आह, शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थाष्ट सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट किपथ फ्लॉर '2' बिल्डिंग नं. 553,
तक्षशिला क० ओ० हा० है, तथा जो आल इण्डिया रेडियो स्टेशन
के सामने, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
वृद्धि, उसके अद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण लिखित में
वास्तविक रूप से की भित्ति नहीं किया गया है :—

(क) बन्दरण के लिए किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वासितायों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अजीत कुमार परसोत म भाई नंदानी
शात्रीनिकेतन, शेरी नं. 2-7,
जगन्नाथ फ्लैट, राजकोट

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रलाल जियाभाई पटेल ,
नं. 553 किपथ फ्लॉर, तक्षशिला क०-ओ-हा० सोसायटी
(फ्लैट) आल इण्डिया रेडियो के सामने,
बीताराम पडित मार्ग, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
दिया है।

मन्त्री

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 1250 वर्ग फीट है जो तक्षशिल
क० आ० हा० सोसायटी राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विभाग नं. 4463/अक्टूबर 1983
है।

आर. आर. आह
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 14-5-1984

मोहुः

प्रस्तुप आई०, टी०, एन०, एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वाक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मई 1984

निर्देश सं० ई० आर० नं० 2990 23-I/84-85—अतः मुझे
आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 15 सी० टी० एस० 1010 तीसरी
मंजिल प्लाट नं० 302, है तथा जो बीलिंग क्रिस्टेन्ट 'ए' रेस
कोर्स रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 10 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि ग्राहपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब॑, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा—

1. मैसर्स जे० एस० कोर्पोरेशन 48, इन्ड्रनारायण रोड,
शान्तिकूज (वेस्ट) बम्बई-54।

(अन्तरक)

2. श्री शान्तीलाल जेराम और श्रीमती उमीयागौरी
कथानजी प्लैट नं० 302, तीसरी मंजिल, क्रिसेन्ट
'ए' बिलिंग रेस कोर्स रोड, राजकोट।

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्य

फ्लैट जिसका भेत्रफल 1450 वर्फीट है जो ए० क्रिसेन्ट
बिलिंग, रेसकोर्स रोड, राजकोट में स्थित है तथा निम्न
ओफिस में 'ए' ईरि फोर्म दिनांक 10-10-1983 को प्राप्त
हुआ है।

आर० आर० शाह
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निर्वाक्षण)
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 14-5-1984

मोहर

प्रकृष्ट आईं टी. एन. एस. अधिकारी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1984

निर्देश सं० पो० आर० नं० 2991—अतः मुझे, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० फ्लेट आंवावाड़ी बीरजु को० आ० सोसायटी है तथा जो फ्लेट नं० सी०-१२ अहमदाबाद-१५ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय अहमदाबाद 37 जी० में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात प्रतिफल के लिए अन्तरित को गहर है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से ऐसे दूर्घात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण उल्लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आद की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कुरदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आद या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रागनी एस० जोशी 12, बीरजु सोसायटी, आंवावाड़ी, अहमदाबाद-१५।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला डी० सालुजा नेहरूनगर के सामने आंवावाड़ी अहमदाबाद-१५। नया पता—फ्लेट नं० सी०-१२, बीरजु सोसायटी आंवावाड़ी आजाद सोसायटी के नजदीक अहमदाबाद-१५।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी वाक्यपूँः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकते।

एष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट जो बीरजु सोसायटी में फ्लेट नं० सी०-११ आंवावाड़ी में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 13159 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 17-5-1984
माझूर द्वारा

प्रकृष्ट प्रारंभिक टी.एस.एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 (ए) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1984

निर्देश सं ० पो० आर० नं० 2992—अतः मुझे, आर०
आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट जो टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं०
419, फ्लेट सी०-16, है तथा जो न्यू गार्डन फ्लेट्स ओलीस ब्रीज
अहमदाबाद में स्थित है और इसमें उपाखड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तरित दृवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आनंदलाल जोकमलाल शाह शशीकला आनंदलाल
लोकमलाल न्यू गार्डन फ्लेट्स एलीसब्रीज अहमदा-
बाद-6।

(अन्तरक)

2. श्री समीरकुमार मनुभाई पालखीवाला नीसीत कुमार
मनुभाई पालखीवाला न्यू गार्डन फ्लेट्स, फ्लेट नं०
सी-6 लो गार्डन के सामने, ओलीस ब्रीज
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिके द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट जो टी० पी० एस० 3, न्यू गार्डन फ्लेट्स, लो गार्डन के
सामने, फ्लेट नं० सी०-6 पर रिप्रत है तथा रजिस्ट्रीकर्ता
रजिस्ट्रेशन नं० 14016/7-10-83 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

तारीख: 17-5-1984

मोहर :

प्रकृष्ट ब्राह्मणी दीप एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1984

निर्देश सं. पी० आर० नं० 2993—अतः मुझे आर०
आर० शा०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट जो वाउज सर्वे नं० 363-1, है तथा जो
एफ० पी० 284 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़
ग्रन्ति सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 अक्टूबर
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पंद्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती अजयनाबेन बोधभाई शा० 11, विश्वानगर
सोसायटी विभाग-2, उस्मानपुरा, अहमदाबाद ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती विरमतीबेन विरेन्द्रभाई देसाई गोमतीपुर,
पी०-85, राजपुर, गोमतीपुर, अहमदाबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लेट जो वाउज टी० पी० एस० 15, सर्वे नं०, 363-1,
एफ० पी० 284 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता
रजिस्ट्रेशन नं० 14142/10-10-82 है ।

आर० आर० शा०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-1984
माहूर ४

प्रस्तुत भाइ, टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1984

निरेश सं. पी. आर० नं. 2994—अतः मुझे, आर०

आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन जो बेजलपुर सीमेमें, सर्वे नं. 1158
है तथा जो प्लोट नं. 23, सेक्टर नं. 5 में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
10 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ॥

1. श्रीमती शान्ताकेन बालकिशन दबे बालकिशनरामशंकर-
दबे 26 भाष्कर लेन्ड, फर्स्ट फ्लोर भुलेश्वर रोड
गोम्बे ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती यशोधरा विठ्ठलभाई पटेल विठ्ठलभाई सी०
पटेल कुल मुख्यार-अरविन्दभाई रामकिशन पटेल,
वासुदनगर, गीरधरनगर, शाहीबाग, अहमदाबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त संबद्धों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

वास्तविक

(क) अन्तर्गत से हैर्ट किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसरके
व्यक्तियों में किसी करने वा उससे वर्जने वाँ सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय वा किसी धन या अन्य वास्तविकों
को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीतीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना काहिं था, छिपाने में सुविधा
ज्ञे दिए;

जमीन जो बेजलपुर सीमेमें स्थित है जिसका सर्वे नं.
1158 प्लोट नं. 23, सेक्टर नं. 5 सत्याग्रह छावनी तथा
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं. 14146/10-10-83 है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 17-5-1984

गोहर:

वरुण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2995—/एस-१/ 84-85

अतः मुझे आर०आर० शाह्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समर्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी० एस० 20, एफ० 390/1 न्यू गोरधर पार्क है। तथा जो को० ओ० सोसायटी आंवाड़ी ला-गज्जर बंगला के सामने स्थित है (और मैं इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11 अक्टूबर 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान :—

1. श्रीमती तारामती शान्तीसंकृत शाह् ६/२ पुर्णेश्वर फ्लेट्स, गुलबाई देकरा, अहमदाबाद-151
(अन्तरक)

2. श्रीमती अनसुयाबेन कनुभाई उपाध्याय प्लेट नं० एफ०/३ न्यू गोरधर पार्क को० ओ०-सोसायटी, फस्ट फ्लोर, आंवाड़ी, ला० गज्जर बंगला के सामने अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समर्पित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट जो आंवाड़ी टी० पी० एस० 20; एफ० पी० 390/1, न्यू गोरधर पार्क स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 14183/11-10-84 है।

आर० आर० शाह्
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-1984

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2996 एक्य०-13-I/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन बेजलपुर में, सर्वे नं० 1157 सत्याग्रह
छावनी सेक्टर नं० 3, प्लॉट नं० 23 पी में स्थित है (और
इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13
अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वाग्तव्यक रूप से की गया है :—

(क) अन्तरण से हूँर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

25—136 GT/84

1. श्रीमती मधुबेन रमनलाल कुल देसाई, 7, नुक्त भारत
सोसायटी बाईवाड़ी, बरोदा।

(अन्तरक)

2. श्री नरेशभाई बलदेवभाई पटेल कुल मुख्यार—श्री
चंद्रभाई प्रह्लादभाई पटेल गोमतीपुर, रामजीका खांचा, 8 प.
मोरारीपार्क, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में विद्या गया है।

ममूजी

जमीन जो सत्याग्रह छावनी बेजलपुर में स्थित है जिसका
सर्वे नं० 1157 है तथा रजिस्ट्रीकर्ना रजिस्ट्रेशन नं० 14351/
10-10-83 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुका (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-1984

माहर :

प्रस्तर बाई, टौ. एन. एस. -----
कान्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1984

निवेदित सं० पी० आरा० न० 2797—अतः मुझे, आरा० आरा०
गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विशेष उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और यिसकी सं० प्लेट पालड़ी सीम एफ० पी० 933 है तथा
जो गवर्नर नं० 9, 10 वर्ग याँड़ में स्थित है (और
इसमें उपावरु अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15
अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मर्तिफल के लिए अन्तरित को गहरे हाँ और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उपर्युक्त वर्तने में सुनिधा
के लिए; और/ग

(ख) पूर्वी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उपर्युक्त वर्तने में सुनिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

१. श्री महेशभाई जगाभाई शाह 7, सेवक नगर, उस्मान-
पुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

२. श्रीमनी भुवानेन अरुनभाई जवेरी मणीलालेन रसीक-
लाल जवेरी प्रदीप रसीकलाल जवेरी मार्फत
मैसरे एम० डी० जवेरी 704/712 स्टोक एक्सचेन्ज
टावर, दलान, स्ट्रीट, फोर्ट, बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में झूलाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसंधी

प्लेट जो पालड़ी एफ० पी० 933, एस० पी० न० 9
थह स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन न० 14455/
15-10-8। है।

आरा० आर गाह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-1984

पोहर ३

प्रस्तुत आरॉटोर्स एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2998—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन बेंजलपुर सर्वे नं० 1145, सेक्टर नं० 2 है, तथा जो प्लाट नं० 22, सत्याग्रह छावनी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है शीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नहीं ह प्रतिशत से अधिक ३० और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण, रेकॉर्ड किया आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन हर देश के अन्तरक के वायिदा में कमी करने या उक्त अवधि में भुविद्या के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभार अस्तित्वी इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किमा बना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मधुर मधुकान्ता महेता 22, ब्राह्मण मित्र मंडल सोसायटी, एलीसब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जगन रत्नलाल शाह श्रीमती जयश्रीबेन जगतभाई शाह सेक्टर नं० 2, प्लोट नं० 41 सत्याग्रह छावनी को० ओ०-सोसायटी जोधपुर टेंकरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहोगा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, वे अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बेंजलपुर सीम सर्वे नं० 1145 सेक्टर नं० 2, प्लोट नं० 29, सत्याग्रह छावनी को० ओ० सोसायटी में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 10227/ है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-84
मोहर:

प्रस्तुति टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2999/23-I/84-85—

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन बेजलपुर सीम में सर्वे नं० 1145 है। तथा जो सेक्टर नं० 2, प्लाट नं० 30, सत्याग्रह छावनी में स्थित है (और इससे उपांबढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद 37 जी० अक्टूबर 83 में प्राप्त हुआ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-7-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से वायित्य में कभी कर्जे या उससे बचते में सूचिभा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भने या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहेत था, जिपाले में सूचिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति ॥—

(1) श्री सौरीन जितेन्द्र भाई शाह
'स्वीकैनी फ्लैट्स,
मीडिअल्टी सीस रस्ता (रोड)
नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगत भाई रतीलाल शाह
श्रीमती जयश्री जगतभाई शाह
सैक्टर नं० 2, प्लाट नं० 41,
सत्याग्रह छावनी को० ओ० सोसायटी,
जोधपुर टेकरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेवाले किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बेजलपुर सीम, सर्वे नं० 1145 सत्याग्रह छावनी सेक्टर नं० 2, प्लॉट नं० 30 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 10228/ है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 17-5-84

मोहर :

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री दामोदर नागजीभाई सेजपाल
करनपरा चौक, राजकोट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्री गिरीषकुमार छोटालाल कोटेचा
के०/ओ० दामोदर नागजीभाई सेजपाल
करनपरा चौक, राजकोट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मई 1984

निवेदण सं० पी० आर० नं० 3000/23-I/84-85-अतः
मुझे, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 456 पैकी प्लाट नं० 313 पैकी महिला कालेज
के है। तथा जो पिछे कलावा रोड, राजकोट में स्थित है (और
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-10-1983,
को पर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अवृत्तियां जैसे अनुसूचीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थ हैं प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पातरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

बिल्डिंग जो कलावाड़ रोड राजकोट में स्थित है तथा सब-
रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ताविक्रीखत नं० 6373/26-10-8 3(ख) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य वासियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 19-5-84

मोहर :

प्रसूप भाई. टी. एन. एस.-----

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० न० 3001/23-1/84-85—

श्रेष्ठ: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
296-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आवरण है कि स्थान अनुमति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट न० जागनाथ प्लैट शेरी न० 25-26
है। तथा जो आसोधालय नाम से प्रबलित है सेकण्ड फ्लोर,
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 25-10-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
शर्तिफल के लिए अनुमति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
गढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरीक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदृ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतुक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिक्ती द्वारा एक नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, जहाँ अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ५—

(1) श्रीमती मोदीबेन माधवजी
गांव—खीरसरा,
जिला—राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मनभाई लालजी भाई मकारीया
फ्लैट, सेकण्ड फ्लोर, 'आसाथालय'
जागनाथ शेरी न० 25-26, कोर्नर पर,
राजकोट ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के
पास लिखित में विये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होते हैं, जो उस अध्याय में
चिया दबा है।

ननूसूची

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 1191 वर्ग फीट है जो आसोधालय
फ्लैट, शेरी न० 25-26 जागनाथ राजकोट में स्थित है तथा सभ-
रजिस्ट्रीर्ड राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विकीर्खत न० 5738/25-
10-83 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 19-5-84
मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. - - -

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3002/अर्जन रेंज 23-I/
84-85-- अतः मुझे, आर० आर० आह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य
₹ ० ०००/- रु. जे धौधक है

श्रीग जिमकी सं० ४५७ पैकी प्लाट नं० १३-सी-२
है तथा जो राजकोट में स्थित है (आंख इससे उपावद्ध अनुसूची
में श्रीग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 17-10-1983

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त गंगानि वा उचित वाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच एसे अंशरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से छाई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अस: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नरेन्द्र नेतशीमाई महेता
अमरनाथ प्लाट्स,
कलावाड रोड,
राजकोट।

(2) श्रीमतो मर्गेन्द्रेन प्रवीनचन्द्र शाह
'पूनम' 1, अमरनाथ प्लाट्स,
कलावाड रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरा कारक द्वाक्ता सम्मोर्तत के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्राप्तवृत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा यक्कें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममुसूची

विलिंग जिमका जमोन का क्षेत्रफल 167 वर्ग यांड है, जो
सं० ४५७ राजकोट में स्थित है तथा बब-रजिस्ट्रार, राजकोट
रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० ६११८/१७-१०-८३ है।

आर० आर० आह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

दिनांक: 21-5-84

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3003/23-1/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष वो अवैन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 387/388 पकी प्लोट नं० 20 पकी
है। तथा जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्णस्वप्न से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 17-10-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(०) विजेता इण्डस्ट्रीज की ओर से
श्री छगनलाल ब्रीकम भाई पटेल
श्री रतीलाल गोवर्धनभाई पटेल
शारदाबेन वसन्त भाई
भक्तिनगर स्टेशन के सामने,
राजकोट ।

(अन्तरक)

(२) मिलीयन्ट मेटल इण्डस्ट्रीज की ओर से—
श्री शशोक कुमार गोविन्दभाई
श्री प्रफुल्ल बुल्लभभाई
श्री लक्ष्मन भाई के
कंचनबेन कांतीलाल
प्रजीवसाहून, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जरूरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए
कार्यालयिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद वै सभापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्दूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग फीड है 'अध्युरा पलीन्थ के
साथ जो सर्वे नं० 387/388 पैकी राजकोट में स्थित है तथा सब-
रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकरण विभावत नं० 6132/17-10-
83 है।

आर० आर० शाह

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 19-5-84

मोहर :

प्रस्तुत बाइ. टा. एन. प्ल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के विवाद सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मई 1984

निवेश सं. पी० आर० नं० 3004/23-I/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का काण्ड है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० विनियोग है तथा जो बीरामी हाईस्कूल के
सामने, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावट अनुमूली में और
पूर्णत्व से वर्णिया है), रजिस्ट्रीर्हर्टा अधिकारी के कार्यालय, राज-
कोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 20-10-1963

को दृष्टिक्षण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने की कारण है कि यथापद्धति संपर्क या उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
ऐहे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व
में कमी करने या उसने उचित में सविधा के लिए,
पौरा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्यों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

इस उठन अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तराल
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26-136GJ/84

(1) श्री बीरामीदास अनुरदास संघर्षी
बीरामी हाईस्कूल के नजदीक,
राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री हेमन्तलाल पोपटनाल पुजीया,
'उमियामुंज' 23 न्यू जागनाथ प्लॉट;
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वक सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वापर :—

(क) इस सचना के गाझ अ प्लॉटकाला की जारील में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना
ली नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारों के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्दर 20-क में परिभाषित हैं,
वही वर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

• विनियोग जिसका जर्मान का संत्रक्षण 160 वर्ग यांडे हैं जो
बीरामी हाईस्कूल के नजदीक राजकोट स्थित है तथा सभ-रजिस्ट्रार
राजकोट रजिस्ट्रीर्हर्टा विधिवत नं० 6192/20-10-83
है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 19-5-84

मोहर :

प्रस्तु. आई. टी. एन. एस. ——

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत प्रस्ताव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 गई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3005-23/I/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।
और जिसकी सं० सर्वे नं० 429-436-656 पैकी प्लॉट 58-ए
'पंचबटी को० श्र० हा० सोसायटी, हरीहर सोसायटी के
नजदीक, कलावड रोड, राजकोट में स्थित है (और
इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्णलेख से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-10-83,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
प्रतिशत (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्दत, उक्त
अधिनियम के अधीन फर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; आर०/दा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उन्हें अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पांचालीन अंतरित दराग प्रदान करने किए गए
था या विद्या जाना चाहिए था, द्विपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तर्गत
में, हौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय कुमार लीलाधर घृणा
दानापीठ, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री जयसुखलाल भगवानजी दोषी
श्री खुशलदास भगवानजी दोगे
ज्याट नं० ५८-ए, पंचबटी को० श्र० हा० सोसायटी
कलावड रोड, हरीहर सोसायटी के नजदीक,
राजकोट ।

(अत्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के लिए
कार्यान्वयित्व करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ
वर्ण द्युगा, जो उस ऋण में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 323-5-0 वर्ग यार्ड है जो
राजकोट में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता
विक्रीखत नं० 6239/21-10-83 है।

आर० आर० शाह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1/ अहमदाबाद

दिनांक : 19-5-84
मोहर :

प्रस्तुप बाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3006/23-1/84-85—अतः

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाश प्रांधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ऊपर है

और जिसकी सं० विलिंडग दीर्घापुर काजीपुर सीमा है तथा जो जयमहाबीर को० ओ० सोसायटी, टी० पी० एस० 14 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्णसूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-10-1983,

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एंसे दस्यमान प्रतिफल का पन्हु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितायों) के वीच एस अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दादेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुहूं किसी आय की वाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वारा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सुनील कुमार गीगराज गुप्ता-रघुकुल सोसायटी,
शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री भवरलाल शिवनाथ जी राजपुरोहित
18, भद्रेश्वर सोसायटी,
शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी की समाप्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारूपताकारी के पास लिपिचित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय परं दिया गया है।

अनुसूची

विलिंडग जो दीर्घापुर काजीपुर सीमा, जय महाबीर को० ओ० सोसायटी टी० पी० एस० 14 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीर्ड रजिस्ट्रेशन नं० 14653/21-10-83 है।

आर० आर० शाह
संसदीय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में उक्त अधिनियम ले गया 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 22-5-1984
मोहुड़ ४

प्रस्तुत आदृ. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 मई 1984

निदेश सं. पी.० आर० नं. 3007/23-1/84-85 —अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं. एन्टटॉप.० पी.० ए.० ८, पालडी, एफ० र०
१० है। तथा जो मोड़ा फ्लैट्स को ओ.० सोनरेट फ्लैट नं.
बा०/५-५ में स्थित है (ओ.० इ.० उपांवड़न नुंच में ऑ.० पूर्ण
खंड नं. ३७५५ है), जिस्ट्रॉज़र्स अर्डे एस.० य०८ अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21-10-1983

को व्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम फ्रैट्यमान
प्राप्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्राप्तिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तर्फ पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित में
वार्ताविक रूप से अधिकत नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
प्राप्तिकल में कठीन करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आपातक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में एकोनार्थ प्रत्यक्षितो द्वारा प्रकट नहीं किया
जाना या या जिसे जाना चाहिए था, लिपाने से
दूरिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्तरण
में उक्त अधिनियम को धारा 269-ए उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमता रसोदाबानु राहनभाई इस्माईल
कोर्टर फ्लैट्स, पालडी,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रान भाई अव्वुन राजक माई
मोडन फ्लैट्स नं.० बा०/५
पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी क्रान्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पवधी व्यक्तिया पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र वे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्धत किसी बन्ध व्याकृत द्वारा, अभाष्टसाक्षरी के
पास निर्माता में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारभाषित हैं,
वही अर्थ द्वागा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मृतसूची

फ्लैट जो पालडी ई० प० ए० ८, एफ० प०० न० १०,
मोडन फ्लैट्स, फ्लैट्स न० बा० ५ पर स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं.
रजिस्ट्रेशन नं. 14675/21-10-83 है।

आर० आर० शाह
सक्रम प्राधिकारो
भहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22-5-84

माहर :

प्रलेप आई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1984

निदेश सं० पो० आर० नं० 3008/23-J/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

आं०८५३ को सं० जूनी पाँडो सीम में है तथा जो टी० पो०
ए०३० एक० पो० 282 ए०३० पो० नं० 1 बा० में स्थित है (और
द्वारा उपर्युक्त सं० जूनी में शार पूर्णलूप रजिस्ट्रेशन
अंतर्गत के तारीख, प्रहमशाश्वत में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 जि 16) के अवान दिनांक 24-10-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि ग्रामपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक की शायद
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अनील बेन धीकमाई शाह
पतंजा पोनी, गांधी नगर,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप चम्पलाल शाह
भरत चम्पलाल शाह
833, महेता शेरी,
पंचमाईका पोल,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

प्रबलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो पालड़ी टो० पो० एस० 6, एफ० पो० 282
एम० पो० नं० 1-बा० पर स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 14782/24-10-83 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक : 22-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप भाई, टा. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़-I, अहमदाबाद ८

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1984

निदेश नं० पो० अर० नं० 3009/23-I/84-85 अतः
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारा को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसे स० ना० अरिया इ०० प०० ए० स० २, स०० ए० स० नं०
124 है तथा जो इसमाल या को० ओ० स० रज०, अहमदाबाद
में स्थान है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के द्वारा लिया, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन
करण अधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अधीन दिनांक
28-10-83.

कां प्रौद्योगिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यानन्द
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रौद्योगिक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्ट्यानन्द प्रतिफल से, एस दृष्ट्यानन्द प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हट्टे किसी वाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बद्धने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अकबर भाई लखजीराई चारमया
नं० १२, खोजा सोसाईटी,
हांडरिया, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) रमला भावजे भाई हीमान
जो रेजन रमला हमाना
खमाशा गेट के ऊजदेह,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आज्ञेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में सं किंगी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में पारभाषत
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधानी

बिल्डिंग जो खोजा सोसाईटी, हांडरिया टो०पो० ए०स० २
पर स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रेशन नं० 15125/28-
10-83 है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1/अहमदाबाद ।

दिनांक : 22-5-84

मोहर :

मुक्त बाई टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1984

प्रिंटिंग नं० ०० आर० नं० 3010/23 J/84-85- अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें 'इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ओरजिनलके सं० बिल्डिंग जो अचौर सीम सर्वे नं० 123/1, 124/2
है तथा जो एफ० पो० नं० 10-1, 6-ब०, महरि दर नन्द
पार्क, अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपावड़ अन्तर्च गैं
आर० रा० है; रिंग १३), रिंग १३, तर्ता अविद्यार के नार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 ए.
16) के अन्तर्गत दिनांक 24-10-33,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हड्ड किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामजूभाया परादता मल अरोरा
संदक सूर्या सेन्टर,
62, सीधा मार्केट,
अहमदाबाद-2।

(अन्तरक)

(2) श्री भुपेन्द्र देशपांड खर्वा
के०/ओ० भुपेन्द्र टैक्सिटाइल्स,
22, रीवी मार्केट,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कायबाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो ३-चा, रिंग दर नन्द पार्क, अचौर, ट०० पी०
एर० २३, अहमदाद में स्थित है या रजिस्ट्रेशन
नं० १४७९७/२४-१० ८० है।

आ०० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22-5-1984
माहूर ६

प्र० आइ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, श्रावणदावाद

श्रावणदावाद, दिनांक 22 मई, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3011/23-I/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन, भासना टी० पी० एस० 21, एफ० पी०
602, एस० पी० नं० है। तथा जो 179, मानेक बाग को० और०
सोगायटी श्रावणदावाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुमती
श्रावणदावाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 25-10-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

(1) श्री कान्तीलाल कोदरलाल शाह
4/4 मंगलम फ्लैट्स,
वायनगर, श्रावणदावाद—24.

(अन्तरक)

(2) श्री भोगीत ल श्रमृतलाल शाह,
वमुमती भोगीलाल शाह
पंचवटी, श्रावणदावाद।

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उ...
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है,
वही अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो मानेकबाग, टी० पी० एस० 21, एफ०पी० 602,
एस० पी० नं० 179 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन
नं० 14551/25-10-83 है।

प्रार० आर० शाह
सदस्य प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, श्रावणदावाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की झपथारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

दिनांक : 22-5-1984
साहूर :

उद्यग अड्डे टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 24 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3012/23-I/84-85--

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-प के अधीन संसद प्राधिकारी को, वह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दरियापुर काजीपुर सीम कैम्प रोड एफ० पी०
नं० 2 है। तथा जो नवीनचन्द्र पार्क टी० पी० एम० 17 और
टी० पी० एम०-8, में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 20-10-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उपरेक्षण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्किल के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

27-136 GT/84

(1) श्री ईश्वरलाल जोरताराम पटेल
10, मानन सोसायटी,
जनीय, सावरमती,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अंसीधर गोपीनाथ अग्रवाल
18, नवीनचन्द्र पार्क,
सिविल अस्पताल रोड,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बिल के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा। जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो दरियापुर-कप्जीपुर टी० पी० एम० 17 और
8 एफ० पी० एम० 2 पैकी प्लाट नं० 8 पर स्थित है तथा रजिस्ट्री-
कर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 14979/125-10-83 है।

आर० आर० शाह

सहायक अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक : 24-5-1984

मोहर:

श्रद्ध भाई० टी. एम. एच. ----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 मई 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० 3013, 23-I/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जमीन नरसिंहनगर को० ओ० सोमायटी,
टी० पी० ए० २९ है। तथा जो सर्वे नं० ३४, मव प्लाट नं० १४,
नारनपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे ऊपर अनुसूची
में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर 83 में 37 जी मालाई 24-8-83,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके स्थामान प्रतिफल से, ऐसे स्थामान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त स्वतरण लिखित
में वास्तविक रूप गे कथित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण वे हूँ रुपौं किसी बीच की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों
को बिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री केवलप्रसाद वृषभाई पटेल
कौशिकभाई वृषभाई पटेल
५-ए, मीरा सोसायटी, नारनपुरा,
अंकुर रोड, अहमदाबाद—१३।

(अन्तरक)

(2) शान्तीलाल मूलजी भाई मावला
एच० यू० एफ० के० कर्ता
सगीर मनोज शान्तीलाल मावला
मुख्यार—शान्तीलाल एम० मावला
फ्लैट नं० ३००-३ अजन्ता फ्लैट्स,
नारनपुरा चार रस्ता,
जून टैम्पल के सामने,
अहमदाबाद—० ३।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवध
किसी बन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो नरसिंहनगर को० ओ० सोमायटी, टी० पी० ए० २९,
सर्वे नं० ३४, एस० पी० नं० १४ पर स्थित है तथा रजिस्ट्री-
कर्ता रजिस्ट्रेशन नं० १२१०७ है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

दिनांक : 24-5-1984

मोहूड़ ३

प्राकृष्ण नाहे.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन नंज-1, अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 24 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3014/23-I/84-85—अतः
 मुझे, आर० आर० शाह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग, टी० पी० एस० 22एफ० पी० 140-
 142-143 है। तथा जो सब प्लॉट नं० 12-वी पालडी में स्थित
 हैं (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं).
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-
 10-1983,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एस० इश्वमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वयण के लिए तथा
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
 निम्निति में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूचिधा
 के लिए; वौर/या

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
 को विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
 के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
 में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रमीलाबेन महेन्द्रकुमार
 श्री रूपेन महेन्द्रकुमार
 सगीर विशाल महेन्द्रकुमार
 मुख्त्यार—श्री महेन्द्रकुमार हरगोविनदास शाह
 कलासा पोल, खाराकुवाकी पोल,
 अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मनदास मनीलाल गांधी
 मनहरबेन लक्ष्मनदास गांधी
 टोकरशाकी पोल,
 शायख़ड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि गाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्तु
 किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभाष्टुक्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

पूर्वोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

मनुसूची

बिल्डिंग जो पालडी टी० पी० एस० 22, एफ० पी० 140-
 142-143 एस० पी० नं० 12-वी पर स्थित है तथा रजिस्ट्री-
 कर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 14197/11-10-83 है।

आर० आर० शाह,

मनुसूची

मनुसूची
 भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन नंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 24-5-84

मोहर:

प्रकृष्ट बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई 1984

निदेश सं. पी० आर० नं. 3015/23-I/84-85—ग्रन्तः

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार भूमि
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सानन्द में सर्वे नं० 677/2 है। तथा
जो जमीन एरिया 5324 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सानन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार भूमि से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार
भूमि, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इसे किसी बाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अप्त उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

(1) जशीबेन, मगजीनजीनानाजीभाई
आकोरकी पुत्री
विमलाबेन, मगनजी नानजीभाई आकोरजी पुत्री
सानन्द, जिला—अहमदाबाद।
(अन्तरक)

(2) फैण्डस को० आ० सोसायटी
(प्रपोज्ड) चीफ प्रोग्नाइजर
1. श्री विपिनचन्द्र भोगीलाल अमीन
2. श्री भानु प्रसाद मूलचन्द्र भाई पटेल
3. श्री प्रवीन कुमार मूलजीभाई पटेल
नारनपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूलकी

जमीन जो सानन्द में स्थित है जिसका सर्वे नं० 677/1 है
जमीन एरिया 5324 वर्ग यार्ड तथा रजिस्ट्रेशन नं० 1418/83
है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 26-5-84
मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. पन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3016/अर्जन रेंज-1/23-1/

84-85-अस्त: मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 80, प्लाट नं० 50 पैकी है तथा
जो नानामाया राजकोट में स्थित है (और इसमें उपादान
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंशु है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे धन्दने में सुविधा के सिए;
और/या

(क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

उत्त: अष्ट, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

1. श्री किशोर नरसिंहभाई परमार
मूलचंद जपेरीकी वाडी,
कुभारपाड़ा, चम्पूर,
दामोदर।

(अन्तरक)

2. श्री नटवरभाई गोविंदभाई लडानी,
क०/आ घेवेडा कलां लेवोरेटरी,
राष्ट्रीय शाला के सामने,
रविकिरनके नजदीक,
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहीं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वास्तवी

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 107 वर्ग यार्ड
है जो नानामाया राकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विकी खाता नं० 6446/29-10-83
है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 29-5-1984

मोहर :

प्रकृत बाईं. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3017—यतः मुझे, आर०
आर० शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (‘जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० संवेद नं० 80, प्लाट नं० 50 पैकी है
तथा जो नानामावा राजकोट में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-10-83
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एवं दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तर्दर्तीयों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथा पांच गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित छहदोष से उक्त अन्तरण के सिवित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में ग्रविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

1. श्री किशोर नरसिंहभाई परमार
मुलवंद जवेरीकी बांडी,
कुंभारपाड़ा चेम्बुर,
बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री चंद्रुलाल लधाभाई सुतरीया,
स्वस्त्रीक एस्टेट,
पेट्रोल पंप के नजदीक,
गोंडल रोड,
राजकोट।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दृश्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

विलिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 107 वर्ग यार्ड
है जो नानामावा राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विकी आता नं० 6417/28-10-83
है।

आर० आर० शाह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 29-5-1984

मांहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1984

निवेश सं. पी० आर० नं० 3018—यतः मुझे, आर०
आर० शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग होटल मोहीत इन्टरनेशनल नाम
से प्रचलित है तथा जो बहुमाली भवन नजदीक रेस्कोर्स,
राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 28-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
हरने का कारण है कि व्यापौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यतान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे प्रतिफल के लिए तथा
याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण
निखिल में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया जाय है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती देवकुंवरबेन हरीलाल सोनी,
"सत्यकुंज" एस्टोन गिनेमा नजदीक,
राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री भरतसिंह चुडस्मा एण्ड सन्स,
बको०/आ० होटल मोहीत इन्टरनेशनल,
बहुमाली भवन के नजदीक,
रेस्कोर्स रोड,
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की बद्रिया सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
नियमित में विए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बहुलूपी

बिल्डिंग जिसका क्षेत्रफल 1090.59 वर्ग मीटर है
होटल मोहीत इन्टरनेशनल नाम से प्रचलित है, बहुमाली
भवन के नजदीक रेस्कोर्स राजकोट में स्थित है तथा सभा
रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीद्वारा नं० 6435/
28-10-83 में मिलकात का पूर्ण वर्णन दिया है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 29-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं. पी० आर० नं. 3019--यतः मुझे, आर०
आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन उक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी भं० बिल्डिंग टी० पी० एस० 14, साधना को-
आर० मोमायटी है तथा जो बंगला नं० 22, एफ० पी० नं०
63, सर्वे नं० 66/ए०/1 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-10-1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गहर है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरिरीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उच्च पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क.) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख.) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भक्ति अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1)
■ अधिकारी विश्वासित अन्तरिती, विधाता ८—

1. श्री गोरखनाथ श्रीबाभाई पटेल,
16, अंडमुखी सोसायटी,
गोपालनगर के पीछे,
मेमनगर रोड,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री ओहननान लाखाजी चौहान,
शाहीबाग रेलवे क्रोमिंग के नजदीक,
शाहीबाग,
अहमदाबाद-4
रामचन्द्रभाई लाखाजी चौहान,
जवानभाई धनानी चौहान,
श्रीबाजी माला के मंदिर के नजदीक,
माधुपुरा,
दिल्ली दरवाजा बाहर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क.) इस सूचना के दृश्यमान की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवधियों पर
मूल्याने की अवधि या 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में अभाव होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में अंतिम दरकारी दर:

(ख.) इस सूचना के दृश्यमान की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू
किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी या
निश्चिन में किए जा सकेंगे।

प्रबंधकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयोग में विभिन्न हैं
वही ये होंगे, जो तब यहां प्रयोग किया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो साधना सोसायटी, शाहीबाग, टी० पी०
एस० 14 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं०
15171/29-10-1983 है।

आर० आर० शाह
ग्राम प्राधिकारी,
सहायक आयकर औयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीखः 29-5-1984
मोहर :

प्रस्तुप माइ. टी. एम. पर्स. -----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आपकर आयक्ता (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3020-23-I/84-85—यतः
मृशे, आर० आर० शाह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० विलिंग मी/92, समाट नगर, रसनपुर
है तथा जो सर्वे नं० 261, 262, 265, और 268 में
स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 10-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और मर्जे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने पा उससे अन्तरण में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया आना आहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

1. श्री पंकज कुमार मोगीलाल मनीषार,
3/3, जंगलपाल,
बटवा रोड़,
मनीनगर,
अहमदाबाद-8।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीनभाई गोकलदास देशार,
नागर निवास,
नरेश रोड़,
विले पार्स (ईस्ट),
वर्मड-57।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद वे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ देंगा जो उस अध्याय में दिया
रखा है।

अनुसूची

विलिंग जो रसनपुर सोम, समाट नगर-सी-92, सर्वे
नं० 261, 262, 265 और 268 पर स्थित है तथा
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 13726/10-10-83 है।

आर० आर० शाह
मधम प्राधिकारी
महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-I, अहमदाबाद

यतः उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जति ८—
२४—१३६G/84

तारीख : 29-5-1984
मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1984

निर्देश मं० पी० आर० नं० 3021 प्रक्षी० 23-I/84-85
यतः मुझे, आर० आर० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग खाड़िया में सर्वे नं० 2241 है
तथा जो एम० एस० नं० 1436 सं० सामसंगाफी पोल,
सारंगपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-10-83
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रे-
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
दें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ललितकुमार भाला भाई पटेल,
सामसंगाफी पोल,
सारंगपुर, अहमदाबाद।
नया पता—ए/4, मीनीता अपार्टमेंट,
मेट जेवियर्स हाई मूल रोड,
नवजीवन,
अहमदाबाद-111।

(अन्तरक)

2. श्री नटवरलाल हीरालाल शाह,
पंकजकुमार हीरालाल शाह,
मगीर तलीन हीरालाल शाह,
मगीर कौशिक हीरालाल शाह,
मुख्यार—हीरालाल बाड़ीलाल,
8, जोतेन्द्र पार्क मोसायटी
पालडी,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके प्रदूषक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि द्वारा उसमें स्थित व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दोष में समाप्त होती हो, के भीतर प्रदूषक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतीकरण—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वथा परि-
भासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो खाड़िया-1, सामसंगाफी पोल सर्वे नं०
2241, एम० एस० नं० 1436 पर स्थित है तथा रजिस्ट्री-
कर्ना रजिस्ट्रेशन नं० 14879/26-10-83 है।

आर० आर० गाह
गक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 29-5-1984
मोहर:

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3022—अतः मुझे, आर०
आर० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग अम्बांवाड़ी, कृष्णानगर, वार्ड नं०
6 है तथा जो सर्वे नं० 2023, 2024, 2025, 2026,
भावनगर में स्थित है (और इससे उगाचढ़ अनुशूली में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 25-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए हिस्सी बाय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कार आधारनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—

1. प्रपोज़े न्यू शान्ती निकेतन को-ओप०
सोसायटी—चीफ आर्गेनेइजर,
श्री भूपतराय मोहनलाल शाह
बानीया गोरी,
बोधा बंदरु।
बोधा, भावनगर।

(अन्तरक)

2. (1) पीयूष कुमार उपेन्द्रभाई मेहता,
प्लॉट नं० 1048-ए 1-2,
अम्बावाड़ी,
दानीबेन छात्रालय के सामने
कृष्णानगर,
भावनगर।
(2) भरतकुमार नरेन्द्रभाई ठक्कर,
प्लॉट नं० 1043-बी, अम्बावाड़ी,
दानीबेन छात्रालय के सामने,
भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के मम्बन्ध में काइ भी आक्षय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है—
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण :—इसमें प्रदृक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

बन्धूपी

बिल्डिंग जो अम्बावाड़ी वार्ड नं० 6, प्लॉट नं० 1048-
ए पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3425/
25-10-83 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संशोधक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्ज नं. 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं. पी० आर० नं. 3023—अतः मुझे, आर०
आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बिल्डिंग बादेश्वर विस्तार, सर्व नं. 3/2,
33/2 है तथा जो 206/2, 206/3, जामनगर में स्थित
है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जनिगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
25-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि ग्रामपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दनने के अंतरक के
शायदि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त सम्पत्ति की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिस्ति:—

1. मैसर्स परमेश्वर आयल मिल

बादेश्वर,

जामनगर।

(अन्तरक)

2. श्री जी० फेमिली ट्रस्ट,

चुनीलाल लिखोवनदास फेमिली ट्रस्ट,

मोतीबाई माधवजी फेमिली ट्रस्ट,

भावेश्वर फेमिली ट्रस्ट,

किशना फेमिली ट्रस्ट,

के०/धा० श्री दिनेश तशा,

तन्ना हाउस,

ग्रेन मार्केट,

जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकेषण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्ज्ञान

मिल्कीथत जो बादेश्वर विस्तार, सर्व नं. 32/2, 33/2,
206/2, 206/3 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन
नं. 3190/25-10-83 है।

आर० आर० शाह

ग्राम प्राधिकारी

ग्राम प्राधिकारी आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 30-5-1984

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, हगदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 30 मई 1984

निर्देश सं. पी.० आर.० नं. 3024—अतः मुझे, आर.०
आर.० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. ० विलिंग टी० पी० एम० ४, एफ० पी०
नं. १६०/१ ४ है तथा जो १२, गुडलक सोसायटी दामार्म;
सोसायटी के नजदीक मर्ननगर, अहमदाबाद-४ में स्थित है
(और इसे उपावड़ अनूमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के
पन्द्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जल्लर्को) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
तिवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के
दायित्व में कठीन करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिए।

अतः बाबौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हीरानंद गिरवारीमल डोडा,
आनंद फ्लैट के नजदीक,
भैरवनाथ रोड,
मर्ननगर,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जुन कुमार हरवंदगांग,
भैरवी मोका अर्जुनकुमार,
१२ गुडलक सोसायटी
दासानी सोसायटी के नजदीक,
मर्ननगर,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्त्री

विलिंग जोटी० पी० एम० ४ एफ० पी० १६६/१+४,
गुडलक सोसायटी दामार्म; सोसायटी के नजदीक मर्ननगर में
स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं. १५१४२/
28-10-83 है।

आर.० आर.० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख: 30-5-1984

मोहर:

प्रस्तुति. आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून 1984

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3026—अतः मुझे, आर०
आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन मानेकबाग को-आ० सोसायटी है
तथा जो टी० पी० एल० 21 एफ० पी० 597 अहमदाबाद
में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनूसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तर्फ़ 25-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
कंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण निर्दिष्ट में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अतरण से हूँ किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अन्तर्भूत वर्तने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्री ईश्वरदास सारखास उपर्युक्त
6/159 आजरा को० ओ० महाराष्ट्र
हाऊसिंग बोर्ड
सायन ट्राम्बे रोड
बम्बई-400022।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा बेन विरचंदभाई
5 विघागविहार सोसायटी
उस्मानपुरा
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहीया दूर करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

जमीन जो वासना सीम टी० पी० एस० 21 एफ०
पी० 597 मानेकबाग कोआ सोसायटी में स्थित है तथा
रजिस्ट्रीकर्ता रस्ट्रोन नं० 14868/25-10-83 है।

आर० आर० शाह
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 1-6-1984

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत व्रात्यर्थ

कार्यालय, संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश नं० पा० आर० नं० 3027—अन्तः गुजरात, आ००
आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मालिकात नरोडा में सर्वे नं० 462
पैकी 464, 465 और 466 हैं तथा जो नरोडा इण्डस्ट्रीज
टाउनशिप एलोट नं० 172 जी० आर० डी० सी० एस्टेट
अहमदाबाद में स्थित है (और इसे उपांडड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-10-1983
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और मूझे यह विवाहास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का
न्यून है प्रतिष्ठान से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और अंतरिक्त
(अंतरिक्तियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
क्षमता में कठित भौति दिया गया है:-

(क) दृष्यमान से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उद्दले बदलने में मुद्दित
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनयों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
दनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय जनान्तरी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
कठिनी के लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णन—

1. मेसर्स राजचन्द्र सरमा और
पल्स मिल्स
कै०/ओ० दशरथभाई नटवरनाल पटेल
नयी खड़की नगोडा
अहमदाबाद।

(अन्तर्भुक्त)

2. मै० पार्स एंड्री जीर
इण्डस्ट्रीज एलाहूड
आफिस जैन मंदिर के सामने
गांधी रोड
अहमदाबाद।
पर का पता:—वो० पा० रंगना पाण्डे पार्टनर्स
6, धर्मनगर सोसायटी,
पालडी, अहमदाबाद-7।

(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनस्त्री

बिलिंग नो० 172 जी० आर० डी० सी० एस्टेट
नरोडा अहमदाबाद में स्थित है तथा भव रजिस्ट्रीकर्ता रजि-
स्ट्रेशन नं० 13447/15-10-83 है।

आर० आर० शाह
मक्कम प्राधिकारी
(महायक आयकर आयुक्त (रिक्षण))
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख: 2-6-1984

मोहर:

संसद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई 1984

निवेदन सं० पी० धा० न० 2313/II/84-85--अम्;
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एम० न० 2 एफ पी० न० 168/1 है तथा जो आनंद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूनी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशनी अधिकारी के व्यायालिय, आनंद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 27-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पंगह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्या आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं जगदीपार्ज जावाहारी परेन आनंद।

(प्राधिकारी)

2. मैं० सहयोग को० आप० हा० सोसा०,
केयर आफ जासेफ एच० कन्ट्रैक्टर,
आनंद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्राम्बन्धी अविरुद्धता पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविरुद्ध द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हित-बद्ध विवाह के अन्य व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिंसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अन्तर्लाली

जमीन जो आनंद में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 354 एकड़ी मी० है। क्षेत्र रजिस्ट्रार आनंद में 4488 नंबर पर तारीख 27-10-1983 से रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

मोरीख: 7-5-1984

मोहर:

प्रकृष्ट बाई. टी. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजन-II, अहमदाबाद

अहमदोबाद, दिनांक 7 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० न० 2814/11/84-85--

अतः मुझे, आर० आर० आयक्त शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है।और जिसकी सं० टी० पी० एस० न० 4 एफ० पी० 316
है तथा जो आणंद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कागदिय, आणंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) अधीन तारीख 21-10-83को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीथत नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हूँ किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधि
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
29-136GI/841. श्री शंकरलाल मगनलाल सेलब
आणंद।

(अन्तरक)

2. श्री पटेल टीमलभाई जगभाई
नवरंग सोमायर्डी,
आणंद।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरै करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

जमीन जो आणंद में स्थित है जिसका टी० पी० एस०
न० 4 और एफ० पी० न० 316 है और कुल क्षेत्रफल
1500 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार आणंद में 4128
नंबर पर तारीख 21-10-83 को रजिस्टर्ड की गई है।आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेजन-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-5-1984

मोहृष :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) + अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश सं० सी० आर० नं० 2815/11/84-85—अतः मुझे,
आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 74-16.5 है तथा जो नागरवाडा, बड़ौदा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण व्यू
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में वस्त के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह, विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भारतीयक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
आय किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिल कुमार केशवजी पुजारी,
नवा बाजार,
बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. श्री कमलाबहुन कनूभाई
अमदावारी पोन,
बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्तृष्णी

फैलट जिसका सर्वे नं० 74 है और कुल क्षेत्रफल 545
चौ० मी० है जो नारवाड़, बड़ौदा में स्थित है। सब प्रजिस्ट्रार
बड़ौदा में 7346 नंबर पर ता० 12-10-1983 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप नाइंट टी. एन. प्रेस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1984

1. पटेल श्रीगंगाठीन आयर

ईस्यादि।

ब्लाक नं० 53।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मंगला मुमाष साठे,
ब्लाक नं० 83,
आरापल्ली,
बम्बई।

(अन्तरिती)

निदेश सं० पी० आर० नं० 2816/11/84-85—अस:

मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० डी० टीका नं० 1.15 है तथा जो
सयाजीगंज, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप, से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983
को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पंचह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) को दीज एसे अनुरूप के लिए तद पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण विविध
में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हरू किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित ने
कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

अन्तरक

(ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती इवाच प्रकट वहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट जो सयाजीगंज में स्थित है। सब रजिस्ट्रार,
बड़ौदा में 5676 नंबर पर तारीख 19-9-83 को रजिस्टर
किया गया है।

प्रधन नाइरॉटी, टी. एन. पड़े

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 9 मई 1984

निवेश सं० पी० आई० नं० 2817/1/84-85—अतः मुझे,
आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 435 है तथा जो कुन्डाल,
ता० कड़ी में स्थित है (और इससे ऊपर अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अंतर्गत, तारीख, 13-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभी हैं—

1. माध्वभाई अम्बाराम

मंकराभाई पीताम्बरदास
पटेल जगदीशभाई पीताम्बरदास
पटेल रणछोड़ बाई पीताम्बरदास
पटेल परेंगोसम पीताम्बरदास
पटेल पवित्रापरत पीताम्बरदास
कुन्डाल, ता० कण्ठी।

(अन्तरक)

2. मै० संधर्षी एसोसिएट्स,
2120, रेखा बिल्डिंग,
सिंग रोड,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवगति के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के बजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी द
पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसली

जमीन जो कुन्डाल, ता० कण्ठी में स्थित है जिसका
नं० 435 है। सब रजिस्ट्रार काण्डी में 2127 नंबर पर ता०
13-10-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख: 9-5-1984

माझे ३

प्रकल्प वार्ड टी.एच.एस.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के बंधन सूचना

मास्त स्थान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 8 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2818/11/84-85--

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के बंधन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नार्थ नं० 1731 है सथा जो शीवम अपाटे-
मेंट, सूरत में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 11-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पञ्चवांशीकरण से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
बंसरिती (बंसरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वापत, उक्त
अधिनियम के बंधन कर देने के बन्तरक के
शायित्व में कमी करने वा उक्तसे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य अस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के बंधन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा ८-—

१. श्री गोप मूलचंद मटाई
श्री राजा गोप मटाई
आम्पा लाईन्स,
सूरत।

(अन्तरक)

२. श्रीमती अस्थाबहन मुकेश मेहता
संगम सोसायटी,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
यद्यपि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वचाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आठवा लाईन्स, सूरत में स्थित है। सब-
रजिस्ट्रार, सूरत में 8450 नंबर पर ना० 11-10-83
को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह
संकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----
 बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2819/11/84-85—
 अतः, मुझे, आर० आर० शाह,
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थापत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. सं अधिक है
 और जिसकी सं० रश्मी अपार्टमेंट, सूरत है तथा जो सूरत
 स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में
 वांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय सूरत के रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-10-83
 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से है एवं इयमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण है हूँ किसी बाय की वापत, इयमा-
 नियम के वधीन कर देने के अंतरक के
 बायित्य में कोई करने वा उससे दूसरे में सूचिता के
 लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों
 का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगकार्य बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
 सूचिता के लिए;

बत. बृंद, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बन्दरित
 में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उच्चाय (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार :—

1. श्री भवानी शंकर दौलतराम पंचाल,
 चंद्रबिपर एपार्टमेंट,
 सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री परिष्व जयन्तीलाल मणीलाल,
 रश्मी अपार्टमेंट,
 गोपीपुरा,
 सूरत।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां सूच करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोश है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थापत सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
 हैं, वही वर्त होंगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

मनूसची

मिलफत जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है जिसका अंत-
 फल 2200 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 9051
 नम्बर पर तारीख 10-10-83 की गई है।

आर० आर० शाह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर:

हस्त वाद्. टी. ए. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2820/11/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचारे 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 61 है तथा जो अंदाढा, ता० अंकलेश्वर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
बधीन, तारीख 20-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि विधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
वाचा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
निर्दित में वाल्विक रूप से वाचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी जाव की वाकत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधां के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

1. श्री जीजाभाई छीताभाई
अंदाढा,
ता० अंकलेश्वर।

(अन्तरक)
2. श्री दमयंतीसरन जयन्तीलाल भायपाला
67, पटेल मोसायटी,
भरुच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहु या अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होते जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसची

मिलकल जो अदाढा, ता० अंकलेश्वर में स्थित है जिसका
सर्वे नं० 61 है। सब रजिस्ट्रार अंकलेश्वर में 2540 नंबर
पर तारीख 20-10-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 7-5-1984
मोहर #

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2821/11/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-थ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 264-1 है तथा जो गडखोल, ता०
अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुमूली में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रती-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) अन्तरी अन्तरी आय या किसी भग या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्री कुसुमसरन अमैथदास पटेल
24, शांति निकेतन सीमा,
सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री कीरीटभाई वल्लभभाई पंडया,
22, जयहिन्द सोसायटी,
रामसाग,
मजीनगर,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों द्वारा करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृध्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

जमीन जो गडखोल में स्थित है जिसका सर्वे नं० 264-
1 है और कुल क्षेत्रफल 10784 चौ० मी है। सब-
रजिस्ट्रार, अंकलेश्वर में 2476/2491 नंबर पर 5-10-83
को रजिस्टर की गई है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 5-5-1984
मात्रहुँ :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. मैं० डी० ए० कन्स्ट्रक्शन कॉ०,
नानपुरा,
सूरत।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2822/23-II/84-85—अतः

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० वाड० नं० 1, नौथ नं० 435, है तथा जो
नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ वंतारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

[30—136GI/84

2. श्री अदी जामास्य वस्तुर,
रत्नदीप,
नानपुरा,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नानपुरा, सूरत में स्थित है जिसका नौथ
नं० 435 है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8704 नंबर पर
ता० 15-10-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 11-5-1984

माहूर :

श्रम्य बाई^१, दी. एव. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2823/II/84-85--

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 749, मे० है तथा जो अथवा
लाइन्स, सूरत में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में अर्थित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 27-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इधयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इधयमान प्रतिफल से ऐसे इधयमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
शर्तिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है^२—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
बारूद/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्ट^३ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति^४—

1. श्री नीतिनभाई ईश्वरलाल मोदी
श्री ईश्वरलाल तिभोवनदास मोदी
श्री पंकज ईश्वरलाल मोदी
श्री सुमिसरन ईश्वरलाल मोदी
आम लाईन्स,
सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री कीरोज होमी पटेल,
कोलाबा,
बंवरी।
श्री दीनतपाण फिरोज पटेल,
आजन,
नां० चोर्यामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्बन के लिए
कार्यशालियां करता है^५।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ^६ भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

मिलकत जो आम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है जिसका
सर्वे नं० 749 है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 9819 नंबर पर
नां० 27-10-1983 की रजिस्टर की गई है।

आर० आर० शाह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 11-5-1984
मोहर^७

प्रारंप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2824/II/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 3267 और 3272/90 है तथा
जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अंतर्न, तारोब 29-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि धथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती. चंद्रबहून मानेकलाल शाह,
सुलसा अपार्टमेंट,
बम्बई।

(अन्तरक)

2 श्री मुन्दर कुवार मानेकलाल शाह,
सुलसा अपार्टमेंट,
बम्बई-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

मित्रा जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है। मब रजिस्ट्रार
सूरत में 10065 नंबर पर तारोब 29-10-83 को रजिस्टर्ड
की गई है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारोब : 8-5-1984

मांहूर

प्रस्तुत नाइ^ट टॉ. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारुत द्वारा

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 11 मई 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2825/11/84-85—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
260-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 96, है तथा जो मंजूरागेट,
सूरत में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्दीय से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्तात्विक रूप से कथित नहीं किया गया है [—]

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहीए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतू थव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् [—]

1. श्री रक्षा बहन डॉ. बीया,
नीलकंठ ए० व्यास,
उत्तराज,
सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र आशानंद नारंग,
श्री चरणजीत आशानंद नारंग,
मंजूरागेट, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण [—]

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रथमत पावां और बदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पड़िभाइत
है, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मंजूरागेट, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार
सूरत में 7828 नंबर पर अक्टूबर 1983 में रजिस्टर
की गई है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 11-5-1984

मोहर

प्रृष्ठा बाहर, दी० पी० एस० = ५ अ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2826/II/84-85—

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 51 है तथा जो
आम्बा नाईन्स, सूरत में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल के
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीक्षयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट किसी आप की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
ने दिए; जैर/या

(क) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहेथा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :—

1. श्री जयन्तीलाल बी० नायक,
ग्रीनपार्क,
आम्बा नाईन्स,
सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री पश्चासरन उपेन्द्र अलमौला
303, टेपीहोम अपार्टमेंट,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित में कोई भी वाक्यपै :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकने

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

आम्बा

मिलकत जो आम्बा नाईन्स, सूरत के सामने स्थित है
जिसका टी० पी० एस० नं० 5 और वार्ड नं० 13 है। सब
रजिस्ट्रार, सूरत में 8440 नंबर पर ता० 10-10-83
को रजिस्टर की गई है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 11-5-1984

मोहर :

प्रस्तुप आर्ट.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1)' के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1984

निवेश मं. पी० आर० नं० 2827 22-II/84-85-अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
ओर जिसकी सं० आर० ए० सं० नं० 503-1-2-7-8,
प्लाट नं० 88 है तथा जो सयाजीगंज, बरोदा में स्थित है
(प्रीर इसमें उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोदा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरीतियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वै
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः बड़, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निर्मलावेन चंद्रभाई सदारंगानी

2. श्री कृष्णपा,
ब्रलकापुरी,
बरोदा।

(अन्तरक)

2. सखी इंजीनियरिंग प्रायवेट लिमिटेड,
995, मीटल चेम्बर्स,
नरीमन पोर्टिंग,
बरोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
वार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यपूर्वक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

पेटैट जो संयतराव कालोनी, नीलम अपार्टमेंट में स्थित
है तथा मिल्कियत ट्रांसफर का दस्तावेज सब रजिस्ट्रार बरोदा
रजिस्ट्रेशन नं० 7415/14-10-83 है।

तारीख: 22-5-1984

माझेर

प्रस्तुत आइं. टी. एन्. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2828—अतः मुझे, आर०
आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी भं० आर० एस० नं० 915 है तथा जो जोखा,
बरोड़ा में स्थित है (और इसमें उपावन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 21-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंशुह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सहित के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. श्री रमनभाई शंकरनाई पटेल
और अन्य,
8. श्रेयनगर,
सुभानपुरा,
बरोड़ा।

(अन्तरक)

2. मेसर्स मीरेज रबर प्रोडक्ट्स,
इलेक्ट्रीक लोको शेड के सामने
नवा याँड़,
छानी रोड़,
बरोड़ा।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध या अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शेड जो जोखा नं० 915 पर स्थित है,
3830 वर्ग फिट है तथा सब रजिस्ट्रार बरोड़ा ट्रांसफर
दस्तावेज रजिस्ट्रेशन नं० 7562/21-10-83 है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-5-1984

मोहर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2829—अतः मुझे, आर०
आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 218—सी एस० नं० 89, प्लाट
नं० ए-३२ है तथा जो फारेलीबाग, बरोडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबंध नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः बड़ उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गोविंदलाल नगीनरास भावसार,
89, गांधीनगर सोसायटी,
फारेलीबाग,
बरोडा।

(अन्तरक)

2. श्री मनीलाल देवसी सापला,
के०/आ० भारत स्टोर्स,
फोटो चील के सामने
रायपुरा,
बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और बिल्डिंग जो गांधीनगर सोसायटी बरोडा
में स्थित हैं तथा सब रजिस्ट्रार बरोडा रजिस्ट्रीकर्ता द्रांसफर
बस्तुखत नं० 5704/4-10-83 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 22-5-1984

मोहर :

प्रकृष्ट भाई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1984

निर्देश सं० पी० आर० न० 2830/अर्जन रेंज-2/23-2/
84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० बोडं नं० 6, नोंदू नं 1951 है तथा जो
मधीयरपुरा, दालियानो मोहल्ला में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्यु यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यापार मूल्य से, एसे व्यापार मूल्य का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरीत
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अंतरण के बिए तथा पाया
या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—(क) अंतरण से हृदृ किसी जाव की बावजू, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने वा उससे अचने में सूचिता के लिए;
जैर/वा(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मूर्दिता के लिए,1) श्री रणछोड़ भाई के शब्दभाई,
मडोगुरा, दालियानो मोहल्ला,
सूरत।

(अन्तरक)

2) मै० आर० टो० अपार्टमेंट को०

आपरेटिव लाइसेंस सोसाइटी,

1. श्री भरत कुमार रत्नला शाह,

दिवाली बाग,

आतंवा लाइन,

सूरत।

2. श्री अरविन्द भाई दलयत भाई शाह,

निशा अपार्टमेंट,

गोपीपुरा, सूरत।

(अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वन्ध में कोइ भी वास्ते:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा मूल सम्पत्ति होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्धि किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, वधाहस्ताकरी के
पाव विविध वा किसी वा उक्ते।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदर्शित जन्मों और पदों का, जो उक्त अधि-
विवर के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही वर्ष द्वारा जो उस अध्याय में विद्या
द्वारा है।

अनुसूची

मिलकियत जो मधीयरपुरा दालियानो मोहल्ला नोंदू सं०
1951, 154 थर्ग याँड़ थेनफल पर स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
सूरत में रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 8712/अक्टूबर, 1983
है।आर० आर० शाह
सकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 22-5-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2831/अर्जन रेंज-2/23/2/
84-85—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं बोर्ड नं० 2, नोट नं० 1933, पलोर नं० 2 है
तथा जो संग्राम पुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में जर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 21 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ने के अन्तरक के दृश्यमान
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृश्य प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं अरीड़त कारपोरेशन,
101, रिड्डि सिड्डि अपार्टमेंट,
गुजरात मित्र प्रेस के सामने,
सोना कलिया,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती धनगौरी बेन शंकर लाल,
सी-2, बलाक नं० 32,
कैलाश नगर,
संग्राम पुर, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :—

(क) इस सूचना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तात्पर्यात्मक व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले मैं समस्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदाता
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचि

मिलकियत जो बोर्ड नं 2 नोंथ नं 1933 पर स्थित
जिसका क्षेत्रफल 538 वर्ग फोट है तथा सब रजिस्ट्रार, सूरत
रजिस्ट्रीकर्ता दस्तावेज नं० 9568 दिनांक 21 अक्टूबर, 1983
है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 22-5-1984
माहेर :

प्रधन बाहु.टी.एव.एल.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत दस्तावेज़

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2832/अर्जन रेंज-2/23/2/

84-85—ग्रह: मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 2663 है तथा जो नडीयाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 13 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यापर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दें के अन्तरक के दारीयत्व में
कमी करने या उससे अवैत्य में सूचिभा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हर्षदकुमार रत्नेश्वाल शाह,
पंजाबी सोसाइटी,
पवन चक्रवर्ती रोड, नडीयाद।
श्री बाबू भाई जे० भानू शालिया,
बापाजी नगर,
पवन चक्रवर्ती रोड, नडीयाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० अम्बुजा पार्क को० आपरेटिव सोसाइटी,
मार्फत श्री हरीश अम्बालाल,
331, न्यू क्लायर मार्किट,
अहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम साल्डों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अधीन जो नाडियाद में स्थित है जिसका आर० एस० नं०
2663, क्षेत्रफल 222 वर्ग मीटर है तथा सब रजिस्ट्रार,
नाडियाद रजिस्ट्रीकर्ता द्रांसफर दस्तावेज नं० 3867 दिनांक
13 अक्टूबर, 1983 है।

आर० आर० शाह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 25-5-1984

मोहुर :

प्रस्तुत आई, टी., एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 25 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 283/अर्जन रेंज-2/23/2/
84-85—अथवा: मुमे, आर० आर० शाह
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० नं० 2663 है तथा जो
नडियाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नडियाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 13 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाका गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बांबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
की लिए।

नोट: अज उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अन्तरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री हर्षद कुमार रत्नलाल शाह,
प्रजाबी सोसाइटी,
पवन चक्री रोड,
नडियाद।

2. श्री रमेशचन्द्र बाबू भाई भानू शासी,
बायाजी नगर,
पवन चक्री रोड,
नडियाद।

(अन्तरक)

(2) अम्बुजा पार्क को० आषरेटिव
सोसाइटी (प्रपोज्ड),
मार्फत श्री हरीश अम्बा लाल,
331, न्यू क्लाथ मार्किट,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृभ
किसी भून्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महाराष्ट्री

जमीन जो नडियाद में स्थित है जिसका आर० एस० नं०
2663, क्षेत्रफल 222 वर्ग मीटर है तथा सब रजिस्ट्रार,
नडियाद रजिस्ट्रीकर्ता ट्रांसफर दस्तावेज नं० 3868 दिनांक
13 अक्टूबर, 1983 है।

आर० आर० शाह

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 25-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

निवेश सं० पी० आ०० नं० 2834/अर्जन रेज/23/
2/84-85—अतः मुझे, आर० आ०० शा०ह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० बोडे नं० टी० पी०नं० 5,

एफ० प० नं० 110 सर्वे नं० 2191 है तथा जो गुरुदर्शन
अपार्टमेंट, फ्लैट नं० 3 आधवा में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नीमच दस्तखत किया है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अक्टूबर,
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरारकी
(अंतरारकीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धारित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के व्यावरार्थ अन्तर्राती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जारी हूँ—

(1) श्रीटॉ० पी० संघवीं,
मार्फत संघवी कन्स्ट्रक्शन्स,
7, जगन्नाथ भवन,
वी० पी० रोड,
मुंबई, बम्बई-80।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र नन्दलाल शाह,
मार्फत आवर्ष केमिकल्स,
फटीलाइजर लिमिटेड,
उधना, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहे ही भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ल) इस सूचना के राजपत्र की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमहूँ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में
दिया है।

मूल्यांकन

फ्लैट जो आधवा वार्ड, गुरुदर्शन अपार्टमेंट में स्थित है तथा
निम्न दस्तखत किया हुआ आफिस 37 ईई० फार्म दिनांक
21 अक्टूबर, 1983 को प्राप्त हुआ है।

आर० आ०० शा०ह

मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद।

तारीख : 30-5-1984
मोहर्

राम भाई दीप एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मई 1984

निवेश सं० पो० आर० नं० 2835/अर्जन रेंज-2/23/2
84-85--अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बोर्ड नं० 4, टोका नं० 3/1, घरनं० 107,
10-12, 10-13 है जो जोशी मोहल्ला, नवसारी में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
19 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिक्षी
(अंतरिक्षियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी जात की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापित्व में कभी करने या चासे देने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या किसी आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिक्ष बाजार प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए जा, छिपावे में सुविधा
के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंगू भाई राम भाई पटेल,
की ओर से फुल मुख्यार :
श्री कमलेश मंगू भाई पटेल,
राम भाई माता पोल,
नवसारी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जयन्ती लाल जीवन लाल प्रजापति।

एच० यू० एफ० के कर्ता :

श्री जयन्ती लाल जीवन लाल प्रजापति,

2. श्रीमती बीना बेन जे० प्रजापितः

3. श्री योगेश कुमार जे० प्रजापितः

4. श्रीमती रमेश बेन जे० प्रजापितः

5. श्री उमाकांत जे० प्रजापितः

6. श्री दीपक जे० प्रजापितः

कृष्णा सोसाइटी,

हरिहर निवास,

कनवार के नजदीक,

नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय ब्लारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहत्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही मर्द होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अन्तर्कृती

मिलकियत जो नवसारी बोर्ड नं० 4, टीकाय नं० 3/1
घरनं० 1071, 1072 और 1073 में स्थित है तथा सब,
रजिस्ट्रार, नवसारी में रजिस्ट्रीकर्ता दस्तावेज सं० 3582
दिनांक 19 अक्टूबर, 1983 है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-5-1984

मोहर

प्र० ब्र० बाह० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 मई 1984

निकेश सं० पी० आर० नं० 2836—अतः मुझे आर०,
आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 96 हैं तथा जो फुलपाड़ा सूरत
में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप
से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 10-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थगान प्रतिफल से ऐसे उच्चमान प्रतिफल का
पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी बाय की बाष्ठ, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृष्टिकोण में कभी करने या उससे बचने में स्विभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती उचारा इकल नहीं किया गया
था या किया जाना चाहें था, उपाने में स्विभा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रकांत छोटानाल भट्ट
नयापुरा भारकी पोठ,
जनेश गोविन्दराम भट्ट
अमनीरान माळुभर्द्द मून्सफली जोरी
बाघेश्वरी मासाकी चोल,
सूरत।

(अन्तरक)

(2) ऊर्मी को० आ० हा० सोलायटी,
प्रमुख प्रतापराव रतीनाल ओजा,
बेगमपुरा चोकी शेरी सूरत
सेक्रेटरी जयंतीलाल श्रीभोपनदास
गूरुनगर, पराला, रोड,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूलसूची

जमीन जो फुलपाड़ा सर्वे नं० 96 पर स्थित है तथा
तब रजिस्ट्रार सूरत रजिस्ट्रीकर्ता दस्तावेज नं० 8439/10-
10-83 है।

आर० आर० शाह

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 30-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आइ^१, टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जून, 1984

निदेश वं० पी० अ.र० नं० 2837/11/84-85—अतः
मुझे, अ.र० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 2, एफ० पी० नं०
362 है तथा जो वड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावन्न
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अहमदाबाद में 37ई० के अधीन दिनांक 18 अगस्त
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयवान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी भन वा बन्ध आस्तवी
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री विद्या सागर मरेज़,
- 2. पंडित ईश्वर दास शर्मा,
- 3. राधे निवास,
वड़ौदा ।

(अन्तर्गत)

- (2) श्रीमती शांता बहन छोटे नाल पटेल,
11, ताना अपार्टमेंट,
रेस कोर्स रोड,
वड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सामान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अन्तर्ची

फ्लैट नं० 11 जो नाना अपार्टमेंट, वड़ौदा में स्थित है।
निम्नायुक्त कार्यालय में 37ई० के कलम मुजब पेश किया
गया है। जिसकी ता० 18 अगस्त, 1983 की है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख: 4-6-1984
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती वीना मोहन नरवानी।

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नारायण दाम शंहैया लाल मेहता।

(अन्तरिता)

भारत सरकार

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आमकर आम्करा (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 मई 1984

निदेश सं. आई०-२/३७ ई०/३६०७—

83-४४—अतः मुझे, एस० एच० अद्वास आविदी

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाहाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लैट नं. 8, तीसरी मंजिल, स्विट होम को०
आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं. 442,
पिताम्बर लेन, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है (और इससे
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसका
कारारनामा आमकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख
के अधीन, बम्बईमित्र सक्षम प्राधिकारी के नियमित में
रजिस्ट्री है तारीख 5 अक्टूबर, 1983को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
स्थिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए क्षय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निरीक्षण
में वास्तविक रूप में कार्यित नहीं किया गया है :—।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कार इंजे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/था(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा ग्रहित नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था तिथाने में सुविधा के निए;अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32-136G I/84

का यह सूचना जारी करके प्रूफिक्स मम्पति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

फ्लैट नं. 8, तीसरी मंजिल, स्विट होम को० आपरेटिव
हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं. 442, पिताम्बर, लेन,
फ्लैट नं. 9, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई०-२/३७ ई०/३६०७/
83-४ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
5 अक्टूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।एम० एच० अद्वास आविदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आमकर आम्करा (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 25-5-1984

मोहु

प्रस्तुति द्वारा—डॉ. एन. एस. ——————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 मई 1984

निशें सं । आई०-२/३७ ई०/३६४४/८३-८४—अतः
मुझे, प्रमो एच० अव्वास आविदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

मैं निम्नकी सं । शाप नं ० बी-४, शालीमार अपार्टमेंट्स,
टैगोर रोड और प्रमो नी० रोड, सांताक्रूज (पश्चिम), बम्बई-
५४ में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पृ
गे शिल्प है) और जिसका कागारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 17 अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया ग्रन्तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की सावधान, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 19(7) (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति चेतनप्रमेंट कान्पोरेण्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी नान कुंवर जी लेड्ज।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(यह अक्षय, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरी से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं ० बी-४, शालीमार अपार्टमेंट्स, प्लाट नं ० २-ए,
२ बी, २ डीआफ पी० पी० सी० ११ सी० प्रमो नं ० ६/४०
एच ४६ और एच ४८ टागोर रोड और प्रमो की रोड मौनाक्रूज
(पश्चिम) बम्बई-४०००५४ में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्रम सं । आई०-२/३७ ई०/३६४४/८३-
८४ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 अक्टूबर,
1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रमो एच० अव्वास आविदी
सक्षम प्राधिकारी
साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-२, बम्बई

तारीख : 26-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैं यास्मिन् कार्योरेशम् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दालू वासु हरिहरनन्दानी ।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायूकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० आई०-२/३७ ई०/३५४३/८३-८४—अतः
मुझे, एस० एच० अब्बास अब्बादीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, 'एक्साटिक
विल्डिंग प्लाट नं० 515, 516, 17 वां रास्ता, खार, बम्बई
में' स्थित है (ग्रौं और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बणित है), और जिसमें करानामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्टर है तारीख 3 अक्टूबर, 1983
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल सं, एंसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश से उक्त अन्तरण निश्चित
वालताविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यान्वयां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी जबाब
बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभारी के पास
लिखित भंग किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।(क) अन्तरण से हटा किसी बाय को बाबत उक्त अधि-
कारियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

सूचना

फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, 'एक्साटिक विल्डिंग,
प्लाट नं० 515, 516, 17 वां रास्ता, खार, बम्बई में' स्थित
है ।(ल) ऐसी किसी आय या भन या अन्य कास्तियां
की, जिनका नाम तीव्र आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
या वह वह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रतिवर्ती विधि विधि विधि विधि विधि विधि विधि
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;अतः नव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार :—एस० एच० अब्बास अब्बादी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकरा (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 2-6-1984

पंक्ति :

‘प्रस्तुति दीप्ति एवं एष।’

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-२, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 मई 1984

निदेश सं० आई० २/३७ ई०/३५८९/८३-८४—अतः
मुझे, एस० एच० अम्बास अधिकारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० छ्लाक नं० १, माहिम को० आपरेटिव
हाऊसिंग सोपाइटी लिमिटेड, मोगल लेन, माहिम, बम्बई-१६ में
स्थित है (ओर इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन के ब्र बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर है तारीख ५ अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, एसै इसमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
कम निम्नलिखित उदाहरण से इन अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने भे
सुविधा के सिए;

वह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत :—

(1) श्री सचिता नन्द नागेश नाडकर्णी।

(अन्तरक)

(2) श्री नामेश नारायण किर्णी और
श्रीमती किंद्री नागेश किर्णी।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के तरह
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-
भाषित हैं, वही वर्थ होंगा, जो उग अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

छ्लाक नं० १, माहिम को० आपरेटिव हाऊसिंग सोपाइटी
लिमिटेड, मोगल लेन, माहिम, बम्बई-४०००१६ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श्रम सं० आई० २/३७ ई०/३५८९/
८३-८४ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ५
अक्टूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अम्बास अधिकारी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-२, बम्बई

तारीख: 26-5-1984

मोहर :

प्रस्तुति—का. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत उत्कर्ष

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 मई, 1984

निदेश सं० आई-2/37ई/3637/83-84—अतः मुझे,
एस० एच० अब्दास अबिदि
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिपफो म० पैटेन्ट न० 60 1-वी, 6 वी मंजिल, "कल्पना
अपार्टमेंट्स", "बी", गोरखी राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-
50 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 केर्ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-
10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवरास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में
वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि कोई वाव की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धर या अन्य वास्तवियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स नवभारत ड्वलपमेंट कारपोरेशन
(अन्तरक)
(2) श्रीमती मीना वाई जी० सोने
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के भव्यन्वय में काई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, शो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
एवा है।

अनुसूची

फ्लैट न० 601-वी, 6 वी मंजिल, "कल्पना" अपार्टमेंट्स,
"बी", गोरखी राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

एस० एच० अब्दास अबिदि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 26-5-84
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

ग्राहन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनांक 29 मई 1984

निदेश सं. आई-2/37ई/3579/83-84—अतः मुझे,
एस० एच० अब्बास अब्दिशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शाप नं. 2, ग्राउन्ड फ्लोर, वृद्धावन बिल्डिंग
प्लाट नं. 16-ई, टागोर रोड, सांताकुज (पञ्चिम), वम्बई-
54 में स्थित है (और इसमें उपावन अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) और जिसका कगरनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-का के अधीन वम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है तारीख 5-10-1983

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरों
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूल्य में यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरों प्रतिफल से एसे दूसरों प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में
मास्तकीक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(1) मैसर्स पारेख ब्रदर्स

(अन्तरक)

(2) डा० राबहिल्टन बी० पंथकी

(अन्तरिती)

(4) अन्तरक और अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनभी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
स्थिरता में किये जा सकेंगे।

लालोकरण :—इसमें प्रथम वाक्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी नाम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

शाप नं. 2, ग्राउन्ड फ्लोर, वृद्धावन बिल्डिंग, प्लाट
नं. 16-ई, टागोर रोड, सांताकुज (पञ्चिम), वम्बई-54
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई-2/37ई/3579/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 5-10-
1983 को रजिस्टर किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दिशी

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्राहन रेंज-2, वम्बई

दिनांक : 29-5-1984

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकाश बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती लक्ष्मणि टी.० अडवानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हरमोहन मिह एम० गाथ

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (उह व्यक्ति जिसके प्रशिक्षण में
मर्मानि हैं)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 मई 1984

निदेश सं० अई-2/37ई/3729/83-84—अतः मुझे,
एस० एच० अद्वास अविदि
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके दक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 307, मंजू महल, बी-ज्लाक,
चेन्नक को०-आप०, हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, 35, पाली
हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-५०, में स्थित है (और इसे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कथ के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 14-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसै दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरै किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या,

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा दिनांक 14-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

पलैट नं० 307, मंजू महल, बी-ज्लाक, चेन्नक को०
आप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, 35, पाली हिल रोड,
बांद्रा, बम्बई-५०, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ई/3729/83-84
और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अद्वास अविदि
सक्षम प्राधिकारी
गवायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई।

दिनांक : 25-5-1984

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-2, वर्मवर्ड

बम्बई, दिनांक 26 मई 1984

निदेश सं० अई-2/37ई/3577/83-84—अतः मुझे,
एम० एच० अद्वास अविदि,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं. 1, नवनीन बिल्डिंग, 10-ए, फिरोजशाह रोड, मांताकुज (पश्चिम), बम्बई-५४ में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कम के अधीन वर्मवर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-10-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्थमान प्रतिफल से ऐसे दर्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत भै अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में वास्तविक रूप में कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट किसी भाव की बावजूद उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व वै कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और या /

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री रामनारायण वी० जोशी और श्रीमती इंदिरा आर० जोशी, मास्टर राकेश आर० जोशी और मास्टर रघुवेश आर० जोशी

(अन्तरक)

(2) श्री पारमपल एम० हिंगाड़ और श्री मुलचन्द एग० हिंगाड़

(अन्तरिती)

को यह दृच्छा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा गार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 1, नवनीन बिल्डिंग, 10-ए, फिरोजशाह रोड, मांताकुज (पश्चिम), बम्बई-५४ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ई/3577/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1983 'बो रजिस्टर्ड' किया गया है।

एम० एच० अद्वास अविदि
सम्म प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज-2, वर्मवर्ड।

दिनांक: 26-5-1984

मांहर :

प्रस्तुत आहे ही एन. एस. -----

(1) मैसर्ने जयश्री चिदिकर्म (लेहिया)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रजनी दिलीप शिवेश्वरकर और श्री

दिलीप द्वारकानाथ शिवेश्वरकर

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1984

निवेदण सं. अर्ड-2/37ईई/3617/83-84—अस: मुझे,
एम० एच० अब्बास अब्दिदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इगांके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वारी धारा
269-घ के प्राप्ति गत्थम प्राप्तिकारी भारा, यह विश्वाग कानूने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. फ्लैट नं. 303, एफ० पी० नं. 147,
टी० पी० एस० नं. 5, मालावोया रोड, विले पाले (पूर्व है तथा
जो बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कगरनामा आयकर
प्रधिनियम 1961 की धारा 269 का के अधीन अम्भई
स्थित सक्षम प्राप्तिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है तारीख
17-10-83को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित्त उचार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रो एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर वाले के अन्तरक के
वापित्त में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा पक्का नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

(1) मैसर्ने जयश्री चिदिकर्म (लेहिया)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रजनी दिलीप शिवेश्वरकर और श्री

दिलीप द्वारकानाथ शिवेश्वरकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

वास्तविक

फ्लैट नं. 303, एफ० पी० नं. 147, टी० पी० एस०
नं. 5, विले पाले (पूर्व), मालावोया रोड, विले पाले (पूर्व),
बम्बई-57 में स्थित है।एस० एच० अब्बास अब्दिदी
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2 बम्बई

तारीख: 2-6-84.

प्रोट्र:

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्हात् :—

प्रख्यात नाईटी. पृष्ठ. - - - -
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 मई 1984

निवेश मं० अई-2/37ई/3620/83-84—अतः मुझे,
एस० एच० प्रब्लाम अविदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संधर्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6, फ्लैट नं० 6, गैम-क्लू को-आप० हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, 16वां रास्ता, खार है तथा जो बम्बई-52
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), और जिसका कगरनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कब्र के अधीन बम्बई स्थित संधर्म
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-10-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हैरू किसी भू.र की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान
में कभी करने या उससे बचने में विधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तयों
वाले, जिन्हें भाग्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाज दृष्टि मान्यता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दत्ता राम अनन्तराम सराफ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किशनदेवी संगतराम सचदेव,
और श्री मुकेश संगतराम सचदेव।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसचिवी

फ्लैट नं० 6, गैम-क्लू को-आप० हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, 16वां रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुग्रहीत जैसाकि क्र० सं० अई-2/37ई/3620/83-
84 और जो संधर्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिया गया था।

एस० एच० प्रब्लाम अविदी

गवर्नर प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण),

श्रीजन रेज-2, बम्बई

तारीख : 25-5-1984.

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

(1) मैसर्स सुहेल कन्सट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विनोद फेराव।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निम्न सं. आई-2/37ई/3555/83-84—अतः मुझे,
एस० एच० अब्बास अब्दी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 202, 2री मंजिल, "समिर
विलिंग", 180 पेरी रोड, बांद्रा है तथा जो बम्बई-50 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 कथ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी,
के कार्यालय में रजिस्टर है तारीख 3-10-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से ऐसे दूसरामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, मिमीलिहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर विभिन्नन, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मन्त्री

फ्लैट सं. 202, 2री मंजिल, "समिर विलिंग", 180
पेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुमूली जैसाकि क्र. सं. आई-2/37ई/3555/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83
को रजिस्टर किया गया है।

एस० एच० अब्बास अब्दी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थित (1)
के अधीन, निमीलिहित अधिकारी, अर्जन 3—

तारीख: 4-6-84.

मोहू—

प्र० ब० नाइट.टी.एम.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, वस्टर्ड

वस्टर्ड दिनांक, 11 जून 1984

निर्देश सं० अर्ह-1/37ई/1233/83-84—श्रत : मुझे,
बी० जी० अग्रवालआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, 2री मंजिल, "शिरीन"
दौलत शिरीन को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 31-
डी०, कुलाबा रोड, है तथा जो वस्टर्ड-5 में स्थित है (और इससे
उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जो
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का अधीन
वस्टर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 29-10-83को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पञ्चवाहन प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए काम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण गे उक्त उम्मदा विविध में वास्तव-
विक रूप से अधित रहो किया गया है :—(क) ग्रस्तरण से यह कियो गया की वाक्त उक्त प्रधि-
नियम के अधीन करदेने के मानदण्ड के वायिक में कही
करने या उक्त से उक्त में सुविधा के लिए, और/या(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने और
सुविधा के लिए;वक्त बहु, जिन्होंने प्रधिनियम की धारा 269-व के वरमरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधान (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविवित्यों, वर्णित है—

- (1.) श्री राबर्ट फर्नार्डिस, और
-
- (2) श्रीमती फिलिस फर्नार्डिस,

(अंतरक)

2. श्रीमती दर्शन एस० कृपलानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती और उनके कुटुंब,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाले दो समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वक
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें भयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, 2री मंजिल, "शिरीन", दौलत शिरीन
को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 31-डी, कुलाबा
रोड, वस्टर्ड-5 में स्थित है।अनुसूची जैसे कि ऋ० सं० अर्ह-1/37ई/1307/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्टर्ड द्वारा दिनांक 29-10-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।बी० जी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-, वस्टर्ड

तारीख : 11-6-1984.

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई
बम्बई दिनांक 11 जून 1984

निर्देश मं० आई-1/37ई/1124/83-84—अतः मझे,
बी० जी० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 902, 9वीं मंजिल, “श्री रामकृष्ण
सदन”, प्लाट नं० 63, स्किम नं० 52, आफ वरली हिल,
पोचखानवाला रोड के बाजू में, वरली, बम्बई-18 में स्थित
है (और इसमें उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की भारा 269
कथ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1983.

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत सूचत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बी०/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

(1) श्री लक्ष्मी अनन्दकृष्णन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री तुमील दीनाराम छांडियण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹ सूचना की सामील सं० 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय परे दिया
गया है।

अमृसूची

फ्लैट नं० 902, 9वीं मंजिल, “श्री रामकृष्ण सदन”,
प्लाट नं० 63, स्किम नं० 52, आफ वरली हिल, पोचखान-
वाला रोड के बाजू में वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसकि क्र० सं० आई-1/37ई/1241/83-
84ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 5-10-1983 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० जी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 11-6-1984.

माझूर : —

प्रध्यं बाई० टी० इन० ५८० -----

(1) श्री वाई० अवास फिद्दी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गोयन्का हॉटेल्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वान्तर संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक, 12 जून 1984

निवास सं० अई-1/37ई/951/83-84—अतः मुझे, बी० जी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या गाला नं० 206, 2री मंजिल, रीगल उद्योग भवन, सिवरी (पूर्व), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-10-83

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्याप्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का एँड्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यात्रा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है :—

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वास्तविक

(क) अन्तरण से हुए किसी बाब की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के शास्त्रित में कभी करने पर उसके बचपन में सौनिधा के लिए; और/या

गाला नं० 206, 2री मंजिल, रीगल उद्योग भवन, सिवरी (पूर्व), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/934/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी नाय या किसी भूमि या बन्द वासितायों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुनिधा के लिए;

बी० जी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 12-6-1984

माहर :

प्रकल्प काहौ, टी. पू. एस.

(1) चंपकलाल विमलजाल शास्त्री।

(अन्तराल)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के बधीन सूचना

(2) श्री मनेन्द्र लाली आह और मुकेश शामनी शाह।

(अन्तराल)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं. अई-1/37ई/1223/83-84—अस: मृगे,
बी० जी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शाप नं० बी०-16, सर्वोदय नगर, ग्राउड
फ्लोर, भुलेश्वर, पांजरपोले रोड, बम्बई-4 में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 29-10-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वानु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अंतरक के वायिष्य में कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/था

अनुसूची

शाप नं० बी०-16, सर्वोदय नगर, ग्राउड फ्लोर, भुलेश्वर,
पांजरपोले रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37ई/1301/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-83 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० जी० अग्रवाल
गक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, जिसमें मावधा
के लिए;

त्र०: अद्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्मन :—

तारीख: 8-6-1984.

मोहर

(३८६) प्राप्ति 16, 1906

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

प्राप्ति संख्या:

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक ४ जून 1984

निर्देश मं० अई-1/37ई/1085/84-84—अतः मुझे,
बी० जी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० २४८, २री मंजिल, केवल
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, "बी" बिल्डिंग, मेनापति वापट मार्ग,
बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर डम्पे उपायक अनुसूची में
और गृणीक्षण में वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सधम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3/10/83
को पूर्णकांति भम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अंतरितास) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विस्तृत में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृ० किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/था

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) नैवर्म लांगिनाल मिति भैमानी।

(अन्तरक)

(2) मैमर्से जयंत टेक्सटाइल्स,
पाठनर श्री रम्मीकांग एच० आह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति व्याय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० २४८, २री मंजिल, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
"बी०" बिल्डिंग, मेनापति वापट मार्ग, बम्बई-13 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकि क्र० ग्र० अई-1/37ई/1042/83-84
और जो सधम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/10/83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

नी० जी० अग्रवाल
नशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

नार्गेख : 8-6-1984.

माझेर :

प्रस्तुत थाई, टी. एम., एस.-----

(1) मैसर्ज आर० आर० इण्डस्ट्रीज

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-क (1) के अधीन सूचना

(2) मैर्ज नवरंग लेन्डर्म प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1984

निदेश स० अई-1/37ई/1069/83-84—अतः मुझे,
बी० जी० अग्रवाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० यूनिट नं० 15, ग्राउण्ड फ्लोअर, "क्रिएटिव
इण्डस्ट्रियल सेंटर", प्लाट नं० 12, एन० एम० जोशी मार्ग,
आफ लोअर परेल, बम्बई में स्थित है (और इसे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-
1983को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथायौक्तु संरक्षित का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
क्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्त-
विक रूप से कार्यकृत नहीं किया जाता है—(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
क्षित वै वधीन कर देने के बनाए वारित वै
क्षी करने वा उक्त वधीन वै सूचिता के विए;
और/वा(ल) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुचरण
में, भै.. उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उचित (1)
वै वधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

34—136GII/84

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कर्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्त-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के
पात्र विवित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंद्रों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वास्तु

यूनिट नं० 15, ग्राउण्ड फ्लोर, "क्रिएटिव इण्डस्ट्रियल
सेंटर", प्लाट नं० 12, एन० एम० जोशी मार्ग, आफ लोअर
परेल, बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ई/1066/83-84
आर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-
83 को रजिस्टर्ड किया गया है।बी० जी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई।

दिनांक: 12-6-1984

मोहर :

प्रकृष्ट नाई० टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती विजया हरकरचंद देसाई

(अन्तरक)

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना**

(2) श्रीमती पृष्ठा दिनेश मेठ

(अन्तरी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० अई-1/37ई/1007/83-84—अतः मुझे,
मी० जी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट इन पुष्पक अगार्डमेंट, इंड्रेसेन को-
आप० हाउसिंग सोसायटी, 31, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई-
26 में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961
धारा 269 कथ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और माझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिरी
(अंतरिरीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
कास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ल) पंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बासियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
एवं इनाथ गन्तव्यी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोट्टे भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट इन पुष्पक अगार्डमेंट, इंड्रेसेन को-आप०, हाउसिंग
सोसायटी, 31, अल्टामाउन्ट रोड बम्बई-26 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ई/943/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० जी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 12-6-1984

वोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना**

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० आई-1/37ई/1149/83-84—अतः मुझे,
भी० जी० अगरवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० 207, हिमालय हाउस, 2री मंजिल 78,
प्लटन रोड, सी० एस० न० 1494 आफ कोर्ट डिविजन,
बम्बई-1 ; स्थित है श्रीर इसस उपाध्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कानून के अधीन बम्बई स्थित सक्रम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृके यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तथा पाथा
ना प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कह करने से अन्तरण के
तात्पर्य में क्यों करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/वा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वाया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती हरीबाई विश्वनदास गोखलानी
(अन्तरक)

(2) श्री निरंजन सिंह अजकासी
(अन्तरिती)

(3) श्री धरमदास विश्वनदास गोखलानी
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद
निवित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही वर्ण होगा जो उस व्यायाम में दिया गया है।

अनुसूची

207, हिमालय हाउस, 2सरी मंजिल, 78, प्लटन रोड,
सी० एस० न० 1494, आफ कोर्ट डिविजन, बम्बई-1 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं०आई-1/37ई/1082/83-84
जो सक्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-10-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्री० जी० अगरवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 12-6-1984

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत गाइड-टी.एन.एस.-----

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निवेश सं 0 अई-1/37ई/1234/83-84—अतः मुझे,
बी० ज० अगरवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 0 घूनिट नं 27, ग्राइन्ड फ्लोर, हिंद राजस्थान
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बड़ाला उद्योग भवन, नायगाम कास रोड,
बड़ाला, बम्बई-31 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा ~ 269 का के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
ताराख 10-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्ते यह विश्वास
करने का कौरण है कि यथाप्राप्तैका सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरान प्रतिफल से ऐसे दूसरान प्रतिफल का
पञ्चूङ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण उचित बास्तविक रूप से किया गया है ।—

(१) अंतरण है तूरं किसी बाय की दावत उक्त अधिनियम के अन्तरक के दायित्व में
कोई कठुने वा उद्देश्य से दूषिता के लिए;
तूरं/वा

(२) एंसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तयों
को, चिह्न आरती आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए वा, कियावे वे सूचिता
वे चिह्न;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचन
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः ।—

(1) श्री नारायण सदाशिव नन्दगांवकर (एच० य०
एफ०)

(अन्तरक)

(2) श्री यूसुफलेनसी

(अन्तरिती)

(3) सेलफ

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बहुत बहुत होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रपूर्ची

घूनिट नं 27, ग्राउन्ड फ्लोर हिंद राजस्थान इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, बड़ाला उद्योग भवन, नायगाम कास रोड, बड़ाला,
बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं 0 अई-1/37ई/938/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1983
को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० ज० ज० अगरवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 11-6-1984

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकार

कायालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून, 1984

निदेश सं० अई-1/37ई/734/83-84—अतः मुझे, बी०
जी० अगरवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 67, ए०/१, अपार्टमेंट्स, ६वीं मंजिल
270, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे
उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हरौं किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खुशालदास चुनीलाल दाणी
(अन्तरक)
2. (1) श्रीमती भगवती देवी शर्मा, (2) श्री श्रीकृष्ण
कल्हैयालाल शर्मा, (3) श्री राजेन्द्र श्रीकृष्ण
शर्मा और (4) श्री अशोक श्रीकृष्ण शर्मा।
(अन्तरिती)
3. अन्तरक ; (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरस्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुच्छेदी

फ्लैट नं० 67, ए०/१, अपार्टमेंट्स ६वीं मंजिल, 270,
बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/861/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-83
को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० जी० अगरवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 11-6-84

मोहर :

प्रस्तुप बाइं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए.(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

बम्बई, अर्जन रेज-1

बम्बई, दिनांक 11 जून, 1984

निर्देश सं० आई०-1/37 ई०/1117/83-84:—अतः मुझे
बी० जी० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 63, 6वी० मंजिल, 87, बी० वल्लभ,
देसाई, रोड़ प्लाट सी० ६८७, मलबार और खंबाला हिल
डिविजन, बम्बई-३६ स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में प्रांत पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो प्रायकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तर्फ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित
बैंगनात्विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मार/या

(क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बायित्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षा

(1) (1) डा० (श्री) लाल भी० जगतीवानी, श्रीर
(2) डा० (श्रीमती) सुशीला एल० जगतवानी ।
(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती नीलम मोती गुलराजनी,
2. श्री अनिल मोती गुलराजनी और
3. कुमारी अंजुला मोती गुलराजनी ।
(अन्तरिती)

(3) श्री अनिल एम० गुलराजनी ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीमती निलम एम० गुलराजनी, और
कुमारी अंजुला एम० गुलराजनी ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
व्यक्तियों के व्याय 20-क में परिभ्रामित
है, वही अर्थ होगा जो उस व्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 63, छठवी० मंजिल, 87, बी० वल्लभ देसाई
रोड़, प्लाट सो० ६८७, मलबार और खंबाला हिल,
डिविजन, बम्बई-३६ में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ई०/1.134/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
13 अक्टूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० जी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारोख : 11-6-1984

मोहर:

प्रकृष्ट बाईं, टी. एन. एस.-----

(1) श्री एम० ज० पटेल,

(एच० य० एफ०).।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) कैप्टन फी० बी० सुखरलीकर और
कैप्टन एम० बी० आजगांधकर।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

3. अन्तरिती

(यह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

रेज-1, वम्बई

वम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निवेश सं० अई०-१/३७ ई०/१२१४/८३-८४--अतः,
मुझे, बी० जी० अग्रवालआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संयुनिट नं० 323, तीसरी मंजिल, टी० बी०
इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, प्लाट नं० 248(ए), सुदाम कालू
अहिरे मार्ग, बरली स्कीम-52, सी० एस० नं० 1/1629,
वम्बई-18 में स्थित है और इससे उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 259 का के अधीन स्थित अम्बई
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
14 अक्टूबर, 1983को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरोत्तर से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कीथत नहीं किया जाया है—(क) अन्तरण से हृइं किसी आव की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे उक्त अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां घरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और श्री
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—हसमें ग्राहक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 320 तीसरी मंजिल, टी० बी० इण्डस्ट्रीयल
इस्टेट, प्लाट नं० 248(ए), सुदाम कालू अहिरे मार्ग,
बरली स्कीम-52, सी० एस० नं० 1/1529, वम्बई-18 ने
स्थित है—अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-१/३७ ई०/११०२/
८३-८४ और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक
14 अक्टूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।बी० जी० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, वम्बईव्रतः व्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के संपत्ति (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नामीक : 11-6-1984

मोहर :

प्रध्य बाई टी.एन.एस. -----

(1) मैं टाटा टी० लि०।

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ग(1) के अधीन सूचना

2) मैं टो० क० इण्डिया लि०।

(प्रतिरिद्धी)

भारत भ्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1984

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

निदेश सं० ए० सी०-५/रेंज-४/कलकत्ता/1983-84--
अतः, मुझे, शंकर के० व्यानार्जी

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुप वित्ती अन्वय इवारा अधिहस्ताभारी के पास वित्तित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० है तथा जो जपाईगुड़ी में स्थित है (और इसमें उपायमुद्दे अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 अक्टूबर, 1983

तत्वावधारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधार 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधार में दिया गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया जया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्व आस्तियों से चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरित अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट वही किया जवा या किया जाना चाहिए था, किसावे वे दुविधा के लिए;

जमीन—1514.10 एकड़ जमीन का माय मकान ।

पना—कुमलाई टी इस्टेट, जलपाईगुड़ी ।

दलीज में 1983 का 10647 ।

गंगार के० व्यानार्जी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

अतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

तारीख 21-5-1984

गोहर :

मंच लोक सेवा आयोग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, दिसम्बर, 1984

नई दिल्ली, दिनांक 7 ज्युलाई 1984

सं. फा. 7/2/84-प.-1-(ख)---राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौ सेना तथा धार्य सेना स्कॉल्ड में प्रवेश होते, ज्युलाई 1985 से आरम्भ होने वाले 74वें सत्र के लिए संच लोक सेवा आयोग द्वारा 27 दिसम्बर, 1984 से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्षियों की अनुमानित संख्या 300 (थल सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और धार्य सेना के लिए 66) होगी।

दिष्णेष ध्यान—उम्मीदवार को आवेदन पत्र के कालम 7 में यह स्पष्ट रूप से दत्तलाना होगा कि वह किन सेवाओं के लिए वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी जाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम में उसके रैक की ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भलीभांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केवल उन्हीं सेवाओं पर उनकी नियुक्ति होते विचार किया जाएगा जिन के लिए वे अपनी वरीयता व्यक्त करते हैं अन्य सेवा या सेवाओं पर नहीं। उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन प्रपत्र में पहले निर्दिष्ट वरीयता में वृद्धि/विवरण के अनुग्रह को आयोग स्वीकार नहीं करेगा।

आयोग द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा ध्यान बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बीड़िधक और व्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्स में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाठ्यक्रमों, (ख) अकादमी में प्रवेश होते शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिचाप्त 1, 11 और 111 में विस्तार से समझाया गया है।

टिप्पणी :—परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया परिचाप्त V में “उम्मीदवारों को सुचनार्थ विवरणिका” देखें।

2. परीक्षा के केन्द्र: बगरतल्ला, अहमदाबाद, एजेल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बैंगलॉर, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसम्बर (गोहाटी), हैवरानाड़, इमफाल, इंटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपूर, पण्डी (गोआ), पटना, पोर्ट ब्लेअर, रायपुर शिलांग, श्रीनगर, तिरुपति त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापत्तनम्।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यथोपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी

विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को इस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (नीचे पैरा 11) दर्जें।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होते अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन की चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गणकाना के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 27 दिसम्बर, 1984 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पात्रता की घटतें:

(क) राष्ट्रीयता :

उम्मीदवार या तो —

i. भारत का नागरिक हो; या

ii. भूटान की प्रजा हो; या

iii. नेपाल की प्रजा हो; या वह

iv. भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हो; या तिब्बती शरणार्थी हो; या

v भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथोपिया और वियतनाम से प्रवृत्तन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग iii, iv और v के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

(ख) आयु सीमाएं, लिंग और वैवाहिक स्थिति : केवल वे ही अधिवासित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म, 2 जनवरी, 1967 से पहले का था उपर्युक्त नाम तथा पहली ज्युलाई 1969 के बाद का न हो।

टिप्पणी :—जन्म की तारीक केवल वही भान्य होगी जो भैंडि-क्लेशन/हायर-सैक्वेंडरी या समकक्ष परीक्षा प्रभाग पत्र में लिखी गई है।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं : गण्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सैक्वेंडरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने अभी हायर सैक्वेंडरी या मान्यता परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को 5 जूलाई, 1985 तक उपने मौद्रिक लेशन एवं या हाथर सैकेण्डरी या समकक्ष प्रमाण-पत्र मूल रूप में सेना-मुख्यालय रिकॉर्डिंग 6 (एस. पी.) (ए.), वेस्ट ल्लाक, 3 आर.के. पुरस, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा न करने पर उनको उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा अभी तक प्रणाम-पत्र जारी नहीं किए गए हैं, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा दिए गए मूल-प्रमाण पत्र भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियाँ/फॉटोस्ट्रेट प्रतियाँ स्वीकार नहीं की जाएंगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं से यकृत न होने पर, भी शिक्षक रूप से योग्य मान सकता है बफर्टे कि उसके पास ऐसी योग्यताएँ हों जिनका स्तर, उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित छहराता हो।

टिप्पणी 1 :—वे उम्मीदवार जिन्हें हाथर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी हैं और जिनको संघ लोक सेवा आयोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें कि उनको दो गयी यह विशेष छूट है। उन्हें हाथर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा के द्वारा से आयोजित किये जाने, परिणाम घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख के और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

टिप्पणी 2 :—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कर्मीशन से अपत्रिजित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। बग्र प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क :—रु. 28.00 (अट्टार्हपर रुपए) [बन्सूचित जातियों/बन्सूचित जनजातियों के लिए रु. 7.00 (सात रुपए)]। जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्तीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट:—(1) आयोग, यदि चाहे हो निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उसको इस आत का आवश्यक हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान अब बंगला देश से बस्तृत: विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रवृत्ति कर आया था या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के द्वारा न भारत प्रवृत्ति कर चुका था या वह वर्षा से बस्तृत: प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृत्ति कर आया था या वह श्रीलंका से बस्तृत: प्रत्यावर्तित मूलत: भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया था या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दरते की स्थिति में नहीं है।

(2) थन सेना के जूनियर कमीशण अफसरों, नान-कमीशण अफसरों तथा अन्य रैकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय धारुसेना के समकक्ष रैकों के बच्चों और धलसेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशण अफसर, भूतपूर्व नान-कमीशण अफसरों तथा

भूतपूर्व अन्य रैकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय धारुसेना के समकक्ष रैकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुल्क दरते की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तों पूरी कर दरते हैं, अर्थात् :—

वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों वे नाम से जात) /सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और

(ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस जनशंसा के साथ अर्थोचित कर दिये जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कूल अकाउंट के कम से कम 30 प्रतिशत जंक प्राप्त करने की जाता है।

टिप्पणी:—मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के उम्मीदवारों के सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा अर्थोचित आवेदन-पत्रों की संवीक्षा आयोग के कार्यालय में यह निश्चय करने के लिए की जाएगी कि क्या ऐसे उम्मीदवार उपर्युक्त नोटिस के पैरा 5(2) के अन्तर्गत शुल्क से छूट के हककार हैं। किन्तु मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को आवेदन-पत्रों के आवेदन-पत्र आयोग को अर्थोचित करने के पहले संतुष्ट हों लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त अवध्या की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। आयोग प्रधानाचार्यों के कृताकृतों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

6. आवेदन करते किया जाए:—केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा दिवाली, 1984 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छोड़े हुए आवेदन-पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:—

1. संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपए मनी-आँखर या नई दिल्ली प्रधान अकादमी पर देय रखें। कित्त भारतीय पोस्टल बाहर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा;
2. दो रुपए नक्क देकर आयोग के कार्यालय के काउण्टर पर;
3. निकटसम भती कार्यालय, मिलिट्री एसिया/सब एसिया मुख्यालय/वायर सैनिक चयन केन्द्रों, एन.सी.सी. एक के तथा जी सेना प्रतिष्ठानों से निश्चल्क।

आवेदन प्रपत्र तथा पावती कार्ड उम्मीदवार अपने हाथ से ही स्थानीय वालपैन से भरें। सभी प्रविष्टियाँ शब्दों में होनी चाहिए, रेखाओं या बिन्दुओं में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, आदि) को ही प्रयोग किया जाना है। चाहे माध्यमिक विज्ञालय लाइनों के प्रमाण पत्र या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में लिखी हो तो भी उम्मीदवार यह सैनिकित्व कर लें कि वह जो आवेदनपत्र प्रयोग में लाता है उसमें इसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तराष्ट्रीय रूप को ही प्रयोग करें। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सपाठ य हों, यदि प्रविष्टियाँ उपाध्य या भ्रमक होंगी तो उनके निर्बचन में होने वाले भ्रम तथा सौंदर्भता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रतिक्रियाओं को बदलने के लिए कोइं पत्र आविष्कार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा है और वह संघ लोक सेवा आयोग में दर से पहुँचे तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

लोक उपक्रमों में संवारत व्यक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उन्होंने अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष को लिखित रूप में सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि यदि आयोग को उम्मीदवारों के नियोक्ताओं से कोई पत्र उम्मीदवारों को परीक्षा हेतु आवेदन करने/प्रतिष्ठा होने से रोकने के लिए प्राप्त होता है तो इसी स्थिति में उनके आवेदन-पत्र को अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवास्त है, उन्हें अपने आवेदन-पत्र अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष को अनुसार काउंटर पर जमा कराए अथवा रजिस्टर्ड डाक भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारों को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

टिप्पणी:—भारतीय नौ सेना के नाविक (बाल या कारोबर प्रशिक्षा सहित) पहली तरफी ही भारतीय नौ सेना को दें। उनके आवेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान अफसर द्वारा विधिवत् अनुशासित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय ईप्पड्यन मिलिट्री कालेज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से जात) द्वारा दून के कैट्टेंटों, मिलिट्री स्कूलों (पहले टिंकिं जार्ज के स्कूलों के नाम से जात) तथा सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाये जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से, अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।

7. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 3 सितम्बर, 1984 (3 सितम्बर, 1984 से पहले किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीनृपीय और विदेशों में रहने वाले और जिनके आवेदन-पत्र उपर्युक्त में से किसी भी क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उन उम्मीदवारों के मामले में 17 सितम्बर, 1984) तक या उत्तर से पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीनृपीय और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि जाहे तो इस बात का लिखित प्रभाण-पत्र प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 3 सितम्बर, 1984 से पहले की तारीख से असम, मेघालय,

अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिले, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीनृपीय मा विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी: जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगठन कलम में अपने पत्तों में अतिरिक्त समय के हकदार इसके द्वारा आवेदन का नाम (अथवा असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग आदि) स्पष्ट रूप में निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा ही सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को स्वयं सं. नो. से. आ. के काउंटर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टर्ड डाक भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारों को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

8. प्रलेख जो आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत किए जाएः—

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:—

- (i) रु. 28.00 (अद्याइस रुपए) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित अन्यायीयों के उम्मीदवारों के लिए रु. 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर वेचे रखांकित भारतीय पोस्टल आडर के जरिये या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर वेचे भारतीय स्टेट बैंक के किसी भी शाखा से जारी किए गए रखांकित बैंक ड्रॉफ्ट के जरिए भेजा जाए।

टिप्पणी:—उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्रॉफ्ट की पिछली ओर सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए पोस्टल आडरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आडर की पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को जाहिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्च आयक्रत, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क इस अनुराग के साथ जमा करें जिससे वह “051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शूलक” के लिए यार्ड में जमा हो जाए और उसकी स्तरीय आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

- (ii) “आयोग का प्रमाण पत्र:—आयोग जन्म की वह सारी स्वीकार करता है जो मैट्रिक्युलेशन या माध्यमिक विद्यालय छाइनों के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विद्यविद्यालय द्वारा मैट्रिक्युलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण पत्र या किसी विद्यविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिक्युलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विद्यविद्यालय के समिति प्राप्ति-कारी द्वारा प्रमाणित हो।

उम्मीदवार पर्वति मैट्रिक्युलेशन या समकक्ष प्रमाण-पत्र की दो अनुप्राणित/प्रमाणित प्रतियां अवश्य प्रस्तुत करें। किस्त

जिस उम्मीदवार ने हायर सैकेण्डरी परीक्षा 4। समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह हायर सैकेण्डरी परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य वस्तावें जैसे जन्मकृष्णली, शपथ पत्र, नगर निगम के सेवा अधिकारी से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण-पत्र स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए “मैट्रिक्सलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र” वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र समीक्षित हैं।

कभी-कभी मैट्रिक्सलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक्सलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के असिरिक्त उस संस्था के हैंड-मास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसके मैट्रिक्सलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वासिका रजिस्टर में वर्ज की गई उसकी जन्म तारीख वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को बतावनी दी जाती कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथानिर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-प्रपत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1 : जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बावजूद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ को अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिक्सलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में वर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3 : उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अधिकारी से भेजने में वर्ज कर लेने के बाद उसमें बाव में नया किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षक योग्यता के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियाँ:—‘उम्मीदवार को इस आशय के प्रमाण-पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियाँ अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए’ कि उसके पास पैरा 3(ग) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा उसके इस प्रकार अर्जित कर लेने की संभावना है कि पैरा 3(ग) में विहित तारीख तक इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए वह वही हो जो योग्यता विशेष को देने वाले प्राधिकरण (अर्थात् विद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियाँ प्रस्तुत नहीं की जाती हैं तो

उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की वजह वतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह अपर्याप्त योग्यता रखने के बावजूद समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मामले के लिए बाध्य नहीं होगा।

- (iv) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।
- (v) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो की एक जैसी तीन प्रतियाँ जिनके उपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन पत्र के प्रथम पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (vi) लगभग 175 सें. मी. × 27.5 सें. मी. आकार के दो बिना टिकट लगे लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हुआ हो।

(x) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा:—अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के बावजूद समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) परिविष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(g) शूलक से छूट आहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा:—

- i. किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से दिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शूलक देने की स्थिति में नहीं है।
- ii. बस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के बावजूद समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से दिए गए प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(k) भूतपूर्व पूर्ण पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :

- (i) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमांडेंट।

अथवा

- (ii) उस इलाके का जिला मणिस्ट्रोट जहां पर वह फिलहाल रह रहा हो।

अथवा

- (iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मणिस्ट्रोट।

अथवा

- (iv) सब डिवीजनल जफसर अपने अधीनस्थ सब डिवीजन की सीमा तक।

अथवा

- (v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, परिषम बंगाल/निवेश (पूर्वासिन), कलकत्ता।

(s) धीरेंद्रिका में प्रत्यावर्तित:—

धीरेंद्रिका में भारत का उत्तरायण (I).

(ग) बर्मा से प्रस्थावर्तित :—

भारतीय राष्ट्रबूद्धावास, रंगन या उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ पर वह रह रहा हो।

(घ) तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान में विस्थापित व्यक्ति

(i) विभिन्न राज्यों में दूर्जिट केन्द्रों या गहत शिविरों के शिविर कमाऊटेट।

अध्या

(ii) जिस इलाके का वह फिलहाल निवासी है वहाँ का जिला मजिस्ट्रेट।

अध्या

(iii) अपने जिले में शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अध्या

(iv) अपने प्रभार के अन्तर्गत सब-डिवीजन के अन्दर सब-डिवीजनल अफसर।

अध्या

(v) उप शरणार्थी—पुनर्वास—आयुक्त।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे आवेदन-पत्र के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीख भी लिखें।

9. शुल्क की वापसी :—आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी पर्याक्षा या ज्यन के लिए सुरक्षित रहा जा सकता है:—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु. 15.00 (पन्द्रह रुपए) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में रुपए 4.00 (चार रुपए)] वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सैकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में अनुरोध हुआ है या हायर सैकेंडरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी भजूर नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार विसम्बर, 1983 या मई, 1984 में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा एकादशी परीक्षा में बैठा हो और इन परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी कोर्ट के लिए उसका नाम अनशंसित हुआ हो तो उनके मामले में रु. 28.00 (अट्ठाइस रुपए) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु. 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क वापस दिया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि विसम्बर, 1984 की राष्ट्रीय रक्षा एकादशी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रख कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 फरवरी, 915 या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन-पत्र की पावती :—आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र की जिसमें देर से प्राप्त आवेदन-पत्र सम्मिलित है, पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के

प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार की उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती देने संकर करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आग यह अर्थ नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी दी लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किये जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होता। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते भरत कोर्ट गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके ब्यूरो प्रस्तुत किसी इलेक्यू या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर-बदल किए गए/जली प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में काई अशुद्धि या असंगति हों तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चका है :—

(i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या

(ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वर्ण प्रस्तुत होना; या

(iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या

(iv) जाती प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या

(v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या

(vi) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या

(vii) परीक्षा के समय अनुचित सरीके अपनाना; या

(viii) उत्तर पुस्तकाओं पर असंगत बातें लिखना जो अस्तील काषा या अभद्र आशय की हों; या

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दर्वाज़ा बदलना; या

(x) परीक्षा भवन में किसी प्रकार का दर्वाज़ा बदलना; या

(xi) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रत्येक प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ आगे किसी अनुबंध या उल्लंघन करना; या

(xii) उपर के छंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना। यह अपने को धण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अस्तित्वितः—

(ख) आयोग द्वारा अपनी किसी भी परीक्षा या आयोग द्वारा ज्ञान्य छहराया जा सकता है।

अथवा

(ग) (i) आयोग द्वारा अपनी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियमित के लिए स्थायी रूप से या क्रूच निर्विष्ट अवधि के लिए अपवृद्धि किया जा सकता है; और

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

(i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई विचार न कर दिया गया हो।

14. मूल प्रमाण-पत्रों का प्रस्तुतीकरण :—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के बाधार पर प्रस्तुत करते हैं उन्हें साक्षात्कार के स्वरूप बाद अपनी आयोग तथा शैक्षिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्र मुख्यालय, आर.टी.जी. 6(एस.पी.) (ए.) बेस्ट ब्लाक III, आर. के. पूर्म, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे।

15. आवेदन के सम्बन्ध में पत्र व्यवहार :—आवेदन के सम्बन्ध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धारापूर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पत्र पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए :—

(1) परीक्षा का नाम

(2) परीक्षा का वर्ष और महीना

(3) आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर नहीं मिला हो)

(4) उम्मीदवार द्वारा नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)

(5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

विषेष ध्यान :— (i) जिन पत्रों में उपर का व्यारा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

(ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16. पत्र में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की ध्यानस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में विए पत्र पर भेज जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उसके नीचे पत्र पर भिजवा दिए जाएं। पत्र में भी परिवर्तन हों उसे उपर के पार 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथावैष्णव सूचित कर देना चाहिए।

सेवा ध्यान बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुसंदित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद, अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता अनुकाल मना मुख्यालय, ए. जी., बांच रिकूटिंग 6(एस.पी.) (ए.) बेस्ट ब्लाक III विंग-1, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करते वह सेवा ध्यान बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुमति-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से विचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस सम्बन्ध में वे अपने उच्चर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पृष्ठताछ :—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा ध्यान बोर्ड के साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करने के लिए अनुसंदित हैं उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पृष्ठताछ और अनुरोध सीधे सेवा मुख्यालय, ए. जी. बांच रिकूटिंग 6(एस.पी.) (ए.) बेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को भेजे गए सम्मति-पत्र द्वारा सूचित तारीख को सेवा ध्यान बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए पहुंचना है। साक्षात्कार को स्थिरित करने से सम्बन्ध अनुरोध पर केवल अपादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णयिक प्राधिकरण सेवा मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता सूची में हैं यदि उनके पहले विए गए एते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय, ए. जी. बांच रिकूटिंग 6(एस.पी.) (ए.) बेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को दे देनी चाहिए ताकि सेवा मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार सम्भालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार सम्भालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा :—योग्यता-प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार—अंतिम परिणामों की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश :—संघ लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक प्राप्त अंक करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तयार करते। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा अविकलन्य परीक्षणों के लिये सेवा ध्यान बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहां भल सेना—नीसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वापसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एटीम्यूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा ध्यान बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जीवित पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा ध्यान बोर्ड में उनको जो परीक्षण होता है उसके दर्शन या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई शोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के बे एकदार नहीं होंगे जाहे यह किसी अधिकारी की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के मासा पिता या जीविभावकों को इस आवश्यक के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हस्त सेना/नौसेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनसार, निश्चित किए जायेंगे और वायु सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा, (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षण, (iii) पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनसार निश्चित किये जायेंगे। इन शर्तों पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा व्यवस्था बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अंतिम क्रम में दो अलग-अलग सूचियों में—एक धन सेना नाम नौसेना के लिये और दूसरी वायु सेना के लिये—रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेवा के मध्य अंगों के लिये अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थलसेना तथा नौसेना के विभिन्नों में प्रब्रेश के लिये अंतिम व्यवस्था धन सेना तथा नौसेना की योग्यतासूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा और वायुसेना विंग में प्रब्रेश के लिए अंतिम व्यवस्था धन सेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपर्युक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में व्यवस्था हस्त विवार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से घून लिये जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रद्द कर दिया जाएगा।

विषेष ध्यान :—वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायु सेना व्यवस्था बोर्ड के सामने बाबू में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पायलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायु सेना विंग या जनरल ड्रूटीज (पायलट) ग्रूप या नेवल एयर आर्म में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा. र. अकादमी कोर्ट में पायलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो तो उन्हें उसमें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना भिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायु सेना विंग के लिए ही अपना आवेदन करना चाहिए।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जायें इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के मम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं भिलेगा। उम्मीदवार को नियमित प्राधिकारी को मंत्रित करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी सरह से उपर्युक्त है।

19. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अनर्हताएँ:—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी संलग्न विशेषताओं के अभाव के कारण या अनशारानिक आधार पर वहाँ में निकाल दिये गये थे, उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर गहरे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने—अपनी इच्छा में लक्ष्य अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश भिल सकता है व्यवस्था तथा अन्य नियरित शर्तें पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफसर ट्रैनिंग रक्कम में प्रशिक्षण के दौरान विवाह पर प्रतिबन्ध :—उम्मीदवारों के इस बात का वर्णन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं कर सकेंगे। आ उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए ज्ञान नहीं जाएगा। आहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है वह सब उससे बस्तु किया जाएगा।

21. संघ लोक सेवा आयोग ने ‘संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हस्त उम्मीदवार विवरणिका’ शीर्षक सं. एक समूल्य प्रस्तिका छापी है इसका यह उत्थापन है कि इससे सं.लो.से. आ. की परीक्षाओं या व्यवस्थाओं के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

उक्त प्रस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, विल्ली-110054 के कार्यालय से बेची जाती है। इसे वहाँ से सीधे मेल आडर्ट द्वारा या नकद भुगतान पर लिया जा सकता है। यह प्रस्तिका केवल नकद भुगतान पर (i) किताब महल, रिवाली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी ब्लाक, बाथा लॉक सिंह मार्ग, नई विल्ली-110001, (ii) उद्योग भवन, नई विल्ली-110001 पर प्रकाशन शाखा के बिक्री काउण्टर और (iii) गवर्नरैन्स बाफ इण्डिया ब्रूक डिपो, 8 के. एस. राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी मिल सकती है। उक्त मेनुबल (विवरणिका) भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफ्तसिल शहरों में स्थित एजेन्टों के पास भी उपलब्ध है।

एम. बालकृष्णन, उप सचिव

परीक्षण—1

(परीक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

(क) परीक्षा की योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:—

विषय	समय	प्रतिक्रिया अंक
1. प्रग्रेजी	. . .	2 घंटे 250
2. गणित प्रश्न पत्र 1	. . .	2 घंटे 125
प्रश्न पत्र 2	. . .	2 घंटे 125
3. मामाल्य शान—प्रश्न पत्र 1 (विज्ञान)	. . .	2 घंटे 200
प्रश्न पत्र 2 (सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामाजिक मामले)	. . .	2 घंटे 200
		900

2. सभी विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया परीक्षण 5 में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका देखें।

3. प्रश्न पत्र में जहाँ भी आवश्यक होगा, केवल तालि और माप की मीटरी पद्धति से सम्बन्धित प्रश्नों को ही पृष्ठा जाएगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने की हालत में उन्हें प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखने की सहायता सूलभ नहीं की जाएगी।

5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का नियरिण आयोग की विकास पर है।

6. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्नपत्रों (प्रश्न प्रस्तिकाथों) के उत्तर लिखने के लिए केलकूलेटर प्रयोग ने लाए की अनुमति

नहीं है। अतः उन्हें केनक-जेटर परीक्षा भवन में नहीं लाने चाहिए।

(ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण

अंग्रेजी:—अंग्रेजी का प्रश्न पत्र इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी की समझ और शब्दों के कठशल प्रयोग का परीक्षण हो सके। पाठ्यक्रम में विभिन्न पहलू रमाहित हैं जैसे व्याकरण और प्रयोगविधि, शब्दायली तथा अंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता को परख होते विस्तरित परिच्छेद की बोधगम्यता तथा सम्बद्धता।

गणित

प्रश्न-पत्र—1

अंक गणित

संख्या प्रश्नधनियां—धनपूर्ण संख्याएं, पूर्णांक परिमेय और वास्तविक संख्याएं, मूल संक्रिया—जोड़, घटाना, गुणा और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता—साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज, भौं अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्याएं—सिद्धार्थात्—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याएं 1, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 क्षाया विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन, गुणन/खण्डन, प्रमेय। महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्त्य, यूक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग।

बोज गणित

आधारभूत प्रक्रियाएं: साधारण गणनखण्ड। शेष फल प्रमेय, यह पदों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्त्य: द्विवघात समीकरणों का हल, इसके मूल और गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल विचार किया जाय) दो अवशाल राशियों में युगपत समीकरण—विशेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो राशियों में दो युगपत रैखिक समीकरण बनाते हैं या एक चार में दो द्विवघात समीकरण तथा उनके हल समृद्ध भाषा तथा समृद्ध अंकन पद्धति, परिमेय, व्यंजक तथा संप्रतिवर्ध सत्समक धारांक नियम।

लिंगोणमिति:

ज्या x , कोटिज्या x , स्पर्श रेखा जब $x \times 0^\circ \leq x \geq 90^\circ$

ज्या x , कोटिज्या x , स्पर्श रेखा का मान वर्गों का $x^0, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ, 90^\circ$, सरल लिंगोणमिति तत्समक।

लिंगोणमिति सारणियों का प्रयोग।

कंचाइयों और दूरियों के सरल कोण।

प्रश्न-पत्र 2

व्याख्याता

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति। निम्नलिखित पर प्रमेय:—

- (1) किसी विन्दु पर कोणों के गुण-धर्म,
- (2) समान्तर रेखाएं,
- (3) किसी त्रिभुज की भुजाएं और कोण,
- (4) त्रिभुजों की सत्रियसमता।
- (5) समरूप त्रिभुज।
- (6) माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन,
- (7) समान्तर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के त्रिकोणों के गुण धर्म,

(8) वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा अंगूष्ठामूल, भी शामिल हैं।

(9) स्थानिक संघर्ष

विस्तार कलन

वर्गी, आयती, समान्तर चतुर्भुजी, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवाही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब, वृत्तीय शंकुओं और बैलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सांख्यिकी

सांख्यिकी तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। गालेडी निम्नपणवाग्मारता बहुभूज, आयत, चित्र, शलाकाकाढ़ी, पाइर्स और आदि। अपरिकृत और समीकृत आंकड़ों का परिकलन मात्र।

सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न-पत्र होंगे।

प्रश्न-पत्र (1)—इसमें भौतिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होंगा; और

प्रश्न-पत्र (2)—इसमें सामाजिक अध्ययन भूगोल और सामायिक मामले होंगे।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयांगों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के एंसे विषयांगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढंग से समझने की मेंदा और ज्ञान का पता लेना चाहिए।

प्रश्न-पत्र—1

विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र 1 में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होंगा:—

(क) क्षेत्र के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियां, संहित भार, आयतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण। आकैमिडीज का नियम, दाढ़, आयदाढ़ मापी।

बिंब की गति। धोग और त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवर्गों। बल समान्तर चतुर्भुज। पिंड का स्थायित्व और संतुलन। गुरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

उज्ज्वा का प्रभाव। तापमान का नाम और उज्ज्वा। स्थित परिवर्तन और गुप्त उज्ज्वा। उज्ज्वा अभिगमन विधियां।

धूनि तरंगों और उनके गुण धर्म। सरल वाल यंत्र।

प्रकाश का ग्रहन-त्वर्तीय चरण। परावर्तन और अपवर्तन गोलीय दर्पण और लेन्सेस, मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृतिम चूम्बक। चूम्बक के गुणधर्म। पृथीवी चूम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विद्रुत। धाराक और अधारक। आम नियम—। साधारण विद्रुत परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश, तथा चुम्बकीय प्रभाव। बैद्युत शक्ति के साप। प्राथमिक और गणि सेल। एक्स-रै के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धार्थ।

सरल लोलक। सरल चिरनी, साइफन, उत्तोलक, गुब्बारा, पम्प। हाइड्रीमीटर, प्रेशर कूकर, धर्मस फ्लास्क, ग्रामोफोन टेलीफोन, पौरस्कोप टैलिस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाईक दिक्षकूषक, तंडित जालक सुरक्षा पर्याप्त।

(स) भौतिक तथा रसायनिक परिवर्तन सत्त्व। मिथ्रण तथा धौर्णिक। प्रतीत सत्र और सरण रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समरणाओं के दृष्टिकोण)। वायु और जल के रासायनिक गुण वर्ष।

हाइड्रोजेन, लाक्सीजन, नाइट्रोजेन, कार्बन-डाईऑक्साइड की रचना और गुण धर्म। अद्वितीय और अपक्रिय।

अम्ल, श्वारक और लक्षण।

कार्बन—भिन्न रूप।

उर्वरक—ग्राहकीय और वृक्षाग्र।

साबून, काच स्पाइ, कारब्ज, सीमेंट, पेंट, दियासलाइंड और गन पाउडर, जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु सत्त्वभान और अणुभार अनुभाग संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड़ और अंतर्न में अन्तर।

जीव कीशकाओं, जीव द्रव और अंतर्न का आधार।

बनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान।

सामान्य भास्त्राग्रियां गल्के कागण तथा रेलने के उपाय।

खाल—मनस्य की निया उड़ानी का सात। खाल का संषट्ठन।

मन्त्रिलिपि आहार।

सौर परिवार। उक्ता और चम्केत। यहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ।

टिप्पणी :—इस प्रश्न पत्र के अधिकांश अंकों में सामान्यतया भाग (क), (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 50 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होते।

प्रश्न-पत्र-।।।

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामान्यिक भागों)।

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होता है—

(क) भारतीय इतिहास का मांटे-तौर पर सर्वक्षण तथा पंक्तियाँ और सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का न्वतन्त्र आनंदानन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पञ्चवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान सर्वोदय, राष्ट्रीय, एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक विश्व को प्रमाणित करने वाली शक्तियाँ, पञ्चायितीय। अन्त्रेण और साजें। अमरीका का स्वास्थ्यनाम संग्राम। फ्रांसीसी क्रांति, अमेरिकी क्रांति, हसी क्रांति, समाज पर विज्ञान और औद्योगिक का प्रभाव।

एक विश्व की संकलना, संयुक्त राष्ट्र। पंचशील, लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

(ल) पश्चीम, इमाम आकृति और आकार, अक्षराय और रेखाय। समय। संकलन। अन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पश्चीम की वित्तीय और उसके प्रभाव। पश्चीम का अद्वाद-वट्टाने और उसका वर्गीकरण।

अथवा रासायनिक और भौतिक। भूचाल तथा ज्वालामुखी। महानगर। राशें और छार भ्राट।।।

36—136GI/84

उम्मीदवाल और इसका संषट्ठन। तपेश्वान और वायुमण्डलीय शर्त भू-मण्डलीय पतन, अन्तर्राष्ट्रीय और प्रतिष्ठितवात् आदैसा '।' द्रवण और वर्णण भू-वायु के प्रकार।।।

विश्व के प्रमुख शास्कृतिक क्षेत्र।।।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवाय, प्राकृतिक, बनस्पति, खनिज और शक्ति साधन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण। महत्वपूर्ण समुद्री पतन, भारत के मूल्य समुद्री भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और नियात की मूल्य मध्य।।।

(ग) बाल ही के बच्चों में भारत में हड्डे महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामान्यिक महत्वपूर्ण विश्व घटनायें।।।

महत्वपूर्ण व्यक्तित्व—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और लेल-सूद से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्तित्व भी शामिल हैं।।।

टिप्पणी :—इस प्रश्न पत्र के अधिकतम अंकों में सामान्यतया ग भाग (क), (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।।।

वृद्धि तथा व्यक्तिस्तव परीक्षण

उम्मीदवार की बनियादी वृद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अनिरिक्त मार्गिक तथा निश्चित वृद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किये जायेंगे, जैसे ग्रुप परिषर्क्षा, ग्रुप योजना, बहिरंगग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर भौतिक्षण व्याव्याप देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मध्यावधिक की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बांधिक गणों की जांच के लिए हैं अतः इनमें उसको मासाजिक विशेषताओं तथा सामान्यिक घटनाओं के द्वारा दिलचस्पी का भी पता छलेगा।।।

परीक्षण-।।।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक के मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता सम्बन्धी मानक की नीचे दिए हैं।।।

बहुत से अहंताप्राप्त उम्मीदवार दाद गे स्वास्थ के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। हालांकि उम्मीदवारों को उनके अपने हिल गे स्वास्थ नी जाती है तो उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान पर निराम से बचने के लिए जन्मेनपर उन्हें अपने स्वास्थ की जांच करा दें।।।

सेवा तथा बोर्ड द्वारा अनसंशित उम्मीदवार को सेवा के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रशिक्षणाली में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जायेगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा, स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्यवत् गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं दिखाया जायेगा। दिवाल गार्ड/ग्राम्य रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उम्मीदवारों की जांच करानी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अन्वेषण करने की प्रक्रिया भी बना दी जायेगी। उम्मीदवारों को लिए सारणी रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है।।।

(क) उम्मीदवारों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी व्यक्ति

- से मूकता होना चाहिए जिससे उनके कृशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती ज्ये।
- (ब) उनमें कमज़ोर शारीरिक गठन/दैर्घ्य जौय या वजन की कमी नहीं होनी चाहिए।
- (ग) कद कम से कम 157.5 से. मी. (नौसेना के लिए 157 से. मी. तथा वायु सेना के लिए 162.5 से. मी.) का हो। गोरखा और भारत की उत्तर रूप क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों गढ़वाल तथा कामयां के च्यवितरां का 5 से. मी. कद कद श्रीकार्य होगा। नक्षत्रीय के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद से 2 से. मी. की कमी भी स्वीकार की जा सकती है। कद और वजन के दानक तीचे दिए जाते हैं—

कद और वजन के मानक

सेटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किलोग्राम में वजन		
	15-16 16-17 17-18		
	वर्ष	वर्ष	वर्ष
152	41.0	42.5	44.0
155	42.0	43.5	45.3
157	43.5	45.0	47.0
160	45.0	46.5	48.0
162	46.5	48.0	50.0
165	48.0	50.0	52.0
167	49.0	51.0	53.0
170	51.0	52.5	55.0
173	52.5	54.5	57.0
175	54.5	56.0	59.0
178	56.0	58.0	61.0
180	58.0	60.0	63.0
183	61.0	62.5	65.0

उपर्युक्त सारणी में दिए गए औसत वजन से 10 प्रतिशत कम ज्यादा (नौसेना के लिए 6 कि. ग्रा. कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जाएगा। किन्तु भारी दृष्टिगतों वाले लम्बे छाँडे व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ च्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कम छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1:—ऐसे मामलों में जहाँ चिकित्सा बोर्ड यह प्रमाणित कर देता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण परा होने तक बढ़कर अपेक्षित मानक तक हो सकता है कि मैं 2.5 से. मी. की छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 2:—वायु सेना में पायलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग की लम्बाई जंघा की लम्बाई तथा बैठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य साप. निम्न प्रकार होगी।—

न्यूनतम अधिकतम		
टांग की लम्बाई	99.00	120 सें. मी.
जंघा की लम्बाई	94.00	सें. मी.
बैठे हुए लम्बाई	81.50	96.00 सें. मी.

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के उम्मीदवारों की कम उम्र के कारण 5.0 से. मी. तक उच्चार्ह में 2.5 से. मी. (न्यूनतम) तक टांग की लम्बाई में और 1.0 से. मी. (न्यूनतम) तक बैठे हुए उच्चार्ह में गंजाइश दी जा सकती है बशतों कि चिकित्सा बोर्ड ने प्रमाणित कर दिया है कि उम्मीदवार में बद्दोंसरी हों यक्ति है और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण परा होने तक ऐसे अपेक्षित स्तर पापन कर सकता है।

(ब) छाती झली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 से. मी. होना चाहिए।

माप इस तरह ठोस रस कर की जाती है कि इसका निवाला किनारा सामने बृहक में बगा रहे और फैले का उपरी भाग पीछे स्कॉट फैल रहा है। इसे नियम (प्रेयर एग्जिल) को छोड़ते रहना कठिन। भारी का ग्राहकर करना बहुरी है इससे यह जानने के लिए इसका नाम नियम नहीं दोई रोप दो नहीं।

(द) शरीर ने लड़ाइयों और जोरों का कोई गोग नहीं होना चाहिए उम्मीदवारों की रीढ़ की हड्डी का एक्स-रे नेमी तौर पर नहीं किया जाएगा किन्तु नैदानिक संकेत मिलते पर सर्जरी विवरण जैसे नाम और किया जाएगा, एसे जन्मजात शोष ग्राहक तथा शोषार किए जा सकते हैं जिनमें शेरा कत्तलों के निष्पादन में नाम परन्ते की संभवता न हो।

अब मेना के लिए मेरुदण्ड की हालत

(च) नीचे लिखा पिछला स्वास्थ्य वृत वायु मेना के लिए अपोग्य ठहराने वाला है:

(1) मेरुदण्ड या निराले जोड़ों की एसी बीमारी चाहे उसके वास्तविक लक्षण हों या न हो—जिसकी वज्र से उम्मीदवार शारीरिक हृष्ण से सक्रिय जीवन सफलतापूर्वक न बिता सकता है।

(2) प्रोलैप्स अन्तराक शेरक विष्व तथा उस अवस्था के लिए शत्य चिकित्सा।

(3) मेरुदण्ड की परी नैदानिक जांच की जानी है जिसमें उसकी आकृति स्थानिक कोभलता, प्रदि कोई है, मेरुदण्ड की हरकत आदि शामिल है केवल हवाई कर्मों के कार्य के वास्ते उम्मीदवारों के लिए किटिविक कोशरक का एक्स-रे (ए. पी. तथा पार्श्विक दर्शन) किया जाना है।

(ज) हल्का कार्फोसिस या लोजोसिस जहाँ विस्पता मॉर्शिल से दिखाई देती है जहाँ दर्द की वृद्धि हरकत में रकावट की शिकायत नहीं है, चूकृति में बद्ध नहीं जाता।

(झ) दिखाई पड़ने वाले स्कोलिओसिस के या अन्य किसी तरह की जासामान्यता या मेरुदण्ड की विस्पता का जो मामूली से अधिक हो—मंदहे नामे एवं गैरुन्यांड का उपयुक्त एक्सरे लिया जाना है और परीक्षाथी को विशेषज्ञ की सलाह हेतु प्रस्तूत करना है।

(ञ) एक्स-रे परीक्षा के लाव पाई गई नियमितीय अवधारणा दर्द इते रात्रियां या कारण मानी जाएंगी:—

1. मेरुदण्ड की ब्रैन्यलोमटेस बीमारी
2. आर्थराइटिस एंटिटोमिय
3. कार्यदारीत में गण्डारीत एंटिलिटोसिस जो 1.5 से अधिक है।
4. मामूली से ज्यादा काइफोसिस लोडोगिस
5. स्पीण्डिलोस्थीसिस स्पीण्डिलिसिस
6. हर्निएटिड (मूक्तिक्षयपात्रसम)
7. कोशरक का संषोडन विभंग।
8. इवैरेमेन की बीमारी।
9. प्रदर्शीनीय तंत्रकथि या परिसंचारी अभाव के ग्राघ एवं पर्शका।
10. मेरुदण्ड संबद्धी अन्य असामर्या एवं चिरांति के लिए जारी नहीं होते।

(ट) उम्मीदवार भारी नियमित एवं अचूक इस पिछले रोगी नहीं होना चाहिए।

(ञ) उम्मीदवार नामान्य रूप में सून सके। उम्मीदवार एवं ग्राहक इस चाहिए कि वह धातु कभरे में प्रत्येक कान 6-10 मि. दी की दूरी से ऊर की कानाफूसी सून सके। अनेकों भिक्षा की पिछली या अद्वकी बीमारी का कोई प्रमाण नहीं।

वर्ष के लिए रु. 75.00 तक और राष्ट्रीय खाता अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए रु. 80.00 और अब सेना/नौ/वायु सेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में बागे विशिष्ट के प्रशिक्षण रु. 90.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक आय रु. 500.00 या इससे अधिक हों वे इस वित्तीय सहायता पाना नहीं होगा। वित्तीय सहायता को प्राप्त करने के लिए अचल सम्पत्तियाँ और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता पिता संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पृथ्वी संरक्षण के गार्ड्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तरह बाद अपने जिले के जिला मीजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पर्याप्त देना चाहिए जिसे जिला मीजिस्ट्रेट अपनी अनुशासा संस्थान राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, उड़कवासला पूर्ण (411023) के कमांडेंट को अर्पेंघित कर देना।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए, उम्मीदवारों को आने पर कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा होंगी:—

(क) प्रतिमास 75.00 रु. के हिसाब से पाच महीने का	रु.
ब्रेक बच	375.00
(ख) वस्त्र की उपलब्ध की मद्दों के लिये	620.00
(ग) I समिस्टर वे शेवट प्रामाणिक राशि	110.00
पैग	1175.00
उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंत्र द्वारा दी जाने पर उपर्युक्त राशियाँ से दीवे लिखी राशि प्राप्त कर दी जाएगी।—	रु.
(क) 75.00 रु. प्रति माह के हिसाब से पांच महीने का	रु.
ब्रेक बच	375.00
(ख) वस्त्र तथा उपलब्ध की मद्दों के लिए अवधारणा	475.00

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं:—

(1) परशुराम भाऊ पटेल विद्यालय छात्रवृत्ति:—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कनाटिक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से रु. 350.00 तथा रु. 500.00 के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पर्याप्त प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेंगे तब तक को लिए वह प्राप्त होगी किन्तु शर्त यह है कि कैडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी।—

(2) कर्नल कैडिल प्रकंक मधोरियल छात्रवृत्ति:—यह छात्रवृत्ति है जो भूतपूर्व सीनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के अंतर्भुक्त होगी।

(3) कौर मिहू मधोरियल छात्रवृत्ति:—यह छात्रवृत्तियाँ उन दो कैडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम ध्यान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रु. प्रति मास की है तथा अधिकतम लाठू वर्ष के लिए राष्ट्रीय

रक्षा अकादमी, उड़कवासला में प्रशिक्षण के दोषेन तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, देहरादून तथा धायु सेना फ्लाइंग कालिज तथा नौसेना अकादमी, काचीन में जहां कैडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भजा जाएगा, दो जाती रहेगी। छात्रवृत्ति सभी मिलती रहेगी जब कैडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छा प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियाँ:—दो छात्रवृत्तियाँ असम के कैडेटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रु. प्रति मास की रहेगी। तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेंगे उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिये विना प्रदान की जाएगी। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियाँ:—दो छात्रवृत्तियाँ 30.00 रु. प्रति मास की तथा 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिये दी जाएगी। जिन कैडेटों को तीन छात्रवृत्तियाँ मिलेंगी, उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति:—पूरे वर्ष के लिये 480 रु. की एक योग्यता छात्रवृत्ति रु. अकादमी में प्रशिक्षण को पूरी अवधि के लिए केरल राज्य द्वारा उस कैडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो रा. र. अकादमी हेतु अखिल भारतीय सं. लो. स. था. प्रत्येक प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सीनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कैडेट के पिता संरक्षक की आधिक स्थिरता पर काँइ ध्यान नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंदाकिनी पुरस्कार:—यह 500.00 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिये मिलता है; आवेदन प्रपत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलता है।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियाँ:—तीन छात्रवृत्तियाँ—एक अल सेना, एक नौसेना तथा धायु सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु. प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियाँ कैडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दो जायेंगी जिनके माता-पिता या आभिभावक की आय रु. 5,000 प्रति वर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति विना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए योग्यतम कैडेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियाँ:—निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियाँ पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हैं:—

(क) वर्ग 1 :—यह छात्रवृत्तियाँ—भल लंदा, नैसिनी तथा धायु सेना के लिए एक-एक 360.00 रुपये प्रति वर्ष के पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में आधे वर्ष के लिए 480.00 रु. तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपये परिधान वृत्ति। यह उन कैडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में काँइ अन्य छात्रवृत्ति पाने के पास नहीं है।

(ख) वर्ग 2:—तीन छात्रवृत्तियां 100 रुपये प्रति वर्ष एक मूलत सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जाएगी।

(10) पायलट अफसर गरमीत सिंह बंदी मैमांश्यल आवृत्ति:—रु. 420 प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति एसें कैडेटों को दी जाती है जो वायु सेना कैडेटों के बीच सब के अन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होंगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिए होगी। पांचवें और छठे सब के दोरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी। यदि प्राप्तकर्ता रेलीगड़ कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छाड़ कर जला गया हो। जो कैडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उस छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां:—हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को चार छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेंगी। यह छात्रवृत्ति उन कैडेटों को मिलेंगी जिनके मात्रा-पिक्स की मासिक आय 500.00 रुपये प्रति मास से कम होंगी। जो कैडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा है उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

12. तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति:—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30 रु. प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400 रु. सजा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दोरान केवल एक बार) दोनों शुल्क किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक संरक्षक की मासिक आय 500 रु. से अधिक न हो। पात्र कैडेट अपना आवेदन कमान्डेट राष्ट्रीय अकादमी वहां पहुँचाने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्तियां:—कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (अठारह) छात्रवृत्तियां—१) जनवरी, से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए और ११ जुलाई से शुरू होने वाले कोर्सों के लिए कर्नाटक राज्य के उन कैडेटों को दी है जो मौनिक स्कूल, बीजपुर या राष्ट्रीय हाउसेज मिल्डलट्रो कालज, दृष्टियोग में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं। इन आठ दोस्रों की राशि 480.00 रुपये प्रति वर्ष है।

रु. ५३०.०० प्रति वर्ष की ओर (4) और छात्रवृत्तियां (दो प्रतिशत) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई हैं जो संनिक स्कूल बीजपुर राष्ट्रीय हाउसेज मिल्डलट्रो कालज, दृष्टियोग विद्यालय आन्ध्र संस्थानों पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं।

(14) एलबटै एकका छात्रवृत्ति:—बिहार सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 50/-रु. प्रतिमास की 25 योग्यता छात्रवृत्तियां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी द्वारा सम्भाली जाती हैं। समय के वास्ते एक बार और 650/-रु. वस्त्र तथा उपस्कर के बास्ते दोनों शुल्क किया जाता है। जिस कैडेट का उपयोगत योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है वह सरकार से कोई अन्य छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता का पात्र नहीं होगा। पात्र कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आने पर कमान्डेट को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की दाता राष्ट्रीय अकादमी, खड़कवासला, पूर्ण (411023) से ग्राप्त की जा सकती है।

5. चून हरे उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारंभिक परीक्षा होगी।

- (क) अंग्रेजी
- (ख) गणित
- (ग) विज्ञान
- (घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विश्वविद्यालय या हायर स्कॉलरेज शिक्षा बोर्ड की हायर स्कॉलरी परीक्षा के स्तर से उच्चा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जायेगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के लिए उदासीन न हो जाए।

प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिये शारीक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले छाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैडेटों को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, विल्ली द्वारा दी जाएगी। एस. सी./बी. ए. डिप्री प्रदान की जाएगी।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी, दहरादून, में नौसेना कैडेट/कैडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट, ई. एफ., एस. विवार जायेंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जेन्टलमैन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है। ताकि वे इनकैन्ड्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण नफलता से पूरा करने के बाद जेन्टलमैन कैडेटों को उनके शेष (Shap) शारीरिक ड्रिफ्ट से योग्य होने पर सैकौण लैफिटनेंट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

9. नौसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी जो पास होने पर उन्हें नौसेना को कॉर्पल क ईओनियर, डिवली और शालासा के लिए चुना जाता है; उन्हें छः महीने के लिये कैडेट प्रशिक्षण पास पर सम्पूर्ण प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस सफलतापूर्वक प्रा करने पर उन्हें मिडिशिपमैन रैक में प्रदान होता है। संबंध शाला में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लैफिटनेंट के रैक में पदान्वेष किया जाता है।

10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान वा कैड लाई प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष की प्रशिक्षण पूरा होने पर अनन्त्रिम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है। उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाहृत कर दिया जाता है।

ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ

11. ପଲ ମେନା ଧର୍ମକାରୀ

(i) वस्तु

रेखा	वेतनमात्रा
	रुपये
सैकिंड लैफिटेनेंट	760-780
लैफिटेनेंट	830-950
लैट्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (वयनवीह)	1600-60-1900
लैफिटेनेंट कार्याल (वयन हाथी)	1750-1950
लैफिटेनेंट कार्याल (वयन प्रिंस वेन)	2000-50-2100
लैफिटेनेंट कार्याल (गमग वेतनमात्रा)	1900 तिरंगा
कार्याल	1850-2175
विप्रेशियर	7200-7400
मेजर अमरल	2800-125/-250
लैफिटेनेंट अमरल	3000 अंतिभास
लैफिटेनेंट जनरल (सेना कमांडर)	1,31,751 रुपयाएवं

(ii) संग्रहता वेतन और अनुदान

लैफ्टनेंट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के बाधार पर 1600/- रु. 2400/- रु. 4500/- रु. अथवा 6000/- रु. के एक मूँहत नवाजन के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ब') 70/- रु. दर पर योग्यता वेतन अधिकारी होंगे।

(iii) भार्त

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नालिखित भत्ते मिलते हैं :—

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू बद्दों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिक्रिया तथा महागाहा भर्ते दिये जाते हैं।

(ए) रु. 75/- प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भर्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा।।
यह विवरण भरो कीं तदनुरूपी एकल दर का 25
प्रतिशत से 46 प्रतिशत तक होगा।।

(घ) नियुक्ति भत्ता : जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब अफसर 140 रु. प्रति-मास दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के इकाई रहते हैं।

(८) सज्जा भत्ता : प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु. 2100 प्रथम कमीशन की तारीख से रु. 1800/- की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नये सज्जे के द्वारे का भगताव किया जा सकता है।

(क) धल सेना में कर्नल स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

(iv) राजनात्की

धर्म सेना अफसर भारत में या विदेश में कहो भी नैनात
किए जा सकते हैं ।

(v) पदान्तित्या

(क) स्थायी पदांलन्ति

उच्चतर रैकों पर स्थायी पदान्वित के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं —

(i) समय वर्तनमान से	न्यूनतम भेदा विभाग
सेप्टेम्बर	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
फ़रवरी	3 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेरुर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेरुर से शिफ्टेनेट करेल गई अरत द्वारा	
पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त थेता--
(ii) परामर्श	मर्केट में दीप्ति
सेप्टेम्बर से जैसे	16 वर्ष तकीम प्राप्त सेवा
कर्जस	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
बिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेरुर जम्हरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
शिफ्टेनेट जनेस	29 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जड़पाल	30 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

(४) कागेकारी नरीकला

निम्नलिखित यूनतम् देवा सीमाएँ पूरी करने पर अक्षय उपलब्धतर रेकों पर कांक्षाती पदोन्नति के सिये वास होने वस्तु कि रिक्षितया उपलब्ध हो : -

कैप्टन	.	.	3 वर्ष
मेजर	.	.	6 वर्ष
लैफिटनेन्ट कमांडर	.	.	6 1/2 वर्ष
कमांडर	.	.	6 1/2 वर्ष
द्विसेन्डिप्रॉ	.	.	12 वर्ष
मेजर जनरल	.	.	20 वर्ष
लैफिटनेन्ट जनरल	.	.	25 वर्ष

12 ਨੌਜਵਾਨਾ ਅਫਸਰ

रेक	देतनमान		
	कोमोडो सेवा	तोसेना विमानन और पनडुखी	
	मासिक रुप	मासिक रुप	
मिडिपिमेन कु०	.	500	500
प्रथमकारी भव लैपिटेन्ट	.	250	425
मध्यमपिमेन्ट	.	830-870	910-950
लैफिटेन्ट	.	1100-1450	1200-1550
लैपिटेन्ट कमांडर	.	1450-1800	1450-1800
कमांडर	.	1750-1950	1750-1950
कॉप्टन	.	1950-2400	1950-2400
		कोमोडो, श्री गढ़ी चौहान विमान त्रै जिम्मे विवेद वज्र हेलिकॉप्टर के हथ में शास्त्र विमानों के घटाव कृचार है।	
रियर एव्हिलरस	.	2500-125-2-2750	
वाइट एक्सिलर	.	3000 रु. विमानस	

योग्यता वेतन/अनुदान भी निम्नलिखित को प्राप्त्य है।—

कूल निर्धारित योग्यताएँ रखने वाले कमांडर और उसके शीने के रैन्क के अफसर की अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु., 2400/- रु., 2500/- रु. या 6000/- रु. के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं। फ्लाइंग इन्स्पेक्टर नेवीगेटर थ्रोणी के बीच ये क्रमशः 100 रुपये और 70 रुपये प्रतिमास के अर्हक वेतन के हकदार।

(2) भत्ते

- (क) प्रतिघृत (नगर) भत्ता और महंगाई भत्ता उसी दर और उन्होंने शीने पर ग्राह्य हैं जो सम्य-समय पर चिकित्सन गलपत्रित लिखिकारियों पर लाए हैं।
- (म) किट अनुरक्षण भत्ता 75 रु. प्रति मास और हर दर।
- (ग) जब अगले तो बाहर यसकु टट पर या कूल देशान्तरीय और अद्यांशीय सीमाओं के पार अवृज्ञ एवं ही तो निवासित भत्ता। एवं यैक के अनुसार 50 रुपये प्र. भा. ये चैकर 250 रुपये प्रति मास एवं अलग-हटाव 50 रुपये।
- (घ) छात्र वर्ष संधारन ऐकाहिस अधिकारियों की उन्होंने छात्र ये युवा अनुरक्षण में दूर होने की अवधियों के छात्राद 340 रुपये या ये दूर पर फिल्डिंग भत्ता।
- (ङ) पहली बार कमीशन ग्रिलने पर 2400/- रुपये परिसज्जा भत्ता और प्रभावी सेवा के प्रत्येक सात वर्ष के बाद 2100/- रुपये नवीकरण परिसज्जा भत्ता।
- (च) नौसेना में कैप्टन स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

नौसेना के उड़ड़यन अधिकारी मासिक दर पर और वायुसेना अधिकारियों के संगत रैन्कों पर लागू शर्तों के अधीन उड़ान वेतन के हकदार हैं।

उपर्युक्त के अतिरिक्त नौसेना अधिकारी कूल विशेष रियायथतों के भी हकदार हैं जो उनके साथ लगी शर्त पूरी कर देने पर दी जाएगी जैसे हार्डलाइंग मनी, सबमेराई एलाउन्स, सबमेराई इन पै, डाइविंग पै और सर्वे बाउण्टी।

(3) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैन्कों पर कार्यकारी पदोन्नतियों के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :—

समय वेतनमात्र द्वारा

सब लेपिटोनेट

बैंपिटोनेट

लेपिटोनेट कमांडर

कमांडर

बयन द्वारा

कमांडर कार्यपालक साम्बा

कमांडर वंडीनियन द्वारा

1 वर्ष (वरिष्ठता लाभ आवर्ती के अधीन)

लेपिटोनेट के रूप से 8 वर्ष की वरिष्ठता।

24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि चयन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)।

लेपिटोनेट कमांडर के रूप में 2-5 वर्ष की वरिष्ठता।

लेपिटोनेट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।

कमांडर विशेष रैन्क

कैप्टन

रियर एडमिरल

वाइस एडमिरल

प्रैटिशन एडमिरल व लैप

कमांडर के रूप में वर्ष की वरिष्ठता।

कोई प्रतिबन्ध नहीं।
कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लैपिटोनेट कमांडर के रैन्क को छोड़कर जिसके लिये किसी अफसर को लैपिटोनेट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिये नौसेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. वायु सेवा द्वारा

(1) भत्ते

रैन्क	दर	देशमात्र
पाइलट अफसर	825-865	
फ्लाइंग अफसर	910-1030	
फ्लाइंग लैपिटोनेट	1300-1550	
फ्लाइंग लीफर	1450-1800	
वियर कमांडर (चयन)	1730-1850	
वियर कमांडर (समय अतिवाद)	1400 रु. विवर	
यूप कैप्टन	1950-2178	
एयर इमोडर	2200-2400	
एयर वाइस मार्शल	2500-2750	
एयर मार्शल	3000	
एयर मार्शल [वी० सी० ए० एस० और ए० ओ० एम० सी० (इन सी०)]	3250	
एयर चीफ मार्शल (सी० ए० एस०)	4000	

(1) भत्ते

(क) उड़ान वेतन :—उड़ान शाखा के अधिकारी (पाइलट तथा नेविगेटर) निम्नलिखित दर पर उड़ान वेतन पाने के पात्र हैं :—

रु	प्र०	मा०
पाइलट अफसर से विंग कमांडर तक	750.00	
यूप कैप्टन से एयर कोमोडोर तक	666.00	
एयर वाइस मार्शल तथा इससे ऊपर	600.00	

(ख) उड़ान शाखा के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी निम्नलिखित दर पर प्राप्त के अनुदान के पात्र हैं।

दर	प्रथमा	मध्यमा	बहुता
योग्यता वेतन	100/-		
योग्यता अनुदान	6000/-	6000/-	
	प्रथमा 4500/-	2400/-	
		मध्यमा 1600/-	

(ग) किट अनुरक्षण भत्ता 75/- रुपये प्रतिमास की दर पर मिलता है।

(घ) निवर्तन भत्ता :—किसी देश में जहां वायु सेवा अधिकारियों के लिए दूप के अंग के रूप में जाना अपेक्षित हो, सेवा कर रहे एकल तृतीय सचिव/द्वितीय सचिव/प्रथम सचिव/काउन्सिलर दो शाह्य विदेश भजे का 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत तक (धारित रैन्क के अनुसार)।

(ज) नियुक्ति भत्ता :—परिवार के लिये अनुप्रयुक्त केन्द्र विवाहार उक्त प्रयोजन होते इसके सदा धोषित इलाके, जहां अधिकारियों के साथ परिवार को रहने की अनुमति नहीं है वहां यहां यन्त्रियों/फोरमेशन

में तीनांत विवाहित अधिकारियों का 140/- रुपये प्रतिमास विध्युक्ति भूता मिलेगा।

(अ) परिसंज्ञा भूता :—अधिकारी को जो वर्द्धी/उपस्थित अपने पास रखने पड़ते हैं उनकी लागत के लिए शूल में 2100/- रुपये (समय-समय पर यथा आशोधित) और हर सात वर्ष के बाद उसके नक्षीकरण के बास्ते 1800/- रुपये।

(छ) वायु सेना में ग्रुप कॉर्पस्टर स्तर तक मृप्त राशन दिया जाता है।

(4) पदान्वतियां

(क) मूल पदान्वति

उच्चतर रैन्कों पर मूल पदान्वति के लिये निम्नलिखित मेंबा सीमाएँ हैं :—

समय वेतनमान द्वारा

फ्लॉइग एफ्स्टर
फ्लॉइग लैफ्टिनेंट
स्कवाइन लीडर
विंग कमांडर

1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
यदि चयन द्वारा प्रोक्षणि न हुई
हो तो 24 वर्ष की कमीशन
प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।

अयन द्वारा

विंग कमांडर

16 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा
गिनी जाएगी।

मूप कैप्टन

22 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा
गिनी जाएगी।

एयर कमांडर

24 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा
गिनी जाएगी।

एयर वाइस मार्शल

26 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा
गिनी जाएगी।

एयर मार्शल

28 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा
गिनी जाएगी।

(क) कार्यकारी पदोन्नति

प्रफुल्लरों को कार्यकारी पदोन्नति के लिये प्रयोगित व्युत्तम उंडा दी गयी है :—

फ्लॉइग लैफ्टिनेंट
स्कवाइन लीडर
विंग कमांडर

2 वर्ष
5 वर्ष

एयर कोमोडोर

6 वर्ष (स्कवाइन लीडर के रैक में एक वर्ष की सेवा के बाद)।

एयर कोमोडोर

11-1/2 वर्ष (विंग कमांडर और मूप कैप्टन के रैक में 3 वर्ष की सेवा के बाद)।

एयर वाइस मार्शल

15 वर्ष (विंग कमांडर, मूप कैप्टन और एयर कोमोडोर के रैकों में 5 *वर्ष की सेवा के बाद)।

एयर मार्शल

23 वर्ष

*वर्षित अवधियों को शामिल करते।

14. सेवा निवृत्ति लाभ

पैंचांन, उपदान और ग्रेड्यटी अवार्ड समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. छट्टटी

प्रमुख समय पर याग दियमां के अनुसार छट्टटी स्वीकार होंगी।

प्रारंभ 4

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति होने आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार इवारा इन्हें किये जाने वाले ग्रामण पत्र को कार्य।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री जीवन शुभ श्री जीवन सुप्रिया श्री जीवन कमांडर/कॉर्पस्टर जीवन राज्य क्षेत्र जीवन की निवासी जाति/जन *जाति के हैं जिस निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश, 1950

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

[अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों सूचियां ('आशोधन') आदेश, 1956, बन्धव हृषीकेश पूर्णगठन अधिनियम, 1960, पंजाब पूर्णगठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश, राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्व क्षेत्र (पूर्णगठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों* आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976* इवारा यथा संशोधित]।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश, 1956*

संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1959 अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 इवारा यथा संशोधित*

संविधान (दावरा और नगर हवेली) अनुसूचित जातियों आदेश, 1962*

संविधान (शावरा और नगर हवेली) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1962*

संविधान (पाण्डुचेरी) अनुसूचित जातियों आदेश, 1964

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) उत्तर प्रदेश आदेश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जातियों आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियों आदेश, 1970*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश 1978*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978*

श्री जीवन शुभ श्री जीवन कमांडर/कॉर्पस्टर जीवन राज्य क्षेत्र और/या उत्तर पूर्व क्षेत्र आपसीर से गांव/कस्बा* जीवन राज्य क्षेत्र और/या उत्तर पूर्व क्षेत्र आपसीर से गांव/कस्बा*

जिला/मण्डल	राज्य/संघ* राज्य
भैंत्र	में रहता है।
राज्य/*मध्य राज्य ओमे	
	हिमाक्षर
	पदनाम
	(कार्यालय की मोहर के साथ)
स्थान	
शारीर	
(जै शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें)	

नोट :—यहाँ “आम तौर से रहता है” का अर्थ वही होगा जो रिप्रेन्जेटेशन आफ दि पिपल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है। *जाति/जन जाति का प्रभाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी :—

- (i) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कल्याण/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कल्याण/प्रथम श्रेणी का स्टाइलेंडरी मजिस्ट्रेट/मिडी मजिस्ट्रेट *बद डिवीजनल मजिस्ट्रेट/पाल्यूक मजिस्ट्रेट/एडीशनल मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा कमिस्ट्रेट कमिशनर प्रथम श्रेणी के स्टाइलेंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहाई का नहीं।
- (ii) शीफ प्रेसीडेन्सी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेन्सी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेन्सी मजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिमका ओहाई तहसीलदार में कम न हो।
- (iv) उम इलाके का गव डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उमका परिवार आम तौर से रहता है।
- (v) एडीमिनिस्ट्रेटर/एडीमिनिस्ट्रेटर का मन्चिव/इवलप-मेन्ट अफसर (लक्ष इवीप)।

परिशिष्ट 5

उम्मीदवारों को सचनार्थ विवरणिका

क. घम्स पत्रक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह “वस्तु पत्रक परीक्षण” होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जायेगा) के लिए कर्व सुझाए गये उत्तर जिसको आगे प्रत्यूतर कहा जायेगा) दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिसमें कि परीक्षा के स्वाक्षर से होने के कारण आपको कोई हासिल न हो।

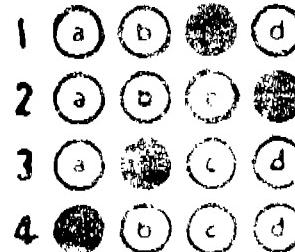
ल. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र “प्रश्न प्रस्तिका” के रूप में होंगे। इस प्रस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3—आदि के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, d. शिफ्ट के साथ सभाए गये प्रत्यूतर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्यूतर सही लगे तो इनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा (अत में दिये गये नमूने के प्रश्नांश दृश्य लें) किमी भी रिक्ति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक ही सही प्रत्यूतर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्यूतर गलत माना जायेगा।

ग. उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक विद्या जायेगा। जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेजी जायेगी। आपको अपने प्रत्यूतर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण प्रस्तिका में या उत्तर पत्रक को छाड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जांचे जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएँ 1 से 16.0 तक चार लाइंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांक के सामने a,b,c,d, चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान छापे होते हैं। परीक्षण प्रस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय कर लेने के बावजु कौन सा प्रत्यूतर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्यूतर के अक्षर वाले घृत के पैसिल से पूरी तरह काला बना कर उस अंकित कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर बदलने के लिये) भीष्म दिक्षाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्पाही का प्रयोग नहीं करना चाहिये।



यह जरूरी है कि :-

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किसी की पैच, बी, पैसिल (पैसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिये आप अपने साथ एक रुबड़ भी लायें।

3. उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाये या उससे मोड़ व सिलवट आदि पड़ जाये या वह खरब हो जाये।

घ. कुछ महत्वपूर्ण विनियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी का परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी का परीक्षण भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण प्रस्तिका और उत्तर पत्रक अधीक्षक पर्यवेक्षक को मौप दें। आपको परीक्षण प्रस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जायेगा।

5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण करना होगा, आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण कुट्टवद्वय भी बताना होगा। इसके बारे में अनुदेश आपको प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दिये जायेंगे।

6. परीक्षण पूर्सिका में विये गये सभी अनुदेश आपको ज्ञानधारी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का साधारणी से पालन न करने में आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविचिट संविधान है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहे तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रबोध प्रमाण पत्र साथ लायें, आपको अपने साथ एक एच. बी. पैसल, एक रबड़, एक पैसल शार्पनिर और नीली या काली स्थाही लाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक किलो औड़ या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लायें जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई लाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखेन उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जल्दत नहीं होगी। सांगने पर कुछ काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जायेगा। आप कुछ काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की सारी लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने अपने उत्तर पत्रक के माध्य पर्यवेक्षक को वापिस कर दें।

८. विदेश अनुदेश

परीक्षण भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद अधीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर प्रीक्षित सूचना भर दें। यह काम पूर्ण होने के बाद अधीक्षक आपको परीक्षण पूर्सिका देंगे। परीक्षण पूर्सिका लिखने पर आप यह अवश्य देखें लें कि उस पर पूर्सिका की संख्या लिखी हुई है या अन्यथा, उसे बदलवा लें। प्रश्न पूर्सिका को खोलने से पहले उपके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिख दें आपको प्रश्न पूर्सिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहे।

९. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा ज्ञानधारा को जांचना है, फिर भी यह प्रलूबी है कि आप अपने समय का ध्यान संभव दृष्टिता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हों। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो यिन्होंने करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय बर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्यक्षणों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तर के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

१०. परीक्षण का समाप्त

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहे, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें क्योंकि अधीक्षक आप के पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुयों न ले जायें और आपको हाल छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पूर्सिका और उत्तर पत्रक तथा कुछ कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट:—*सही/सर्वोत्तम उत्तर विकल्प को निर्दिष्ट करना है)

१. सामान्य अध्ययन

बहुत उत्तर पर्वतारणीयों के नाक तथा कान गे जिम्मेदारियां में से किस कारण से रक्त सांव होता है?

- (a) रक्त का दाढ़ वायुमण्डल के दाढ़ से कम होता है।
- * (b) रक्त का दाढ़ वायुमण्डल के दाढ़ से अधिक होता है।
- (c) रक्त विश्वाकांक्षों की अनुरूपी तथा बाहरी शिराओं पर दाढ़ समान होता है।
- (d) रक्त का दाढ़ वायुमण्डल के दाढ़ के अनुरूप घटता बढ़ता है।

२. हृषि

मरहर के कूलों का छड़ा निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से बन किया जा सकता है।

- (a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिकाव
- (b) दूर दूर पौधे लगाना
- (c) सही जल्द में पौधे लगाना
- (d) पौधे थाँड़े फासने पर पौधे लगाना

३. रसायन विज्ञान

H_3VO_4 का एत्हाइयूर निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) VO_3
- (b) VO_4
- (c) $V_{2}O_4$
- * (d) $V_{2}O_5$

४. अर्थशास्त्र

अमेरिका एकाधिकार शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- * (a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद दोनों बढ़ाव रहे।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से घटिक हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बढ़ाव हो।

५. वैद्युत इंजीनियरी

एक समझ रेल्वे को आर्थिक परीक्षण अनुसार ३ के परीक्षण से सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संचरण बेग दर्शाता हो लाइन में संचरण का बेग क्या होगा?

- (a) ३C
- (b) C
- * (c) C/3
- (d) C/9

६. सूर्योदय

बैसल्ट में प्लेजियावलेस क्या होता है?

- (a) श्लिगाक्षय
- * (b) लैट्रोराष्ट
- (c) एल्वाइट
- (d) पनाथाइट

7. गणित

मूल विश्लेषण से गुणवाला और $\frac{d^2y}{dx^2} = 0$ संकेतरण का संगत रखने वाला बहु-परिवार निम्नलिखित में से किस में निम्नलिखित है ?

- (a) $y = ax + b$
- (b) $y = ax$
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- *(d) $y + ae^x - a$

8. भौतिकी

एक ग्रादर्श ऊर्ध्वा इजन 400° और 300°K के तापमान के समय कार्य करता है। इसकी असता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) $3/4$
- *(b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

9. सांखिकी

यदि द्वितीय विचरण का मात्र्य δ है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- (a) δ^2
- *(b) δ
- (c) α
- (d) $-\delta$

10. अूर्णोल

धर्मी के दक्षिणी भाग की ग्राम्याधिक मूल्यका वार्षण निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) यहाँ पर आनन्द साधनों का विपुल भण्डार है।
- (b) धर्मी की प्रथिकांश नदियों का देल्टाई भाग है।
- (c) यहाँ अधेन वन संपदा है।
- (d) देश के प्रथिकांश सेल सेल इसी भाग में है।

11. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बोद्ध धर्म के उत्तरवर्ती कोल में भी ब्राह्मणवाद के अनुयायियों का संख्या बहुत अधिक थी।

- (b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और भावधार से पूर्ण थम था।
- (c) ब्राह्मणवाद के प्रमुद्य के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ करने का धृत्यक नहीं हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विविध दशाओं को प्रकट करने के लिये धार्मिक संस्कार निष्परित थे।

12. दर्शन

- निम्नलिखित में से निरीक्षणवादी दर्शन समूह कीन सा है ?
- (a) बोद्ध, व्याय, चार्वाक, धीमाता
 - (b) व्याय, वैशेषिक, जैन और बीदू, चार्वाक
 - (c) ग्रीष्म, वेदान्त, सांख्य, चार्वाक, धोग
 - (d) बोद्ध, सांख्य, धीमाता, चार्वाक

13. राजनीति विज्ञान

"वृत्तिगत प्रतिनिधित्व" का प्रयोग निम्नलिखित में से क्या है ?

- *(a) अवसर्व के प्रांती पर विद्यानमण्डल में प्रतिनिधियों का विर्द्धन।
- (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियों का वृद्धाव।
- (d) धार्मिक संघों द्वारा अनुत्तर प्रतिनिधित्व।

14. गणोद्योगान्तर्माला

- लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से विस को निर्देशित करती है ?
- *(a) लक्ष्य सम्बन्धी भावधारकता में वृद्धि।
 - (b) अस्तर्वेद अवसर्वा से व्युत्तता।
 - (c) व्यावहारिक अधिगम।
 - (d) पक्षपात्र पूर्ण अधिगम।

15. समाजशास्त्र

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की देन नियम में से कीन सा है ?

- *(a) प्राम सरकार में मर्हुलाओं तथा कमज़ोर वर्गों को धोपधारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- (b) क्षुग्राकृत कम हुई है।
- (c) विचित वर्गों के सोरों का सुस्वामित्व का साम दिला है।
- (d) जन साधारण से शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी : उम्मीदवारों को यह इयान रखना चाहिये कि उत्तरपूर्व से प्रश्नान्वय (प्रश्न) के बल उचावहरण के लिये दिये गये हैं और यह जुखी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यक्रम के उपस्थान हैं।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 25th May 1984

No. A.12034|2|83-Admn.(II).—In continuation of this office notification of even number dated 23rd January, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri V. R. Mani, Junior Research Officer (Lang.) to the post of Senior Research Officer on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a further period w.e.f. 13-4-1984 to 12-10-1984 or until further orders, whichever is earlier.

The appointment of Shri V. R. Mani as Senior Research Officer is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority to the post of Senior Research Officer.

The 30th May 1984

No. A. 32014/1/84-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period indicated against their names or until further orders, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Period
1.	Shri I. N. Sharma	10-4-1984 to 9-7-1984
2.	Shri Tarsame Singh	17-4-1984 to 15-7-1984

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that grade. Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel and Administrative Reforms.

No. A. 32014/2/84-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Personal Assistants of the CSSS Cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period shown against their names, or until further orders, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period	Remarks
S/Shri			
1.	H. O. Madan	14-5-84 to 11-8-84	Against regular vacancy.
2.	V. P. Mahajan	23-5-84 to 20-8-84	Do.
3.	R. P. Dang	17-4-84 to 9-7-84	Vice Sh. Tarsame Singh appointed as Private Secretary on adhoc basis.
4.	Smt. Saroj K. Kapoor	24-4-84 to 15-7-84	Vice Sh. I. N. Sharma appointed as Private Secretary on adhoc basis.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on adhoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade of CSSS or for seniority in that grade.

3. Their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel and Administrative Reforms.

The 31st May 1984

No. A.19013|3|78-Admn.I.—Consequent upon the expiry of his tenure, Shri B. N. Som, an officer of Indian Postal Service

on deputation to Union Public Service Commission as Joint Secretary has been relieved of his duties in the office of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 31st May, 1984. Shri Som will report to his parent Department viz. Post & Telegraph Directorate, Dak Tar Bhawan, New Delhi, after availing of the usual joining time.

No. A.32013|1|84-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri R. N. Khurana, Under Secretary of the Central Secretariat Service, Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Officer on Special Duty (Group 'A' Rs. 1500-60-1800), in the Commission's office on ad-hoc basis for a period of 6 months w.e.f. 1-6-1984 or until further orders whichever is earlier.

The appointment of Shri Khurana as O.S.D. is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular absorption or for seniority in the said post.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th June 1984

No. 2|14|83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. Subramanian, Executive Engineer (Civil) of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600 plus special pay of Rs. 200/- P.M. with effect from the forenoon of 1st June, 1984, until further orders.

K. L. MAHOTRA
Under Secy
for Central Vigilance Commissioner.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th June 1984

No. A-19014|3|84-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Yashwant Malhotra, IPS (Bihar-1975) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 5th June, 1984 until further orders.

The 15th June 1984

No. A-20023|7|79-AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri D. N. Daithankar an officer of Maharashtra Government as Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation in substantive capacity with effect from 4th February 1984.

No. A-20023|9|80-AD.V.—Services of Shri R. Ponnuswamy Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on repatriation have been placed at the disposal of Government of Tamil Nadu with effect from the afternoon of 14-5-1984.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
CBI

(BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT)

New Delhi-110001, the 11th June 1984

No. 3|23|84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri Virendra Sinha IPS (Rajasthan-1970) as Assistant Director in the Bureau of Police Research & Development with effect from the Forenoon of 25th May, 1984 until further orders.

S. K. MALLIK
Director General

**DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 24th May 1984

No. E-32015(4)|73|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri S. K. Dutta on promotion as Assistant Commandant CISF HQs., New Delhi with effect from the forenoon of 1st May 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 13th June 1984

No. E-32015(4)|52|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Madan Gopal Das on promotion as Assistant Commandant CISF Unit ECL with effect from the forenoon of 23rd May 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|58|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri R. C. Bhownick on promotion as Assistant Commandant CISF Unit HEC Ranchi with effect from the afternoon of 23-5-84 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

Sd/- ILLEGIBLE
Director General|CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 12th June 1984

No. 11|123|79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri B. K. Banerjee, an officer of the State Civil Service (Madhya Pradesh) and at present working as Deputy Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, on deputation basis, to the Government of Madhya Pradesh with effect from the afternoon of the 31st May, 1984.

No. 10|4|80-Ad.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated the 27th February, 1984, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the under mentioned Console Operators in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director (Programme) in the same office upto the 30th June, 1984 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever is earlier, on the existing terms and conditions :—

Sl. No., Name and Head-Quarters

1. Shri R. L. Puri—New Delhi.
2. Shri A. P. Gupta—New Delhi.
3. Shri Satya Prakash—New Delhi.

The 13th June 1984

No. 11|87|79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri M. Vijayan Unni, an officer belonging to the Kerala Cadre of Indian Administrative Service and at present working as Director of Census Operations, Kerala, Thiruvandrum, to the State Government of Kerala with effect from the afternoon of the 31st May, 1984.

V. S. VERMA
Registrar General, India.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

**OFFICE OF THE COMPTROLLER AND
AUDITOR GENERAL OF INDIA**

New Delhi-110002, the 14th June 1984

No. 1407 CA.I|51-80.—On his attaining the age of superannuation of Shri D. K. Gupte, Audit Officer (Commercial) office of the Director of Audit (S&CD), Bombay and presently on deputation with Maharashtra Water Supply & Sewerage Board, Bombay has retired from service with effect from 30-4-1984 A.N.

K. P. TAKSHMANA RAO
Asstt. Comptr. & Ar. General (Commercial).

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES**

New Delhi, the 16th June 1984

No. ADMN. I/O. O. No. 105.—The Director of Audit Central Revenues, is pleased to appoint the following Section Officers as Assistant Audit Officers (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880- E.B.-40-1040 with effect from the dates noted against their names.

S. No.	Name	Date of Appointment
1.	Sh. Surender Kumar Goel	1-3-1984 (F.N.)
2.	Smt. Ramamani Subivasan	1-6-1984 (F.N.)
3.	Sh. Ved Yyas Komil	1-6-1984 (F.N.)
4.	Sh. Karimuddin Siddiqui	2-6-1984 (F.N.)
5.	Sh. Narendra Kumar	4-6-1984 (F.N.)

The 20th June 1984

No. Admn I/O.O. No. 104.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri J. S. Sawhney, a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30-6-1984. His date of birth is 17-6-1926.

No. Admn.I/O.O.No. 107.—Shri M. M. S. Oberoi, a permanent Audit officer of this office will be retiring voluntarily from the service of the Government of India from the forenoon of 13th June, 1984, after completion of more than 55 years of age in terms of rule 56 K of the Fundamental Rules.

2. Shri Oberoi entered Government service on 20-6-1949 and his date of birth is 2-12-1928.

Sd/- ILLEGIBLE
Joint Director of Audit (Admn.).

MINISTRY OF DEFENCE

**2 INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta, the 5th June 1984

No. 28/G|84.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri O. P. Bahl, Addl. DGOF[Member, retired from service with effect from 31st May 1984]AN.

V. K. MEHTA
Director.

MINISTRY OF COMMERCE

**(DEPARTMENT OF TEXTILES)
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay, the 13th June 1984

No. 2(39)|EST.I|3313.—Shri G. J. Khanchandani, Assistant Director, Gr. II, in this office, retired from Service from the afternoon of 31st May 1984 on attaining the age of Superannuation.

V. K. SRIVASTAVA,
Dy. Director (Admn.).

OPFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 21st May 1984

No. Jute(A)|147|58-Vol-V.—The President is pleased to extend the appointment of Shri I. K. Chatterjee, Director (Technical) of the National Jute Manufactures Corporation, Calcutta to officiate as Industrial Adviser (Jute Production) in this office on a part time basis in addition to his own responsibilities as Director (Technical) in NJMC for a period of three months with effect from 1st May 1984. This issues with the concurrence of Department of Textiles, Ministry of Commerce vide their D. O. letter No. 4-3-82-Jute dated 16th May 1984.

S. P. MALIK,
Jute Commissioner.

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
(OFFICE OF THE ECONOMIC ADVISER)

New Delhi, the 23rd May 1984

No. A-32015(1)81-Ec.Ad.—The President is pleased to appoint Shri Navin Sarna, a Grade IV Officer of the Indian Economic Service as Research Officer in the Office of the Economic Adviser, Ministry of Industry with effect from the forenoon of 16th May, 1984.

2. Shri Navin Sarna will be on probation upto 31-8-1984.

No. A-32015(1)81-Ec.Ad.—The President is pleased to appoint Kumari Ritu Kumar, a Grade IV Officer of the Indian Economic Service as Research Officer in the Office of the Economic Adviser, Ministry of Industry with effect from the forenoon of the 16th May, 1984.

2. Kmt. Ritu Kumar will be on probation upto 31-8-1984.

MANMOHAN SINGH
 Additional Economic Adviser

**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
 (SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 15th June 1984

No. A-19018|463|79-Admn(G).—Consequent upon his reversion to the Government of Himachal Pradesh, Shri A. K. Mohapatra, JAS (HP : 71) relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (GAD) in SISI, Cuttack on the afternoon of 30th April, 1984.

No. A-19018(563)|81-Admn(G).—Consequent on reversion to his parent Department as Ty. JSI|QP JSA II, Defence Materials & Stores, Research & Development Establishment, Kanpur, Shri K. M. Bhattacharya relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) (Leather Footwear) at Small Industries Service Institute, Gauhati on the afternoon of 31-3-1984.

The services of Shri Bhattacharya are replaced at the disposal of the Director, Defence Materials & Stores Research & Development Establishment, Kanpur.

R. R. FOUZDAR
 Deputy Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &
 DISPOSALS**
 (ADMN. SECTION—6)

New Delhi-110001, the 1 June 1984

No. A-17011|272|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri A. Ghosh, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 3-5-1984 until further orders.

The 13th June 1984

No. A-17011|216,83-A6.—Shri B. Krishnamurthy, permanent Examiner of Stores (Engineering) and officiating Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the Office of Director of Inspection, Calcutta retired voluntarily from Government Service with effect from the afternoon of 31st December, 1983 under Rule 48-A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

The 16th June 1984

No. A-17011|361|84 A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri P. J. Pyto, Examiner of Stores (Engineering) in the Madras Inspectorate

to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspecting Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 14-5-1984 until further orders.

No. A-17011|262|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Raj Kumar, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 11-5-1984 until further orders.

No. A-17011|263|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri H. R. Kapur, Examiner of Stores (Engineering) in the N. I. Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the office of the Dy. Director of Inspection, Kanpur under this Directorate General with effect from the forenoon of 7-5-1984 until further orders.

No. A-17011|267|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri R. C. Gupta, Examiner of Stores (Engineering) in the N. I. Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 7-5-1984 until further orders.

No. A-17011|273|84-A6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri P. K. Ghosh, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 3-5-1984 until further orders.

No. A-17011|276|84-A6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri S. K. Ghosh, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 16-5-1984 until further orders.

No. A-17011|278|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Amarendra Nath Ghosh, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 3-5-1984 until further orders.

No. A-17011|269|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri S. S. Rampura, Examiner of Stores (Engineering) in the Bombay Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 11-5-1984 until further orders.

No. A-17011|285|84.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri P. K. Mitra, Examiner of Stores (Tex.) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Tex.) on ad-hoc basis in the Bombay Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 11-5-1984 until further orders.

S. I. KAPOOR
 Deputy Director (Administration)
 for Director General, Supplies & Disposals.

New Delhi-110001, the 4th June 1984

No. A-6|247(142)|76.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Vohra, permanent Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director General (Inspection) (Supertime Scale post in Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') in the scale of pay of Rs. 2000-125/2-2250 with effect

from the forenoon of 10th May, 1984 and until further orders.

2. Shri S. N. Vohra relinquished charge of the post of Director of Inspection in the Directorate General of Supplies and Disposals (Hdgrs), New Delhi on the afternoon of 30th April, 1984 and assumed charge of the post of Deputy Director General (Inspection) (West & South Zone) at Bombay on the forenoon of 10th May, 1984.

The 13th June 1984

No. A-17011|108 78-A6.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Chadha, Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engineering) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 23rd April, 1984 for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri Chadha is also subject to final decision on the 3 LPAs Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 in Civil Writ Petition Nos. 1457/81, 1590/81 and 1973/81 pending in the High Court of Delhi.

2. The ad-hoc appointment of Shri S. C. Chadha will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Chadha relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) on the afternoon of 21st April, 1984 in the office of the Inspecting Officer (Engg.), Jamshedpur under Directorate of Inspection, Calcutta and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Engineering) on the forenoon of 23rd April, 1984 at Hyderabad under Director of Inspection, Madras.

S. J. KAPOOR
Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 11th June 1984

No. A-1|J(1181).—Shri J. P. Das, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of Director of Inspection, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1984 on attaining age of superannuation.

RAJBIR SINGH
Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 30th May 1984

No. 3928B|A-32013(AO)|82-19A.—Shri Jamil Ahmed, Superintendent, (S.G.), Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 - EB - 35-880-40-1000 -FB -40-1200- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14-3-84 until further orders.

The 1st June 1984

No. 4026B|A-32013(AO)|82-19A.—Shri A. K. Adhva, Superintendent (S.G.), Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 - EB - 35-880-40-1000 -FB -40-1200- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30-4-84 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th June 1984

No. A.19011(346)|83-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Dr. Sankar Biswas, to the post of Chemist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4-5-1984.

No. A-19011(363)|84-Estt.A.—Shri M. K. Rao, Mineral Officer (Statistics) is appointed to officiate as Assistant Mineral Economist (Stat.) a Grade IV post of Indian Statistical Services w.e.f. 11th May, 1984 (Afternoon).

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 18th June 1984

No. 4-198|84|Estt.—Smt. Bela Maulik, Research Associate (Physical) in the Anthropological Survey of India is promoted to the post of Assistant Anthropologist (Physical), Group-B (Gazetted) at the Eastern Regional Office, Calcutta in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd May, 1984, until further orders.

A. K. DAS GUPTA
Administrative Officer

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun-248001, the 8th June 1984

No. C-6084|718-A.—Shri Goverdhan Pant, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 3-4-84(FN) and posted to South Eastern Circle, Bhubaneswar vice Shri S. L. Verma, Establishment and Accounts Officer transferred.

G. C. AGARWAL
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 16th June 1984

No. F.9-1|82-Estt.|12168.—Shri Sanjit Kumar Ghosh, Senior Zoological Assistant is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the 26th April, 1984 (forenoon) until further orders.

No. F. 2-16/83-Fat./12181.—The following persons are hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Zoological Survey of India, in a temporary capacity with effect from the date and st. India mentioned against their names and until further orders :

S. No.	Name	Date	Station
1.	Shri T. R. Mitra	27-2-84 (FN)	Headquarters, Zoological Survey of India, Calcutta.
2.	Dr. J. R. Dhanjee	19-3-84 (FN)	Eastern Regional Station, Zoological Survey of India, Shillong.
DR. B. K. TIKADER Director Zoological Survey of India			

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 6th June 1984

No. A-12025|3|83-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Bibhuti Bhushan Sikdar as Senior Artist in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-F.B-35-880-40-1000-EB-40-1200 in this Directorate in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th May, 1984 until further orders.

2. Shri Sikdar will be on probation for a period of two years from the date of appointment which may be extended at the discretion of the appointing authority.

G. P. BHATTI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th June 1984

No. A-32013|3|83-RHTC|PH(SD&E).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Dalpat Singh, Assistant, Ministry of Health & FW to the post of Administrative Officer, Rural Health Training Centre, Naijafgarh, New Delhi with effect from the forenoon of 21st May, 1984 till further orders.

B. K. JANA
Deputy Director Administration (PH)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 13th June 1984

No. A-19012|3|84-S.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. C. Datta Khan, Audit Officer of the Office of the Director of Audit N.F. Railway Maligaon, Gauhati to the post of Accounts Officer, Govt. Medical Store Depot, Gauhati with effect from the forenoon of 22nd May, 1984 and until further orders.

R. C. GULATI
Deputy Assistant Director (Stores)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES
Bombay-400 001, the 12th June 1984

No. DPS|41|12|83-Adm.|13882.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Pyare Lal Khanna, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Asstt. Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 23-4-84 (FN) to 25-5-84 (AN) in the same Directorate vice Shri T. V. Ramaswami, Asstt. Purchase Officer granted leave.

No. DPS|41|2|83-Adm.|13889.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. B. Wadke, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 17-4-84 (FN) to 31-5-1984 (AN) in the same Directorate vice Shri John Vareed, Assistant Stores Officer granted leave.

P. GOPALAN
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 11th June 1984

No. 05000|K|2345.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Govindaswamy Kulandaivelu, an Upper Division Clerk of Madras Regional Purchase Unit, Directorate of Purchase & Stores, Madras to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Project (Central Office) w.e.f. May 18, 1984 (FN) in a temporary capacity until further orders.

The 12th June 1984

No. 05012|R1|OP|2382.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accounts Officer, Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Pay & Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis from the forenoon of April 9, 1984 to May 11, 1984 (AN) vice Shri V. K. Patidar, P&AO, granted leave.

No. 05012|R1|OP|2383.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Pandarathil Padmanabhan Namibiar, a permanent Assistant Accountant, Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis from the forenoon of April 9, 1984 to May 11, 1984 (AN) vice Shri A. M. Vaidya, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer-II.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th May 1984

No. A-32013|3|82-EC(1)—In continuation of this Department's Notification No. A-32013|3|82-EC dated the 4th Jan., 1984, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers in the grade of Senior Technical Officer for the period indicated against each :

Sl. No.	Name	Station of posting	Period	
			From	To
S/Shri				
1.	V. C. Reddy	ACS, Hyderabad	1-1-84	10-1-84
2.	U. K. Sinha	ACS, Calcutta	1-1-84	10-1-84
3.	P. Gupta	ACS, Gauhati	1-1-84	10-1-84
4.	K. Chandra-chudan	RCDU, New Delhi	1-1-84	10-1-84
5.	V. Govartanan	ACS, Silchar	1-1-84	10-1-84
6.	N.R.N. Iyengar	ACS, Bangalore	1-1-84	10-1-84
7.	A. K. Singal	ACS, Nagpur	1-1-84	10-1-84
8.	C. L. Malik	ACS, Bombay	1-1-84	10-1-84
9.	S. D. Awasthi	ACS, Jaipur	1-1-84	30-6-84
10.	A. V. Krishna	RCDU, New Delhi	1-1-84	30-6-84
11.	K. R. Ramanujam	ACS, Bombay	1-1-84	30-6-84
12.	V. S. Mittra	RCDU, New Delhi	1-1-84	30-6-84
13.	S. D. Banerji	RCDU, New Delhi	1-1-84	30-6-84
14.	M. L. Dhar	RCDU, New Delhi	1-1-84	30-6-84
15.	V. Subramanian	ACS, Madras	1-1-84	30-6-84

The 14th June 1984

No. A-32013|9|83-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A-32013|10|82-EC dated the 22nd May, 1983 the President is pleased to appoint Shri T. C. S. Moosad, Communication Officer, Aero. Comm. Station, Madras to the grade of Senior Communication Officer on a regular basis w.e.f. 11-1-84 and until further orders.

No. A-38013|1|84-EC.—Shri R. N. Moghe, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Station, Bombay in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office w.e.f. 31-5-84 (A.N.) on retirement on attaining the age of superannuation

O. P. AGGARWAL
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 11th June 1984

No. A-32014|2|84-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. S. Pandey, Senior Fire Foreman, to the grade of Assistant Fire Officer in the scale of pay of Rs. 650-1200 in the Civil Aviation Department on promotion on ad-hoc basis from 25-2-1984 to 10-4-1984 and thereafter on regular basis with effect from 11-4-1984 (Forenoon).

2. Shri R. S. Pandey is posted at the Office of the Controller of Aerodromes, Civil Aerodrome, Gauhati.

B. BHAWMIK
Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTES AND COLLEGES

Dehradun, the 11th June 1984

No. 16|242|77-Ests.I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehradun has accepted the resignation tendered by Dr. M. S. Haque from the post of Research Officer, Forest Genetics Branch under the Forest Research Institute & Colleges, Dehradun, with effect from the afternoon of 11-4-1984.

The 13th June 1984

No. 16|424|84-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehradun has been pleased to appoint Dr. (Miss) Veena Chandra to the post of Research Officer, Forest Research Institute & Colleges, Dehradun with effect from the forenoon of 8th May 1984 in a temporary capacity until further orders.

G. S. GROVER
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bhubaneswar, the 2nd June 1984

No. 4|84.—The following Gazetted Officers of Collectorate of Central Excise and Customs, Bhubaneswar retired from Government Service on Superannuation in the afternoon of 30th April, 1984.

1. Shri Dinesh Chandra Banerjee, Assistant Collector
2. Shri Bijoy Kumar Behera, Superintendent
3. Shri Bhagabati Das, Superintendent

C. SATAPATHY
Deputy Collector (P&E)

DIRECTORATE OF O&M SERVICES
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 14th June 1984

F. No. 532|7|79-O&MS.—Shri P. N. Khurana, Inspector of the office of Narcotics Commissioner, Gwalior presently working as Technical Assistant in this Directorate has assumed the charge of the post of Additional Assistant Director in the Directorate of O&M Services, Customs and Central Excise with effect from the F.N. of 1st June, 1984.

K. J. RAMAN
Director of O&M Services
Customs & Central Excise

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 15th June 1984

No. A-19012|1055|84-Est.L.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Arvind Gupta, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 29-5-1984.

MEENAKSHI ARORA
Under Secy. (C)
Central Water Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 1st June 1984

No. 2|7|84-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri S. Eswaran, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 26th April, 1984, until further orders.

B. M. LALL
Under Secy.
for Chairman

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 6th May 1984.

No. 32/2/84-EC II.—The following officers of the Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have been retired from the Govt. Service with effect from the date as mentioned against each of the officers :

S. No.	Name of Officer	Date of Retirement	Designation & last posting station.
1	2	3	4
/S/Shri			
1.	J. S. Uppal, E.E. (El.)	30-11-83 (AN)	L.E. (Elect.) Divn. No. VI, C.P.W. D., New Delhi.

1	2	3
2.	V.P. Mehta, E.E. (El.)	31-12-83 E.E. (El.) Elect. Consn. (AN) Divn. No. V, C.P.W. D., New Delhi.
3.	R.K. Kalra, E.E. (El.)	31-12-83 E.E. (El.) (Vig.) Office (AN) of Chief Engineer (Vig.), CPWD, New Delhi.
4.	A.S. Virdy, E.E. (C)	31-1-84 E.E. (C) (Val.) I.T.D., (AN) Amritsar.
5.	T.R.B. Gangwani, E.E. (C)	31-3-84 F.F.(C) 'H' Divn., (AN) C.P.W.D., New Delhi.
6.	V.R. Bhuvaraman, E.E. (C)	31-3-84 S.W. (C), S.S.W.(SZ), (AN) C.P.W.D., Madras.
7.	M.P. Agrawala, E.E.(C)	31-3-84 S.W.I., S.S.W.(I) (AN) P.W.D. Circle (Delhi Admn.) I. P. Estate, New Delhi.
8.	J.N. Sarkar, E.E.(C)	31-1-84 E.E. (Val) Unit V, (AN) O/O the S.E. (Val.) I-T Deptt., New Delhi.

MEENA GARG,
Dy. Director of Administration
for Director General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICF OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Shanti Sales & Distributor's Private Limited*

Kanpur, the 16th June 1984

No. 4200|LC|1862.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shanti Sales & Distributor's Pvt. Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
R. Grewal & Sons Private Limited*

Kanpur, the 16th June 1984

No. 4866|L.C.|4679.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the R. Grewal & Sons Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

V. P. KAPOOR
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001**

Patna, the 11th May 1984

Ref. No. III-936/Acq/84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tauzi No. 519, Sheet No. 40, Plot No. 1381, Holding No. 554, 618 (Old) 2277 (New) situated at Kankarbagh Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 25-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Lakhan Lal Saw S/o Late Mannu Lal Saw At Mohalla Bakarganj Bajaja, P.S. Pirbahore, Patna-4.
(Transferor)
- (2) Shri Madan Lal Ghorawat S/o Shri Sohan Lal Ghorawat Prop. National Chemical and Pharmaceutical Works, Kankarbagh Road P.O. and P. S. Kankarbagh, Patna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 11527 $\frac{1}{4}$ Sq. ft. with building situated at Kankarbagh Road Town and Dist. Patna and more fully described in Deed No. 8577 dated 25-10-83 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 8th June 1984

Ref. No. IJJ-938/Acq/84-85.—Whereas, I, P. K. DUBCY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mouza Dhaiya No. 6, Khata No. 130, Plot No. 1397 situated at Mouza Dhaiya, P.S. Dhanbad, Dist. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Dhanbad on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Jitendra Investment Co. Ltd., Registered Office at 8 Waterloo Street, Calcutta. At present Lal Bazar, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad. Through its Director, Sir Devendra Kumar Agrawall S/o Late Banwari Lal Agrawall.

(Transferor)

(2) Shri Atul Kumar Agrawalla S/o Sri Mahendra Kumar Agrawalla R/o Lal Bazar, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

8 Decimal land with cottage building situated at Mouza Dhaiya, P.O. Dhanbad, Dist. Dhanbad and more fully described in Deed No. 11562 dated 3-10-83 registered with D.S.R. Dhanbad.

Bihar, Patna.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-84.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 8th June 1984

Ref. No. III-939/Acq/84-85.—Whereas, J. P. K. DUBLY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mouza Dhaiya No. 6, Khata No. 130, Plot No. 1397 situated at Mouza Dhaiya, P.S. Dhanbad, Dist. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 12-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devendra Kumar Agrawalla, S/o Sri Banwari Lal Agrawalla, R/o Jharia, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad.

(2) Shri Prabhav Kumar Agrawalla, S/o Sri Yogendra Kumar Agrawalla, R/o Lal Bazar, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

7 Decimal land with cottage building situated at Mouza Dhaiya, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad and more fully described deed No. 12055 dated 12-10-83 registered with D.S.R. Dhanbad.

P. K. DUBLY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range
Bihar, Patna.

Date : 8-6-84.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL,
414-A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 28th May 1984

Ref. No. SR.IV/JAC/Acq.III/10-83/885.—Whereas, J.
B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 83-84 Village Ghondli

situated at Sahadara, Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Raminder Singh
S/o Shri Harkishan Singh
R/o 83-84 East Azad Nagar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Davinder Kaur
W/o Shri Balwinder Singh
R/o 84, East Azad Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Built up portion of Plot No. 83-84 measuring 200 sq. yds. Part of Khasra No. 922/291-289 and 303-307 situated at Vill. Ghondli in the Abadi of East Azad Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-51.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 29th 1984

Ref. No. SR-II|IAC|Acq.III|10-83|1008.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
EG-122 situated at village Naraina in the abadi of
Inderpuri, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in October, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(1) Shri Lov Dev s/o Chaman Lal,
R/o G-102 Nai Basti,
Seelampur, Shahdara,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Babu Babel, EA-1|32, Inderpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. EG-122 measuring 128 sq. yards khasra No. 1610
Village Naraina, Inderpuri, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Rekha Chawla,
114 Double Storeyed,
New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III.
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 27th April 1984

Ref. No. IAC(Acq.III)SR-10-83/343.—Whereas, J.
B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

152 MCD Market, Sarswati Marg,
situated at Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Kartar Singh,
CA-52C, Hari Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

152 MCD Market, Sarswati Marg, Karol Bagh, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL,
4/14-A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 27th April 1984

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/10-8/3357.—Whereas, I,
B. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
One flat No. 1 on front portion situated at
Siri Fort Road, Masjid Moth, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
new Delhi in October, 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
39—136GI'84

- (1) Shri N. R. Mohindra, Subash Mohindra, Harish
Mohindra, Usha Mohindra, Mala Mohindra,
A-198, Safdarjang Enclave,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Indra Bhargava, Shashikala Bhargava,
184-A Anandpur, Meerut City (UP).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat No. 1 on the front portion of 1st floor building
Area 1311 sq. ft. plus 76 sq. ft. Balcony alongwith propor-
tional share in land of property bearing No. 9 Siri Fort
Road, Masjid Moth, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 27-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC/Acq.I 371E/10-83/450.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6492 and 6492-A, Situated at F. Block, Connaught Circus, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC, Acq. Range-I, New Delhi in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagmohan Gupta, Shri B. P. Jain, Shri V. K. Jain, Shri Virender Kumar Jain, Shri Sanjiv Kumar Jain, Shri Vikram Kumar Jain and Shri Chikram Kumar Jain.

Name and address of the Transferor.

1. Shri Jagmohan Gupta,
S/o Shri Prem Rai
R/o Prem Bhawan,
4144-Pahari Dhiraj, Delhi-110006. Karta of Jagmohan Gupta & Sons (HUF).

2. Shri B. P. Jain
S/o Shri Phool Chand Jain
R/o D-400 Defence Colony, New Delhi,
Karta of the HUF
M/s. Girdhari Lal Jain and Brothers, which HUF consists of the following smaller HFs.

- (1) Vipin Chand Jain
S/o Shri Girdhari Lal Jain
R/o 4498 Pahari Dhiraj, Delhi-110006,
Karta of Girdhari Lal Jain & Sons (HUF).

- (2) Shri Bimal Pershad Jain
S/o Shri Phool Chand Jain,
R/o D-400, Defence Colony,
New Delhi-24 Karta of Bimal Pershad Jain & Sons (HUF).

- (3) Shri Tillok Chand Jain
S/o Shri Phool Chand Jain
R/o D-422, Defence Colony,
New Delhi-24 Karta of Tillok Chand Jain & Sons (HUF).
3. Shri V. K. Jain.
S/o Shri Ishri Pershad Jain
R/o D-87 Defence Colony, New Delhi
Karta of M/s. Ishri Pershad Jain (HUF), which HUF has the following co-partners :—
(1) Virender Kumar Jain
(2) Sanjiv Kumar Jain
4. Shri Virender Kumar Jain
S/o Shri Ishri Pershad Jain
R/o D-87, Defence Colony, New Delhi-24.
Karta of Virender Kumar Jain (HUF)
5. Shri Sanjiv Kumar Jain
S/o Sher Singh Jain s/o Shri Ishri Pershad Jain
R/o D-405 Defence Colony, New Delhi-24.
Karta of Sanjiv Kumar Jain (HUF).
6. Shri Vikram Kumar Jain
S/o Shri Nihal Chand Jain,
R/o 6236 Bara Tooti Sadar Bazar,
Delhi-6 Karta of Vikram Kumar Jain & Sons (HUF).
7. Shri Chikram Kumar Jain
S/o Shri Nihal Chand Jain
C/o Ashoka & Co.
56 Okhla Industrial Estate, New Delhi
Karta of Chikram Kumar Jain & Sons (HUF).
(Transferor)

- (2) M/s. Dalmia Dairy Industries Ltd.
11-ABC, Atma Ram House,
1 Tolstoy Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing old Municipal Nos. 6492 and 6492-A and new Municipal Nos. F-7/1, F-7/2, F-7/3, F-7/4, F-7/8, F-7/9, F-7/10, F-7/11 in F Block Connaught Place, New Delhi, Measuring 4,700 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi

Date 2-6-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRATIKAR SADAN,
60/61, ERANDAVANE, POONA

Pune, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|600|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 21, 2nd floor, Wing-A, Ganesh Palace, Chittaranjan Das Road, Rambnagar, Dombivali (East) situated at Distt. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mrs. Aashish Builders,
157, Shankar Dham,
Block No. 6, Scheme No. 57,
Road No. 16, Wadala,
Bombay-4000 031.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Vishwanath Moghe,
B-8, Sukhijivan Society,
Rambnagar, Dombivali East,
Distt. Thane-42 201.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd floor, Wing 'A' Ganesh Palace, Chittaranjan Das Road, Rambnagar, Dombivali (East), Dist. Thane.
(Area—697 sq. ft. carpet)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 2550/83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 2-4-1984

Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PRATIKAR SADAN,
60/6, ERANDAVANE, POONA

Pune, the 2nd April 1984

Flat No. G, 5th floor, Wing No. II Thackers House,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Flat No. G, 5th floor, Wing No. II Thackers House,
C.C. No. 2418, East Street, situated at Pune-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
I.A.C. Acqn. Range, Pune on October 1983

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration or such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Thackers and Parmar Properties Pvt. Ltd.,
116/118—1st Marine Street,
Bombay-2.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ishwari Prataprai Mehboobani
2. Shri Jacky Prataprai Mehboobani
3. Smt. Geeta Jacky Mehboobani,
2406, East Street, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. G, on 5th floor admeasuring 1015 sq ft. Wing
No. II in the building as THACKERS HOUSE, bearing
Cantonment Committee No. 2418, East Street, Pune-411001.
(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune
under Document No. 1814 in the month of October,
1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 2-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PRATIKAR SADAN,
6th FLOOR, ERANDAVANE, POONA

Pune, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC[ACQ]CA-5|37FE|84-85|602.—Whereas, I,

SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property at Plot No. 15, 1st floor, Bldg No. 2 Saraswati Nagar, Co-operative Housing Society, Kopri Colony, situated at Thane (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq'n. Range, Pune on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramesh Lal Govindram Sathija,
2/13, Saraswatinagar, Kopri Colony,
Thane East-400603.

(Transferor)

(2) Mrs. Raghubanhabai Ramarao Shroff,
Mr. Shroff Gururajrao,
2/18 Daulatnagar,
Thane East-400603.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor, Building No. 2, Saraswatinagar, Kopri Colony, Thane East-400603.

(Area—715 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 2598|83-84 in the months of December, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 2-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PRATIKAR SADAN,
60/6, ERANDAVANE, PUNE

Pune, the 10th April 1984

Ref. No. IAC|ACC|CA-5|37FE|84-85|603.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1A C.T.S. No. 472|C-2, Gultekdi situated at Pune-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Poornima Builders,
372, New Rasta Peth,
Pune-411011.

(Transferor)

(2) Shri Popatil Bhagchand Ostwal,
362, Ganesh Peth,
Pune-411011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1A building to be constructed on plot bearing C.T.S. No. 472|C-2 Gultekdi, Pune-411009.
(Area—480 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 2296|83-84 in the month of December, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRATIKAR SADAN.
60/6, ERANDAVANE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/84-85/604.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 6, Pitrukhaya Bldg., Plot No. 3, Village Ahole,
Tal. Vasai situated at Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
I.A.C. Acqn. Range, Pune on October 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer is agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) M/s. Manisha Construction Corporation,
Through proprietor Shri Krishnalalumar Dave,
Residing at Ahole Road,
At Ahole Taluka, Vasai,
Dist. Thane.
- (Transferor)
- (2) Smt. Shobhavati Hirnalal Mehta,
Residing at Room No. 7,
Block No. X-13, Godrej Colony,
Vikhroli (E), Bombay-78.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6 second floor, Pitrukhaya Building, Plot No. 3,
Village Ahole, Tal. Vasai, Dist. Thane.
(Area—620 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under
Document No. 2913 in the month of December, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Ass't Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
PRAHKAR SADAN,
60/6, ERANDAVANE, PUNE

Pune, the 7th April 1984

Ref. No. IAC[ACQ]CA-5|37EF|84-85|605.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 121 and 122, Plot No. 51, Kothrud situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri P. V. Sonalkar.
2. Shri B. V. Sonalkar and
3. Shri M. V. Sonalkar,
Anurag Apartment, Erandawana,
Poona-4.

(Transferor)

(2) M/s. Neema Builders,
501, Rasta Peth,
Poona-411011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; or and/or

THE SCHEDULE

Property at survey No. 121 and 122 Plot No. 51, Kothrud, Poona.

(Area—25120 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 3517/S3-84 in the month of January, 1984).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : -

Date : 7-4-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. D. K. Garde

Partner of

M/s. Varushang, 'Vivva' 94/2A, Elandawana,

Pune-411004

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
PRATIKAR SADAN,
60/6, FRANDAVANE, PUNE

Pune, the 7th April 1984

Ref. No. IAC[ACQ]CA-5|37EE|84-85|606.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat in 'Gitali', C.S. No. 786|9|10|15|16 F. P. No. 243, Shivajinagar T.P. Scheme, No. 1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri H. M. Pawar,
3/44 Guruprasad,
Pune-411001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Top floor, South side flat in 'Gitali' situated at C.S. No. 786|9|10|15|16, F. Plot No. 243, Shivajinagar, T. P. Scheme No. 1, Pune.

(Area—1200 sq. ft. carpet area)
Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 3058/83-84 in the month of December, 1984.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—136GT|84

Date : 2-4-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE,
 PRATIKAR SADAN,
 60/6, ERANDAVANE, PUNE
 Pune, the 6th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|84-85|607.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 304, 3rd floor, Property H. No. 2416 East Street, Pune-I situated at Pune-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Makwana Bros. & Co.
 441 Sonwar Peth,
 Pune-411001.

(Transferor)

(2) M/s. Jyoti Dayaldas Daswani,
 P.O. Box No. 12427, Ibadan Oyostate,
 Nigeria, West Africa.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, situated on 3rd floor, H. No. 2416, East Street, General Thimaya Road, Pune-411001.

(Area—11,511 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 2237/83-84 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Pune

Date : 6-4-1984
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

3
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 2nd April 1984

Ref. No. IAC. ACC|CA-5|608|37EE|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H, Vth floor, Wing No. II, Thackers House, C.C. No. 2418, East Street, situated at Pune-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Thackers and Parmar Properties Pvt. Ltd., 116/118-1st Marine Street, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ishwari Prataprai Mehboobani,
2. Shri Sunder Prataprai Mehboobani,
3. Smt. Veenu Sunder Mehboobani,
2406, East Street, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No. H, Vth floor, admeasuring 905 sq. ft. Wing No. II Building known as Thackers House. Contonment Committee No. 2418, East Street, Pune-411 001.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1559|83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date : 2-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Chopra Developers, 245, Narayan Peth,
Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shri Vivekanand, Baburao Takawale,
862, Kasabapeth, Pune-411 011.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PRAVTIKAR SADAN, 50/61 ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-3/609/37E/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 7, Rajkiran Apartment, Plot No. 87, S. No. 50, 52, 53A, Parvati situated at Pune-411 009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering officer

at I.A.C. Acq. Range, Pune in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

'THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, Rajkiran Apartment, Plot No. 87, S. No. 50, 52, 53-A, Parvati, Pune-411 009. (Area—705 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1693 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Chopra Developers,
245, Narayanpath,
Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PRAPIKAR SADAN, 60/61-ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/610/37EE/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. Rajkiran Apartment, Plot No. 87, S. No. 50, 52, 53A Parvati situated at Pune-9 (East) Bombay-400093

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC, Acquisition Range, Pune in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Ganpatrao, Sambhaji Tambe,
Village Jeur,
Tal. Purandhar, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Rajkiran Apartment, Plot No. 87, S. No. 50, 52, 53A, Parvati, Pune-411 009. (Area—577 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2035/83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Chopra Developers,
245, Narayanpeth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) 1. Shri Deelip Shamrao Avale,
2. Mrs. Shudha Deelip Avale,
Varad Vinayak Housing Society,
Vadgaon Sheti, Pune-411 014.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
PRAPIKKAR SADAN, 60/61-ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 5th April 1984

Ref. No. IAC. ACQ/CA-3/37EE/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 6, Rajkiran Apartment, Plot No. 87, S. No. 50-52-53A, Parvati, situated at Pune-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Rajkiran Apartments, Plot No. 87, Survey No. 50-52-53(A), Parvati, Walvekarnagar, Pune-411 009.
(Area—577 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1691/83-84 in the month of October, 1983).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1984
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) M/s. Farmar Constructions,
321/3, New Timber Market Road,
Pune-411 002.
(Transferor)
- (2) Mr. L. E. Jolly, 28, Kahon Road, Pune-411 001.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61-ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/613/37EE/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 120, K. P. Tower-2, Plot No. 4, Hissa No. 6 S. No. 17A Mouje Wanowarie situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at I.A.C. ACQ Range Pune in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 120 in K. P. Tower-2, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 17A Mouje Wanowarie, Pune-13. (Area--790 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3623/83-84 in the month of January, 1984).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.Date : 2-4-1984
Date : 5-4-1984

FORM ITNS—

(1) M/s. Fatinar Constructions,
3215, New Timber Market Road, Pune-2

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Anwar Aziz Shaikh,
C/o. Tarik Zahid Es: Painting Div.,
P.O. Box-8146-Jeddah-Saudi Arabia.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Pune-4, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA 5/614/37FF/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Flat No. 424, in KPT-II, Plot No. 4, Hissa No. 6, Mouje Wanowarie situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 424 in KPT-II, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 17-A, Mouje Wanowarie, Pune-411 013. (Area—720 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 668/83-84 in the month of October, 1983).

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Makwana Bros. & Co.,
441, Somwar Peth, Pune-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

PRAPTIKAR SADAN, 60/61-TRANDAVANE, POONA-4

Pune-4, the 6th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/615/57FE/84-85. - Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th floor H. No. 2416, East Street situated at Pune-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer u. I.A.C. Acq. Range, Pune in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Mr. Kala Uttamlal Balsara and Uttamlal L. Balsara, 209, M.G. Road, Pune-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, H. No. 2416, East Street, General Thimmaya Road, Pune-1. (Area—1420 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2234/83-84 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 6-4-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shah Builders,
49, Steel Yard House,
Sant Tukaram Road,
Bombay-400 009.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61-ERANDAVANE, POONA-4

Bombay, the 7th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/616/37FE/84-85.—Whereas, I,

SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 203, 2nd floor, Lakshmi Apartments, Tilak Road, Dombivali (E) Thane Dist. situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of the Registering Officer at Pune in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri M. N. Wagh,
Sea Bridge Apartment,
East Cross Lane, Santacruz (E),
Bombay 400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Lakshmi Apartments, Tilak Road, Dombivali (E), Thane Dist. (Area—57.14 sq. m.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3603/83-84 in the month of December, 1983).

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Pradhan Hill Resorts
Through its partners
Shri Siraz Badruddin Ahmed Pradhan,
41, Jali Road, Dongri,
Bombay-400009.
(Transferor)

(2) 1. Shri Ali Khan Rajabkhan,
2. Shri Usmankhan Rajamuhamed,
Both residing at Irani Chawl,
'G' Ward, Lonawala, Tal. Maval,
Dist. Pune.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PRAPTIKAR SADAN, 60/61-ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 2nd April 1984

Ref. No. LAC/ACQ/CA/37G/1113-84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Non-Agricultural land Plot No. 35, R.S. No. 25/1

situated at Lonavala, Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R. Maval on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-Agricultural land within the limits of Lonavala Municipal Council bearing Plot No. 35, R.S. No. 25/1, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Area—578.19 sq. mts.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Mavale under Document No. 703 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 2-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PRAVTIKAR SADAN, 60/61-ERANDAVANE, POONA-4

Pune, 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 210, 2nd floor Panna Chambers 501, B, Ghopade Peth, Pune-2 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harnarayan Pannalal Malpani,
(Karta, H. P. Malpani-HUF)
1538, Shukrawar peth, Pune-411 002.

(Transferor)

(1) Mrs. Manjulal Kantilal Sanghvi,
J64, Kuruwar peth, Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office No. 201, 2nd floor, Panna chambers, 501-B, Ghopade peth, Pune-411 002.
(Area-185 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2899/83-84 in the month of December, 1983.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date : 5-4-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Jagannath Pyarelal Agarwal
 2. Shri Kantilal Jagannath Agarwal,
 278, Nana Peth, Punc-2.
 (Transferor)
- (2) Shri Chandrakant Dattatraya Kupade
 Nathu Landge Chawal,
 Kasarwadi, Punc-34.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE
 PUNE

Pune, the 28th April 1984

Re: No. JAC ACQ/CA-5/37EE/617/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269L of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property at CTS No. 29-2, 29, 31, Somwar peth situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACQN. Range, Pune on 9-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated at C.T.S. No. 29-5, 29, 31 Somwar peth, Pune-411 011 Flat No. 7 3rd floor. (Area—326 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2266/83-84 in the month of October, 1983.) Date : 28-4-1984

SHASHIKANT KULKARNI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 62—116GI/84

Date : 11-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Chopra Developers,
245 Narayan Peth,
Pune-411 030.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 5th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/618/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No. Flat No. 1, Rajkiran Apartment, Plot No. 87 S. No. 50, 52, 53A, Parvati situated at Pune-411 009.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the 'apparent consideration' therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. K. B. Bahirat,
512, Rasta Peth,
Pune—411 011.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Rajkiran Apartment, Plot No. 87, S. No. 50, 52, 53A, Parvati, Pune—411 009.
(Area—577 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1692 in the month of October, 1983).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 5-4-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Ramesh Shivram Damle,
Maharashtra Mandal, Tilak Rd.,
Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Sh. Mohanlal Tarachand Parmar,
393, Guruwar Peth,
Pune-411 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 9th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|619|37EE|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Ganjpath, Survey No. 529 Plot No. 322|2 T.P.S. 3 situated at Pune-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Ganj Peth Survey No. 529—Plot No. 322|2 T.P. Scheme—No. 3, Total area of the Plot is 5100 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2588|83-84 in the month of Oct. 1983).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Poornima Builders,
379, New Rasta Peth, Pune-411 011.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 10th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/620/37EE/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat No. IIA, C.T.S. No. 472/C-2, Gultekadi, situated at Pune-411 009 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. IIA Building at C.T.S. No. 472/C-2, Gultekadi, Pune-411 009.

(Area—460 sq. ft.).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2295/83-84 in the month of Dec. 1983).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-4-84
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Thackers Builders Pvt. Ltd.
116/118, 1st Marine Street,
Bombay-400 002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 9th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/621/37EE/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2, Block No. II, Wing-A, Thackers Apt. No. 2128, Kumbhanwadi, Villabhatti Patel Road, situated at Pune-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. Ramesh Hiranand Kripalani,
2406, East Street,
Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

42—136GI/84

THE SCHEDULE

Flat No. 2,
C.C. No. 2128
Pune-1.

Thackers Apartments,
Villabhatti Patel Road,
Pune-1.

(Area 685 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1808/83-84 in the month of Oct. 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 9-4-1984

Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC. ACQ/CA-3, 1112/37G/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at R.S. Nos. 2511 & 26, Maval Taluka, situated at Lonavala, Distt. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Maval in October, 1983

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Pradhan Hill Resorts through its partner Sh. Shiraz Badruddin Ahmed Pradhan,
41-Jail Road (East)
Dongri Bombay 400 009.

(Transferor)

(2) Shri Vasant Raghunath Tikekar, and (2) Sh. Manohar Revadmal Gupta.
G-Ward, Lonavala, Tal. Maval,
Distt. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agril. land at R.S. Nos. 2511 and 26, Village Lonavala, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Area—595.70 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Maval under document No. 588/83 in the month of Oct. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 2-4-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/114/37G/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property at Plot No. 21, R.S. No. 25/1 and 26 Tal. Maval Lonavala situated at Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(1) M/s. Pradhan Hill Resorts, through its partner Sh. Badruddin Ahmed Pradhan 41-Jail Road, (East) Dongri, Bombay. (Transferor)

(2) 1. Shri Nandkishor Srigopal Khandelwal, 26-F Ward, New Bazar Lonavala.
2. Mrs. Rupavati Kishanlal Agarwal, 85-F Ward, New Bazar, Lonavala Tal. Maval, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Non-Agri. land at Plot No. 21, Out of R.S. No. 25/1 and 26, Tal. Maval, Lonavala, Dist. Pune.

(Area—514.82 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 336 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 3rd April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1115/37G/84-85.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Plot No. 34, R.S. Nos. 25/1 and 26, Maval Taluka, Lonavala situated at Dist. Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Maval in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) **M/s. Pradhan Hill Resorts**—through its partner Sh. Shiraz Badruddin Ahmed Pradhan 41-Jall Road (East) Dongri, Bombay-400 009.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Ghevarchand Juharmalji Jain, Flat No. 3, Malad, Bombay-400 064.
 2. Shri Kanakraj Juharmalji Jain, 6th floor, Mamlatdar Wadi, Anjali Niwas, Room No. 2, Malad, Bombay-64.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agril. land at Plot No. 34, R.S. Nos. 25/1 and 26 Tal. Maval, Lonavala, Dist. Pune.

(Area—634.5 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 589 in the month of Oct. 83).

SHASHIKANT KULKARNI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona

Date : 3-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Punc, the 2nd April 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]116/37G/84-85.—Whereas, 1. SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Non-Agril. land at Plot No. 25, R.S. Nos. 25|1
& 26 Tal. Maval Lonavala
situated at Dist. Pune
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at S.R. Maval on Oct. 83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) M/s. Pradhan Hill Resorts,
through its partner Sh. Shiraz B. Ahmed Pradhan,
41—Jail Road, Dongri, Bombay-400 009.
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Afzal H. Mitha
22, Appolo Street, Bombay-1.
2. Mrs. Shirin Roshan Namavati,
Navroz Mahor, Mirza Galib Rd.,
Bombay-400 008.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective person
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Non-Agril. land at Plot No. 25, Out of R.S. Nos. 25|1 and
26, Lonavala,
Tal. Maval, Dist. Pune,
(Area—509.4 sq. meters).
(Property as described in the sale deed registered in the
office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 587
in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd April 1984

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/1117/37G/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Non-Agri. Land at R.S. Nos. 25/1 & 26 Lonavala, Tal. Maval situated at Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pradhan Hill resorts
Partner—Sh. Shiraz Badruddin Ahmed Pradhan,
41-Jail Road, Dongri, Bombay-9.
(Transferor)

(2) 1. Sh. Hanif Hasan Shaikh
House No. 8, 'E' Ward, Lonavala
Tal. Maval, Dist. Pune.
2. Smt. Lalibai Hasanali Merchant,
Bawla Sanatorium No. II
Bombay pune Road, Lonavala, Maval Taluka,
Dist. Pune.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-Agril. land at R.S. Nos. 25/1 and 26 Tal. Maval, Lonavala, Dist. Pune.
(Area—586.31 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 471 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-1-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Pradhan Hill Resorts a partnership firm through its partner—Sh. Badruddin Ahmed Pradhan 41-Jail Road, (East) Dongri, Bombay-400 009.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1118/37G/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 14, Survey No. 251 and 26, Lonavala, situated at Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval, on Oct. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of Non-Agril. land at Plot No. 14, Survey Nos. 251 and 26 Tal. Maval, Lonavala, Dist. Pune.

(Area—578.46 sq. meters).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 337 in the month of October, 83).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-84

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IACI/ACQ/CA-5/627/37/EE/84-85.—Whereas, I,

SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 202, Building B, Charuhas Apartments, situated at Plot No. 65, survey No. 121, 122 Kothrud Pune-29.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC/ACQ, Range, Pune on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. V. S. Joshi and Co.,
386, Narayan Peth,
Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Mr. Sitaram Bhaskar Nene,
Master Pranjal Sitaram Nene,
'Laxmi Niwas' 2nd floor, 355 V. P. Road,
Bombay-400 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Building B, Charuhas Apartments, Plot No. 65 survey No. 121, 122 Kothrud. (Area—546 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2150 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. V. S. Joshi and Co.,
386, Narayan Peth,
Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Mr. Dhondu Shridhar Gade,
46/386 M.H.B. Colony,
Sant Tukaram Nagar, Pune-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
 ACQUISITION RANGE
 PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC. ACQ/CA-S/37EE/629/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 201, Building A, Charuhas Apartments, Plot No. 65, survey No. 121, 122, Kothrud situated at Pune and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, Building A Charuhas Apartments Plot No. 65, survey No. 121, 122 Kothrud, Pune—(Area—660 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2463 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—136GI/84

Date : 22-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. V. S. Joshi and Co.,
386, Narayan Peth,
Pune-411 030.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|628|37EE|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 101, Building B, Charuhas Apa., plot No. 65, survey No. 121, 122, Kothrud, situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC. Acq. Range, Pune in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mr. Vinay Keshav Deshpande.
Mrs. Jyoti Vinay Deshpande
C/o Mr. V. D. Garud, Setkar Bungalow,
38/21, Erandawana, Pune-411 038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Building B, Charuhas Apartments, Plot No. 65 Survey No. 121, 122, Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2464 in the month of December, 1983).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dato : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. V. S. Joshi and Co.,
 'Jay Chambers' 1st Floor,
 501, Ghorpade peth, Swargate,
 Pune-411 002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. W. Joshi, 12, East High Court Road.
 Flat No. 3, Ramdas Peth, Nagpur-440 010.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|630|37EE|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2, Charuhas Apartments, Plot No. 65, S. No. 121, 122, Kothrud situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range Pune on Jan. 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Charuhas appartments, Plot No. 65, S. No. 121, 122, Kothrud, Pune-29.
 (Area—546 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3592|83-84 in the month of Jan. 1984).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5|625|37EE|84-85.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Flat No. 101, Arati Apartments, S. No. 1102[A]3A situated
at Model Colony, Shivajinagar, Pune-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at I.A.C. Acq. Range Pune on Jan. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) M/s. V. S. Joshi and Co.,
'Jay Chambers' 1st Floor,
501, Ghorpade peth, Swargate,
Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Sou. Sheila Ramesh Bailur
Miss. Smitha Ramesh Bailur,
B-2|75, Sadarjang Enclave,
New Delhi-110 029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned : —

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 'Arati Apartments' survey No. 1102[A]3A,
Model colony, Shivaji Nagar, Pune-16.
(Area—864 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under
document No. 3547|83-84 in the month of Jan. 1984.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. V. S. Joshi and Co.,
 'Jay Chambers' 1st Floor,
 501, Ghorpade peth, Swargate Corner,
 Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Col. G. M. Chickermane.
 28-A, Kasturba Gandhi Marg,
 New Delhi-110 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/626/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 101, Arati Apartments, survey No. 1102[A]3A situated at Model colony, Shivajinagar, Pune-411 016. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on Jan. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Flat No. 101, Arati Apartments, Survey No. 1102[A]3A, Model colony, Shivaji Nagar, Pun-16 (Area—1068 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3543/83-84 in the month of Jan. 1984).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1984
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. V. S. Joshi and Co.,
386 Narayan Peth,
Pune-411 030.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Suresh Vinayak Chitale,
Mrs. Meena Suresh Chitale,
'Manorama' Shri Kripa Housing Society,
48[B, Parvati-Darshan, Pune-9.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC.ACQ/[CA-5]624/37EE/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Flat No. 301, 3rd floor, Plot No. 485[A]3A situated at S. No. 1102[A]3A, Model colony, Shivajinagar, Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC.Acq Range Pune on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Plot No. 485[A]3A, S. No. 1102[A]3A Model colony, Shivajinagar, Pune-16.
(Area—1068 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2151/83-84 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC. ACQ/CA-5/623/37EE/84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 202, 1st floor, Plot No. 55 S. No. 89/2, 90/2, 91/2 Parvati situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. V. S. Joshi and Co.,
501, Ghorpade peth,
Jay Chambers, Pune-411002.

(Transferor)

(2) Shri Vasant Digambar Kulkarni,
3-C-49 Jay Vijay, Vile Parle (East),
Bombay-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Plot No. 55, Survey No. 89/2, 90/2, 91/2, Parvati, Pune-9.—(Area 975 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3111/83-84 in the month of Decemb 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dato : 22-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. V. S. Joshi and Co.,
Jay Chambers, 501, Ghorpade Peth,
1st Floor, Swargate, Pune-2.
(Transferor)
- (2) Mr. A. V. Kemkar and Mrs. A. A. Kemkar,
Plot No. 47, Mayoos Co-operative Colony,
Kothrud, Pune-411 029.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 23rd May 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|622|37EE|84-85.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1, ground floor Char has Apartment B, Plot No. 65 Rambang Colony, Kolhirud situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on Jan, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 Ground floor, Charhus Apartments B-Plot No. 65 Rambang Colony Kothrud, Pune-411029.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3546/83-84 in the month of January, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-5-1984
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Shri P. V. Patil, 2. Shri B. P. Patil, 3. Shri B. S. Patil,
4. Shri M. S. Patil, 5. Shri S. S. Patil—Thakurli,
Tal. Kalyan Dist. Thane.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gopal Kashinath Mahajan, 2. Shri Bhagwan
Krishnaji Zone Tulshi Sadan, Jai-hind colony,
Dombivali, Dist. Thane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-411 004, the 28th April 1984

Ref No. IAC. ACQ/CA-5/37C-84-85/1126.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 159, Hissa No. 3, Nehru Rd., Village-Chole
situated at Dombivali, Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
S.R. Kalyan on Oct. 83
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Survey No. 150, Hissa No. 3, Land at Nehru Road, Village
Chole, Dombivali, Tal. Kalyan Dist. Thane.
(Area—1315.22 sq. mts.)

(Property as described in the sale deed registered in the
office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 2222
in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
44—136G/84

Date : 28-4-1984

Seal :

FORM ITNS:

(1) Shri D. M. Chandodiya, Central Bank Road,
Ahmednagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC. ACQ/CA-537G/84-85]1123.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property at S. No. 34|1A|2, Savedi situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A.R. Ahmednagar on October, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property at Survey No. 34|1A 2|1, Ahmednagar, Savedi.
(Area—38,736 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 3425 in the month of October, 1983.)

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. S. B. Jog, Plot No. 14, Ashwani Co-op.
Housing Society, Behind Congress Bhavan,
Station Road, Kolhapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37G/84-85/1124.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
C.S. No. 2508/19, Plot No. 61, E-Ward, Nagala Park,
situated at Kolhapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer
at S.R. Kolhapur on Jan 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said Instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Property is situated at C.S. No. 2508/19, Plot No. 61, E-
Ward, Nagala Park, Kolhapur. (Area—Land 5400 sq. ft. Built-
up area—112 sq. mrd.).

(Property as described in the sale deed registered in the
office of the Sub-Registrar, Kolhapur under document No.
4680 in the month of January, 1984.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
said property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Yalgona S. Patil,
Kupwad, Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37G/84-85/1125.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 41/1A/1B+2 at Kupwad, Miraj situated at Sangli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Miraj on October, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Anand V. Deshingkar, 2. Shri Shivchand B. Digewade 3. Shri Bugaunda B. Tashildas 4. Shri Jambu D. Kolap, 5. Shri Sadashiv P. Hake 6. Shri Narayan R. Mantri 7. Mangesh R. Mantri 8. Madhav S. Joshi and 9. Srirang Pandurang Chavan.
Sr. No. 2 & 3 resides at Miraj, No. 1, at Sangli, No. 4, at Madhavnagar No. 5 at Kupwad, No. 6 and 7 at Isampur No. 8 & 9 at Walchand Engineering college staff quarters, Vishrambaug, Sangli.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at R.S. No. 41/1A/1B+2/2 at Kupwad, Miraj, Sangli.
(Area—2H and 61R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Miraj-I, Sangli under document No. 225/83 in the month of October 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri N. N. Mchedia,
Gat No. 4, C.S. No. 2804, Dhule.

(Transferor)

(2) Shri Mulchand Ratanlal Agrawal,
C.S. No. 3062, Dhule.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAC. ACQ|CA-5|37G|84-85|1122.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property at S. No. 553-A|2, F.P. No. 210|B Plot No. 4, Dhule situated at Dhule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R. Dhule on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property S. No. 553-A|2, Final Plot No. 210|B, Plot No. 4, Dhule, Dhule. (Area—3200 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the S.R. Dhule under document No. 4079 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-4, the 28th April 1984

Ref. No. IAC. ACQ|CA-5|37G|84-85|1631.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Rlat No. 3, C.T.S. No. 1201|A-12, F.P. No. 563|3 S.P.
No. 21, Shivaji nagar, Pune
situated at Pune-4
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at
IAC. Acqn. Range, Pune on October, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri R. Rajgopal, C/o. Ramachandran,
S.B.I. Priya Society, Tadiwala Road, Pune-411 001.
(Transferor)
- (2) Smt. Umadevi Rathod, 'Sankar', 1201|A-12,
Shivaji nagar, Pune-411 004.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Nav Kalpana Sahakari Griha Rachana Sanstha,
C.T.S. No. 1201|A-12 F.P. No. 563|3, S.P. No. 21, Shivaji
Nagar, Pune-411 004. (Area—1059 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in
the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under docu-
ment No. 2563 in the month of October, 1983.)

- (b) facilitating the concealment of any income or any
trustees or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. H. A. Merchant,
304, Tardeo Road, Nand Chowk, Bombay-400 007.
(Transferor)
- (2) M/s. Minaxi Pravinendra Nayak,
3C/4, Krishna Nagar, Chandaوار Lane,
Boivali (West), Bombay-92.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 30th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/632/37EE/84-85.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 8-14, 3rd floor, Merchant Apt., Plot No. 10 S. No. 379A-2 Virar, situated at Tal. Vasai Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range Pune on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-14, 3rd floor, Merchant apartments, Plot No 10, S. No. 379-A-2 Virar, Tal. Vasai, Dist. Thane.
(Area—333 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1883/83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1984.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 5, 2nd floor, Savitri apartment, CTS No. 47/19,
Erandaiana, Law college Rd. situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC. Acqn. Range, Pune on Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) M/s. ABC Promoters and Builders,
9, Laxmi Niwas, Padamji Compound,
Poona-411 002.
(Transferor)
- (2) Shri Manoo P. Malkani and Master Pradeep M.
Malkani, C/o K. P. Malkani,
71, Avinash Versova, Bombay-400 058.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Savitri Apartments, CTS No. 47/19
Erandaiana, Law College Rd., Pune-4.

(Area—90 sq. metres)
(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under
document No. 2793 in the month of December, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Reshma Navnit Parikh,
70, Matru Chhaya, Netaji Subhash Road,
Marine Drive, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) M/s. Goyal Family Trust,
Abhay Steel House, Baroda Street,
Bombay-400 009.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. IAT ACQ/CA-5/37EN/634/84-85.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing property at survey No. 326-A Plot No. 1 (Part) Majiwada, District Thane situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Godown structure on Plot bearing survey No. 326-A Plot No. 1 (Part) Area of Godown shed of 5000 sq. ft. situated at Majiwada, Dist Thane and land on sublease basis.
(Area—5000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3838 in the month of December, 1983.)

(b) facilitating the concealment of any income or any purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of ought to be disclosed by the transferee for the 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
45—136GI/84

Date : 22-4-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shri Harihar Chintaman Natu,
 (2) Shri Raghunath Chintaman Natu,
 50|1|5-A Erandawana, Chaitanya Apartments,
 Pune-4.
 (Transferor)

(2) (1) Shri Narasing Laxman Chandrachud,
 (2) Mrs. Alka Narasinh Chandrachud,
 residing at 860 Bhandarkar Institute Rd.,
 Mandar, Pune-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|37EE|635|84-85.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Apt. No. 5, 2nd floor, Plot No. 73|3|3, Erandawana, situated at Pune-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Apartment No. 5, 2nd floor, North side on Plot No. 73|3|3 Erandawana, C.T.S. No. 50|27, Pune-4.
(Area—805 sq. ft.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2802|83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|37EE/636|84-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Apartment No. 2, 1st floor, Plot No. 73|3|3 Erandawana, C.T.S. No. 50|27, situated at Pune-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range Pune on October, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Harihar Chintaman Natu,
50|1|5-A Erandawana, Pune-4.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Gopal Krishna Bokil,
Both residing at Apartment No. 201, Sanchit Apt., 73|3|1, Erandawana, Pune-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. 2, 1st floor, south side on Plot No. 73|3|3, Erandawana, C.T.S. No. 50|27, Pune-4.
(Area—700 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 2292|83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

47—116 GI|84

Date : 28-4-1984

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st May 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE|637|84-85.—Whereas, I,
SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Agril. land, Part of S. No. 43, Hissa No. 1, 2, 3 Majoring,
Village Warje, Tal. Haveli situated at Dist. Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
IAC, Acq. Range, Pune on October, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Dattatray Ganpatrao Mankar,
517, Narayan Peth, Pune.
2. Shri Bapusaheb Shamrao Barate,
Village Warje, Tal. Haveli, Dist. Pune.
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Raghunath Taware,
Jiwan Apartments, K. P. Kulkarni Lane,
Apte Road, Pune-4.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agril. land part of S. No. 43, Hissa No. 1, 2, 3, Majoring
Village Warje, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Area—2 Acres & 20 gunthas.)
(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under
document No. 2291|83-84 in the month of October, 1983.)

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jethmal Sopaji Shah,
1251, Budhawar peth, Pune-411 002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Maniklal Pannalal Lalwani,
314, Ganj Peth, Pune-411 002.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/638/84-85.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, Anand Nagar, CHS, S. No. 692/2 Manjeri situated at Pune-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Anandnagar Co-operative society, Behind Swayanvara Mangal Karyalaya, Pune-9.
(Area—5451 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 1734/83-84 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/639/84-85.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open trace with FSI 73|3|3 Erandawana, situated at Pune-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Narayan Khanderao Lele
'Namastestu' 73|3|3 Erandawana,
Pune-4.

(Transferor)

(2) 1. Shri Harihar Chintaman Natu,
2. Shri Raghunath Chintaman Natu,
Chitanya Apartments,
50|2|5-A Erandawana, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open trace with available F.S.I. on the bungalow at 73|3|3 Erandawana, Pune-4.
(Area—1828 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 2089 in the month of November, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) M/s Ramesh Construction Company,
Dheeraj Chambers,
9, Waiwadi Road, Bombay-400 001.
(Transferor)
- (2) M/s. Crompton Greaves Ltd.,
Dr. V. B. Gandhi Marg,
Bombay-23.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/640/84-85.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-13, 4th floor, Bldg. 'C' Hermes Park Co-operative Society Ltd. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-13, 4th floor, Building No. C-Hermes Park Co-operative Housing Society Ltd., Bund garden Road, Pune-411 001.

(Area—1175 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 1977/83-84 in the month of November, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 31st May 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|41|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8, S. No. 692-A|2-A|1-2 Bibwewadi situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq. Range, Pune on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Dilip Kantilal Shah,
445, Raviwar peth, Pune-2.
(Transferor)
- (2) Sou. Niharika Girish Shah,
S-375, Adinath Co-operative Housing Society Ltd.,
Pune.
and Shri Satishchandra Dattatraya Shah,
Matrusmriti P.W.D. Colony, Bharatkunj, Vasahat,
Pune.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 8, S. No. 692-A|2A-1|2, Bibwe Wadi, Neminath Co-op. Housing Society Ltd., Pune city.

(Area—3630 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 1762 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 31-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jostna A. Khandekar,
Police Officer, H. Qrs.
Pune-411 001.

(Transferor)

(2) Smt. A. S. Gaikwad,
119, B-Ward, Mangalwar Peth,
Kolhapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1128/84-85.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 826 and 827 A-Ward situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Kolhapur on October-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at C.T.S. No. 826 and 827, A-Ward, Kolhapur Near Firange Talim.
(Area—6819 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kolhapur under document No. 4846 in the month of October, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

46—136G1/84

Date : 4-6-1984.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th May 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-S/37G/1127/84-85.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority made Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 32/2, F.P. No. 39, Sub Plot 3, Chahurana Bk. situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at S.R. Ahmednagar on October, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri R. N. Pedram,
C/o Zilla Sahakari Bank
Station Road, Ahmednagar.

(Transferor)

(2) M/s. Suyog Construction Company,
Partner Smt. S.A. Kothari,
Shital Sanstha Colony, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot at S. No. 32/2, F.P. No. 39, Chahurana Bk Burudgaon Rd., Ahmednagar.
(Area—6707 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 3380 in the month of October, 83.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Deosthale Karandikar & Associates,
720/2, Jagannath, Navi Peth, Pune-30.
(Transferor)

(2) Dr. Depak Shreeram Mande,
201, Kasba Peth, Pune-17.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/642/84-85.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. F-3, 1st floor, Ashwini Com. Centre C.S. No. 1044, New Shukrawar peth, Tilak Rd., situated at Pune-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. F-3, 1st floor, Ashwini Commercial Centre, C.S. No. 1044 New Shukrawar peth, Tilak Rd., Pune-411 030.
(Area—220 sq. ft. carpet area)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 2585 in the month of October, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 7th February 1984

G.I.R. No. S-297/Acq.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of Kothi No. 1 situated at Sunderbagh, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 12-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sheo Narain Tandon (Transferor)
- (2) Smt. Saroj Rani (Transferee)
- (3) Shri S. N. Kirti (Tenant)
Proprietor of M/s. Kirti Press
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Kothi No. 1 (Municipal No. 103/5), measuring about 9,164 sq. ft. situated at Sunderbagh, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10360, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 12-10-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1984
Seal :

FORM ITN—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

- (1) Smt. Indra Bibi (Transferor)
 (2) Smt. Saroj Rani Agrawal (Transferee)
 (3) Shri S. N. Kirti (Tenant)
 Proprietor of M/s. Kirti Press
 (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW**

Lucknow, the 6th February 1984

G.I.R. No. S-296/Acq.—Whereas, I,

A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of Kothi No. 1 situated at Sunderbagh, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on 12-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of Kothi No. 1 (Municipal No. 103/5), measuring 4,050 sq. ft. situated at Sunderbagh, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10359, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 12-10-1983.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 30th April 1984

No. IAC|ACQ|3|84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land at Mauja Tah. & Distt. Yavatmal 12.03 Hectors (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yevatmal on 11-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ramkrishna Ganpat Mudholkar
Smt. Sakhubai Ganpat Mudholkar
R/o Wadgaon Tah. & Distt. Yavatmal.
(Transferor)
- (2) 1. Suresh Hemant Jirapure
2. Vasant Pundlik Dhoke
3. Sau. Nirmala Ashok Wadibhasme
R/o Yavatmal near Saroj Talkies,
Yavatmal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 72 at Mauza, Wadgaon Tah. & Distt. Yavatmal Area 12.03 Hectors.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dattatraya Madhaorao Deshmukh
Civil Lines, Yavatmal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Nhalchandra Narhar Ranade,
Balaji Mandir Chowk,
Yavatmal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 30th April 1984

Ref No. JAC/ACC/2/84-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nazul Sheet No. 36, Plot No. 5 situated at Civil Lines, Yavatmal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yavatmal on 3327/83 7-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot bearing Nazul Sheet No. 36, plot No. 5, Civil Lines, Yavatmal Area 4850 Sq. Feet.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date : 30-4-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 30th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|1|1984-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot and Part of Godown type house on Nazul Block No. 11, Plot No. 180/1 Jagannath Ward, Hinganghat, Distt. Wardha Area (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wardha on 7-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Suresh S/o Shri Bansilalji
2. Shri Prakash S/o Shri Bansilalji
3. Shri Naresh S/o Shri Bansilalji
Gondni Ward, Hinganghat,
Distt. Wardha.
(Transferor)
- (2) Dr. Shri Vasant Laxmanrao Bonde,
R/o Tahsil ward Hinganghat,
Distt. Wardha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot and Part of Godown Type house on Nazul Block No. 11 Plot No. 180/1 Jagannath ward, Hinganghat, Distt. Wardha Area 3885 Sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1984
Seal :

FORM JTNS

(1) Chadrakala Galada,
No. 3, Perianayakaran St.,
Madras-79.

(Transferor)

(2) Shri M. Meenachisundaram,
79 N.M.K. St., Ayyanavaram,
Madras-23.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st May 1984

Ref. No. 4/Oct/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 27-B Sembium Village situated at Sembium Village, North Madhavaram High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembium, Madras (Doc. No. 4775/83) in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant Land, Door No. 27-B Sembium Village, North Madhavaram High Road, (Doc. No. 4775/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner (i.e.)
of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

47—136GI/84

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st May 1984

Ref. No. 8/Oct/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Plot No. 278, Serial No. 46 situated at Periyakudal Village, T.S. No. 19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 3352) in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri K. V. Srinivasan,
S/o K. S. Venkatachala Iyer,
F.7, South Extension Part I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Lt. Col. G. Clifton,
Mrs. Margaret Clifton,
Mr. Anil Clifton,
Caption Ashok Clifton,
F. 8, Anna Nagar East,
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building, Periyakudal Village, T.S. No. 19, Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 3352/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 1st May 1984

Ref No. 10|Oct|83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4571 (plot No.), Municipal Door situated at Municipal Corporation Door No. Y-151, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, (Doc. No. 3373|83) in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely :—

(1) Shri V. S. Ganaraj,
S/o V. Subramanya Iyer,
C-121, 80th Street,
Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Shri J. Mahimainatha,
Y-151, Plot No. 4571,
Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and Parcel of land together with superstructure Plot No. 4571, Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 3373|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Miss. B. Bhagyalakshmi,
11/801, Lodhi Colony,
New Delhi-3.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Gupta,
Q-33, Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006**

Madras-600 006. the 1st May 1984

Ref. No 11/Oct/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4171, situated at MullamVillage, Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 3384/84) in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Vacant Land Plot No. 4171, Anna Nagar, Madras-40.
(Doc. No. 3384/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri K. Rathi Raman,
35 J Block,
Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(2) Shri R. Dakshinamurthy,
29 Halls Road,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st May 1984

Ref. No. 12/Oct/83.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4067, Block No. 2, Mullam Village situated at Mullam Village, Anna Nagar, Madras-102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, (Doc. No. 3415|84) in October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant Land, Plot No. 4067, Block No. 2 Mullam Village Anna Nagar, Madras-102, (Doc. No. 3415|83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. J. M. Agarwal,
S/o Shri Naraindasji,
C 12 Ashifa Apartment,
Ahmedabad-380 014.

(Transferor)

(2) Mr. L. R. Sivaprasad,
Sri L. V. Ramaiah,
28 Habibullah Road,
T. 'Nagar, Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st May 1984

Ref. No. 16/Oct/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2896 situated at Naduvakkai Village, Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 3505/83) in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building Plot No. 2896 Naduvakkai Village, Anna Nagar, Madras (Doc. No. 3505/83).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(1) Mrs. Selvakumari
10 Gandhiji Main Road,
Alwarthirunagar, Madras-87.

(Transferor)

(2) Mr. Masood Ahmed
No. 1 Kattur Sadayappan Street,
Periamet, Madras-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st May 1984

Ref. No. 21/Oct/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 1 situated at Kattur Sadayappan Street, Periamet, Madras-3 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Document No. 1054/83) in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building Door No. 1 Kattur Sadayappan Street, Periamet Madras-3 (Doc. No. 1054/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) P. K. Unni, Q-93, Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferor)

(2) Kanam Family Trust,
No 38, Netaji Subash Marg,
New Delhi 110 002.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 1st May 1984

Ref. No. 24/Oct./83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 87, situated at Aspirin Garden, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perambalur (Doc. No. 1071/83) in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 87, Aspirin Gardens, Madras-10, Doc. No. 1071/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 1st May 1984

Ref. No. 23/Oct./83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. A-82, situated at Kilpauk Garden Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Periamet, (Doc. No. 1073/83) in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. M. Prabhakar, No. 10/A, Murray's Gate Read, Alwarpet, Madras-600 018.
(Transferor)
- (2) M/s. United Builders, No. 12-13, Raman Street, T. Nagar, Madras-17.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant land at Plot No. A-82, Kilpauk Garden Road, Madras-10, Doc. No. 1073/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

48—136GI/84

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) G. Seshiah Chetty & Others,
No. 6, Plot No. 501,
Block 'L',
Anna Nagar East,
Madras.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras, the 1st May 1984

Ref No. 43/Oct/83.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 60, situated at Acharappan Street, Madras-1,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Madras North-I, (Doc. No. 3347/83)
on October 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) B. K. Venkatesan & another,
83, Acharappan Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 60, Acharappan Street, Madras-1,
Doc. No. 3347/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i.e) Madras.

Date : 1-5-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
**ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras, the 1st May 1984

Ref. No. 50/Oct./83.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 56, situated at Avalkara Street, Vellore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vellore-I, (Doc. No. 3887/83) on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri D. Sivarama Mudaliar,
S/o. Shri Damodara Mudaliar,
233, Officer Line,
Vellore. N. A. Dt.

(Transferor)

(2) Shri G. Ramesh Babu,
Shri G. Prem Kumar,
S/o. Shri V. M. Gopalakrishnan,
40, Agathi Krishnappa Chetty Street,
Vellore. N. A. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 56, Avalkara Street, Vellore. Doc. No. 3887/83.)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i.e) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras, the 1st May 1984

Ref. No. 54/Oct./83.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 18251, situated at Tiruvannamalai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tiruvannamalai, (Doc. No. 1227/83) on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri R. Narayanasami,
S/o. Rajagopal Naidu,
Liquidator, Annamalai Industrial
Corporation Ltd., (In Liquidation)
Thandrampet Road,
Tiruvannamalai.

(Transferor)

(2) Shri S. Kuppusamy Naidu,
S/o. Shri Subbaraya Naidu,
18-A, Chengam Road,
Tiruvannamalai.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Land and building at T. S. No. 18251, Tiruvannamalai, Doc. No. 1227/83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i)e) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(1) Shri S. Abraham Nadar,
S/o. Sundara Nadar,
2C, Sundara Ramapuram,
Tuticorin.

(Transferor)

(2) Shri T. Chithirai,
S/o. Thangavel Nadar,
39D, Kathiresan Koil Street,
Tuticorin-628 992.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras, the 1st May 1984

Ref No. 149/Oct.83.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. T. S. No. 4137/1A3A1A3B, situated at Polnaickeenpet, Tuticorin.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tuticorin-II, (Doc. No. P18/83)

on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Land and building at T. S. No. 4137/1A3A1A3B, Polnaickeenpet, Tuticorin. Doc. No. P 18/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i.e) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Messrs. Habitat,
No. 73, AJ Block,
Anna Nagar,
Madras-40

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras, the 1st May 1984

Ref. No. 152/Oct.83.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. AP 386, situated at Anna Nagar West, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Anna Nagar. (Doc. No. 363183) on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs. Maureen Sundararajan &
Smt. Sundararajan,
13, Professor Subramaniam Street,
Kilpauk,
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. AP 386, Annanagar West, (Land and building at Plot No. AP 386, Annanagar West, Madras. Doc. No. 363183)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i)c) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras, the 1st May 1984

Ref. No. 161/Oct./83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2.15 Nanjai Land, Vaniyam Badi, (acres) (Agriculture Land) Somalapuram Village, situated at Somalapuram Village, Vaniyam Badi T.K. (Doc. No. 2059/83) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ambur, (Doc. No. 2059/83) on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Thulasi Raman, and others,
S/o. A. P. Mohana Mudaliar,
Namchivayapuram,
Vazhaipanthal,
Arni.

(Transferor)

(2) Shri R. Bakthanathan,
S/o. V. R. Rathina Mudaliyar,
Puttu Kovindapuram,
Ambur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.15 acres Nanjai Land (Dry Land). Somalapuram Village, Vaniyambadi. (Doc. No. 2059/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i.e) Madras

Date : 1-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras, the 9th May 1984

Ref. No. 42[Oct]83.—Whereas, I, G. MUTHURAMAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 153, Wall Tax Road, situated at Park Town, Madras-600 003, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North, (Doc. No. 3253[83]) on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri M. P. Subramanian,
18, Vinayaka Mudali Street,
Samu Mudali Colony,
Madras 28.

(Transferor)

(2) Mrs. G. Vijayalakshmi,
153 Wall Tax Rd.,
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Building at 153 Waltax Road, Park Town, Madras-3. (Doc. No. 3253[83]).

G. MUTHURAMAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i)c) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,
MADRAS-600 006

Madras, the 14th May 1984

Ref. No. 31|Oct|83.—Whereas, I, G. MUTHURAMAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41 (New No.) & Old No. 1|16 situated at Thambu Chetty Lane Royapuram, Madras-13 (Doc. No. 1812, 1813|83) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram, Madras-13, on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri V. Srinivasan, and Other
S/o. Shri Venkataswamy Chettiar,
No. 41, Thambu Chetty Lane,
Royapuram, Madras-13.
(Transferor)

(2) Mrs. J. Pista Devi,
W/o. Jawarilal,
No. 142, P. V. Koil St.,
Royapuram, Madras-13.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old No. 1|16, New No. 41, Thambu Chetty Lane, Royapuram, Madras-13. Land & Building (Doc. No. 1812 & 1813|83).

G. MUTHURAMAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i.e.) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—
49—136 GI|84

Date : 10-5-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras, the 1st May 1984

Ref. No. 154/Oct.83.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 20 Strother Muthiah Mudali St., situated at Door No. 20, Strother Muthiah Mudali Street, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central, Madras, (Doc. No. 250/83) on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Y. Jayalakshmi,
 Venkatesh,
 P. Revathi and others,
 20 Strother Muthiah Mudali St.,
 Madras. L. (Transferor)
- (2) Shri D. Dharamchand Jain,
 & others,
 8, Thanikachala Road,
 Madras. 17 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land & Building No. 20 Strother Muthiah Mudali Street, Madras-L. (Doc. No. 250/83).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
 Acquisition Range-I, Madras
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1984
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 9th May 1984

No. 752.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIYAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land RS. No. 248|1 & 248|3 situated at Jamakhandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamakhandi Under document No. 1675|83-84 on 17-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Basappa Laxman Gavali
R/o Jamakhandi
Tk. Jamakhandi
Dist. Bijapur.

(Transferor)

(2) Shri Jinnappa Balappa Ramateerth,
R/o Alagur Village,
Tk. Jamakhandi
Dist. Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document. 1675|83-84 dated 17-11-1983.

Irrigated Agricultural land bearing R.S. No. 248|1 & 248|3 situated at Jamakhandi.

S. BALASUBRAMANIYAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 9th May 1984

No. 753.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIYAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 17 R.S. No. 36/2B situated at Navodaya Nagar, Dharwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharwari Under document No. 1024 on 1-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri C. N. Parashivamurthy
Joint Registrar of Co-operative Society,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri G. S. Bidar KOP
Navodaya Nagar,
Dharwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document 1024, dated 1-10-1983.

Residential property bearing Plot No. 17 R.S. No. 36/2B situated in Navodaya Nagar Saptapur Village, Dharwar.

S. BALASUBRAMANIYAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Basappa Laxman Gavali
R/o Jamakhandi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 9th May 1984

No. 754.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIYAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No.246/I situated at Jamakhandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamakhandi Under document No. 1674 on 17-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Royappa Mallappa Ramateerth
R/o Alagur Village
TK. Jamakhandi,
Dist. Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document 1674, dated 17-11-1983.
Irrigated agricultural land situated at Jamakhandi R.S. No. 246/I.

S. BALASUBRAMANIYAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date : 9-5-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 9th May 1984

No. 755.—Whereas, I S. BALASUBRAMANIYAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Moramb' sub Dist. Ilhas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ishas Under document No. 838 on 14-10-1983 . for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Victor De Mendonca.
2. Mrs. Agalita Rosa Mana Fernandes Mendonca
3. Mrs. Ana Maria Das Mercas Fernandes E Souza.
All R/o H. No. 1356 bairo bond r. Santa Cruz
Ilhas Gor.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Ditip Vasant Shette.
2. Mr. Santosh Vasant Shette
3. Mr. Ashok Vasant Shette.,
All R/o H. No. E/638 Santa Iner
Panji Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 838. dated 14-10-1983.
Open land used for, sali Pane situated at Morambi Sub Dist. of Ilhas Dist. of Goa.

S. BALASUBRAMANIYAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Pushpamala M. Pikale, Karwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. S. R. Nayak,
New Nursing Home, R. Pikle, Road,
Karwar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 24th May 1984

No. 755/84-85.—Whereas, I
MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore
 being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 8 and 8B situated at Karwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at under document No. 531/83-84 on 18-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Registered Document No. 531/83-84, dated 18-10-1983.

1/4th share in property known as New Nursing Home bearing Muni. No. 566 & 567 in survey No. 8 and 8B situated at R. Pikle Road, Karwar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-5-1984
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Pushamala M. Pile, Karwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs.) Kumud Nayak, New Nursing Home, R. Pile Road, Karwar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 24th May 1984

No. 756/84-85.—Whereas, I
MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 8 & 8B situated at Karwar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Under document No. 530/83-84 on 18-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 530/83-84, dated 18-10-1983.

1/4th share in property known as New Nursing Home bearing No. Munr. No. 566 & 567 in Survey No. 8 and 8B situated at R. Pile Road, Karwar.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-5-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri K. Ramegouda, Advocate,
KR Puram, Hassan.

(Transferor,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 22nd May 1984

No. 757.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 8 in RN Extension situated at Hassan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at under document No 1763|83-84 on 13-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No 1763|83-84 dated 13-10-83.
Site No. 8 measuring 50 x 70' situated at RN Extension, Hassan.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—136 GI|84

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore, the 22nd May 1984

Ref No. 758.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. RS No. 341 situated at Doddanajkanakoppa, Dharwad
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Dharwad Under document No. 112|83-84 on 29-10-83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Ranganath S Jathar,
993|992|23, Rajendranagar,
Pune-30.
2. Vijay S Jathar
7700 Honavar Parkway,
Green Belt Marg Land 20770
U.S.A.
3. Aditya,
4. Satya, by their
M/G Smt. Devi Jathar,
Kelagere Rd., Dharwad
5. Smt. Devi Jathar,
Kelagere Rd., Dharwad.
- (Transferor)
- (2) Shri Girimallappa Basappa Yaragatti,
Karnatak University,
Dharwad.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Registered Document |112|83-84 dated 29-10-1983
Agriculture land R.S. No. 341 of Doddanajkanakoppa,
Dharwad measuring 6.0 Acres.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 22-5-1984

Seal :

FORM I.T.N.S. —————

(1) Shri Ramachandra
S/o Balaji Jadhav,
resident of Sidharan Nagar,
Near ST Depot, Gadag.
(Transferor)

(2) 1. Shri Shankrappa Basappa Byali,
2. Hanumanthgouda Bharamgouda Patil
3. Shivapurappa Basappa, Hadi,
4. Smt. Rathnabai
D/o Krishnaji Jadhav,
C/o Shankrappa Basappa Byali, Teacher,
Near Gouramma Itagi's House,
Shahapurpete,
Gadag.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore, the 22nd May 1984

Ref. No. 759.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 1661 (Northern Part) situated at Gadag
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering office
at Gadag Under document No. 1261|83-84 on 21-10-83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Registered Document, 1261|83-84 dated 21-10-1983
3, Acres of agricultural land (Northern portion) out of R. S.
No. 1661 of Gadag measuring 12, A & 14, Gs.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001**

Bangalore, the 28th May 1984

Ref. No. C.R. No. 62|40809|83-84|Acq|B.—Whereas, I,

MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 237-A 2, TS. No. 308-A 2, situated at Kadri Village, Bendore Ward, M'llore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at M'llore city on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri M. Michael Saldauha,
74/5, Shewala Bldg,
M. M. Joshi Marg,
By vella, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Adarsh Enterprises,
By us Pr :—
H. Jayaprakash,
Kadri Temple Road,
M'llore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 927|83-84 dated 14-10-83]
All that property bearing No. TS. 303-A 2, RS. No. 237-A 2, situated at Kadri Village, Bendore ward, Mangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Vatsala Pant,
Divisional Manager,
Syndicate Bank,
Gandhinagar,
B'lore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

(2) Shri R. Rangarajan,
Secretary Cum Administrative
Officer, SIT Research Association,
24/1, Vlsoor Road,
B'lore.

(Transferee)

Bangalore, the 24th May 1984

Ref. No. C.R. No. 62/40860/83-84/Acq/B.—Whereas, I,

MANU MADHAVAN,

being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2972-A, situated at HAL II Stage, Indiranagar, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Shivajinagar, on 21-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1896/83-84 Dated 21-10-83]
All that property bearing No. 2972-A, situated at HAL II Stage, Indiranagar, B'lore.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 24-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Raghava Reddy, & 2 others,
446, Rajawhal Vilas Extn., B'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. V. S. Acharya,
300/1-B, 16th Cross,
Upper Palace Orchards,
Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 23rd May 1984

C.R. No. 62/40788/83-84/ACQ/B.—Whereas, I
MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. (376), situated at 13th Main Road, R.V. Extn., B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of Registering Office at

Gandhinagar on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1976/83-84 Dated 10-10-83.
All that property bearing No. 6(376), situated at 13th Main Road, Rajamahal vilas Extension, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 23-5-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri T. N. Soundara Rajau,
No. 319, Domlur Extn.
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri G. Mohan Ram &
Mrs Sashi Mohan,
No. 39, Viviyani Road, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 27th April 1984

C.R. No. 62/40800/83-84/ACQ/B.—Whereas, I
MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- bearing No.
319, situated at Domlur Extension, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Sh vajinagar on 14-10-1983,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1853/83-84 Dated 14-10-83.
All that property bearing No. 319, situated at Domlur Extension, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 27-4-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 17th May 1984

C.R. No. 62/40885/83-84.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4513, New No. L-5, situated at St. Mary Road, N. R. Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on 20-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Mrs. Ratnamma Doreswamy
2. Thomas Sudarshan
3. Indra David,
4. Vimala Rathna Sabapathy
5. Pramila Robertson
6. Vashudara Srinivasan
Flat No. 1819, Akbar Road,
Mandimohalla, Mysore.

(Transferor)

- (2) Shri Anwar Ahmed Shariff
No. 4641, Shivaji Road,
N. R. Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3017/83 Dated 20-10-83]

All that property bearing No. 4513, New No. L-5, situated at St. Mary Road, N.R. Mohalla, Mysore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-1984
Seal :

FORM ITN/—

(1) Shri P. Sudhakar Murthy,
618, 619, 13th Cross, Magadi
Road, Vijayanagar, Bangalore.

(Transferee)

(2) Shri T. V. Abraham,
113, Ulsoor Road, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 24th May 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 40799/83-84.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 547, situated at II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1827/83-84 Dated 13-10-1983).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
SI.—136 GI/84

Date : 24-5-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shrimati Zainabu Schanad,
318, Kaveriyappa Layout,
Vasauthanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. D. H. Shah,
165, Vasauthanagar, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 25th May 1984

C.R. No. 62|40875|83-84|ACQ|B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 318(11) situated at Kaveriyappa Layout near Cunningham Road & (Miller Tank Bund Road, Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Shivajinagar on 31-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2001|83-84 Dated 31-10-83.

All that property bearing No. 318 (11), situated at Kaveriyappa Layout near Cunningham Road & Millar Tank Bund Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-84
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. K. M. Mariam Silas also Known as
Mrs. K. M. Mariam, 26, Viriani Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri George Simon Pereira &
Mrs. Jennifer Yvonne Pereira
C/o 60/2, Coles Road, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 25th May 1984

C.R. No. 62/40793/83-84/ACQ/B.—Whereas, I
MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
17/3, situated at Hutchins Road, Richards Town, Bangalore
Bangalore
(and more fully described in the schedule
annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office at
Shivajinagar, dt. 1-10-83
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration hereto by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1713/83-84 Dated 1-10-1983].
All that property bearing No. 17/3, situated at Hutchins
Road, Richards Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 25-5-84
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 25th May 1984

C.R. No. 62 40798/83-84/ACQ/B.—Whereas, I
MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at Domlur Layout, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269AB, in this office at Shivajinagar on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B. O. Balamurthy,
Lakkavally Village, Thaikere Taluk,
Chickmagalur Dist. Camp at
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. J. Koshy,
(2) Mr. T. M. Koshy,
No. 81, D'Costa Square, B'lore-5.
No. 22, Budhavihar Road,
Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1830/83-84 Dated 5-10-1983].
All that property bearing No. 8, situated at Domlur layout, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-5-84
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th May 1984

C.R. No. 62/40796/83-84-Acq/B.—Whereas, I, MANU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, (4)L, situated at Osborne Road, Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shivajinagar on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Viruthambal,
New No. 6 (4L), Osborne Road,
Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri U. K. Bhoja Rao,
No. 50/3, Jewellers Street,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1773/83-84 dated 10-10-83).
All that property bearing No. 6 (old No. 4L), situated at Osborne Road, Civil Station, Bangalore.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-84.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th May 1984

C. R. No. 62/40873/83-84[Acq]B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 98, situated at Binnamangala II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 26-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri S. Gopal,
Jagadishnagara, Jeevan Bhimanagar,
P.O. B'lore.
(Transferor)
- (2) Shri M. B. Raj,
98, II Stage, Binnamangala,
Indiranagar, B'lore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1951/83-84 dated 26-10-83.
All that property bearing No. 98, situated at Binnamangala II Stage, Indiranagar, B'lore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-84.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th May 1984

C.R. No. 62/4074/83-84/Acq.B.— Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 658/1 (old No. 658/A), situated at 17th-B-Cross, Indiranagar, Binnamangala II Stage, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivajinagar on 4-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. Dhauraj,
No. 6, VII Cross, 'B' Street,
Jayabharathinagar, Bangalore City.

(Transferee)

(2) Shrimati Anasuya, Bai,
Gowri Shankara Nilaya, No. 387, V Cross,
Wilon Gardens, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1603/83-84 dated 4-10-83).
All that property bearing No. 658/1 (old No. 658/A), situated at 17th B-Cross, Indiranagar, Binnamangala II Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 10-5-1984.
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Sri T. Ramiah
15/96, V Main Road, Cunningham Pet
Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Shri C. M. Thomas and Smt. C. M. Thomas,
GPA holder Sri N. T. Sebastian,
7/1, Kingston Road,
Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th May 1984

C.R. No. 62/40869/83-84/Acq.B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1065, situated at HAL II, Stage, Indiranagar, B'lore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer Shivajinagar on 24-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1919/83-84 dated 24-10-83).
All that property bearing No. 1065, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. D. Jose,
No. 29, Hutchins Main Road,
Looke Town, B'llore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Annie Eapeu,
PAH Pastor John David,
Major, IPC, Zion Hall, III Cross, Heunur Road,
Lingarajapuram, B'llore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th May 1984

C.R. No. 62[408]71[83-84]Acq 'B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/1, situated at Hutchins Main Road, B'llore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Shivajinagar on 25-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1932[83-84] dated 25-10-83).
All that property bearing No. 29/1, situated at Hutchins, Main Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52—136 GI|84

Date : 25-5-1984.
Seal :

FORM JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Chimanlal,
No. 17/6, Church Road,
Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Khayum, (2) Smt. Sajida,
No. 51, Millers' Road,
II Cross, Civil Station, Bangalore-46.

(Transferee(s))

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th May 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62 40785/83-84 ACQ[B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

34/1, situated at Benson Road Cross, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar on 12-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2005/83-84 Dated 12-10-83]

All that property bearing No. 34/1, situated at Benson Road Cross, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore*

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-84

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri M Krishnappa, No 759/30, V Main Road,
Vijayanagar, Bangalore
(Transferor)
- (2) Smt. Shantin S Janty No 22, III Block,
III Stage, W.C. Road, Bangalore
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62/40930/83-84.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 759/30, situated at V Main road, Vijayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office 1908) in the office of the Registering Office at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2526/83-84 dated 31-11-83)
All that property bearing No 759/30, situated at V Main road, Vijayanagar (Hosahalli), Bangalore

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 5681
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1984

C.R. No. 62/40810/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. 42-3B, situated at Boloor village, II Balaji ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Mangalore city on 14-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bola Srikrishna Kamath
Chilimbi, Mangalore.
(Transferor)
(2) Shri B. Dattatreya Pai,
Aithappa Maistry Compound,
Maunagudda, Mangalore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 926/83-84. Dated 14-10-83]

Property bearing No. RS. 42-3B, situated at Boloor village, Bijai ward, Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-6-84.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (11 OF 1961)

- (1) Shri E V J Cunha & 10 others,
No 69, St John's Church road, Bangalore.
Transfer(s)
- (2) Kumari Neena Anandaraman, minor guardian
Mr R B B Krishnamurthy,
No 50, 30th cross VII Block, Jayanagar,
Bangalore
Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th June 1984

C R No 62/40575/83-84/ACQ/B —Whereas, I MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No 3 situated at Prashanth residential layout, whitefield Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269AB in his office at Bangalore South Taluk in Oct 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No 2997/83-84 dated Oct 83]

Property bearing plot No 3 situated at prashanth residential layout whitefield, Bangalore

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269L of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 4-6-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri E.V.J. Cunha & ten others,
No. 69, St. Johns Church Road,
Bangalore-560005.

Transferor(s)

(2) Shrimati Dr. Usha Thyagaraja
No. 114, Main Road,
Whitefield, Bangalore.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th June 1984

C.R. No. 62|40677|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9 situated at Prashant residential layout, pattandur Agrahara, whitefield, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore South Taluk on Oct 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2837|83-84, Dated Oct. 1983]
All that property bearing No. plot No. 9 situated at Prashant residential layout Pattandur Agrahara village, Whitefield, Bangalore-66.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri E.V.J. Cunha & ten others No. 69, St. Johns Church road Bangalore-5.
(Transferee)
- (2) Shri Deepak Motilal Chhabria No. 9, Convent road, Gulmohar mansion B'lore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62/4057/83-84/Acq.[B].—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6 situated at Prashanth residential layout, whitefield (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at B'lore South Taluk on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2996/83-84 dated Oct. 83)
All that property bearing No. Plot No. 6 situated at Prashanth residential layout whitefield, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-6-84
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(1) Shrimati K. Manjula No. 294, 7th cross
Jaibharathinagar B'lote-560 005.

(Transferor)

(2) Shri Santo Iteera No. 3, 3rd cross,
Vivekanandanagar B'lore-33.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560 001, the 5th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62 4080 83-84.—Whereas, I, MANU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37/2 situated at 3rd cross, Vivekanandanagar Bangalore-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Authority at Shivajinagar on 15-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1856/83-84 dated 15-10-83). All that property bearing No. 37/2 situated at 3rd cross, Vivekanandanagar, Bangalore-33.

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri H. V. Subba Rao, Sri H. Suryanarayana Rao,
Sri H. S. Srinivas Rao, No. 12/1, R. K. Puram,
Extension, S.C. road cross Bangalore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Neelamma w/o Sri G. Peepnal Lakshmeshwara
Taluk Dharwar Dist. Karnataka State.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62/40855/83-84.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, situated at II Cross road, S.C. road cross situated at Ramakrishnapuram Extension Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar on 31-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

TIIFF SCHLDULE

(Registered Document No. 2185/83-84 dated 31-10-83).
All that property bearing No. 12 situated at Ramakrishna-puram Exten. S.C. Road, Cross, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-6-84
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
53—136 GI/84

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Y. Ramakrishna Shenoy,
Mukrumpady of Kenumanje Village,
Puttur Taluk.

(Transferor)

(2) Srin A S Ponnappa,
Bedigola Village, Virajpet Taluk,
Kodagu Dist

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 6th June 1984

C.R. No. 62/40880/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

221-5A1, 231-4A1B situated at Kenomanje Village, Puttur Taluk, D. K. Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Puttur on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 518,83-84. Dated Oct. 1983]
Property bearing No. 221-5A1, 231-4A1B, situated at Kenomanje Village, Puttur Taluk, D. K. Dist.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-84
Seal :

FORM ITN3

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62/40784/83-84.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 54—ICI, situated at Panju Mogam village on Kultur Kavoor road, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Taluk on 15-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Sadananda Shetty, Viveknagar, Kuloor, M'lore, as P.A. holder of my brother, Mr. K. Divakar Shetty, Vijaya Bank, B'lore now at Panjimofiar village, M'lore.
(Transferor)
- (2) Smt. Nancy Monterio, w/o Robert Monterio, Viveknagar, Panjimnogaru village, M'lore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 881/83-84 dated 15-10-83).
Property bearing sy. No. 54—ICI, situated at Panjumogaru village, Kultur Kavoor road, Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-6-84
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
Bangalore-560 001 the 4th June 1984

Ref No C.R. No 62/10879/83-84 —Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No 146—57A31, situated at Neria village, Belthangady Taluk, D. Kannada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belthangady on 31-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) M/s. Calicut Timbers Gandhinagar,
Mangalore (Transferor)
(2) M/s. AL-Badr Plantations, Milagres Mansions,
Hampankatta, M'llore by its Pte Mr. B. Moldeen
Kunchi, Vashane, M'llore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

(Registered Document No 509/83 84 dated 31-10-83)
All that property bearing No. Sy 146—57A31, situated at Neria Village, Belthangady Taluk, D. Kannada

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-84
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Ethirajah No. 21, I cross, wheeler road,
Bangalore-560005.

(Transferor)

(2) Shri Y. Rayappa No. 14, Achutharaya mudaliar
road Fruzer town, B'lore-5.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62/40791/83-84.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old No. 11, New No. 21 (Western portion) situated at 1 cross, wheeler road, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Competent Authority at Shivajinagar on 15-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1/25/83-84 dated 15-10-83).
Western portion of premises bearing old No. 11, present No. 21, situated at 1 cross, wheeler road, civil station, B'lore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-84
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st June 1984

Ref. No. C.R. No. 62|40845|83-84|ACQ|B.—Whereas, I
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. R.S. No. 490|1, T.S. No. 119|1
situated at field street, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Mangalore city on 31-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri M. Narasimha Bhat S/o H. Krishna Bhat,
Officer, Canara Bank Mahamaya temple M'lore.
(Transferee)
- (2) Smt. Chitra R. Shenoy w/o K. R. Shenoy
2. K. Avantha Shenoy Mahamaya Temple, field
street, Mangalore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 962|83-84 dated 31-10-83)
All that property bearing No. R.S. No. 490|1, T.S. No.
119|1 situated at Casaba Bazaar village, Market Ward,
Mangalore.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-6-1984
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri P. Shivrathnial 42, III Cross, IV Block,
K. P. West Bangalore-560020
(Transferor)
- (2) Shri K. V. Balachandran 777D, 100 ft road HAL
II Stage Blore-560038.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st June 1984

Ref. No. C.R. No. 62/40861/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 305, situated at I Block, Koramangala, Bangalore-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Blore South Taluk on 31-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5177/83-84 dated 31-10-83)

All that property bearing No. 305 situated at I Block, Koramangala, Bangalore-560034.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) 1. Rev. Fr. Charles J. Arauha 2. John J. C. Fernandes. 3. Mrs. Celine Saldanha 4. Miss Majella Saldanha 5. Gerard Saldanha 6. Lucika Saldanha 7. Carmen Saldanha by power Agent, B. Moileen Kuntir, Vashave, M'llore city.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
 Bangalore-560 001, the 1st June 1984

Ref. No. C.R. No. 62/40844/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. 440/2, R.S. No. 1048/2, situated at Attavar Village, Balmatta Ward, M'llore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office in at Mangalore city on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Rohan Bernadine Alphouso D'cunha, GPA holder; Illy D'cunha, Falun, M'llore city.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1003/83-84 dated Oct, 83)
 Property bearing No. TS. 440/2 RS. No. 1048/2, Situated at Attavar village, Balmatta Ward, Mangalore.

MANJU MADHAVAN
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Dharmagnani,
No. 21, Vasauthanagar,
Lschi, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri K. Devaraj,
No. L-77, IV main road,
Laxminarayananapuram, Bangalore-20.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1984

C.R. No. 62[40840]83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1690, situated at III Stage, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at with the competent authority under Section 269AB, in his Office at Rajajinagar on 29-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3100|83-84. Dated 29-10-83]
Property bearing No. 1690, situated at III stage, Rajajinagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
54—136GI|84

Date : 1-6-84.
Seal :

FORM ITN8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri E. Shafiek,
No. 9/23, A. Lloyd Road,
Looke Town, Bangalore.

Transferee(s)

(2) Shri John K. Kallrakal, (2) Mrs. Lilly John,
No. H2, Coles Road,
Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st June 1984

C.R. No. 62/40742/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/2, situated at VII Cross, J. B. Nagar, Bangalore has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 4-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1606/83-84, Dated 4-10-83]

Property bearing No. 28/2, situated at VII Cross, J. B. Nagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-6-84.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri A. M. Ghani,
 (2) B. H. Sunnees,
 Shoyeven Panic,
 Pattandur, whitefield, Bangalore.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th June 1984

Pattandur, Whitefield, Bangalore.
 (2) Shri Rajan Ahmed Gulati,
 Pyara Ghouse Farm,
 Pattandur, Bangalore.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

C.R. No. 62|40820|83-84|ACQ|B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. 53, situated at Pattandur Agrahara, K. R. Puram, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk on 1-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4829|83-84. Dated 1-10-83]
 All that property bearing Sy. No. 53, situated at Pattandur Agrahara, K. R. Puram, Hubli, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-84.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Jose Rodolph De Mello & Mrs Milagrina Rebello Dabral, Sanguem.

(2) Salgaocar Engineers Pvt. Ltd., Vasco-da-Gama.

Transferor(s)

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th June 1984

Notice No. 760.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore R of R. No. 134 situated at Dharbandora of Sanguem Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at Sanguem Under document No. 184/83 on 1-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Registered Document 184/83, dated 1-10-1983. Property known as 'PURNA' or 'Pericorchi Molli' situated at Dharbandora of Sanguem Taluka-Goa registered in Taluka Revenue Office under No. 317 & 318 and under No. 134 in the record of rights.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1984.
Seal : .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th June 1984

Notice No. 761.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 41/A2 situated at Mahalbagayat Village, Bijapur Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bijapur Under document No. 1633/83-84 on 24-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) (1) Sri Srimant, (2) Sri Arjan,
Sons of Gangaram Kalal,

(3) Sri Bhimanna s/o Arjun Kalal,
At : Bijapur-Khudanpurpet.

Transferor(s)

(2) (1) Sri Shivajappa, (2) Sri Keshav, (3) Sri Tukaram,
(4) Nagendra, (5) Sri Dattatray, sons of Rajappa
Torapur, At : Shivajipet, Bijapur.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document 1633/83-84, dated 24-10-1983.
Agricultural land in R.S. No. 41/A2 situated at Mahalbagayat Village, Bijapur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bijapur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-6-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Mr. Aurea Henrique da Piedade Silva and
2. Mrs. Maria Benedicta da Piedade Silva,
residents of Margao-Goa.
(Transferor)
- (2) Sri Sadananda Govinda Borcar,
residing at Borda, Margao-Goa
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001
Bangalore-560 001, the 4th June 1984

Notice No. 762.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Regn. No. 15, 433 situated at Dicalpale Village, Taluka : Salcete (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Salcete Under document No. 1740 on 11-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document 1740/83-84, dated 11-10-83,
Agricultural property—bearing Land Registration Office, Salcete No. 15,433, Land Revenue Office No. 197 known as "NOVI-DAVI-IKRAVI XIR" or "BOTICA" situated at Dicalpale Village, Taluka : Salcete.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vasantkumar Venkatdas Darbar,
Station Rd., Sitasadan, Bijapur.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Rajaram Devageer,
CTS No. 1604, Ward No. III,
Near Shyapet, Bijapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th June 1984

Notice No. 763.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. 1604 situated at Bijapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bijapur Under document No. 1666/83-84 on 29-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Registered Document 1666/83-84 dated 29-10-1983.
Property at CTS No. 1604 Ward No. III, situated at Bijapur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1984
Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Smt. Chaya Vishwanath Konnur,
2. Shri Prakash Vishwanath Konnur,
3. Shri Dipak Vishwanath Konnur,
4. Sow Bharati Prabhakar Kulkarni,
All resident of Kothale Building Mahadwai
Road, Kolhapur No. 2.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Notice No. 764.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act,
Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000
and bearing
No. 1731/2/B
situated at Ramdev Gali, Belgaum
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
Belgaum under Document No. 2011/83-84 on 5-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (2) 1. Sh. Bhurmal Rikabchandi Porwal,
2. Sri Anilkumar Bhurmali Porwal,
3. Sow Bhagyawanti Champal Porwal,
4. Sow Shevanti Dilipkumar Porwal,
All residing at H. No. 545, Main Galli,
Belgaum.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2011|83-84 **Dated 5-10-1983**
Land and Building C.S. No. 1731|2|B situated at Rama-dev Gali, Belgaum.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1984
Seal :

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

- (1) 1. Shri Anant Raghunath Konur,
2. Shri Prakesh Raghunath Konur,
3. Shri Dilipak Raghunath Konur,
4. Sow Mangala Vinayak Kittur,
5. Sow Vaishudha Gopal Pujari,
6. Sow Lalita Dallatraya Joshi,
7. Sow Lalita Jayant Pingale,
8. Shri Aravind Raghunath Konur,
All residing of H. No. 1502,
Janaki Nivas Mungalwari Peth,
Kolhapur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Bhurmal Rikabchandji Porwal,
2. Shri Anilkumar Bhurmali Porwal,
3. Sow Bhagyawati Chumpadal Porwal,
4. Sow Shevanti Dilipkumar Porwal,
All residing at H. No. 545, Math Galli,
Belgaum.

(Transferee)

Notice No. 765.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1731|2|A

situated at Ramadev Gali, Belgaum
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 2006|83-84 on 5-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2006|83-84 Dated 5-10-1983

Land and Building C.S. No. 1731|2|A situated at Ramadev Gali Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section '1' of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

55-136GI|84

Date : 4-6-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Notice No. 766.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1731|2|B

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 2005|83-84 on 4-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Shripad Baburao Konnur,
2. Shri Shriram Shripad Konnur,
3. Shri Shukrashna Shripad Konnur,
4. Shri Sulas Shripad Konnur,
5. Shri Ravindra Shripad Konnur,
6. Shri Avinash Shripad Konnur,
All resident of Baroda.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Bhurmal Rikabchandji Potwal,
2. Sri Anilkunai Bhurmalji Porwal,
3. Sow Bhagyawanti Champalal Porwal,
4. Sow Shevanti Dilipkumar Porwal,
All residing at H. No. 545, Math Galli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2005|83-84

Dated 4-10-1983 ,

Land and Building C.S. No. 1731|2|A situated at Ramadev Gali, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-1984

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Shrinivas Baburao Konnur,
2. Shri Madhur Shrinivas Konnur,
3. Shri Dattatraya Shrinivas Konnur,
4. Shri Venkatesh Shrinivas Konnur,
5. Shri Shankar Shrinivas Konnur,
Residing at Municipal Quarters No. 26,
Hosur Hubli.

(Transformer)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Notice No. 767.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1571024,

(7312)A
situated at Ramdev Gali, Belgaum
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at
Belgaum under Document No. 2019/83-84 on 10-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Bhurmal Rikabchundji Porwal,
2. Sri Anilkumar Bhurmalji Porwal,
3. Sow Bhagyawanti Champalal Porwal,
4. Sow Shevanti Dilipkumar Porwal,
All residing at H. No. 545, Math Galli,
Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Registered Document 2019/83-84 Dated 10-10-1983
Land and Building C.S. No. 1731[2]A situated at Ramadev Gali, Belgaum.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-1984
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984.

Notice No. 768.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ITS No. 1731|2B situated at Ramadevi Galli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 2002/83-84 on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Shrinivas Baburao Konnur,
2. Sri Madav Shrinivas Konnur,
3. Sri Dattatraya Shrinivas Konnur,
4. Sri Venkatesh Shrinivas Konnur,
5. Sri Shankar Shrinivas Konnur,
All residing at Municipal Quarters No. 26, Hosur, Hubli.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Bhurmal Rikabchandji Porwal,
2. Sri Anilkumar Bhurmalji Porwal,
3. Sow Bhagyawanti Champalal Porwal,
4. Sow Shevanti Dilipkumar Porwal,
All residing at H. No. 545, Math Galli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2002/83-84

Dated 5-10-1983

Land and building in CTS No. 1731|2B, Ramadevi Galli, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-1984

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Sri Ramachandra Baburao Konnur,
2. Sri Baburao Ramachandra Konnur,
3. Sri Gopal Ramachandra Konnur,
All 3/o Datta Society,
Infront of Rajesh Motors,
Kavate Naka, Kolhapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

- (2) 1. Shri Bhupmal Rikabchandji Porwal.
2. Sri Anilkumar Bhurmalji Porwal.
3. Sow Bhagyaawanti Champalal Porwal,
4. Sow Shevanti Dilipkumar Porwal,
All residing at H. No. 545, Math Galli,
Belgaum.

(Transferee)

Notice No. 769.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CTS No. 1731/1 situated at Ramdevi Galli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 2009/83-84 on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Registered Document No. 2009/83-84 Dated 5-10-1983

Land and building in STS No 1731/1, Ramdevi Galli, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 4-6 1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Notice No. 770—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Act, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CTS No. 1731|1 situated at Ramdev Galli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 2004|83-84 on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Shripad Baburao Konnur,
2. Sri Shriram Shripad Konnur,
3. Sri Shrikrishna Shripad Konnur,
4. Sri Suhas Shripad Konnur,
5. Sri Rayindra Shripad Konnur,
6. Sri Avinash Shripad Konnur,
All resident of Baroda.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Bhurmal Rikabchandji Porwal,
2. Sri Anilkumar Bhurmalji Porwal,
3. Sow Bhagyawanti Champalal Porwal,
4. Sow Shevanti Dilipkumar Porwal,
All residing at H. No. 545, Math Galli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2004|83-84

Dated 5-10-1983

Land and building in CTS No. 1731|1, Ramdev Galli, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-1984

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Sow Chayya Vishwanath Konnur,
 2. Sri Prakash Vishwanath Konnur,
 3. Sri Dipak Vishwanath Konnur,
 4. Sow Bhurmalji Prabhakar Kulkarni,
 All residing at
 "Kothale" Building, New Mahadwari Road,
 Kolhapur

(Transferor)

- (2) 1. Sri Bhurmal Rukabchandji Porwal,
 2. Sri Anilkumar Bhurmalji Porwal,
 3. Sow Bhagyawanti Champalji Porwal,
 4. Sow Shevanti Dihpkumar Porwal,
 All residing at H. No. 545, Math Galli
 Belgaum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Notice No. 771—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

CTS No 1731/1
 situated at Ramdev Galli, Belgaum
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No 2008/83-84 on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2008/83-84

Dated 5-10-1983

Land and building in CTS No. 1731/1, Ramdev Galli, Belgaum

MANJU MADHAVAN
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range Bangalore

Date ~ 4-6-1984
 Seal .

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Notice No. 772.—Whereas, I, MANU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS No. 1731|1

situated at Ramdev Galli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 2007/83-84 on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Bhurmal Rikabchandji Porwal,
2. Sri Prakash Raghunath Konnur,
3. Sri Dibip Raghunath Konnur,
4. Sow Manjula Vinayak Kittur,
5. Sow Vasudha Gopal Pujari,
6. Sow Lalita Dattatraya Joshi,
7. Sow Lalita Jayant Pingle
8. Sri Arvind Raghunath Konnur,
All resident of H. No. 1502, Janki Niwas,
Mangalwarpeth, Kolhapur

(Transferor)

- (2) 1. Sri Bhurmal Rikabchandji Porwal,
2. Sri Anilkumar Bhurmalji Porwal,
3. Sow Bhagyalakshmi Champalal Porwal,
4. Sow Shevanti Dilipkumar Porwal,
All residing at H. No. 545, Math Galli
Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2007/83 84

Dated 5-10-1983

Land and building in CTS No. 1731|1, Ramdev Galli, Belgaum.

MANU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-1984

Seal :

FORM IIIS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Notice No. 773.—Whereas, I, MANU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1731|2|A situated at Ramdev Hall, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 2003|83-84 on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—136GI/84

(1) 1. Sri Bhushan Babarao Konnur,
2. Shri Madhav Shrinivas Konnur,
3. Shri Dakshayya Shrinivas Konnur,
4. Shri Venkatesh Shrinivas Konnur,
5. Shri Shankar Shrinivas Konnur,
Residing at Municipal Quarters No. 26, Hubli.

(Transferor)

(2) 1. Sri Bhurmal Rikabchandji Porwal,
2. Sri Anilkumar Bhurmalji Porwal,
3. Sow Bhagyawanti Champaalji Porwal,
4. Sow Shevanti Dipkumarji Porwal,
All residing at H. No. 545, Math Galli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2003|83-84

Dated 5-10-1983

Land and Building C.S. No. 1731|2|A situated at Ramdev Hall, Belgaum

MANU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Notice No. 774.—Whereas, J. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1731/2 situated at Ramdev Gali, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 2020/83-84 on 10-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Shripad Baburao Konnur,
 2. Shri Shriram Shripad Konnur,
 3. Shri Shrikishna Shripad Konnur,
 4. Shri Suhus Shripad Konnur,
 5. Shri Ravindra Shripad Konnur,
 6. Shri Avinash Shripad Konnur,
- All residents of Baroda.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Bhurmal Rikabchandji Porwal,
 2. Sri Anil Kumar Bhurmalji Porwal,
 3. Sow Bhagyawanti Champalal Porwal,
 4. Sow Shevanti Dilipkumar Porwal,
- All residing at H. No. 543, Math Galli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document 2020/83-84

Dated 10-10-1983

Land and Building C.S. No. 1731/2A situated at Ramdev Gali, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 4-6-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Notice No. 775.—Whereas, I, MANJU MADHAAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 39[7, 41[3, 42[3, 45[3, situated at Merces Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas Under Document No. 917/185 on 7-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Gregorio Dias
2. Smt. Maria Aida Joana Fernandes,
3. Shri George Dias,
4. Smt. Filmana Pereira,
All residing at
St. Cruz Ilhas, Goa.

(Transferor)

- (2) Smt. Ana A. Gonsalves,
Residing at Bondir Vaddo,
St. Cruz Tal. & Ilhas,
Dist. Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Registered Document No. 917/185

Dated 7-11-1983

It is an agricultural land situated at Merces Village.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 4-6-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE 560001

Bangalore-560001 the 4th June 1984

Ref No. 776.—Whereas, I
MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 17312/A situated at Ramadev Galli Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum Under document No 2018/83-84 on 10-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Anant Raghunath Konnur
- 2 Shri Prakash Raghunath Konnur
- 3 Shri Dilip Raghunath Konnur
- 4 Sow Mangale Vinayak Kittur
- 5 Sow Vasudha Gopal Pujari
- 6 Sow Lalita Dattatraya Joshi
- 7 Sow Lalita Jayant Pingale
- 8 Shri Arivind Raghunath Konnur All Resident of H. No 1502, "Janaki Newash Managalore, Peth Kudlai

(Transferor)

- (2) 1. Bhurmal Rukabchandji Porwal
2. Anil Kumar Bhimmalji Porwal
3. Sow Bhagyawanti Champalal Porwal
4. Sow Shevanti Dilip Kumar Porwal All resident of H. No. 545 Math Galli Belgaum

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2018/83-84 dated 10-10-1983. Land and Building C S No 17312/A at Ramadev Galli Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-6-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Ref. No. 777 -Wheas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. CTS No 17312A Ramdevpalli, Belgaum situated at Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum Under document No. 7017/83-84 on 10-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri Ramchandra Baburao Konnur
2. Shri Patanjali Ramachandra Konnur
3. Sri Gopal R. Bachandra Konnur,
All residing at H No 1502,
Janki Nivas
Mangalapura, Bangalore

(Transferor)

- (2) 1. Sri Bharamji Rakabchandji Poreval
2. Sri Anil Kumar Bharmji Poreval,
3. Sow. Bhagyalatha Chaudhary Poreval,
4. Gov. Shevanti Dhirikumar Poreval,
All residing at
H. No. 545 Malleshwari
Belgaum

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document 20178384 dated 10-10-83 Land and building bearing CTS No 17312A situated at Ramadev Galli, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 4-6-1984

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th June 1984

Ref. No. 778.—Whereas, I, **MANJU MADHAVAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1731/2/B situated at Ramdev Galli Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum Under Document No. 2010/83-84 on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Shri Ramachandra Baburao Konnur
2. Shri Baburao Ramachandra Konnur
3. Gopal Ramachandra Konnur
All Resident of
Shri Datta Society, In front of
Rajesh Motors Kavale Naka
Kolhapur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Bhurmal Rikabchandji Porwal
2. Shri Anil Kumar Bhurmalji Porwal
3. Sow Bhagyawanti Champalal Porwal
4. Sow Shevanti Dilip Kumar Porwal
All Resident of
H. No. 545
Math Galli,
Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document 2010/83-84 dated 5-10-1983 Land and Building situated at Ramdev Galli, Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore, the 4th June 1984

Ref. No. 779.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 1731|2A situated at Ramadev Galli Belgaum,
and more fully described in the schedule annexed hereto,
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the
registering Officer at
it Belgaum Under document No. 2016|83-84 on 5-10-1983
or an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Prakash Vishwanath Konnur
2. Smt. Chaya Vishwanath Konnur
3. Shri Dilip Vishwanath Konnur
4. Sow Bharat Prabhakar Kulkarni
All Resident of
H. No. 1502,
"Janki Niwas",
Mangalwar Peth, Kolhapur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bhupmal Rikabchandji Porwal
2. Shri Anil Kumar Bhupmalji Porwal
3. Sow Bhagyavanti Champalal Porwal
4. Sow Shevanti Dilip Kumar Porwal
All Resident of
H. No. 545,
Math Galli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document 2016|83-84 dated 51-0-1983 Land
and Building C.S. No. 1731|2AA at Ramadev Galli,
Belgaum.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date : 4-6-1984

Seal :

FORM ITNS- - -

(1) Shri C. N. Tulsidas
Reid Income tax Officer
Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chandulal Tulsidas
Ruparel, Raipur
Co. Daval Meghji & Co.,
Malviya Road
Raipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 26th May 1984

Ref No. IAC Acqn/Bpl/4690.—Whereas, I,
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 64 with house constructed thereon situated at Jalvihar Colony, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 64 and a house constructed thereon situated at Jalvihar Colony, Raipur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Indore Cloth Market Madhyamvargiva Grah Nirman
Sahkari Sanstha Maryadit,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Radhakrishan Narayandas Patni,
R/o 95, Dhar Road,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th May 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4693.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 226, situated at Gumasta Nagar, (Sukh Niwas), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 226 situated at Gumasta Nagar (Sukh Niwas), Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

57—136GT/84

Date : 26-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 26th May 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4694.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 234, situated at Gumasta Nagar, (Sukh Niwas), Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Indore on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Cloth Market Madhyamargiya Grih Nirman Sahkari Sanstha, Ltd., Indore.

(Transferor)

(2) Shri Hansraj Umarsi Pal,
R/o 159, M. T. Cloth Market,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Plot No. 234 situated at Gumasta Nagar, (Sukh Niwas), Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Indore Cloth Market Madhyamvargiya
Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th May 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4695.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 230 situated at Gumastanagar, Sukh Niwas Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Rameshcandra Chhogalal Baheti, R/o 220, M. T. Cloth Market, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 230 situated at Gumastanagar (Sukh Nias Rd), Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Indore Cloth Market Madhyamvargiya Girth Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ganga Vishnu Badrilal Kabra, R/o 9, Narsingh Bazar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 26th May 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4696.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 16 situated at Gumastanagar (Sukh Niwas Road) Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Indore on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 16 situated at Gumasta Nagar (Sukh Niwas Road), Indore

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4697.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 1166/2 situated at Near Railway Line Juni Indore, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jogeshwar
S/o Hirajal
R/o 1, Katkatpura, Indore, M.P.

(Transferor)

(2) Shri
1. Rajendra S/o Brijesh Beesani,
2. Mrs. Alka W/o Rajendra Beesani,
3. Rajendrakumar Rajakumar HUF,
4. Master Rajat S/o Rajendra Beesani,
5. Ku. Dipti D/o Rajendra Beesani,
All R/o 34, Shastri Market, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Bearing Kh. No. 1166/2 situated at near Railway Line Juni Indore, Indore. This is the immovable property described in the Form No. 37G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 28-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4698.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Khasra number 1166/3 situated at Near Railway Line, Juni Indore, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Tameshwar S/o Hirnalal, R/o 1, Katkatpura Indore, M.P. (Transferor)
- (2) 1. Radhadevi W/o Navnital
2. Smt. Chanrakala Murlidhar
3. Ushadevi Anil Kumar
4. Sobhadevi Sunil Kumar
5. Sunil Kumar Navnital
6. Mukeshkumar Navnital
7. Anilkumar Navnital,
All R/o Overbridge,
Shastri Market, Indore, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra number 1166/3 situated near Railway Line, June Indore. This is the immovable property described in the form number 37G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. IAC|Acq|Bpl|4699.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 1164/4 situated at Juni, Indore, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rajendra S/o Hiralal R/o 1, Katkatpura, Indore

(Transferor)

(2) Shri Omprakash S/o Bansidhar Mittal R/o 65, Prakash Nagar Colony, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 80 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 1164/4 situated at June Indore, Indore. This is the immovable property, which has been described in the Form No. 37 G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Smt. Kirankumari D/o Shri Hiralal, 1, Katkatpura,
Indore.
(Transferor)(2) Smt. Premlata W/o Champalal Jindal, R/o 67,
Anand Nagar, Bhawarkua, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4700.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kg. No. 1165/1 situated at Juni Indore, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Indore on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 1165/1 situated at Juni Indore, Indore. This is the immovable property described in the Form No. 37-G, verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. IAC[Acq.]Bpl|4701.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Survey No 295 & 296 situated at Gram Rasulpur Teh. & Dist. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair Dewas on October, 1983 Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1 Imdadali,
2 Mansoorali sons of Mohammadali,
3 Hafizabai d/o. Mohammadali R/o Hasakhedi,
4 Jibbabai alias Judebabai d/o. Mohammadali,
R/o Hasnabad Teh. Depalpur, Distt. Indore, M.P.
5. Hasinabai d/o. Mohammadali R/o Manak Chowk.
Sunwer, Teh. Sanwer, Distt. Indore.
6. Nyapanbai wd/o Mohammadali R/o Gram
Rasulpur for No. 3 to 6 through Attorney
General Transferor No. 2 Shri Mansoorali s/o
Mohammadali R/o Gram Hasakhedi Teh. & Dist.
Indore, M.P.
- (Transferor)
- (2) M/s. Cummins Diesel Sales & Service, 35-A-1/2
ERANDVANA, Poona Maharashtra through
Secretary Shri V. K. Bodas.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 295 & 296 situated at Gram Rasulpur, Teh. & Dist. Dewas. This is the immovable property described in the Form No 37-G, verified for the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58—136 GI/84

Date : 28-5-1984.
Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. IAC/Acq[Bpl]4702.—Whereas, I,

D.P.PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No 330 situated at Village Rasulpur Teh. & Distt Dewas
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kadarah
S/o Kuma Ali Usif Karimali Musalman,
R/o Gram Rasulpur Teh & Distt Dewas
(Transferor)
- (2) M/s. Cummins Diesel Sales and Service
(India) Ltd., Poona (Maharashtra) through
Secretary V. K. Bodas
(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Survey No 330 situated at Gram Rasulpur Teh. & Distt. Dewas

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sect. 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28.5.1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
Bhopal, M. P.

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/470—Whereas, I
D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land—Survey No. 283/3 situated at Rasulpur Teh & Distt. Dewas

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dewas on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Amralki
S/o Hasanali Musalman
R/o Gram Rasulpur Teh. & Distt. Dewas, M. P.
(Transferor)

(2) M/s Cummins Diesel Sales & Service
India Ltd., Andheri East, Poona,
Maharashtra,
through Secretary V. K. Bodus
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 283/3 situated at Gram Rasulpur, Teh. & Distt. Dewas. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1984.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. IAC(Acq|Bpl|4704).—Whereas, 1.

D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No. 329 situated at Rasulpur Teh & Distt. Dewas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ambaram
S/o Thawar Khati
R/o Gram Nagda Teh. & Distt. Dewas M.P.
(Transferor)
- (2) M/s Cummins Diesel Sales & Service
India Ltd., Andervana, Poona,
Maharashtra,
through Secretary V. K. Bodus
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 329 situated at Rasulpura Teh. & Distt. Dewas. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified on Behalf of the transferee.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 24-5-1984
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
Bhopal, M. P.

Bhopal, the 29th May 1984

Ref. No. IAC|Acq|Bpl|4705.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

bearing No. Land—Survey No. 328 situated at Rasulpur,
Teh. & Distt. Dewas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Dewas on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Nawabali
 - 2. Shoukatali
 - 3. Gafoorali urf Gaffarali
 - 4. Wahidali
 - 5. Sajidali
 - 6. Shafiqali all sons of Sattarali
 - 7. Raisali
S/o Sattarali through Guardian Boda Bhai Walid Ali
 - 8. Rehmanali
 - 9. Kayyumali
 - 10. Ahsiqali sons of Barkatali
 - 11. Bhumbai
D/o Barkatali all
R/o Nayapura, Dewas, M. P.
 - 12. Manjibai
d/o Barkatali
R/o Khajrana Teh. & Distt. Indore
 - 13. Iaitobai
d/o Barkatali
R/o Joshipura, Dewas
 - 14. Merajbai
wd/o Barkatali
R/o Dewas.
 - S. No. 11 to 14 through Attorney Kayyumali
S/o Barkatali
R/o Dewas, M. P.
- (Transferor)
- (2) M/s Cummins Diesel Sales & Service
India Ltd., 35-A Grandvana, Poona,
Maharashtra,
through Secretary V. K. Bodus
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 328 situated at Rasulpur, Teh. &
Distt. Dewas.

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 29-5-1984.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M. P.

- (1) Shri Nasrani
S/o Chandni Musalman
R/o Gram Rasulpur, Teh & Distt. Dewas, M. P.
(Transferor)
- (2) M/s Cummins Diesel Sales & Service
India Ltd., Poona,
Maharashtra
through Secretary Shri V. K. Bodas
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 29th May 1984

Ref. No. ACI/Acq/Bpl/4706.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land Kh No. 310 situated at Gram Rasulpur
Teh. & Distt. Dewas
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on October, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 310 situated at Gram Rasulpur, Teh. & Distt. Dewas. This is the immovable property described in the Form No. 37G, verified by the transferee.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. AIC|Acq|Bpl|4707.—Whereas, I, D.P.PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. at Survey No. 301 situated at Gram Rasulpur, Teh. & Distt Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on October, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rehmanali
S/o Barkatali
R/o Gram Rasulpur through Attorney Mitra
Masood Ahurad
S/o Mitra Ahmed Beg,
R/o 127, Mahatma Gandhi Marg, Dewas.
(Transferor)

(2) M/s Cummins Diesel Sales & Service,
India Ltd., Poona,
Maharashtra
through Secretary Shri V. K. Bodas
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Land Survey No. 301 situated at Gram Rasulpur, Teh. & Distt Dewas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1984.

Seal :

FORM ITNS- ----

Officer at Neemuch on October 1983

(1) Miss Nittez

D/o late Shri Jam Shedpi Contractor,
R/o Bunglow No. 48, Neemuch.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P

Bhopal, the 28th May 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4708.—Whereas, I,
D.P.PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop situated at Tagore Marg, Bunglow No. 48, Neemuch, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on October, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :—

(2) Shri Nandlal S/o Shri Choithram Ramnani,
R/o Sindhi Colony, Neemuch

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Shop No. Tagore Marg situated in Bunglow No. 48, Neemuch

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Comisioner of the Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1984.

Seal :

FORM ITN 9

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. M. P.

Bhopal the 28th May 1984

Ref No. IAC|Acqn|Bpl|4709 —Whereas, I,

D.P.PANTA,
Ref. No. SML|9|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. situated at Tagore Marg, Bunglow No. 48, Neemuch.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Neemuch on October, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

59—136 GI|84

1) Mr. Ramesh Contractor
R/o Bunglow No. 48 Neemuch.

(Transferor)

2) Shri Manoharlal
S/o Choithram Ramnani,
R/o Sindhi Colony,
Neemuch

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. situated at Tagore Marg, Bunglow No. 48, Neemuch.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 28-5-1984.

Seal :

FORM IIMS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M. P.

Bhopal, the 28th May 1984.

Ref. No. IAC(Acqn|Bpl)|4710.—Whereas, I,

D.P.PANTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 20/8 situated at South Tukoganj, St. No. 1, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Anoopkumar Shrivastava
S/o Jagdishprasad
Shrivastava
R/o 110, Usha Nagar Colony,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chandra Dave
S/o Rungopalji Dave,
R/o 20/7, South Tukoganj
St. No. 1 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 20/8 situated at South Tukoganj St. No 1 Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1984.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 11th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2984/Acq.-23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building Oil Mill at Madhapar Dist. Bhuj S. No. 0334 paiki land for Industrial purpose Factory, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Bhuj on 26-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Amal Industries,
Gangar Shantilal Piyashi Jadavji Nagai Bhuj
(Kutch).
(Transferor)
- (2) M/s. Ashok Oil Mill,
High Way Road,
Madhapar Tal. Bhuj (Kutch).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building Oil Mill at Madhapar High Way registered vide R. No. 2298 Dt. 26-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad, the 11th Day 1984

Ref. No. P.R. No. 2985/Acq.-23/1/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Ward No. 7 Sheet No. 258—Takhteshwar Plot vistar Bhavnagar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Bhavnagar on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Manishankar Laxmishankar Joshi,
U Kon Drive, New York, U.S.A.
(Transferor)
- (2) Amritshanti Appartment Owners Association,
Chief Organisor,
Shri Vrajlal Vanmalidas Trivedi,
Plot No 1233, Ambawadi Bhavnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ward No. 7 Sheet No. 255 Plot No. 110 A, 2 Takhteshwar Plot Vistar Registered vide R. No. 1354 Date 13-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mahavir Construction Company
Through Shri Madhukant Manilal Tolani
Shop No 2 Rankishna Nagar, Rajkot
(Transferor)
- (2) Smt. K. Sabita Kangibhai
Swapna Lok Apartment Block No 3
Amin Road, Rajkot
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad the 14th May 1984

Ref No PR No 2986 Acq 23184-85—Whereas, I, R R SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No S N : 4331 Plot No 3 B situated at Swapnlok Apartment, Block No 3 Amin Road Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than one per cent of the apparent consideration all that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing, by me undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat adm 1725 sq ft situated at Swapna Lok Appartment, Rajkot, duly registered by S R Rajkot vide sale deed R. No 5128/11-10-1983

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 14-5-1984
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mahavir Construction Company,
Through : Shri Madhukant Manilal Tolia,
Sheri No. 2, Ramkrishna Nagar, Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Ramuben Laljibhai Tilva,
Swapna Lok, Appartment, Block No. 3,
Amin Road, Rajkot.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 14th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2987/Acq.-23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 433-1 Plot No. 3-B, situated at SwapanaLok Aptt. Block No. 15, Amin Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 11-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat adm. 1725 sq. ft. situated at Swapna Lok Appartment, Rajkot, duly registered by S. R. Rajkot vide sale deed R. No. 5192/11-10-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1984
Seal :

FORM ITNS.—

- (1) Shri Umarshi Khimjibhai,
Vijay Transport Company,
Mochi Bazar, Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Jayantilal Damodar Gokani,
Shri Bhasker Damodar Gokani,
Both @ Jalarum Dev Yoginiketan,
Plot No. 17 A, North of Kalawad Road, Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad, the 14th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2988/Acq.-23/I/84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. No. 456 paiki Plot No. 17-A situated at Jalarum Dev 17A
Plot, Yoginiketan, North Side of Kalawad Road, Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
Rajkot on 27-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building standing on land 303 sq. yd. situated at Northern
Kalawad Rond, Rajkot duly registered by S.R. Rajkot vide
sale deed R. No. 6412/20-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 14-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD 380009,

Ahmedabad-380009, the 14th May 1984

Ref. No. P.R. No 2989 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at 5th floor, 'E' Building No. 553 of Tax Xila Co-operative Housing Society situated at opp. to All India Radio on Sitaran Pandit Marg, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Rajkot on October, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Apurva Patelambhai Nanabhai Chandumiketan, Sheri No. 2-7, Inamth Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Chandulal Jivabhai Patel, No. 553, 5th Floor, Tax Xila Co-operative Housing Society (Flat) Opp. to All India Radio on Sitaran Pandit Marg, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot adm. 1250 of Taxshila Co-operative Housing Society situated at Rajkot duly registered by S.R. Rajkot vide sale-deed R. No. 4463/Oct.83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-5-84
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. J. S. Corporation, 48, Indranareyan Road,
Santacruz (West) Bombay-54.
(Transferor)
- (2) Mr. Shantilal Jejam & Mrs. Omniagauri Kalyanji
Flat No. 302—on 3rd floor, Crescent—A Bldg.
Race Course Road, Rajkot.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 14th May 1984

Ref. No P.R. No. 2990 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 15 C.T.S. 1010, situated at 3rd floor Flat No. 302, Building Crescent 'A' on Race Course Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 10-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (21 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat adm. 1450 sq. ft, situated at Race Course Road, Rajkot, as per intimation filed vide 37-FE form in the office of the undersigned on 10-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2991 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Flat at Ambawadi Birju Co op. Socy. Flat No. C.12 Ahmedabad-15 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad (37G recd. in Oct. 1983) on 16-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties hasnot been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Ragini S. Joshi, 12, Birju Society, Ambawadi, Ahmedabad-15.
(Transferor)
- (2) Mrs. Shushila D. Saluja, Opp. Nehrunagar, Ambawadi, A'bad-15.
New Address : Flat No. C-12, Birju Socy. Ambawadi, Near Azad Socy. Ahmedabad-15.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at Birju Socy. Flat No. C-12 Ambawadi registered vide R. No. 13159.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-5-1984
Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2992 Acq 23|I|84-85.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at T.P.S. 3 F.P. No. 419 New Garden Flats Ellisbridge, Ahmedabad, Flat C-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 7-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Anandlal Trikamal Shah 2. Shashikala Anandlal Trikamal New Garden Flats, Ellisbridge, Ahmedabad-6.
(Transferor)

(2) 1. Samukumar Manubhai Palkhiwala
2. Nishikumar Manubhai Palkhiwala
New Garden Flats, Flat No C-6, Opp. Law Garden—Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at TPS. 3 New Garden Flats Opp. Law Garden Flat No. C/6 registered vide R. No. 4016 Dt. 7-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-5-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ajaynaben Bababhai Shah 11, Vidyanagar Socy. Vibhag 2 Usmanpura, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Virmatiben Virendrabhai Desai Gomtipur—P-85, Rajpur—Gomtipur, Ahmedabad
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1984

Ref. No., P.R. No. 2993 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat at Wadaj Seem S No. 363-1 F.P. 284 A'bad.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 10-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Adt. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at Wadaj T.P.S. 15 S. No. 363-1 F.P. 284 registered R. No. 14142 Dt. 10-10-82

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-5-84
Seal :

Now, therefore in, pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2994 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Vejalpur Seem S. No. 1158 Plot No. 23 Sector No. 5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 10-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shantaben Balkrishna Dave, Balkrishna Ram Shankar Dave, 26, Bhashkar land, 1st Floor, Bhuleshwar Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Yashodhara Vithalbhai Patel, Vithalbhai C. Patel—Power of Attorney Arvindbhai Ramkrishna Patel, Vasud Near Girdharnagar, Shahibaug, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vejalpur seem. S. No. 01158 Plot No. 23 Sector No. 5 at Satyagrah Chhavani registered vide R. No. 14116 dated 10-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-5-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2995 Acq. 23/I/84-85.—Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at T.P.S. 20 F.P. 390/1 at New Girdhar Park Co-op. Socy. Ambawadi, Opp. La-Gajjar's Bunglow, situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Smt. Tarannani Shantilal Shah, A/2, Purnashwar Flat, Gulbal Tekara, Ahmedabad-15.
(Transferor)
- (2) Smt. Ansuyaben Kanubhai Upadhyaya, Flat No. F/3, New Girdhar Park Co-op. Socy. 1st Floor, Ambawadi, Opp. La-Gajjar Bunglow, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at Ambawadi TPS. 20 FP 390/1 at New Girdhar Park, registered vide R. No. 14183 Dt. 11-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2996 Acq. 23]I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Vejalpur S. No. 1157 at Satyagrah Chhavani situated at Sector No. 3 Plot No. 23B (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Madhuben Ramanlal Desai
7, Nutan Bharat Society,
Vadiwadi, Baroda

(Transferor)

(2) Shri Nareshbhai Baldevbhai Patel,
Power of Attorney
Shri Chandubhai Prahladbhai Patel,
Gomtipur Raanjana Khincho,
8A Morari Park,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

III SCHEDULE

Land at Satyagrah Chhavani Vejalpur,
S. No. 1157 Registered vide R. No. 14351 Dated
10-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-5-1984
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1984

Ref. No. P.R. No 2997 Acq. 23/1/84-85.—Whereas I
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- bearing No.
Flat at Paldi seem F.P. 933—Sub Plot No. 9 107 sq. yd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at A'bad on 15-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent considerations
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Maheshbhai Jagabhai Shah,
7, Shavak Nagar,
Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Sudhaben Arunbhai Zaveri.
2. Shu-hilaben Rasiklal Zaveri.
3. Pradip Rasiklal Zaveri,
C/o M/s S. D. Zaveri
704/712, Stock Exchange Tower,
Dalal Street, Fort,
Bombay.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at Paldi F.P. 933 S.P. No. 9 registered vide R. No. 14455 Dt. 15-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mayur Madhukant Mehta,
22, Brahma Mira Mandal Socy.
Ellisbridge,
Ahmedabad.

(2) 1 Shri Jaiji Ratnesh Shah

(Transferor)

2. Smt Jayshreeben Jagatbhai Shah
Sector No. 2 Plot No. 41
Satyagrah Chhavani Co-op. Socy.
Jodhpur Tekara,
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2998 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Vejalpur S. No. 1145 Sector No. 2, Plot No. 22 situated at Satyagrah Chhavani, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-7-1983 (regd. Oct. 83) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Vejalpur stem S. No. 1145 Sector No. 2 Plot No. 29 at Satyagrah Chhavani Co-op Socy. registered vide R. No. 10227.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

51—136 GI/84

Date : 17-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2999 Acq. 23/I/84-85.—Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Vejalpur seemi, S. No. 1145 situated at Satyagrah Chhavani Sector No. 2 Plot No 30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 16-7-1983 (37G recd. in Oct. 83) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Shri Saifur Jitendrabhai Shah,
'Triveni' Flats,
Mithkhali Six Rasta (Road)
Navrangpura, Ahmedabad

(Transferer)

(2) 1. Shri Jagatbhai Ratilal Shah
2. Smt. Jayshree Jagatbhai Shah,
Sector No. 2 Plot No. 41,
Satyagrah Chhavani Co. op. Socy.
Jodhpur Tekala Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Vejalpur seem S. No. 1145 at Satyagrah Chhavani Sector No. 2 Plot No. 30 Registered vide R. No. 10228.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 17-5-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITN8—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3000 Acq. 23/I/84-85. Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 456 paiki Plot No. 315, paiki, situated behind Mahila College, Kalawad Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 26-10-1983

Rajkot on 26-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Damodar Nagjibhai Sejpal,
Karanpara Chawk,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Girishkumar Chhotalal Kotecha,
C/o Damodar Nagjibhai Sejpal,
Karanpara Chawk,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. at Kalawad Road, Rajkot—duly registered by S.R. Rajkot, vido sale-deed K. No. 6373/26-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-5-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-I,
**2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
 ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009**

Ahmedabad 380 009, the 19th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3001 Acq. 23/I/84-85.—Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at Jagannath Plot Shell No. 25-26, Flat known as 'Asopalav' at 2nd Floor, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 25-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Moghiben Madhavji Village Khirsara, (Transferor)
- (2) Shri Laxmanbhai Lalji bhai Makadiya, Flat at 2nd Floor, 'Asopalav' Jaganath Sheri No. 25-26 at Corner, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat adm. 1191 sq. ft situated at Asopalav Flat Sheri No. 25-26 Jagannath Rajkot duly registered by S.R. Rajkot vide sale deed R. No. 5738/25-10-83.

R. R. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 19-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st May 1984

Ref. No. P.R. No. 3002 Acq 23/I/84-85.—Whereas 1, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 457 paiki Plot No. 13-c-2, situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narendra Nenshibhai Mehta,
Amarnath Plots, Kalawad Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojben Pravinchandra Shah,
'Punam' I, Amarnath Plots,
Kalawad Road,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 167 sq. yd., situated at S. No. 457, Rajkot, duly regd. by S.R. Rajkot vide sale-dec^r R. No. 6118/17-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 21-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDILOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th May 1984

Ref. No. P.R. No 3003 Acq. 23/1/84-85.—Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 387/388 paiki Plot No. 20 paiki, situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 17-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(1) Vijeta Industries —

Through :—

1. Shri Chhaganlal Trikambhai Patel
2. Shri Rablal Gordhanbhai Patel
3. Shri Shardaben Vasantbhai,
Opp. Bhaktinagar Station,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Miliyant Metal Industries —

through :

1. Shri Ashokkumar Govindbhai
2. Shri Praful Vallabhbhai
3. Shri Laxmanbhai K.
4. Kanchanben Kantilal —
All at Aji Vasahat,
Rajkot.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 400 sq. yd.—with incomplete plinth—situated at S. No. 3877/388, paiki Rajkot duly registered by S. R. Rajkot vide sale deed R. No. 6132/17-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 19-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Viranand Chaturdas Sanghvi,
near Virani High School,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Hematal Popatlal Pujia,
'Umic Kunj' 23, Jagannath Plot,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RDAO,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 19th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3004 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Building Opp : Virani High School Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer
at Rajkot on 20-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building standing on land 160 sq. yd. situated at near
Virani High School, Rajkot, duly registered by S.R. Rajkot
vide sale deed R. No. 6192/20-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dt. : 19-5-84
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vijayakumar Liladhar Druna,
Danapith, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 19th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3005 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- S. No. 429-436-656-paiki situated at Plot No. 58-A Panchvati Co-op. H. Socy. Near Hariher Socy. Kalavad Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) 1. Shri Jaisukhlal Bhagwanji Doshi
2. Shri Khushaldas Bhagwanji Doshi
Plot No. 58-A, Panchvati Co-op H. Socy.
Kalavad Road, Near Hariher Socy.
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 323-5-0 sq. yd.—situated at Rapkot, duly registered by S R Rajkot vide sale deed R. No. 6239/21-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. : 19-5-84
Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sunilkumar Gigral Gupta,
Raghukul Society,
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Bhavartal Shivnathji Rajpurohit,
18, Bhadraswar Society,
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P.R. No. 3006 Acq. 23 I/84-85.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bldg. at Dariapur Kazipur seem Jay Mahavir Co-op. Socv. T.P.S. 14 Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 21-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Building at Dariapur Kazipur seem Jay Mahavir Co-op. Socv. TPS 14 Registered vide R. No. 14653 Dt. 21-10-83.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
62—136 GI'84

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt.: 22-5-1984
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rasidaben Harunbhai Hasmani
Corner Flats, Paldi,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Iqbalbhai Abdul Razakbhai
Modern Flats, Flat No. B-5,
Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref. No. P.R. No. 3007 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at TPS. 6 Paldi F.P. 10 at Modern Flats Coop. Socy. Flat No. B/5-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transf and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at Paldi TPS. 6 FP No. 10 at Modern Flats Flat No. B-5 registered vide R. No. 14675 Dt : 21-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Anilaben Deepakbhai Shah,
Patasha Pole, Gandhi Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) (1) Pradip Champaklal Shah
(2) Bharat Champaklal Shah
833, Mehta Sheri, Panchbhai's Pole,
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref. No. P.R. No. 3008 Acq 231184-85.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Paldi seem T.P.S. F.P. 282 S.P. No. 1B (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 24-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Paldi T.P.S. 6 F.P. 282 S.P. No. 1-B registered vide R. No. 14782 Dt : 24-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt : 22-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) Akberbhai Lavjibhai Charania,
B-No. 12, Khoja Society, Kankaria,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Karmali Mayjibhai Himani
Jigorali Karmali Himani
Near Khamasha Gate,
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref. No. P.R. No. 3009 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kankaria—T.P.S. 2 C.S. No. 124, at Ismaliya Coop. Socy. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 28-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Building at Khoja Socy. Kankaria T.P.S. 2, Registered vide R. No. 15125 dt: 28-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt: 22-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref. No. P.R. No. 3010 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bldg. at Achiar seem S. No. 123|1, 124|2 F.P. No. 10-1, 6-B Maharshi Dayanand Park, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 24-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ramlubhaya Piraditamal Arora,
Sevak Sadi Centre,
62, Sindhi Market,
Ahmedabad-2.

(Transferor) (s)

(2) Shri Bhupendra Desraj Khatri,
C/o Bhupendra Textiles,
22, Sindhi Market,
Ahmedabad.

(Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at 6-B Maharshi Dayanand Park, Achiar T.P.S. 23, Sabarmati registered vide R. No. 14797 Dt : 24-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt. : 22-5-84
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Kantilal Kodaril Shah,
4/4, Manglam Flats,
Gepunager, Ahmedabad-24.

(Transferor) (s)

(2) 1. Bhogilal Amratlal Shah
2. Vasumati Bhogilal Shah
Panchvati—Ahmedabad.

(Transferee) (s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref. No. P.R. No. 3011 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Vasana T.P.S. 21 F.P. 602 S.P. No. 179 at Manekbag Co-op. Socy., Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 25-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Manekbag T.P.S. 21 F.P. 602 S.P. No. 179 registered vide R. No. 14551 Dt : 25-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dt. : 22-5-84
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th May 1984

Ref. P.R. No. 0012 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dariapur, Kanpur seem Camp Road, Navinchandra Park T.P.S. 17 & T.P.S. 8 FP No. 2 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Ishwarlal Joitaram Patel,
10, Manan Society,
Ranip—Sabarmati,
Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Bansidhar Gopinath Agarwal,
18, Navinchandra Park,
Civil Hospital Road,
Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Dariapur-Kazipur T.P.S. 17 and 8 F.P. No. 2 parki Plot No. 8 registered vide R. No. 14979 Dt : 25-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt. : 24-5-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Kevalprasad Bababhai Patel
2. Kaushikbhai Bababhai Patel,
5-A Mira Socy. Naranpura
Ankur Road, Ahmedabad-13.

Transferor(s)

- (2) 1. Shantilal Muljibhai Savla—Rasta of H.U.
2. Minor Manoj Shantilal Savla—

Guardian—Shantilal M. Savla
Flat No. D/3, Ajanta Flats,
Naranpura, Char Rasta,
Opp : Jain Temple—Ahmedabad-13.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th May 1984

Ref. P.R. No 3013 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land at Narshi Nagar Co-op. Socy. T.P.S. 29 S. No. 34 Sub Plot No. 14, Naranpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 24-8-83 (Oct 83 37G recd.) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Narshi Nagar Co-op Socy. T.P.S. 29 S No 34 S.P. No 14 registered vide R. No. 12107.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dt. : 24-5-1984
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380 009 the 24th May 1984

Ref PR No 3014 Acq 23/I/84 85—Whereas I,
R R SHAH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing

Bldg at TPS 22 F P 140 142 143 Sub Plot No 12 B of Paldi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 11-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer is agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (1) 1 Smt Ramilaben Mahendrakumar
2 Shri Rupen Mahendrakumar
3 Minor Vishal Mahendrakumar
Guardian—Shri Mahendrakumar Hariyodin
Shah, Fatus Pole Kharakova's Pole,
Ahmedabad
(Transferor) (s)

- (2) 1 Laxmandas Milal Gandhi
2 Manharben Laxmandas Gandhi
Tokarshah's Pole, Raikhad,
Ahmedabad
(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Bldg at Paldi TPS 22 F P 140 142 143 S P No 12-B
registered vide R No 14197 D 11-10-1983

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely —

63—136 GI|84

Dt : 24-5-1984
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3015 Acq. 23|J|84-85.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Sanand S. No. 677/2 having land area 5324 sq. yd. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Sanand on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Jashiben Daughter of Maganji Nanjibhai Thako
2. Vimlaben Daughter of Maganji Nanjibhai Thako
Sanand Dist : Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Friends Co-op. Socy. (Proposed),
Chef Organiser
1. Shri Bipinchandra Bhogilal Amin
2. Shri Bhanuprasad Muljibhai Patel
3. Shri Pravinkumar Muljibhai Patel
Naranpura, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sanand S. No. 677/1 registered vide R. No. 1418/83 having land area 5324 sq. yd.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dt. : 26-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1984

Ref. P.R. No. 3016 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 80 Plot No. 50 parki situated at Nana Mawa—Rajkot and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 28-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kishore Narsinhbhai Parme, Mulchand Zazeri's Wadi, Kumbhatwada, Chembur, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Natverbhai Govindbhai Ladani, C/o Apex Colour Laboratory, Opp. Rashtriya Shala, Near Ravi Kiran, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building standing on land 107 sq. yards situated at Nana Mawa, Rajkot, duly registered by S R Rajkot vide sale-deed R. No. 6446 29-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29-5-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kishore Narsibhai Parmar,
Mulchand Zazeri's Wadi, Kumbharwad,
Chembur, Bombay

(Transferor)

(2) Shri Chandulal Ladhabhai Sutariya,
Swastik Estate, Near Petrol Pump,
Gondal Road, Rajkot

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3017 Acq 23/I/84 85—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
S. No. 80 Plot No. 50 paiki
situated at Nana Mawa, Rajkot
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the registering officer at
Rajkot on 28-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Building situated on land 108 sq yards situated at Nana
Mawa, Rajkot duly registered by S.R. Rajkot vide sale-deed
R. No. 6417 dated 28-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3018 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building known as 'Hotel Mohit International' situated at Near Bahumali Bhawan, Race Course, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 28-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby invite immediate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Devkunverben Harilal Soni,
'Satya Kunj' Near Aston Cinema,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Bharatsinh Chudasma & Sons,
C/o Hotel Rohit International,
Near Bahumali Bhawan, Race Course Road,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on 1090 .59 sq. mtr. known as Hotel Rohit International near Bahumali Bhawan Race Course, Rajkot duly registered by S.R. Rajkot vide sale deed R. No. 6435/28-10-1983 i.e. property as fully described therein.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Date : 29-5-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Gordhanbhai Shivabha Patel,
16, Chandra Mukhi Society,
Behind Gopal Nagar,
Nemnagar Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Mohanlal Lakhaji Chauhan,
L.R. Apartment Near Shahibag,
Railway Crossing, Shahibag,
Ahmedabad.
2. Ramchandrbhai Lakhaji Chauhan,
3. Javanbhai Dhanaji Chauhan,
Near Ambaji Temple—Madhpura—
Outside—Delhi Gate.
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABA-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th May 1984

Ref. P.R. No. 3019 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building at T.P.S. 14 Sadhana Co-operative Society B. No. 22 FP No. 63 S. No. 66/A/1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 29-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Sadhana Society Shahibag, TOS 14 registered vide R. No. 15171 dated 29-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 29-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3020 Acq.23/1/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building at C/92 Samratnagar Ishanpur—S. No. 261, 262, 265 and 268 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pankajkumar Bhogilal Maniar,
33/3, Jayant Park,
Vatva Road, Maninagar,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Pravinbhai Gokaldas Desai
Nagar Nivas, Nehru Road,
Vile Parle (East),
Bombay-57.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Ishanpur seem Samrat Nagar, C-92, S. No. 261, 262, 265 and 268 registered vide R. No. 12726 dated October 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 29-5-1984

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3021 Acq 23/I/84-85.—Whereas, I,

R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Building at Khadia I S. No. 2241 M.S. No. 1436 at Sarangpur—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 26-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shr. Lalitkumar Bhalabhai Patel
(Sam Sangi's Pole—Sarangpur—Ahmedabad)
New Address : Shri Lalitkumar B. Patel,
A/4, Minita Apartment,
St. Xavier's High School Road,
Navjivan, Ahmedabad-14.

(Transferor)

(2) Shri Natwarlal Hiralal Shah,
Pankajkumar Hiralal Shah,
Guardian Shri Nalin Hiralal,
Kaushik Hiralal,
Guardian Shri Hiralal Vadhal,
8, Jitendra Park Society, Paldi,
Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Khadia-I, Sam Sangi's Pole, S. No. 2241, M.S. No. 1436, registered vide R. No. 14879 dated 26-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 29-5-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
AHMEDABA-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3022 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building at Ambawadi Krishna Nagar Ward No. 6 S. No. 2023, 2024, 2025, 2026 etc. Bhavnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sarangpur—Ahmedabad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Proposed New Shanti Niketan Co-op. Society
Chief Organiser—Shri Bhopatral Mohanlal Shah,
Vania Sheri Ghogha Bandar Ghogha—
Bhavnagar.
(Transferor)
- (2) 1. Piyushkumar Upendrabbhai Mehta
Plot No. 1048-A 1-2 Ambawadi,
Opp. Daniben Chhatralaya,
Krishna Nagar, Bhavnagar,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building at Ambawati Ward No. 6 Plot No. 1048A—
Registered vide R. No. 3425 dated 25-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

64—136 OI/84

Date : 30-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABA-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3023 Acq.23|1|84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Building at Badeshwar Vistar S. No. 32|2, 33|2 206|2,
206|3 Jamnagar
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the registering officer at
Ahmedabad on 26-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Parmeshwar Oil Mill,
Badeshwar, Jamnagar.

(Transferor)

(2) 1. Shriji Family Trust.
2. Chunilal Tribhovandas Family Trust.
3. Motibhai Majhavji Family Trust.
4. Bhavashwar Family Trust.
5. Krishna Family Trust.
C/o Shri Dinesh G. Tanna,
'Tanna House'
Grain Market,
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Badeshwar Vistar S. No. 32|2, 33|2, 206|2,
206|3 registered vide R. No. 3190 dated 25-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 30-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABA-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3024 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building at T.P.S. 4 F.P. No. 160|1+4 at 12, Good Luck Society Near Dasani Society Maninagar Ahmedabad-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 26-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hiranand Girdharimal Doda
Near Anand Flat,
Bhairavnath Road, Maninagar,
Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) 1. Shri Arjunkumar Harchandrai
2. Smt. Mona Arjunkumar,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building T.P.S. 4 F.P. 166|1+4 at Good Luck Society Near Daxani Society Maninagar Registered vide R. No. 1514 dated 28-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 30-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ishwardas Saidas Uppal,
6/159, Azara Co-op. Maharashtra Housing Board—
Ston—Trambay Road, Bombay-400022.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABA-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1984

Ref. No. P.R. No. 3026 Acq.23/I/84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Land at Manekbag Co-op. Society T.P.S. 21
F.P. 597—Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 25-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) Mrs. Shardaben Virchandbhai Shah,
5, Vidyavihar Society, Usmanpura,
Ahmedabad-13.

(Transferee),

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Vasana Seem T.P.S. 21 F.P. 597 at Mane¹
Co-op. Society Registered vide R. No. 14868/25-10-83.

R. R.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 30-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd June 1984

Ref. No. P.R. No. 3027 Acq.23[J]84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Property at Naroda S. No. 462 paiki 464, 465-466 paiki
Naroda Industrial Township Plot No. 0172 GIDC Estate
Building—Shed—A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 15-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Rajchandra Rice & Pulse Mills,
C/o Shri Dasaradhbhai Natwarlal Patel,
Navi Khadki, Naroda,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Patel Agro & Allied Industries,
Office : Opp. Jain Temple, Gandhi Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of Thirty
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building—shed a 172, G.I.D.C. Estate, Naroda Ahmedabad
registered vide R. No. 13447 dated 15-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 2-6-1984
Seal :

FORM ITNS(1) Shri Narsihbhai Lakhbabhai Patel,
Anand.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLORR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABA-380 009**

Ahmedabad-380009, the 7th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2813 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

TPS 2 F.P. 168|1 Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at Anand on
27-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Sahyog Co-op. Society (Proposed),
C/o Shri Joseph M. Contractor,
Amul Dairy Road, Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T.P.S. 2 FP 168 at Anand adm. 354 sq meters
Document for transfer of property registered with S.R. Anand
under No. 4488 dated 27-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 7-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2814 Acq.23|II/84-85.—Whereas, I,
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. T. P. S. 4 F. P. 316 Anand.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Anand on 21-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shankarlal Maganlal Shelat,
Undi Sheri
Anand.

(Transferor)

(1) Patel Himatbhai Jashbhai
Navrang Society,
Amul Dairy Road,
Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand T. P. S. 4 F. P. 316 adm. 1500 sq. mtr.
Document for transfer of property regd. with S. R. Anand
Under No. 4128 Dt: 21-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue for this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
namely :—

Date : 7-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anilkumar Keshavji Pujari
Nava Bazar, Nr. Rokadnath Mahadev,
Bazar, Vadodara.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlaaben Kanubhai (Hastimal) Jain,
Amdavadi Pole
Kadva Sheri,
Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2815 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 74—15.5 Nagarwada—Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 12-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at Nagarwada S. No. 74 adm. 545 sq. ft. Document for transfer of property read. with S. R. Baroda under No. 7346 Dt: 12-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad the 8th May 1984

Ref No P R No 2816 Acq 23[II]84/85 —Whereas I,
R R SHAH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No

D Tuk No 115 Sayajigang, Baroda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at Baroda in Sept
1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Dhal Opastur Asar
Dahod, Landmanje Block No 54
(Transferor)
(2) Smt Mangala Subhash Sathe
Block No 83,
Road No
Shri Krishnrao Borivali East,
Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at Sayajigang adm 585 sq ft Document for transfer
of property regd with S R Baroda under No 4676 Dt
19-9-1983 read in October, 1983

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Wherefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under subsection
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
63 —136GL/84

Date 8-5-1984
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 780 009.

Ahmedabad, the 9th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2817 Acq 23/H/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 435 Kundal Tal : Kadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Patel Madhabhai Abramram
2. Shokabhai Pitambardas
3. Patel Jagdishbhai
4. Patel Ranebhodhbhai "
5. Patel Purshottamdas "
6. Patel Savitaben
Kundal Tal : Kadi Dist. Mehsana.
(Transferor)

- (2) Sanghvi Associates
2120, Rekha Building
641, Ring Road, Bombay 400 006.
(Transferee)

- (3) Gangsh Corporation,
C/o Manohar Aslaram Nandwanji
Kadi Dist: Mehsana
Patel Mahadevbhai Premibhai
Ranchodhpura Tal:
Kadi Dist: Mehsana
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kundal Tal; Kadi S. No. 435. Document for transfer of property read. with S. R. Kadi under No. 2127 Dt: 13-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1984
Seal :

FORM ITNS

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th May 1984

Ref. No. P. R. No 2818 Acq 23/II/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No 1731 Shivam Appit Athwa Lines—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in Office of the Registering Officer at Surat on 11-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Gop Mulchand Matai
2. Rani Gop Matai
Athwa Lines.
Arogya Nagar,
Surat.

(Transferor)

(2) Arunaben Mukesh Mehta
Sangspa Society,
Rander Road,
Surat.
Shivam Appit Flat No. 103,
Narmad Nagar,
Athwa Lines
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Narmadnagar Athwa Lines Surat. The Document is registered at S. R. Surat vide No 8450 Dt: 11-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-5-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2819 Acq.23/H/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rashmi Aptt. 3rd Floor—Kazim Medan—Surat.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Bhavani Shanker Dolatram Panchal,
at Chanda Vihar Aptt.
Surat.

(Transferor)

(2) Parekh Jayantilal Manilal,
At Rashmi Aptt. 3rd Floor,
Kazimoo Medan Gopipura Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Gopipura Kazimoo Medan Surat adm. 2200 sq. ft. The Document is registered at S. R. Surat Vide No. 9051 Dt: 10-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :

Date : 8-5-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2820 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 61, Village : Anandada Tal: Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ankleshwar on 20-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Zinabhai Chhitabhai
at P. O. Ananda Tal :
Ankleshwar.
(Transferor)
- (2) Damyantiben Jayantilal Bhamwala,
67, Patel Society,
Bharuch.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at village Ananda S. No. 61, adm. 12221 sq. yw. The document is registered at S. R. Ankleshwar vide No. 2540 Dt: 20-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, JANDI COM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD VD-380 009.

Ahmedabad, the 5th May 1984

Ref. No. P. R. No 2821 Acq.23(H)84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S No 264-1 panki village Gadkhola Tal. Ankleswar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleswar on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Kusumben Amaldas Patel
V. K. Ramchhavai Mukund Patel
24, Shantiniketan Socy. Sumul Diary,
Surat

(Transferor)

(2) Kirtubhai Dalsukhbhai Pandya
22, Jai Hind Society,
Near Ram bag Mammagar,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at village Gadkhola bearing S. No. 264-1. Total land is 10784 sq. mtr. The document is registered at S R Ankleswar vide No 2476 and 2491 Dt 5-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 5-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 11th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2822/Acq. 23/H/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Ward No. 1 Nondh No. 435 paiki situated at Nanpura—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Ms. D. A. Construction Co.
Gordhan Vado, Nanpura,
Surat.

(Transferor)

(2) Adi Jitnasp Dantotu,
Ratna Deep First Floor,
Nanpura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situate at Nanpura Nondh No. 435 paiki. The document is registered at S. R. Surat vide No. 8704 Dt: 15-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II,
 2ND FLOOR, HINDI ROOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 11th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2823 Acq.23/H/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- bearing No. S. No. 749 A to D Athwani—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 27-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1 Nitinbhai Ishwarlal Modi
at Atewala Lines Daruwala Bldg.
Surat.
- 2. Ishwarlal Tribhovandas Modi
- 3. Pankaj Ishwarlal Modi
- 4. Kusumben Ishwarlal Modi,
all in Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Firoz Homi Patel
Joli Maker Apt.
Kolabati Bombay.
- 2. Smt. Dil Navaz Firoz Patel
Ajin Joli
Chowpatty

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwani S. No. 749 A to D, 2nd Floor. The document is registered at S. R. Surat vide No. 9819 Dt: 27-10-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDICOMM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 099

Ahmedabad, the 8th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2824 Acq 23/II/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 3267 and 3772/90 Sterling Aptt. Gopipura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-10-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
66—136 GU/84

(1) Smt. Chandaben Manecklal Shah
1402—Sulsha Aptt.
Bombay-6.
Sterling Aptt
3rd Flot.
Bombay-6

(Transferor)

(2) Sudhirkumar Manecklal Shah,
1402 Sulshri Aptt.,
Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property is situated at Gopipura Sterling Aptt. 3rd Floor. The document is registered at S. R. Surat vide No. 10065 Dt : 29-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 11th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2825 Acq.23/H/84-85 — Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 96 situated at Shubhash Nagar Co. op. Hsg. Socy. Plot No. 96 Majura—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Rakaben Dineshbhai Ghia
 V. K. Nilkanth A. Vyas
 Utran Power House Colony,
 Utran
 Surat.

(Transferor)

(2) 1. Jogindar Ashanand Narang
 2. Chranjit Ashanand Narang
 V. K. Ashanand Meghaji Narang
 Majura Gate, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

The property is situated at Majura Subhash Nagar Co. op. Hsg. Socy. The document is registered at S. R. Surat vide No. 7878 Dt: October, 1983.

R. R. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1084
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Jayantilal B. Najk,
10, Green Park Adarsh Society,
Athwa Lines, Surat.
(Transferor)
- (2) Pannaben Upendra Almala
303, Happy Home Aptt. Near Umara
Jakat Naka, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2826 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.P. Scheme No. 51 situated at Athwa Lines Ward No. 13, Final Plot No. 85, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa T.P.S. 5 Ward No. 13 Final Plot No. 85 adm. 600 sq. ft. The document is registered at S.R. Surat vide No. 8440 Dt. 10-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1984
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref. No. P.R. No. 2827 Acq.23[IT]34-85]—Whereas, I,
R. R. SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 503-1-2-7-8 Plot No. 88 situated at Sayajiganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 14-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Nirmalaben Chandubhai Sadarangani
 2, Shree Krishna Krupa,
 Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

(2) Shakhi Engineering Pvt. Ltd.
 99A Mital Chambers,
 Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Stat at Sampatrao Colony, Nilam Aptt., Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 7415 Dt. 14-10-1983.

R. R. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Ahmedabad

Date : 22-5-1984
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS

(1) Shri Ramanbhai Shankarbhai Patel & Ois.
8, Shreyanagar, Subhanputra,
Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mitex Rubber Products,
Opp : Electric Loco Shed
Nava Yard, Chhani Road,
Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDICOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref. No. P.R. No. 2828 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 915 situated at Gorva, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 21-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shed at Gorva No. 915 adm. 3830 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 7562 Dt. 21-10-1983.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref. No. P.R. No. 2829 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 218 C.S. No. 89 Plot No. A-32 Karelbag, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 4-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Govindlal Nagindas Bhavsar,
89, Gandhinagar Socy.
Karelbag, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Manilal Devshi Savla,
C/o Bharat Stores
Opp. Kothi Pole,
Raopura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Bldg. at Gandhinagar Socy. Baroda Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 5704 Dt. 4-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref. No. P.R. No. 2830 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 6 Nondh No. 1951 situated at Mahipura Daliyano Mohalo. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Ranchhbhai Keshavbhai
Mahipura Daliyano Mohalo,
Surat.

(Transferor)

(2) R.T. Aptt. Co. op. Hsg. Socy.
1. Bharatkumar Ratilal Shah
Diwali Bag, Athwa Lines,
Surat.
2. Arvindbhai Dalpatbhai Shah
Neesa Aptt. Gopipura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Mahipura Daliyano Mohalo Nondh No. 1951 adm. 154 sq. yd. The document is regd. at S.R. vide No. 8712 Oct. 83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 22-5-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM II NS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 22nd May 1984

Ref No P.R. No. 2831 Acq.231II/84-85.—Whereas, J.
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Ward No. 2 Nondh No. 1933 Plot No. 2
situated at Sagrampura Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Surat on 21-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of.—

(1) Alihant Corporation
101, Ridhi Sidhi Apt.,
Opp: Gujarat Mitra Press,
Soni Faha, Surat.

(Transferor)

(1) Smt. Dhangauriben Shankarlal
C/2, Block No. 32,
Kailashnagar, Sagrampura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Ward No. 2 Nondh No. 1933
adm. 538 sq. ft. The document is registered at S.R. Surat
vide No. 9568 Dt. 21-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 22-5-1984

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2832 Acq.23/H/84 85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 2663 situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

7—136 GI/84

- (1) 1. Shri Harshakumar Ratilal Shah,
Punjabi Socy.
Pavan Chhakki Road,
Nadiad.
2. Shri Babubhai J. Bhanushali,
Bapaji Nagar,
Pavan Chhakki Road,
Nadiad.

(Transferor)

- (2) Ambuja Park Co. op. Socy. (proposed)
C/o Shri Harish Ambalal,
331, New Cloth Market,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE**THE SCHEDULE**

Land at Nadiad R.S. No. 2663 adm. total 222 sq. mtr. Document for transfer of property registered with S.R. Nadiad under No. 3867 Dt. 13-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 22-5-1984

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2833 Acq.23/II/84-85;—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 2663 situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri Harshakumar Ratilal Shah,
Punjabi Socy.
Pavan Chakki Road,
Nadiad.
2. Shri Rameshchandra Babubhai Banushali,
Bapaji Nagar,
Pavan Chakki Road,
Nadiad.
- (Transferor)
- (2) Ambuja Park Co. op. Socy. (Proposed)
C/o Shri Harish Ambalal,
331, New Cloth Market,
Ahmedabad.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad R.S. No. 2663 adlu. total 222 sq. mtr. Document for transfer of property registered with S.R. Nadiad under No. 3868 Dt. 13-10-1983

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-5-1984
Seal:

FORM ITNS—

(1) T. V. Sangavi on behalf of Sangavi Const.
7, Jagnath Bhuvan V.P. Road,
Mulund Bombay-80.

(Transferor)

(2) Narendra Nandlal Shah
C/o Adarsh Chemicals
Fertilizer Ltd. Udhana,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2834 Acq.23|II|84-85 —Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. Athwa T.P. No. 5 F.P. No. 110 S. No. 2191 situated at Athwa in Guru Darshan Aptt. Flat No. 3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE has been recd. undersigned on 21-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The flat is situated at Athwa Ward in Guru Darshan Aptt. The form No. 37EE has been recd. by undersigned on 21-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, namely :—

Date : 30-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDIOMM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2835 Acq.23[II]84 85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 4 Tika No. 3/1 House No. 1071, 1072 & 1073 Navsari Joshi Mohlo Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Navsari on 19-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mangubhai, Rambhai Patel
Through his P.A. Holder
Kamlesh Mangubhai Patel at
Rambai Mata Pole, Navsari.

(Transferor)

(2) 1. Jayantilal Jivanlal Prajapati
Katra of HUF Jayantilal Jivanlal Prajapati
2. Smt. Vinaben. J. Prajapati
3. Yoveshkumar. J. Prajapati
4. Smt. Reshmaben Y. Prajapati
5. Umakant J. Prajapati
6. Dipakkumar J. Prajapati
at Krishna Socy. Harihar Nivas,
Near Fuvara, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Navsari Ward No. 4 Tika No. 3/1, House No. 1071, 1072 & 1073. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 3582 Dt. 19-10-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 30-5-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Chandrakant Chhotalal Bhatt
Navapura Bhatni Pith
2. Janesh Govindram Bhatt
Amli ram Makubhai munsaf ni sheri
Vagheshwari Mata's Pole,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2836 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S No. 96 situated at Fulpara, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Urmil Co. op. Hsg. Socy.
President :—
Prataprai Ratilal Oza,
Begampura, Choki Sheri,
Surat.
Secretary :—
Jayantilal Tribhovandas
Guru Nagar, Varachha Road,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

The land situated at Fulpara S. No. 96. The document is registered at S.R. Surat vide No. 8349 Dt. 10-10-1983.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 30-5-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th June 1984

Ref. No. P.R. No. 2837 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, J. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.P.S. 2 F.P. 362 situated at Subhanpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Form No. 37EE registered in the office of the undersigned Ahmedabad on 18-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Vidyasagar Maraj
2. Pandit Ishverlal Sharma
C/o Ravidar Kumar Maraj
14, Radhe Niwas,
36th Road, Bandra (W)
Bombay-400 050.

(Transferee)

- (2) Smt. Shantaben Chhotabhai Patel,
11, Tanna Apartment,
Race Course Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at No. 11 of Tana Apartment, Baroda Document for transfer of property (Sale agreement) 37EE received in the office of the undersigned on 18-8-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 4-6-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Bina Mohan Narwani.

(Transferor)

(2) Naraindas Kanayalal Mehta.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th May 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3607/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8, 3rd floor, Sweet Home Co-op. Housing Society, Plot No.442, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 8, 3rd floor, Sweet Home Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 442, Pitamber Lanc, Flat No. 8 Mahim, Bombay 400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/3607/83-84 dated 5-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Veenus Development Corporation
(Transferor)(2) Shri Dhaval Kunverji Chheda.
(Transferee)(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th May 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3644/83-84.—Whereas, I, S. H.,
ABBAS ABIDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. B4 Shalimar Apartments at Tagore Road & ST Road, Santacruz (West), Bombay 400 054

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. B-4, Shalimar Apartments on plot No. 2-A, 2-B, 2-D of TPS No. 11 C.S. No. 6/40 H, H. 46 & H. 48 at Tagore Road and S.T. Road, Santacruz (West), Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/3644/83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bonibay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Dal Vasu Hiranandani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th May 1984

Ref. No AR.II/37EE/3543/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, 'EXOTIQUE' Building, Plot No. 515, 516, 17th Road, Khar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, 'EXOTIQUE' Building, Plot No. 515, 516, 17th Road, Khar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/3543/83-84 dated 3-10-1983.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mr. Satchitanand Nagesh Nadkarni.

(Transferor)

(2) Mr. Nagesh Narain Kini & Mrs. Kitty Nagesh Kini.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th May 1984

Ref. No. AR. II/37E/E/3589/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 1, Mahim Co-operative Housing Society Ltd., Mogul Lane, Mahim, Bombay 400 016,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 1 Mahim Co-operative Housing Society Ltd., Mogul Lane, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37E/E/3589/83-84 dated 5-10-1983.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Navbharat Dev. Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Meenabai G. Saney.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th May 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3637/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 601-B, 6th floor, 'Kalpana Apartments B', Shery Rajan Road, Bandra, Bombay-50
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 601-B, 6th floor, 'Kalpana Apts. 'B', Shery Rajan Road, Bandra, Bombay 400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/3637/83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Parekh Brothers.

(Transferor)

(2) Dr. Rohinton B. Panthaky.

(Transferee)

(3) Transferor & Tranferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th May 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3579/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2, Ground floor, Vrindavan Building, Plot No. 16E, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay 400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Vrindavan Bldg., Plot No. 16E, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/3579/83-84 dated 5-10-1983.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rukmani T. Advani.

(Transferor)

(2) Shri Harmohan Singh S. Gadh.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th May 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3729/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 307, Manju Mahal, B-Block, Chetak Co-operative Housing Society Ltd. 35 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 307, Manju Mahal, B-Block, Chetak Co-operative Housing Society Ltd., 35 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/3729/83-84 dated 14-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1984

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 26th May 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3577/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1 at Navnit Building, 10-A Phirozshan Road, Santacruz (West), Bombay-400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Ramnarain B. Joshi,
Mrs. Indira R. Joshi,
Master Rakesh R. Joshi and
Master Rupesh R. Joshi.

(Transferor)

(2) Mr. Parasmal M. Hingad and
Mr. Mulchand M. Hingad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, at Navnit Building, 10-A Phirozshan Road, Santacruz (West), Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/3577/83-84 dated 5-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayshree Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Ranji Dilip Shiveshwarkar.

Mr. Dilip Swarkanath Shiveshwarkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd June 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3617/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 303, F.P. No. 147, T.P.S. No. V, Vile Parle (E) Malaviya Road, Vile Parle (E) Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303, F.P. No. 147, T.P.S. No. V, Vile Parle (E) Malaviya Road, Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/3617/83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date : 2-6-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Dattaram A. Saroff.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kishindevi S. Sachdev.
Shri Mukesh Sangram Sachdev.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 25th May 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3620/83-84.—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6, Gym-View Co-operative Housing Society Ltd., 16th Road, Khar, Bombay-400 052. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Gym-View Co-operative Housing Society Ltd., 16th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/3620/83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 25-5-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Suhail Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Wintred FeitaO

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY**

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR. II/37EE/3555/83-84—Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, 'Samrat' Building, 180 Perni Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
69—136 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 202, 2nd floor, 'Samrat' Building, 180 Perni Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/3555/83-84 dated 3-10-1983

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 4-6-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. ARI/37EE/1233/83-84.—Whereas, I, B. G.

AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 13, 2nd floor, 'Shirin' Daulat-Shirin Co-operative Housing Society Ltd., 31-D, Colaba Road, Bombay-400 005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Robert Fernandes
Mrs Phyllis Fernandes

(Transferor)

(2) Mrs Darshana S. Kirpalani

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 2nd floor, 'Shirin' Daulat-Shirin Cooperative Housing Society Ltd., 31-D, Colaba Road, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-1/1307/83-34 dated 29-10-83

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to following persons, namely :—

Date : 11-6-1984
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shree Laxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Daulatram Chhabria

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1124|83-84.—Whereas, I,
B. G. AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 902, 9th floor, 'Shri Ramakrishna Sadan' Plot No. 63, Scheme No. 52, Off Worli Hill, Near Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 902, 9th floor, 'Shri Ramakrishna Sadan' plot No. 63, Scheme No. 52, Off Worli Hill, Near Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-18.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|1241|83-84 dated 5-10-1983

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1984.
Seal :

FORM ITNS— ——

(1) Shri Yahya Abbas Fidvi,
Prop. of Print Shop

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR-I|37EE|951|83-84.—Whereas, I,

B. G. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gala No 206, 2nd floor, Regal Udyog Bhavan, Sewree (E) Bombay-15,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

THE SCHEDULE

Gala No 206, 2nd floor, Regal Udyog Bhavan, Sewree (E) Bombay-400 015

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|934|83-84 dated 6-10-1983

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1984
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Champaklal Chimansal Shah (Transferor)
 (2) 1. Mahendra Damji Shah.
 2. Mukesh Damji Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.I|37EE|83-84.—Whereas, I,
B. G. AGARWAL,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. B-16, Sarvodaya Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,
1st Panjrapole Lane, Bombay-400 004.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred
and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority
at Bombay on 29-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. B-16, Sarvodaya Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,
1st Panjrapole Lane, Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I 1301|83-84 dated 29-10-1983.

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1984.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shantilal & Bhansali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Jayant Textiles
Partner Mr. Rashmikant H. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

Ref. No. AR.I|37EE|1085|83-84.—Whereas, I,
B. G. AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
Unit No. 248, 2nd floor in Kewal Industrial Estate, 'B'
Building Senapati Bapat Marg, Bombay-400 013.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
the office of the Competent Authority at
Bombay on 3-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 248, 2nd floor, in Kewal Industrial Estate 'B'
Building, Senapati Bapat Marg, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR.I|1042|83-84 dated
3-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, the following
persons, namely :—

Date : 8-6-1984

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. R. R. Industries

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Leathers Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR-I[37EE]1069|83-84.—Whereas, I,

B. G. AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 15 on the ground floor, 'Creative Industrial Centre' Plot No. 12, C. S. No. 72 pf N. M. Joshi Marg, Off Lower Parel, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 15, Ground floor, 'Creative Industrial Centre' plot No. 12, N. M. Joshi Marg, Off Lower Parel, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I[1066]83-84 dated 3-10-1983.

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1984.
Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1007|83-84.—Whereas, I,
B. G. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 131, 13th floor and Garage No. 30 in the basement, 'Pushpak Apartments', 31, Altamount Road, Bombay-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Vijaya Harakchand Desai (Transferor)
(2) Smt. Pushpa Dinesh Sheth. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 131, 13th floor and Garage No. 30 in the basement, 'Pushpak Apartments', 31, Altamount Road, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-I|943|83-84 dated 10-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1984.
Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hukum Singh Gokhla

(Transferor)

(2) Shri Niranjan Singh Ajwani

(3) Transferor.

(Transferee)
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersignedOFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|1149|83-84.—Whereas, I,
B. G. AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Room No. 207, 2nd floor, Himalaya House, 78 Palton Road,
Bombay-400 001.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
and the agreement is registered under Section 269AB
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 14-10-1983.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the re-
spective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official GazetteEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Room No. 207, 2nd floor, Himalaya House, 79, Palton
Road, Bombay-400 001.The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-I|1082|83-84 dated
14-10-1983

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-
Acquisition Range
Bom

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
70—136GI'84

Date : 12-6-1984.

Seal .

FORM ITNS

(1) Narayan Sadashiv Nandraonkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR-I|37FF|1234|83-84—Whereas, I,
B. G. AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Unit No. 27, Ground floor, Hind Rajasthan Industrial Estate, Wadala Udyog Bhavan, Naigam Cross Road, Wadala, Bombay-31

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 27, Ground floor, Hind Rajasthan Industrial Estate, Wadala Udyog Bhavan, Naigam Cross Road, Wadala, Bombay-31.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-I|938|83-84 dated 10-10-1983.

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-6-1984
Seal

FORM ITNS

(1) Mr. Khusaldas Chunilal Dani

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Bhagwati Devi Sharma
 2. Mr. Shrikrishna Kanabihalal Sharma
 3. Mr. Rajendra Shrikrishna Sharma
 4. Mr. Ashok Shrikrishna Sharma

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I
 BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR-I|37EE|83-84.—Whereas, I,

B. G. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 67, A-1, Co-op. Housing Society Ltd., 270, Walkeshwar Road, Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 67, 6th floor, A-1 Co-op. Housing Socy. Ltd., 270, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|861|83-84 dated 1-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. G. AGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1984
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY.

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1117|83-84.—Whereas, I,
B. G. AGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 63, 6th floor, Vallabh, 87, Bhulabhai Desai
Road, Bombay-400 036. V. K. Natha Co-op. Housing Soc.
Ltd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 13-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) Dr. (Mr) Lal D Jagtiani
Dr. (Mrs) Sushila L Jagtiani
(Transferor)
- (2) Mrs. Neelam Moti Gulrajani
Mr. Anil Moti Gulrajani
Miss. Anjula Moti Gulrajani
(Transferee)
- (3) Mr. Anil M Gulrajani
(Person in occupation of the property)
- (4) Mrs. Neelam Moti Gulrajani
Miss. Anjula Moti Gulrajani
(Person whom the undersigned to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 63, 6th floor, Vallabh, V. K. Natha Co-op. Housing Soc. Ltd., 87, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.I|1134|83-84 dated 13-10-1983.

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-6-1984

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Ref. No. AR-1371-I/83-84—Whcra., I.
B. G. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Unit No. 323, 3rd floor, T. V. Industrial Estate, Plot No. 248(A) Sudam Kalu Ahre Marg, Worli Scheme-52, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. M. J. Patel HUI

(Transferor)

(2) 1. Capt. P. S. Suklikar

2. Capt. M. B. Aigaonkar

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 323, 3rd floor, T. V. Industrial Estate, Plot No. 248(A) Sudam Kalu Ahre Marg, Worli Scheme-52, Bombay-18.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I-1102/83-84 dated 14-10-1983.

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-6-1984
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) M/s. Tata Tea Ltd.
1, Bishop Lefroy Road
Calcutta 700 020

(Transferor)

(2) M/s. Tea King (India) Ltd.
67A, Ballygunge Circular Road
Calcutta 700 019.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta the 21st May 1984

Ref. No. AC-6[R-IV]CAL/84-85.—Whereas, J.
SANKAR K. BANERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. more situated at Jalpaiguri
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registrar of Office
at Calcutta on 11-10-81
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land : 1514.10 acres land with building etc.
Address : Kumla Tea Estate, Jalpaiguri.
Deed No. : 10647 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 21-5-1984

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
DECEMBER 1984

New Delhi, the 7th July, 1984

No. F.7[2]84-EI(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 27th December, 1984 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 74th Course commencing from July 1985.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION :—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati) Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE

COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME, TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 27th November, 1984, will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :—

(a) **Nationality** :—A candidate must be either :—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) **Age limits, sex and marital status** :—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1967 and not later than 1st July, 1969 are only eligible.

NOTE :—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) **Educational Qualifications** :—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised University or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or equivalent examination of the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who qualify in the 10th Standard will be required to submit Matriculation and/or Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022 by 5th July, 1985 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies/photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending the date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rupees twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.

they are studying in the Military School (formerly known as King George's School)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and

(iii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School, with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

NOTE:—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 5(2) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should however, satisfy themselves that student of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

6 HOW TO APPLY:—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, December, 1984 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—

(i) By Post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO.

(ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.

(iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters/Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form (e.g. 1, 2, 3, etc.). Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

NOTE :—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have duly been recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School), Dehra Dun, student of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 3rd September, 1984 (17th September, 1984 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 3rd September, 1984 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence, to show that he was residing in Assam, 11-136GI'84

Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 3rd September, 1984.

NOTE (i) :—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii) :—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION :—

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates] through crossed Indian Postal orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE :—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of the India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account Head "051. Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of Age :—

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporations, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation|Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificates does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested|certified copies of the Matriculation|Higher Secondary Examination Certificate, an attested|certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation|Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE I:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY TWO ATTESTED|CERTIFIED COPIES OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION|HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Attested|certified copy of certificate of educational qualification* :—

A candidate must submit two attested|certified copies of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If attested|certified copies of such a certificate are not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

(iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled

(v) Two identical copies of passport size (5 cms x 7 cms approx.) photographs of the candidates duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms X 27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes|Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of a candidates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribes.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

(i) An attested|certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in position to pay the prescribed fee.

(ii) An attested|certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person repatriate :—

(a) Displaced person from erstwhile East Pakistan :—

(i) Camp Commandant of the Transit Centre of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate incharge of refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his Charge.

OR

(v) Deputy|Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) Repatriate from Sri Lanka :—

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriate from Burma* :—

Embassy of India Rangoon or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

(d) *Displaced person from erstwhile West Pakistan* :—

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

- (iv) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

OR

NOTE : Candidates are required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

9. REFUND OF FEE :—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

(i) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) [Rs. 4/- (Rupees four) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) in the case of candidate belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in December, 1983 or May, 1984 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination December, 1984 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th February, 1985.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION :—

Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not *ipso facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. RESULT OF APPLICATION :—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION :—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT :—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or

(xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF :—Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rtg 6 (SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATION :—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity by the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS A.G.'S BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING I, RAMAKRISHNA PURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION :—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ AG's Branch Rtg. 6(SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by the Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES :—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidate who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain

in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of Merit upto the number of vacancies available from the order of merit lists for the Army and Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one 1st, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect the admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE :—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY :—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of Indian Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The manual is also obtainable from the agents for the Govt. of India Publications at various mofussil towns.

M. BALAKRISHNAN,
Deputy Secy.

APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

Subject	Duration	Max. Marks
1. English . . .	2 hours	250
2. Mathematics—Paper I . . . Paper II . . .	2 hours 2 hours	125 125
3. General Knowledge— Paper I (Science) . . . Paper II (Social Studies, Geography and Current Events) . . .	2 hours 2 hours	200 200
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). 

should not, therefore, bring the same inside the examination hall.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman-like use of words. The syllabus covers various aspects like Grammar and usage, vocabulary, comprehension and cohesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

MATHEMATICS

PAPER I

Arithmetic

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers, Fundamental operation—addition subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation

Elementary Number Theory, Division algorithm, Prime and composite numbers, Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors, Factorisation Theorem, H.C.F and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables,

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknown analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation, Rational expression and conditional identities. Law of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$

Value of sin X, cos x and tan x, for x=0°, 30°, 45°, 60° and 90°

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

PAPER II

Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangent and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Area of figures which can be split up into these (Field Book). Surface area and volume of cuboids, general surface and volume of right circular cones and cylinders, surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following—

(A) **Physical Properties and States of Matter**, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion, Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound waves and their properties, Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors Ohm's Law, Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and Reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap, Glass Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun-Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life—Cells Protoplasma and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

PAPER II

SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World. United Nations Panchsheel. Democracy. Socialism and Communism. Role of India in the Present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth. Rocks and their classification; Weathering Mechanical and Chemical, Earthquakes, and Volcanoes

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure, Planetary winds, cyclones and Anti-cyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate. Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE : Out of the maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interest in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE :—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW :—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit temporary unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

(a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability wh

is likely to interfere with the efficient performance of duties.

- (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects of under-weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable heights will be 5 cms. less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

HEIGHT|WEIGHT STANDARDS

Height in Centimetres (without shoes)	weight in Kgs.		
	15—16 years	16—17 years	17—18 years
152 . . .	41.0	42.5	44.0
155 . . .	42.0	43.5	45.3
157 . . .	43.0	45.0	47.0
160 . . .	45.0	46.5	48.0
162 . . .	46.5	48.0	50.0
165 . . .	48.0	50.0	52.0
167 . . .	49.0	51.0	53.0
170 . . .	51.0	52.5	55.0
173 . . .	52.5	54.5	57.0
175 . . .	54.5	56.0	59.0
178 . . .	56.0	58.0	61.0
180 . . .	58.5	60.0	63.0
183 . . .	61.0	62.5	65.0

A $\pm 10\%$ (± 6 Kgs. for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

NOTE 1:—Height relaxation upto 2.5 cm. (3 cm for Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.

NOTE 2:—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under :—

	Minimum	Maximum
Leg Length	99.00	120.00 cms
Thigh Length		64.00 cms
Sitting Height	81.50	96.00 cms

On account of lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of his training in NDA.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape adjusted that its lower edge should touch the

nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.

- (e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-ray of spine of candidates will not be carried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated. Minor congenital defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

For Air Force

Spinal Conditions

- (f) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties:

(i) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint either with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life.

(ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition.

- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape, local tenderness if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only, X-ray of lumbosacral vertebrae (AP and Lateral views), is to be carried out.

- (h) Mild Kyphosis or Lordosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement, will not preclude acceptance.

- (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality or spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examine referred for specialist's advice.

- (j) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force :

(i) Granulomatous disease of spine.

(ii) Arthritis|spondylosis.

(iii) Scoliosis more than 15° as measured by Cobb's Method.

(iv) More than mild Kyphosis|Lordosis.

(v) Spondylolisthesis|Spondylolysis.

(vi) Herniated nucleus pulposus.

(vii) Compression fracture of Vertebra.

(viii) Scheurman's Disease.

(ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Circulatory deficit.

(x) Any other spinal abnormality, if so considered by the Specialist.

- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.

- (l) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

Audometric test will be done for AF.

Audometric loss should not exceed + 10db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz.

(m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.

(n) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.

(o) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.

(p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.

(q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.

(r) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.

(s) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses. (For Navy 6/6; 6/9 without glasses and Air Force without glasses only). Myopia, should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenital night blindness.

Vision standard for Naval candidates

Distant vision 6/6 6/9 Correctable to

6/6

Near vision N-3 each eye

Colour vision CPI by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod

test must not exceed :-

(i) at 6 metre Exophoria 8 prism dioptres

Esophoria 8 " "

Hyperphoria 1 " "

(ii) at 30 cm Exophoria 16 " "

Esophoria 6 " "

Hyperphoria 1 " "

For Air Force, the criteria are :-

Distant Vision	6/6 6/9 correctable to 6/6
Near Vision	N-3 each eye
Colour Vision	CPI (MLT)
Manifest Hypermetropia	must not exceed 2.00
Myopia	Nil
Astigmatism	+0.75 D cyl.
Ocular Muscle Balance	

Heterophoria with the Maddox Rod most not exceed—

(i) at 6 metres Exophoria 6 prism dioptres
Esophoria 6 prism dioptres
Hyper/Hypophoria 1 prism dioptres.

(ii) at 33 cm Exophoria 16 prism dioptres
Esophoria 6 prism dioptres
Hyper/Hyperphoria 1 prism dioptres.

(iii) Binocular Vision Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis) with good amplitude and depth).

(t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.

(u) Routine ECG and EEG for Air Force candidates must be within normal limits.

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign.—

(a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 75.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardians is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 75.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 80.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 90.00 p.m. for further specialist training in Army/

Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit and application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 75.00 per month	Rs. 375.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 650.00
(c) Incidental Expenditure during I Semester	Rs. 150.00
Total	Rs. 1175.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 75.00 per month	Rs. 375.00
(b) For items of clothing and equipment approximately	Rs. 475.00

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:

(1) **PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.**—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishment subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parents' income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.**—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

(3) **KUAR SINGH MEMORIAL Scholarship.**—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensum tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence

Academy Khadakwasla and thereafter at the Indian Military Academy Dehra Dun and the Air Force Flying College; and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.

(4) **ASSAM GOVERNMENT Scholarship.**—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensum and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) **UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) **KERALA GOVERNMENT Scholarships.**—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Salnik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) **BIHARI LAL MANDAKINI Prize.**—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) **ORISSA GOVERNMENT Scholarships.**—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) **WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.**—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

(a) **Category 1.**—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.

(10) Category 2.—The scholarship of a lump-sum-grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.

(12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of TAMIL NADU whose parents/guardians monthly income does not exceed Rs. 500/- The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School, Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The value of the scholarship shall be Rs. 480/- (rupees four hundred and eighty) each per annum.

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School, Bijapur/RIM College, Dehra Dun have been awarded.

(14) ALBERT EKKA Scholarship.—The Government of Bihar has instituted at NDA 25 Merit Scholarship at Rs. 50/- per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650/- one time towards clothing and equipment. The cadet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or financial assistance from the Government. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411023).

3. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

Training

6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./B.A. degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.

7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadets to EFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning Officer capable of leading infantry Sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/I.t. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months' on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(I) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut.	750—790	Lt. Colonel (time scale)	1900 fixed
Lieut	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Major	2500—125/2
Major (Selection Grade)	1800—50—1900	General	—2750
Lt. Colonel by selection	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.
Lt. Col. (Selection Grade Pay)	2000—50—2100	Lt. General (Army Commander)	3250 p.m.

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :—

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75/- p.m.
- (c) Expatiation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance.—Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.
- (e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 2100/- A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.
- (f) Free rations are provided up to the level of Colonel in the Army.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

(i) By Time Scale	Minimum Service Limit
Lt.	2 years of commissioned service
Captain	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service
Lt. Col. from Major if not promoted by selection	25 years of commissioned service

(ii) By Selection

Lt. Col.	16 years of commissioned service
Col.	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service
Major Gen.	25 years of commissioned service
Lt. Gen.	28 years of commissioned service
Gen.	No restriction.

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :—

Captain	3 years
Major	6 years
Lt. Colonel	6½ years
Col.	8½ years
Brigadier	12 years
Maj. General	20 years
Lt. General	25 years

12. NAVAL OFFICERS

(I) PAY

Rank	Pay Scales	
	General service	Naval Aviation and Submarine
Midshipman	Rs. 560/-	Rs. 560/-
Ag. Sub. Lieut.	750/-	825/-
Sub. Lieut.	830—870	910—950
Lieut.	1100—1450	1200—1550
Lieut.-Cdr.	1450—1800	1450—1800
Cdr.	1750—1950	1750—1950
Captain	1950—2400	1950—2400 Commodore receives pay to which entitled according to Seniority as Captain.
Rear Admiral	2500—125/2—2750	
Vice-Admiral	3000/- p.m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them. Flying Navigator Instructor categories A & B are authorised to qualification pay of Rs. 100/- and Rs. 70/- p.m. respectively.

(ii) ALLOWANCES

- (a) Compensatory (City) Allowance and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 75/- p.m.
- (c) Expatriation Allowance when serving ashore ex-India or afloat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates vary from Rs. 50/- p.m. to Rs. 250/- p.m. depending on ranks.
- (d) Separation Allowance at the Rate of Rs. 140/- p.m. to married officers serving afloat during the period their ship is away from its base port.
- (e) Outfit Allowance at Rs. 2400/- on first Commissioning and Renewal Outfit Allowance of Rs. 2100/- after every seven years of effective service.
- (f) Free rations are provided upto the level of Captain in the Navy.

Naval Aviation officers are entitled to Flying Pay at monthly rates and under the conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

In addition to above, Naval Officers are also entitled to certain special concessions; like hardlying money, submarine allowance, submarine pay, diving pay and survey bounty on fulfilment of certain conditions attached to each.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Seniority

Sub. Lt.	1 year
	3 years (subject to gain forfeiture of seniority)
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt. Cdr.
Cdr.	24 years commissioned service (if not promoted by selection)

By Selection

Cmdr Executive Branch	2-8 years of seniority as Lt Cdr.
Cmdr Engineering Branch	2-10 years seniority as Lt Cdr.
Cmdr Electrical Branch	2-10. years seniority as Lt. Cdr.
Capt	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction
Vice Admiral	No restriction

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICER

(i) PAY

Rank	Pay Scale
Plt. Offr.	Rs. 825-865
Fg. Offr.	910-1030
F t. Ltd.	1300-1550
Sqn. Ldr.	1650-1800
Wg. Cdr. (Selection)	1750-1950
Wg. Cdr. (Time Scale)	1900 (fixed)
Gp. Capt.	1950-2175
Air Cdr.	2200-2400
Air Vice-Marshals	2500-2750
Air Marshal	3000
Air Marshal (VCAS and AOSC-in-C)	3250
Air Chief Marshal (CAS)	4000

(ii) ALLOWANCES

(a) Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rate :—

	Rs
Plt. Offr. to Wg. Cdr.	750.00 p.m
Gp. Capt. and Air Cdr.	666.00 p.m
Air Vice Marhsal & above	600.00 p.m

(b) Qualification Pay/Grant—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualification at the rate given below :—

	Rs
Qualification pay	Rs 100 p.m or Rs 70 p.m
Qualification Grants	Rs 6000/- or Rs 4500/- or Rs 2400/- or Rs 1,600/-

(c) Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 75/- p.m.

(d) Expatriation Allowance—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

(e) Separation Allowance—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

(f) Outfit Allowance—Rs. 2100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess : Rs. 1800/- for renewal after every seven years.

(g) Free rations are provided upto the level of Gr. Captain in the Air Force.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

By Time Scale

Flying Officer	1 year commissioned service
Flt. Lt.	5 years commissioned service
Sqn. Ldr.	11 years commissioned service
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

By Selection

Wg. Cdr.	16 years reckonable total commissioned service.
Gp. Capt.	22 years reckonable total commissioned service.
Air Cmdr.	24 years reckonable total commissioned service.
Air Vice-Marshal	26 years reckonable total commissioned service.
Air Marshal	28 years reckonable total commissioned service.

(5) Acting Promotion

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers:—

Flt. Lt.	2 years
Sqn. Ldr.	5 years
Wg. Cdr.	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp. Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr.	11½ years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain)
Air Vice-Marshal	15 years (After service of 5, *years in the ranks of Wg. Cdr., Gp. Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal	23 years

*Inclusive of broken period

14. RETIRING BENEFITS

Pension gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The forms of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri..... son of..... of village|town* in District|Division* of the State|Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste|Scheduled Tribe* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders, (Amendment) Act, 1976.]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri and*or his family ordinarily reside(s) in village*|town

of District*|Division of the State

Union Territory* of

State

Union Territory*

Place.....

Date.....

Signature

**Designation

(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "Ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribes Certificate.

(i) District Magistrate|Additional District Magistrate|Collector|Deputy Commissioner|Additional Deputy Commissioner|Deputy Collector|1st Class Stipendiary Magistrate|City Magistrate|†Sub-Divisional Magistrate|†Taluka Magistrate|Executive Magistrate|Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate|Additional Chief Presidency Magistrate|Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

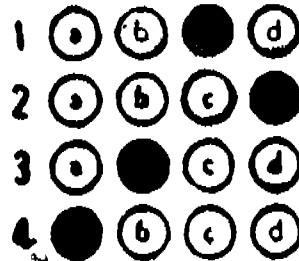
(v) Administrator|Secretary to Administrator|Development Officer, Lakshadweep.

then the best answer. (See "sample items" at the end. In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.

2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.

2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator|Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you alongwith your Admission Certificates.

APPENDIX V

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,.....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d, your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Following the instructions given by the Supervisor. When, the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer Sheet at the end of the tests.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note :—*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- (b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary- Synonyms)

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:-

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H_3VO_4 is

- (a) VO_3
- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- *(d) V_2O_5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $3C$
- (b) C
- *(c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is :

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{dy}{dx} = \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

(a) $y = ax + b$

(b) $y = ax$

(c) $y = ae^x + be^{-x}$

(d) $y = ae^{kx}$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperature $400^\circ K$ and $300^\circ K$, its efficiency is

(a) $3/4$

(b) $(4-3)/4$

(c) $4/(3+4)$

(d) $3/(3+4)$

10. (Statistics)

The mean of binomial variation is 3. The variance can be

(a) 42

(b) 3

(c) α

(d) -3

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

(a) it has vast deposits of mineral resources

(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma

(c) it has excellent forest resources

(d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

(a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism

(b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion

(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial rite was relegated to the background

(d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

(a) Buddhism, Nyāya Cārvāka, Mimamsa

(b) Nyāya Vaishesika Jainism and Buddhism Cārvāka

(c) Alivāta, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga

(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimamsa, Cārvāka

14. (Political Science)

Functional representation means

(a) election of representatives of the legislature on the basis of vocation

(b) pleading the cause of a group or a professional association

(c) election of representatives in vocational organizations

(d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

(a) increase in the new assigned to the goal

(b) reduction of the drive state

(c) instrumental learning

(d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India

one of the following :—

(a) formal representation of women in village government weaker section

(b) Untouchability has decreased

(c) Land-ownership has spread to deprived

(d) education has spread to the masses

Note.—Candidate should note that the above said questions have been given merely to help examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.

